Machine Translated by Google

12

जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बिल क्लिंटन और अल गोर का पुनर्जन्म मामला; यहाँ ज़ेनोग्लॉसी घटना है

मैं क्रांति के केवल कुछ ही मामले प्रस्तुत करूंगा

अमेरिका शायद दिलचस्प होगा. इन मामलों की अधिक गहन चर्चा रिटर्न ऑफ़ रिवोल्यूशनरीज़ में पाई जा सकती है।

चूंकि जॉर्ज डब्ल्यू बुश संयुक्त राज्य अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति हैं, इसलिए उनके मामले पर अधिक विस्तार से चर्चा की जाएगी। हालाँकि जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बिल क्लिंटन और अल गोर के सभी मामलों की पुष्टि केविन रायर्सन के गुरु, अहतुन रे द्वारा की गई है, लेकिन वे सभी शुरू में सहज मार्गदर्शन के माध्यम से सामने आए थे। इस बिंदु पर, मैं एक उदाहरण प्रस्तुत करना चाहता हूं कि सहज ज्ञान युक्त मार्गदर्शिकाएँ कितनी उपयोगी हो सकती हैं।

इस उदाहरण में, ज़ेनोग्लॉसी का एक मामला, जिसमें एक व्यक्ति ऐसी भाषा बोल सकता है जो उसने पहले नहीं सीखी है, सहज आध्यात्मिक मार्गदर्शन के माध्यम से खोजा गया है।

इस कहानी में मेरा सबसे अच्छा दोस्त, इगोर शॉकेटमैन शामिल है, जो एक रूसी पियानोवादक है, मेरी मुलाकात सैन फ्रांसिस्को में हुई थी। जॉन एडम्स के रूप में अपने पिछले जीवन पर शोध के आरंभ में, शारीरिक उपस्थिति, व्यक्तित्व लक्षणों और रुचियों में समानता के आधार पर, मैं एक परिकल्पना पर पहुंचा कि इगोर जॉन एडम्स को ज्ञात फ्रांसीसी अदालत का सदस्य था। फिर, अहतुन रे ने इगोर और फ्रांसीसी की पहचान की पुष्टि की। हालाँकि, मैंने यह पहचान गुप्त रखी क्योंकि इगोर नास्तिक था। अतीत में, जब भी मैंने इगोर को पुनर्जन्म के सिद्धांतों के बारे में बताया, मुझे लगा कि वह मुझ पर हंस रहा था और किसी बात पर विश्वास नहीं कर रहा था।

Machine Translated by Google

कोई भी शब्द। इस वजह से, मैंने उनसे पुनर्जन्म के बारे में चर्चा न करना सीख लिया।

एक रात, मैं इगोर की रसोई में उसके और इगोर की प्रेमिका होली के साथ बैठा था। होली और इगोर छह महीने से एक साथ हैं।
इगोर अक्सर होली के बारे में बात करता है, लेकिन मैं उसे अक्सर नहीं देख पाता, क्योंकि वह एक अलग शहर, सिएटल में रहता है, जहां वह गणित में मास्टर डिग्री के लिए अध्ययन कर रहा है। जब मैं इगोर की रसोई में बैठा था, अचानक, कहीं से, मुझे एक मजबूत अंतर्ज्ञान, एक टेलीपैथिक संदेश मिला। मेरे अंदर से एक आवाज आई, "उन्हें अभी बताओ, उन्हें अभी बताओ।" इससे मुझे आश्चर्य हुआ, क्योंकि मैं अक्सर ऐसे कड़े शब्दों के रूप में संदेश सुनने का आदी नहीं हूं। दरअसल, ऐसा लग रहा था कि संदेश मेरे बाहर से आ रहा है।

मुझे तुरंत एहसास हुआ कि आवाज इगोर के बारे में पिछली जानकारी का जिक्र कर रही थी, लेकिन मैं इगोर की पिछली पहचान का खुलासा नहीं करने पर अड़ा रहा। मैंने आंतरिक आवाज या मार्गदर्शक आत्मा के साथ बहस करने की भी कोशिश की, जो भी हो, और मैंने चुपचाप सोचा, आवाज से प्रतिक्रिया सुनने की उम्मीद करते हुए, "मैं आपको एक फ्रांसीसी के रूप में इगोर के पिछले जीवन के बारे में क्यों बताऊं?"

सबसे पहले, इगोर इस पर कभी विश्वास नहीं करेगा। दूसरा, मैं उसे एक साल पहले बता सकता था, अब मैं उसे क्यों बताऊं?”

मेरे मन में उठे सवालों का कोई जवाब नहीं मिला.
हालाँकि पहले तो मैं अनिच्छुक था, फिर भी मैंने सोचा कि यह घटना, पहले टेलीपैथिक संदेश के साथ, इतनी अजीब और शक्तिशाली थी कि मुझे इसे नज़रअंदाज नहीं करना चाहिए था।

इसे ध्यान में रखते हुए, मैंने इगोर और होली से ज़ोर से कहा, "इगोर, क्या तुम्हें जॉन एडम्स के संबंध में मेरे द्वारा किए गए पुनर्जन्म अनुसंधान के बारे में याद है? ठीक है, मेरा मानना है कि अमेरिकी क्रांति के दौरान, आप एक फ्रांसीसी व्यक्ति थे जिसे जॉन एडम्स जानते थे और जब एडम्स राज्य सचिव के रूप में पेरिस में थे, तब उन्होंने आपके साथ काम किया था।" इस बिंदु पर, मुझे उम्मीद थी कि इगोर इस जानकारी पर जोर से हंसेंगे, लेकिन इसके बजाय, क्या घटित

Machine Translated by Google

अगले ने वास्तव में मुझे प्रभावित किया। होली, इगोर की प्रेमिका ने कहा, "यह वास्तव में अजीब है, क्योंकि अपनी नींद में इगोर फ्रेंच में बात करता है!"

इगोर ने बाद में स्वीकार किया कि यह सच था; उन्हें कई बार बताया गया था कि वह नींद में फ्रेंच भाषा बोलते हैं, हालाँकि जब वह जागते थे तो वह फ्रेंच नहीं बोल पाते थे। इगोर रूसी हैं और उन्होंने कभी फ्रेंच भाषा का अध्ययन नहीं किया है। पुनर्जन्म अनुसंधान में, ऐसी भाषा में बोलने की घटना जिसका पहले कभी अध्ययन नहीं किया गया है, "ज़ेनोग्लॉसी" कहलाती है। ज़ेनोग्लॉसी एक बहुत ही दुर्लभ घटना है जिसके बारे में माना जाता है कि यह पिछले जीवन के ज्ञान को वर्तमान अवतार में प्रवाहित करता है। याद करें कि रेखाचित्र दिखाते हैं कि कैसे पीटर टेकैम्प कम उम्र में गौगुइन के कलात्मक विकास को फिर से बनाने में सक्षम थे। कोई ज़ेनोग्लॉसी की कल्पना कर सकता है

एक ऐसी ही घटना के रूप में, जिसमें किसी भाषा का ज्ञान पिछले जन्मों से अनजाने में प्राप्त किया जाता है। इगोर के मामले में, वह ज़ेनोग्लॉसी का एक प्रकार प्रदर्शित करता है, जिसमें वह फ्रेंच बोल सकता है, एक ऐसी भाषा जो उसने कभी नहीं सीखी है, लेकिन केवल अपनी नींद की अवस्था में।

ज़ेनोग्लॉसी की दुर्लभता को देखते हुए, इगोर की रसोई में हुई घटना ने यह साबित करने में मदद की कि मैं अपनी परिकल्पना में सही रास्ते पर था कि इगोर एक फ्रांसीसी व्यक्ति था जिसे जॉन एडम्स जानता था। मुझे यह भी एहसास हुआ कि अंतर्ज्ञान, या टेलीपैथिक संदेश, जिसने मुझे होली की उपस्थिति में फ्रांस के पिछले जीवन के बारे में इस जानकारी पर चर्चा करने के लिए प्रेरित किया, वह इतनी उपयुक्त थी कि वह ही थी जो यह बताएगी कि इगोर अपनी नींद में फ्रेंच बोल रहा था, क्योंकि मुझे इस पर विश्वास नहीं था। इस तरह की चीज़ों के बारे में अपने संशयपूर्ण दृष्टिकोण को देखते हुए, इगोर ने स्वयं मुझे यह जानकारी प्रदान करने के लिए स्वेच्छा से काम किया।

उसी तरह, बुश, क्लिंटन और गोर से जुड़े पुनर्जन्म के मामलों को सहज मार्गदर्शन के माध्यम से हल किया जा सकता है।
2000 या उसके आसपास, केविन रायर्सन से मिलने से पहले, मैं एक क्रांतिकारी के रूप में जॉन हेगेलिन के लिए किए गए मैच पर विचार कर रहा था।

Machine Translated by Google

अमेरिका, जेम्स ओटिस। महर्षि महेश योगी के अनुयायी हेगेलिन, महर्षि महेश योगी द्वारा समर्थित संगठन नेचुरल लॉ पार्टी के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। मैंने मन में सोचा, यदि जेम्स ओटिस का पुनर्जन्म हुआ और वह राष्ट्रपति पद के लिए दौड़े, तो शायद अन्य अमेरिकी क्रांतिकारियों का भी पुनर्जन्म हुआ और वे भी राजनीति में सक्रिय हुए।

जैसे ही मैंने इस संभावना पर विचार किया, एक अप्रत्याशित सुराग आया बिल क्लिंटन के संबंध में मेरे मन में, "रैंडोल्फ़्स में खोजें"। मुझे एहसास हुआ कि सहज आवाज थॉमस जेफरसन के पूर्वजों, वर्जीनिया के रैंडोल्फ परिवार को संदर्भित करती है।

मैंने तुरंत अपने कंप्यूटर पर एक विश्वकोश की खोज की और पीटन रैंडोल्फ को पाया, जो दिखने और व्यक्तित्व में बिल क्लिंटन से मेल खाता था।

पीटन की नाक की नोक का आकार भी गेंद जैसा है जो क्लिंटन की पहचान है।

जब मैं जॉर्ज डब्लू. बुश और अल गोर के बारे में सोचता हूं, तो मुझे जॉर्ज वाशिंगटन और उनके जनरलों के बारे में एक हरी किताब देखने के लिए एक बहुत ही विशिष्ट सहज मार्गदर्शन मिलता है जिसे मैंने शेल्फ पर रखा है।
जैसे ही मैंने किताब पढ़ी, मुझे तुरंत पता चला कि बुश की डैनियल मॉर्गन से काफी समानताएं थीं, जिन्होंने कॉन्टिनेंटल रेंजर्स का नेतृत्व किया था, जो पैट्रियट सेना के भीतर एक इकाई थी जो विशेष बल इकाई के बराबर थी। अल गोर की जनरल होरेशियो गेट्स से गहरी समानता है। बाद में, जब मैंने केविन रायर्सन के साथ काम करना शुरू किया, तो अहतुन रे ने क्लिंटन, बुश और गोर से इन जोड़ियों की पुष्टि की।
आइए अब हम डेनियल मॉर्गन/जॉर्ज डब्लू. बुश और होरेशियो गेट्स/अल गोर के पुनर्जन्म के मामलों की समीक्षा करें, जो आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। गेट्स और मॉर्गन का पिछले जीवन का घनिष्ठ संबंध दिलचस्प है, यह देखते हुए कि बुश और गोर 2000 के राष्ट्रपति चुनाव में एक-दूसरे के खिलाफ गए थे।

आइए सबसे पहले गेट्स/गोर मामले पर चर्चा करें। होने के अलावा चेहरे की बनावट लगभग समान है, होरेशियो गेट्स और अल्बर्ट गोर के व्यक्तिगत गुण भी समान हैं। जैसा

Machine Translated by Google

उदाहरण के लिए, दोनों की प्रतिष्ठा आयोजकों और टेक्नोक्रेट के रूप में है।
होरेशियो गेट्स सेना को युद्ध के लिए तैयार करने में माहिर हैं। वह एक पेशेवर सैनिक था, जिसे एक इतिहासकार ने "सैन्य संगठनकर्ता के रूप में एक दुर्लभ क्षमता" के रूप में वर्णित किया है।1 गेट्स, कई अवसरों पर, अनुशासनहीन और हतोत्साहित सैनिकों को ऐसी लड़ाकू इकाइयों में बदल सकते थे जिनकी ब्रिटेन भी प्रशंसा करता था। यह महत्वपूर्ण था, क्योंकि अंग्रेज़ अमेरिकी सैनिकों को महज़ नौसिखिया मानते थे, जो कई मायनों में वे थे। कॉन्टिनेंटल कांग्रेस ने भी होरेशियो गेट्स की प्रशासनिक क्षमताओं को मान्यता दी और गेट्स को अंततः युद्ध बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जिससे तकनीकी रूप से गेट्स जॉर्ज वाशिंगटन से ऊंचे पद पर आसीन हो गये।

हालाँकि गेट्स सैन्य अनुशासन के प्रवर्तक थे, फिर भी उन्हें आम सैनिकों की गहरी परवाह थी। शायद यह भारतीय और फ्रांसीसी युद्धों के दौरान एक लड़ाई से उत्पन्न हुआ था, जिसमें गेट्स राइफल की गोली से घायल हो गए थे; एक पैदल सैनिक ने उसकी जान बचाते हुए उसे युद्ध के मैदान से खींच लिया। जनरल गेट्स ने हमेशा यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि उनके सैनिकों को पर्याप्त भोजन और आश्रय मिले। उनके पास अपने सैनिकों के साथ शिविर लगाने का सिद्धांत था और इस तरह गेट्स ने उनके सैनिकों के दिलों और प्रशंसा पर कब्जा कर लिया। सैमुअल एडम्स ने अपने लोगों के साथ गेट्स के संबंधों का वर्णन इस प्रकार किया: "उनके पास अपने सैनिकों का प्यार जीतने की कला थी, खासकर इसलिए क्योंकि वह हमेशा थकान और खतरे में उनके साथ थे।"2

अल गोर को एक आयोजक और प्रशासक के रूप में समान क्षमताओं वाला बताया गया है। जहां होरेशियो गेट्स सेना को संगठित करने में विशेषज्ञ थे, वहीं गोर सरकार की पेचीदगियों में विशेषज्ञ थे।

कुछ लोग इस मामले पर गोर को टेक्नोक्रेट कहते हैं। होरेशियो गेट्स और अल गोर के जीवन में अन्य समानताएँ भी हैं।
भारतीय और फ्रांसीसी युद्ध (1754-1763) और क्रांतिकारी युद्ध (1775-1782) के बीच की अवधि में, गेट्स "शराब पीने और जुए" के दौर से गुज़रे,3 के अनुसार

Machine Translated by Google

एक इतिहासकार का नोट. अल गोर के पास पार्टी करने के दिनों का अपना इतिहास है, और जब गोर हार्वर्ड में थे तो वे उन्हीं "जुआ" चरणों से गुज़रे थे। तब गेट्स को एक धार्मिक मोड़, एक गहन व्यक्तिगत आध्यात्मिक अनुभव का अनुभव हुआ। गोर को भी धार्मिक या रहस्यमय अनुभवों का अनुभव हुआ, जैसा कि होरेशियो गेट्स का आध्यात्मिक रूपांतरण हुआ था।

इन आध्यात्मिक अनुभवों के बाद, गोर ने यह पूछने की आदत अपना ली, "यीशु क्या करेंगे?" जटिल मामलों के बारे में सोचते समय.

आइए साराटोगा की लड़ाई पर वापस जाएं। होरेशियो गेट्स/
अल्बर्ट गोर हतोत्साहित और अराजक उत्तरी सेना की कमान संभाल रहे हैं, जिसे वह एक शक्तिशाली लड़ाकू इकाई में बदल देते हैं। अपने प्रतिद्वंद्वी की सैन्य रणनीति, इलाके और सोच के बारे में गेट्स की बेहतर समझ के कारण साराटोगा में जीत हुई और बड़ी संख्या में ब्रिटिश सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया। वास्तव में, अमेरिकी धरती पर ब्रिटिश सैनिकों के पांचवें हिस्से (5,700 पुरुष) ने उस दिन अपने हथियार डाल दिए। यह अमेरिकी महाद्वीपीय सेना की पहली जीत थी, और इस उपलब्धि ने उपनिवेशवादियों को आशा दी कि वे ब्रिटेन के खिलाफ अपने युद्ध में सफल हो सकते हैं, जिसके पास दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना थी।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह साराटोगा की जीत थी जिसने आश्वस्त किया
फ्रांस ब्रिटेन के खिलाफ संघर्ष में अमेरिका के साथ शामिल होगा, अमेरिका के हितों के लिए सैन्य और वित्तीय सहायता तैनात करेगा। जॉन एडम्स, जो उस समय पेरिस में राजदूत थे, ने एक सैन्य घटना के अंतर्राष्ट्रीय महत्व के बारे में निम्नलिखित बयान दिया जिसने दुनिया को हिलाकर रख दिया: "जनरल गेट्स यूरोप में अब तक के सबसे अच्छे वार्ताकार हैं।"4 गेट्स का बातचीत का हथियार साराटोगा का उत्पादन किया गया था। (यह तब हुआ जब एडम्स पेरिस में थे, और विषय से हटकर, वहां उन्हें इगोर के रूप में पुनर्जन्म लेने वाले एक फ्रांसीसी व्यक्ति के बारे में पता चला, जो हमारा सबसे अच्छा दोस्त था जो नींद में फ्रेंच बोलता है)।

वर्षों बाद, यॉर्कटाउन पर छापे के दौरान, अमेरिकियों को केवल फ्रांसीसी नौसेना और सैनिकों की मदद से जीत मिली। के समर्थन के बिना

Machine Translated by Google

लुई XVI, यॉर्कटाउन में जीत, जिसने क्रांतिकारी युद्ध को प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया, कभी हासिल नहीं किया जा सका। अमेरिका की पहली रणनीतिक जीत और फ्रांस को अमेरिका का सहयोगी बनने के लिए प्रेरित करने वाले साराटोगा के महत्व को अधिक महत्व नहीं दिया जा सकता है।

इस महत्वपूर्ण युद्ध में उनकी भूमिका के कारण, कुछ इतिहासकारों का मानना है कि गेट्स को अमेरिकी राष्ट्र के संस्थापक पिताओं में से एक माना जाना चाहिए।

हालाँकि होरेशियो गेट्स/अल्बर्ट गोर सर्वोच्च जनरल थे साराटोगा में, वह डेनियल मॉर्गन की मदद के बिना लड़ाई नहीं जीत पाता, जो उस समय कर्नल के पद पर था। साराटोगा में, कर्नल मॉर्गन एक विशिष्ट स्नाइपर कोर या राइफल दस्ते का नेतृत्व करते हैं, जिसे कॉन्टिनेंटल रेंजर्स कहा जाता है। जैसा कि उल्लेख किया गया है, डेनियल मॉर्गन को अहतुन रे द्वारा वर्तमान राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के रूप में पुनर्जन्म होने की पुष्टि की गई है।

आइए हम अमेरिकी क्रांति में मॉर्गन के योगदान के इतिहास की संक्षेप में समीक्षा करें।

डैनियल मॉर्गन को 17 साल की उम्र में वर्जीनिया फ्रंटलाइन में पदार्पण करते समय कठोर भाषण और अपमानजनक व्यवहार के लिए जाना जाता था। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि जॉर्ज डब्ल्यू बुश को भी बोलने में कठिनाई होती देखी गई है, और यह यहां तक कि थी 2000 के राष्ट्रपति अभियान के दौरान अनुमान लगाया गया था कि उन्हें डिस्लेक्सिया* हो सकता है। भारतीय और फ्रांसीसी युद्धों के दौरान, मॉर्गन वर्जीनिया रेंजर्स में शामिल हो गए और उन्होंने केंटकी राइफल दस्ते के साथ अपने कौशल का विकास किया। क्रांतिकारी युद्ध के दौरान, मॉर्गन के साहस, दृढ़ संकल्प और नेतृत्व क्षमताओं के आधार पर, जॉर्ज वॉशिंगटन ने उन्हें देश के पहले विशेष बलों के कमांडर के रूप में चुना। महाद्वीपीय सेना के पाँच सौ सदस्यों को, उनकी निशानेबाजी और युद्ध क्षमता के लिए चुना गया, एकत्र किया गया।

उन्हें आधिकारिक तौर पर रेंजर्स के रूप में जाना जाता है, लेकिन कई लोग यूनिट को मॉर्गन राइफल स्क्वाड के रूप में संदर्भित करते हैं। रेंजर्स सेना की मुख्य इकाइयों में से एक थे जिन्होंने क्रांति के दौरान कई महत्वपूर्ण लड़ाइयों में भाग लिया था।

---

* डिस्लेक्सिया एक सीखने का विकार है जो मुख्य रूप से लिखित भाषा के पाठ, विशेष रूप से पढ़ने और वर्तनी के साथ कठिनाइयों में प्रकट होता है।

Machine Translated by Google

विभिन्न लड़ाइयों में मॉर्गन ने स्वयं असाधारण साहस, सहनशक्ति और शारीरिक शक्ति दिखाई है। अंत में मॉर्गन को ब्रिगेडियर जनरल बना दिया गया।

यह उल्लेख किया गया है कि अक्सर पिछले जन्मों के प्रतीक हो सकते हैं वर्तमान अवतारों में पाए जाते हैं। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि जॉर्ज डब्लू. बुश टेक्सास रेंजर्स से जुड़े थे, एक बेसबॉल टीम जिसका वह कभी हिस्सा थे, जो वर्जीनिया और कॉन्टिनेंटल रेंजर्स के प्रति डैनियल मॉर्गन की भक्ति को दर्शाता है।

होरेशियो गेट्स की तरह मॉर्गन ने सबसे पहले भारतीय और फ्रांसीसी युद्धों में सैन्य कार्रवाई की। इस युद्ध में मॉर्गन भी घायल हो गए, साथ ही होरेशियो गेट्स/अल्बर्ट गोर भी घायल हो गए। लड़ाई के दौरान, मॉर्गन के चरित्र लक्षणों की निगरानी की जाती है और उन्हें रिकॉर्ड किया जाता है। मॉर्गन एक प्रकार का असभ्य व्यक्ति है। एक इतिहासकार का कहना है कि युद्ध के दौरान, मॉर्गन और उसके दोस्तों ने "शराब पीने, लड़ने और भारतीय महिलाओं के साथ कामुक छेड़खानी" करके अधिकारियों को "दिमाग से बाहर" कर दिया था। ये विशेषताएँ सैनिक अवधि समाप्त होने के बाद भी देखी जा सकती हैं। उसी इतिहासकार ने लिखा:

"फ्रांसीसी युद्ध" के बाद के वर्ष डैनियल मॉर्गन के लिए स्वतंत्र और उन्मत्त थे। वह या तो शराबखाने में लड़ाई के कारण या अपने पेय के बिल या जुए के कर्ज का भुगतान न करने के कारण लगातार कानून की समस्या में था। लेकिन 1763 से, जब मॉर्गन ने कानूनी तौर पर 16 वर्षीय अबीगैल करी से शादी की, तो उसके व्यवहार में एक बड़ा बदलाव आया। वह बस गया, एक खेत खरीदा... और अधिक समृद्ध और शांतिपूर्ण जीवन का आनंद लेने लगा। उनके जीवन के तरीके में बदलाव ने जल्द ही उनके ग्रामीण समुदाय के अधिक प्रभावशाली सदस्यों का सम्मान जीत लिया।5

यह दिलचस्प है कि जॉर्ज डब्लू. बुश को येल में अपनी पार्टी के दिनों पर गर्व था। बाद में, बुश कानून में उलझ गए और उन्हें शराब के नशे में गाड़ी चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। हम सभी कल्पना कर सकते हैं कि बीसवीं शताब्दी में डेनियल मॉर्गन को भी नशे में गाड़ी चलाने के लिए जुर्माना लगाया गया था। फिर मॉर्गन, बुश की तरह

Machine Translated by Google

टेक्सास में मतदाताओं का सम्मान अर्जित करते हुए, अधिक शांत और गंभीर हो गए। जैसे जब मॉर्गन एक ग्रामीण समुदाय के निवासी थे, जॉर्ज डब्लू. बुश टेक्सास के छोटे से शहर क्रॉफर्ड में अपनी भूमि और कृषि भूमि के प्रति अपने प्रेम के लिए प्रसिद्ध थे।

होरेशियो गेट्स की कमान में डेनियल मॉर्गन ने खेला
साराटोगा की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण भूमिका। तो होरेशियो गेट्स/
साराटोगा में जीत के बाद अल्बर्ट गोर ने डैनियल मॉर्गन/जॉर्ज डब्लू. बुश को गले लगाया और कहा, "मॉर्गन, आपने चमत्कार कर दिया है।"6 युद्ध के बारे में कांग्रेस को अपनी रिपोर्ट में, पुरस्कार विजेता जनरल गेट्स ने लिखा, "सैनिकों कर्नल मॉर्गन की कमान की बहुत अधिक प्रशंसा नहीं की जानी चाहिए। 9 यह जीत मॉर्गन के लिए इतनी महत्वपूर्ण थी कि सेवानिवृत्ति के समय मॉर्गन ने अपने घर को "साराटोगा" कहा।

मॉर्गन और उनके लोग वैली फोर्ज में जॉर्ज वाशिंगटन के साथ एक शीतकालीन निवास साझा करते हैं। बाद में, मॉर्गन एक बार फिर होरेशियो गेट्स के साथ जुड़ गए, जिन्हें दक्षिणी सेना का कमांडर नियुक्त किया गया। दुर्भाग्य से, गेट्स दक्षिण में उतने सफल नहीं रहे जितने साराटोगा में थे।

बाद में, मॉर्गन को दक्षिण में एक स्वतंत्र कमान दी गई।
इसी युद्धक्षेत्र में मॉर्गन, जो अब एक ब्रिगेडियर जनरल हैं, का स्वर्णिम करियर था। लड़ाई कैरोलिनास में काउपेंस नामक स्थान पर हुई थी।

जब रात हो गई और सैनिकों को सुबह तक रुकना पड़ा, तो ब्रिटिश घात लगाए सैनिक मॉर्गन, उसके राइफलमैन और अमेरिकी नियमित लोगों का पीछा कर रहे थे। मॉर्गन ने एक युद्ध रणनीति तैयार की जिसमें उनके राइफलमैन और मिलिशिया ने एक पहाड़ी के नीचे एक युद्ध रेखा बनाई। सुबह में, जैसे ही ब्रिटिश सैनिक आगे बढ़े, मॉर्गन के स्नाइपर्स ने दो राउंड गोलियां चलाईं, फिर भाग गए। ब्रिटिशों ने अमेरिकी सैनिकों के भागने को आगे बढ़ने के संकेत के रूप में लिया, लेकिन नियमित अमेरिकी सैनिकों द्वारा एक पहाड़ी की चोटी पर घात लगाकर हमला किया गया। काउपेंस में अमेरिका की जीत की मोटे तौर पर द पैट्रियट की अंतिम लड़ाई में फिर से कल्पना की गई है। काउपेंस को "सामरिक युद्ध की उत्कृष्ट कृतियों में से एक" के रूप में वर्णित किया गया है।

Machine Translated by Google

डैनियल मॉर्गन के रूप में जॉर्ज डब्लू. बुश के कथित पिछले जीवन पर एक और प्रतिबिंब में, मैं एक पेंटिंग का उल्लेख करना चाहूंगा जो जॉर्ज डब्लू.
जब बुश टेक्सास के गवर्नर थे तो उन्हें दीवार पर लटका दिया गया था। यह पेंटिंग बुश की आत्मकथा के पिछवाड़े में भी पाई गई थी, जिसमें दृढ़ निश्चयी पहाड़ी लोगों को दर्शाया गया था। इस पेंटिंग में पहाड़ी लोगों का एक समूह एक पहाड़ी से टकरा रहा है। इस दृश्य में एक अनाम घुड़सवार को दिखाया गया है जिसकी आँखों में दृढ़ निश्चय है, वही रूप हम डैनियल मॉर्गन के चित्रों में देखते हैं। पेंटिंग में दिखाई गई पहाड़ियाँ वास्तव में वर्जीनिया पहाड़ों के समान हैं। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि यदि कोई एक पेंटिंग होती जिसे डेनियल मॉर्गन अपनी दीवार पर टांगना चाहते, तो वह जॉर्ज डब्ल्यू. बुश की पसंदीदा होती।

डैनियल मॉर्गन को बुश के सैन्य प्रबंधन में भी देखा गया था
अफगानिस्तान में युद्ध का. जब विश्व व्यापार केंद्र के विनाश के बाद युद्ध शुरू हुआ, तो बुश ने अपराधियों के संबंध में एक बयान दिया: "हम उन्हें उनके छेद से बाहर निकाल देंगे और उन्हें पकड़ लेंगे।" बोलने का यह तरीका एक माउंटेन मैन, वर्जीनिया रेंजर, डैनियल मॉर्गन के चरित्र को दर्शाता है।

इसके अलावा, अपने राष्ट्रपति पद की अस्थायी शुरुआत के बाद, जॉर्ज डब्ल्यू.
बुश ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर आपदा से निपटा और निश्चित रूप से, युद्ध छेड़ने में, जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने अपना असली स्वभाव दिखाया।

मेरा मानना है कि इस भूमिका में बुश का शांत आचरण अमेरिकी क्रांति के सबसे साहसी और प्रभावी सैनिकों में से एक के रूप में उनके पिछले अनुभवों को दर्शाता है। लेकिन आइए हम इस कथन को न मानें

हमें युद्ध के मार्ग पर चलने के लिए प्रोत्साहित करें। जैसा कि पहले अध्याय में कहा गया है, इस पुस्तक को लिखने की मुख्य प्रेरणाओं में से एक ग्रह से युद्ध को खत्म करना था। कोई भी समूह "बुरा" नहीं है. वास्तविकता यह है कि हम हिंदू, सिख, ईसाई, यहूदी और मुसलमान केवल धार्मिक मान्यताओं से अलग हैं जो एक जीवन से दूसरे जीवन में बदल सकते हैं। एक बार जब हम सार्वभौमिक मानव के रूप में अपने वास्तविक स्वरूप को समझ लेते हैं, जो इन सभी अनुभवों से गुजरे हैं और पिछले जन्मों में विभिन्न अन्य धर्मों को अपनाया है, केवल

Machine Translated by Google

तभी कड़वाहट और शत्रुता पर विजय पाई जा सकती है। तभी अलगाव का भ्रम टूटेगा।

मध्य पूर्व में बढ़ता संघर्ष, जिसके दौरान प्रसारित हुआ
बुश प्रशासन ने एक यूरोपीय सहयोगी के साथ पिछले जीवन के कर्म संबंधी संबंध का प्रदर्शन किया है। क्रांतिकारी युद्ध के दौरान, फ्रांसीसी सैन्य नेता, मार्क्विस डी लाफायेट, अमेरिकी पक्ष में शामिल हो गए। लाफायेट ने अमेरिकियों के साथ लड़ाई लड़ी और जॉर्ज वाशिंगटन के करीबी दोस्त बन गए। लाफायेट ने देखा कि अमेरिकी क्रांति केवल संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक मिशन नहीं थी, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक उद्देश्य थी। वह लक्ष्य है दुनिया में लोकतंत्र की स्थापना करना.

आज, अमेरिका के पास एक समय यूरोप के अन्य सहयोगी भी हैं
आतंकवाद के विरुद्ध अमेरिका के युद्ध में प्रेस द्वारा उन्हें "चीयरलीडर" करार दिया गया। ब्रिटिश प्रधान मंत्री टोनी ब्लेयर ने एक सामान्य उद्देश्य के लिए अमेरिका के साथ जुड़ने के प्रयास में क्रॉफर्ड में जॉर्ज डब्लू. बुश के खेत में समय बिताया है। यह लाफयेट की भूमिका के समान है, हालांकि इस बार सामान्य लक्ष्य आतंकवाद है। उसी भूमिका के आधार पर जो ब्लेयर वर्तमान में निभा रहा है, साथ ही उपयुक्त चेहरे की विशेषताओं के आधार पर, मैं एक परिकल्पना पर आया हूं कि टोनी ब्लेयर मार्क्विस डी लाफायेट का पुनर्जन्म है।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, अहतुन रे ने इस पहचान की पुष्टि की।

अंत में, मैं एक बार फिर उस व्यक्तित्व की ओर ध्यान दिलाना चाहूँगा
गुण और लक्षण जीवन-दर-जीवन एक जैसे ही रहते हैं। जिस तरह होरेशियो गेट्स और अल गोर ने संगठन की महारत और विस्तार की महारत का प्रदर्शन किया है, उसी तरह डैनियल मॉर्गन और जॉर्ज डब्लू. बुश दोनों में "रेंजर" के गुण हैं। मेरा मानना है कि बंदूकों के प्रति बुश का आकर्षण एक बंदूक सैनिक के रूप में उनके पिछले जीवन से जुड़ा है।

वैसे, होरेशियो गेट्स और डेनियल मॉर्गन दोस्त हैं
जॉन एडम्स. जॉन और सैमुअल एडम्स कॉन्टिनेंटल कांग्रेस में होरेशियो गेट्स के सबसे मजबूत समर्थक थे।
वे ही आदेशों की पैरवी कर रहे हैं

Machine Translated by Google

फ़ौज। यह जानना भी दिलचस्प है कि अल गोर को 2000 के चुनावों के दौरान अपने पिछले जीवन के संबंध के बारे में पता चला। एक मित्र के माध्यम से, मैं एक प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक, उरी गेलर से भी परिचित हुआ, जिन्होंने नवंबर 2000 में चुनाव के दिन से पहले गुरुवार को मेरा साक्षात्कार लिया था। अंतर्राष्ट्रीय रेडियो शो उरी गेलर में, मैंने गोर के बीच पिछले जीवन के संबंधों के एक तथ्य को उजागर किया था। , बुश, और क्लिंटन, और क्रांति के दौरान उनकी पहचान। हालाँकि मुझे पहले इसका एहसास नहीं था, लेकिन यह पता चला है कि उरी गेलर अल गोर का सबसे अच्छा दोस्त है। साक्षात्कार के बाद, उरी गेलर ने अल गोर को मेरे शोध के परिणामों और क्लिंटन, गोर और बुश के पिछले जीवन के संबंधों के बारे में सूचित करने के लिए व्हाइट हाउस से संपर्क किया।

डैनियल मॉर्गन, एक क्रूर संघवादी, जॉन एडम्स का सहयोगी भी है। डैनियल मॉर्गन को लगता है कि जेफरसनियन रिपब्लिकन "संविधान को नष्ट करने" की कोशिश कर रहे हैं।

डैनियल मॉर्गन/जॉर्ज डब्लू. बुश राष्ट्रपति पद पर एडम्स का समर्थन करने और जेफरसनियन रिपब्लिकन का विरोध करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि सभा के सदस्य बने। प्रतिनिधि सभा के सदस्य के रूप में, मॉर्गन ने अपने राज्य में जेफरसन के तथाकथित "विभाजक" के खिलाफ अपने वर्जीनिया मिलिशिया को तैनात करने की भी धमकी दी।

तो हम देख सकते हैं कि जीवन-दर-जीवन, चेहरे की विशेषताएं, व्यक्तित्व लक्षण और कर्म संबंध बने रहते हैं। इसके अलावा, एक जीवनकाल के दौरान युद्ध के मैदान में भागीदार (गेट्स और मॉर्गन) अगले जीवन में राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी (गोर और बुश) बन सकते हैं। एक और कार्मिक संबंध जिसे मैं अब खोलना चाहता हूं, उसमें कमांडर-इन-चीफ, जॉर्ज वॉशिंगटन शामिल हैं, जो गेट्स और मॉर्गन के वरिष्ठ हैं, जिनका आज टॉमी फ्रैंक्स के रूप में पुनर्जन्म हो रहा है, जो अफगानिस्तान और इराक में संयुक्त राज्य अमेरिका के सैनिकों की कमान संभालते हैं। इस मामले में, हम भूमिकाओं का आदान-प्रदान देख सकते हैं। जहाँ डेनियल मॉर्गन वाशिंगटन को रिपोर्ट करते थे, वर्तमान में, वाशिंगटन/

फ्रैंक्स अपने सर्वोच्च कमांडर, मॉर्गन/बुश को रिपोर्ट करता है।
जहाँ वाशिंगटन ने क्रांति के समय राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया,

Machine Translated by Google

बुश संयुक्त राज्य अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति हैं।

अंत में, बुश, गोर और क्लिंटन के मामले सुलझ गये
सहज मार्गदर्शन के माध्यम से और फिर केविन रायर्सन के गुरु अहतुन रे द्वारा इसकी पुष्टि की गई। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जॉन एडम्स भी अंतर्ज्ञान की शक्ति में विश्वास रखते थे। इसके अलावा, एडम्स ने अपने जीवन के अंत में, अपना जीवन तत्वमीमांसा के अध्ययन के लिए समर्पित कर दिया और यहां तक कि जेफरसन को पुनर्जन्म की अवधारणा के बारे में भी लिखा।

ऐसा प्रतीत होता है कि मैंने वही जारी रखा है जो जॉन एडम्स ने रखा था।

Machine Translated by Google

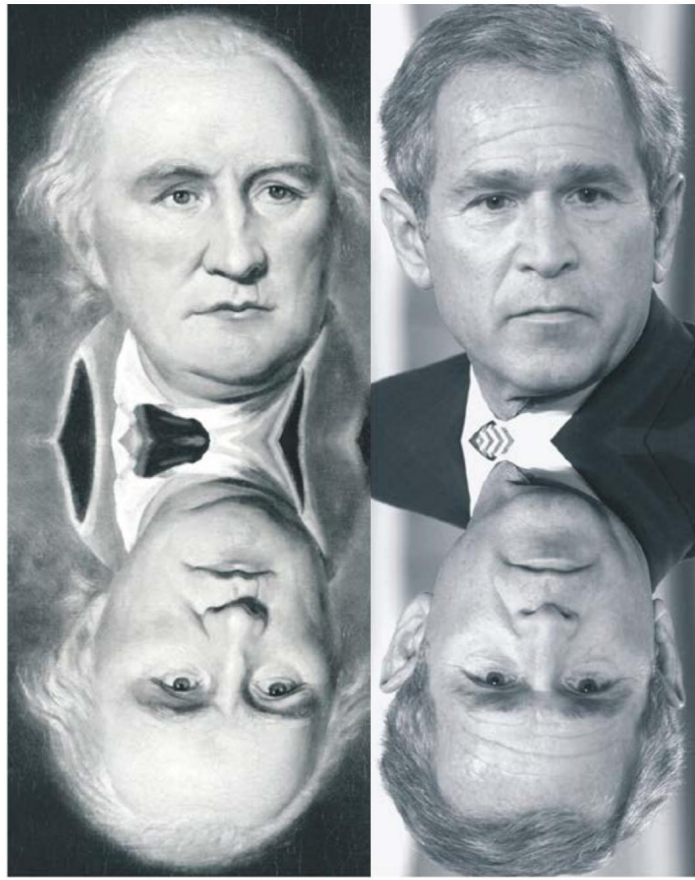

कांग्रेस के पुस्तकालय का योगदान

रॉबर्ट ट्रिप्पेट, सिपा द्वारा विस्तृत फोटो

डेनियल मॉर्गन

जॉर्ज डब्ल्यू बुश

अमेरिकी क्रांति के दौरान, डैनियल मॉर्गन ने पैट्रियट सेना की एक विशेष बल इकाई, कॉन्टिनेंटल रेंजर्स का नेतृत्व किया। मॉर्गन ने जॉर्ज वाशिंगटन को सूचना दी, जिनकी पहचान अब अमेरिकी जनरल टॉमी फ्रैंक्स के रूप में की गई है।

मॉर्गन को बाद में जनरल के पद पर पदोन्नत किया गया संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिनिधि सभा के लिए निर्वाचित।

Machine Translated by Google

13

ओपरा विन्फ्रे और अमेरिकी क्रांति

कब मैं पहले से ही मानता हूं कि अहतुन रे, केविन रायर्सन की मार्गदर्शक भावना, पिछले जीवन की पहचान का सटीक मिलान करने में सक्षम है, मुझे सेलिब्रिटी पुनर्जन्म के मामलों को सुलझाने में दिलचस्पी है। आज के समाज में सबसे प्रसिद्ध महिलाओं में से एक ओपरा विन्फ्रे हैं और केविन के साथ एक सत्र में, मैंने ओपरा के पिछले जीवन के बारे में पूछा।

जवाब सुनकर मैं हैरान रह गया.

अहतुन रे ने कहा कि ओपरा संवैधानिक सम्मेलन में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थीं, एक उन्मूलनवादी थीं, और "तीन-पांचवें खंड" पर बहस में शामिल थीं। जब मैंने क्रांति के दौरान अहतुन रे से ओपरा के नाम के बारे में पूछा, तो उसने इन शब्दों में उत्तर दिया, "एक मिनट रुकें," जैसा कि जब मैं अधिक विशिष्ट जानकारी मांगता हूं तो उसकी आदत होती है। एक विराम के बाद, जिस अवधि के दौरान अहतुन रे को आकाशीय रिकॉर्ड्स की जाँच करने के लिए माना जाता है, उन्होंने खुलासा किया कि ओपरा का नाम विल्सन था। संवैधानिक कन्वेंशन के प्रतिभागियों की जांच में, जेम्स विल्सन नाम अहतुन रे द्वारा प्रदान किए गए विवरण में फिट बैठता है। बाद के सत्रों में, अहतुन रे ने इस मैच की पुष्टि की।

जेम्स विल्सन का जन्म 1741 में स्कॉटलैंड में हुआ था। बिना डिग्री हासिल किए कई विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने के बाद, वह 1765 में फिलाडेल्फिया आ गए। इसके बाद विल्सन पेंसिल्वेनिया के कार्लिस्ले की स्कॉटिश बस्ती में बस गए।

एक बेहद सफल वकील के रूप में अपने काम के अलावा, विल्सन ने फिलाडेल्फिया कॉलेज में अंग्रेजी साहित्य पढ़ाया। बाद में वह क्रांतिकारी आंदोलन में शामिल हो गए जब वह कार्लिस्ले कमेटी ऑफ कॉरेस्पोंडेंस के अध्यक्ष बने। यह मैट

Machine Translated by Google

उसे पेंसिल्वेनिया पैट्रियट में चार्ल्स थॉमसन/राल्फ नादर नामक एक पत्र-लेखक के संपर्क में रखा गया। विल्सन ने जल्द ही उपनिवेशों और इंग्लैंड के बीच संबंधों पर एक प्रभावशाली पोस्टर लिखा और बाद में तर्क दिया कि संसद को उपनिवेशों पर शासन करने का कोई अधिकार नहीं था। यह पोस्टर नेता के रूप में विल्सन की स्थिति को ऊपर उठाता है और 1775 में उन्हें कॉन्टिनेंटल कांग्रेस में एक प्रतिनिधि के रूप में निर्वाचित किया गया।

कॉन्टिनेंटल कांग्रेस में, विल्सन ने सेना में सेवा की
भारतीय मामलों से संबंधित समितियाँ और समितियाँ।
चार्ल्स थॉमसन/राल्फ नादर को भी भारतीय मामलों में विशेषज्ञता हासिल है, इसलिए बहुत संभव है कि जेम्स विल्सन/ओपरा विन्फ्रे और थॉमसन/नादर के बीच इस मुद्दे पर चर्चा हुई हो। हालाँकि पेन्सिलवेनिया में इंग्लैंड के साथ संबंध तोड़ने के बारे में बहुत संदेह था, कार्लिस्ले में अपने मतदाताओं के साथ चर्चा के बाद, जेम्स विल्सन ने 2 जुलाई, 1776 को स्वतंत्रता के लिए मतदान किया। विल्सन ने 2 अगस्त, 1776 को घोषणा पर हस्ताक्षर किए।

जैसे-जैसे क्रांतिकारी युद्ध जारी रहा, कई आर्थिक कठिनाइयों का अनुभव हुआ। 1779 में, भोजन की कमी थी, और उच्च मुद्रास्फीति ने कागजी मुद्रा को बेकार कर दिया।

हताशा में, एक भीड़, जिसके सदस्य विल्सन को एक अमीर आदमी मानते थे जिसने आर्थिक अराजकता पैदा की थी, ने विल्सन और उनके घर में फंसे उनके 35 साथियों पर हमला कर दिया, जिसे फोर्ट विल्सन कहा जाता था। आग्नेयास्त्रों से गोलीबारी की गई और संघर्ष में दोनों पक्षों के कई लोग मारे गए। इस घटना को फोर्ट विल्सन दंगा कहा गया था, और विल्सन के साथ किले में जीवित बचे लोगों में से एक, शर्ली मैकलेन का पूर्व-जीवन व्यक्तित्व था।

क्रांति के दौरान, शर्ली मैकलेन और जेम्स विल्सन/
ओपरा विन्फ्रे वर्षों से कई व्यापारिक सौदों में निकटता से शामिल थीं। परिणामस्वरूप, 1781 में, विल्सन/विनफ्रे बैंक नॉर्थ अमेरिका के निदेशक बन गए, जो शर्ली मैकलेन के दिमाग की उपज थी। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि जब शिकागो स्थित ओपरा का टॉक शो पहली बार शुरू हुआ, तो शर्ली

Machine Translated by Google

मैकलेन पहले अतिथियों में से एक थे।

हालाँकि, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए जेम्स विल्सन की सबसे बड़ी सेवा बाद में 1787 के संवैधानिक सम्मेलन में एक प्रतिनिधि के रूप में हुई। विल्सन सम्मेलन के सबसे प्रभावशाली सदस्य थे, उनके प्रतिद्वंद्वी केवल जेम्स मैडिसन थे। यहां तक कि मिरेकल ऑफ फिलाडेल्फिया पुस्तक में कैथरीन ड्रिंकर बोवेन ने विल्सन को "संघीय सम्मेलन का अज्ञात नायक" कहा है। इतिहासकार लॉर्ड ब्रायस ने सम्मेलन में विल्सन को "सर्वोत्तम कारणों वाले सबसे गहरे विचारकों और बहस करने वालों" में से एक के रूप में संदर्भित किया।

और कहती है कि, "वह सोचती है कि जब वह चुनती है, तो दूसरों से स्वतंत्र होकर, एक विशेषता जो तूफानी समय को आमंत्रित करती है।"2 ओपरा भी अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने के लिए जानी जाती है।

राष्ट्रीय विधायी प्रणालियों में प्रतिनिधित्व लागू करने के तरीकों के बारे में बहस में, विल्सन ने "तीन-पांचवां खंड" सामने रखा। हालाँकि विल्सन ने गुलामी का विरोध किया, लेकिन इस बात पर समझौता करना पड़ा कि गुलामों को गुलाम रखने वाले राज्य की आबादी में कैसे गिना जाएगा, जो बदले में एक राज्य से राष्ट्रीय कांग्रेस में प्रतिनिधियों की संख्या निर्धारित करेगा।

उत्तरी राज्यों ने कहा कि दासों की गिनती नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि उनके पास मतदान का अधिकार नहीं था, जबकि दक्षिणी राज्यों ने दासों को राज्य की आबादी में शामिल करने की मांग की। अंततः एक समझौते पर निर्णय लिया गया कि किसी राज्य के प्रतिनिधियों की संख्या निर्धारित करने के लिए किसी राज्य की गुलाम आबादी को तीन-पांचवें से गुणा किया जाएगा। दूसरे शब्दों में, एक गुलाम की गिनती एक व्यक्ति के तीन-पाँचवें हिस्से के बराबर होगी।

संवैधानिक सम्मेलन के अपना कार्य समाप्त करने के बाद और ए
नई संघीय सरकार का गठन हुआ, जॉर्ज वाशिंगटन ने विल्सन को सर्वोच्च न्यायालय के पहले न्यायाधीशों में से एक नियुक्त किया। 1798 में विल्सन की मृत्यु हो गई।

जेम्स विल्सन और ओपरा विन्फ्रे के व्यक्तित्व के कई गुण समान हैं। ओपरा के बारे में अद्वितीय गुणों में से एक यह है कि बचपन से ही उन्होंने भाषण और भाषण के लिए एक प्राकृतिक प्रतिभा दिखाई है। तीन साल की उम्र में उन्होंने दे दी

Machine Translated by Google

अपने चर्च की मण्डली के सामने एक पाठ।
वयस्कों ने ओपरा की प्रशंसा की, जबकि अन्य बच्चों ने उसकी प्रतिभा से ईर्ष्या करते हुए उसकी आलोचना की। सात साल की उम्र में तीसरी कक्षा में उन्हें एक चर्च समूह में भाषण देने के लिए 500 डॉलर का भुगतान किया गया था, जो गरीबी में पैदा हुए और सुअर फार्म में पले-बढ़े किसी व्यक्ति के लिए एक आश्चर्यजनक उपलब्धि थी। जीवनी लेखक जॉर्ज मैयर उनकी तटस्थता और "दर्शकों को बांधे रखने" की स्वाभाविक क्षमता पर टिप्पणी करते हैं। सत्रह साल की उम्र में, ओपरा ने व्हाइट हाउस में युवाओं पर एक सम्मेलन के साथ-साथ एक राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया। ओपरा ने चर्चों में बोलना जारी रखा और महिलाओं के अधिकारों में आजीवन रुचि विकसित की।

मैयर ने दिखाया है कि कैसे "ओपरा एक सभा या दर्शकों के सामने खड़ी होगी और उन शब्दों को उछालेगी जो महिलाओं की समानता का प्रतिनिधित्व करते हैं।"4

जेम्स विल्सन एक महान वक्ता भी हैं। एक इतिहासकार ने लिखा, "विल्सन सबसे महान शुरुआती कांग्रेसी वक्ताओं में से एक थे।" 5 थॉमस किंडिग ने टिप्पणी की, "जेम्स विल्सन के भाषण की शक्ति, उनकी प्रस्तुति में जुनून और बहस में उनके द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले तर्क पर कई सदस्यों द्वारा सकारात्मक टिप्पणी की गई थी। कांग्रेस का।"6 यह ओपरा की शैली को दर्शाता है, जैसा कि पूर्व-गुलाम महिलाओं के बारे में ओपरा के भाषणों पर मायर की टिप्पणियों में परिलक्षित होता है, जिनकी ओपरा प्रशंसा करती है। मैयर ने लिखा, "एक किशोर के रूप में, उनके बारे में उनके भावुक और वाक्पटु भाषणों ने मान्यता और पुरस्कार जीतना शुरू कर दिया।"7

संवैधानिक सम्मेलन में, केवल जेम्स मैडिसन ही थे
विल्सन से अधिक प्रभाव और केवल दो अन्य लोगों ने विल्सन से अधिक भाषण दिये। विल्सन के ये गुण ओपरा के अनुरूप हैं, जो मैयर की टिप्पणियों से प्रदर्शित होता है कि ओपरा में "शब्द को स्पष्ट करने" की क्षमता है। मिरेकल एट फिलाडेल्फिया में बोवेन ने लिखा है कि, "कन्वेंशन के रिकॉर्ड में, जब विल्सन बोलने के लिए खड़े हुए तो ऐसा लगा मानो पेज पर बिजली का करंट आ गया हो।" बोवेन ने बाद में कहा कि विल्सन की आवाज़ "स्पष्ट और शक्तिशाली आवाज़" थी।

Machine Translated by Google

जैसे ही संवैधानिक सम्मलेन ख़त्म हुआ, वहाँ था
डर है कि अस्वीकृत प्रतिनिधि नए संविधान पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे। एकता बनाने के प्रयास में, बेंजामिन फ्रैंकलिन ने एक भाषण लिखा और अपने समर्थकों को सप्ताहांत के अवकाश पर भाषण पर चर्चा करने के लिए अपने घर पर आमंत्रित किया। जेम्स विल्सन ने भाग लिया और अगले सोमवार को फ्रैंकलिन का भाषण पढ़ने के लिए चुना गया। भाषण काम कर गया. संविधान पर हस्ताक्षर होने के बाद, फिलाडेल्फिया ने 4 जुलाई 1788 को एक उत्सव मनाया और इसमें सत्रह हजार लोग शामिल हुए। भीड़ शहर के बंदरगाह के पास, बुश हिल की तलहटी में "यूनियन ग्रीन" नामक एक नई जगह पर बस गई। जेम्स विल्सन को एक बार फिर भाषण देने के लिए चुना गया। दस टोस्ट बनाये गये। उगते सूरज की ओर से हर बार एक तुरही बजती थी और तोपों की आवाज़ सुनाई देती थी।

दिन के अंत में, फिलाडेल्फिया एक झिलमिलाती रोशनी से जगमगा उठा और बेंजामिन रश ने अपने प्रसिद्ध शब्द लिखे, "चाहे कुछ भी हो, हम एक राष्ट्र बनेंगे।" इन उदाहरणों में, हम देखते हैं कि जेम्स विल्सन को बार-बार सार्वजनिक समारोहों में बोलने के लिए चुना गया था, जैसे ओपरा को कम उम्र से बोलने के लिए चुना गया था। ऐसा लगता है कि ओपरा का भाषण का उपहार विल्सन की भाषण प्रतिभा की निरंतरता है।

विल्सन और ओपरा दोनों को कड़ी मेहनत करने वाले, महत्वाकांक्षा से प्रेरित और स्पष्ट दिमाग से संपन्न बताया जा सकता है। ओपरा की तरह विल्सन का जन्म भी साधारण परिस्थितियों में हुआ था। इतिहासकार स्टीफन कॉनराड लिखते हैं कि विल्सन ने "कड़ी मेहनत और बुद्धिमत्ता के माध्यम से प्रसिद्धि और भाग्य हासिल किया।" 23 साल की उम्र में फिलाडेल्फिया में प्रवास करने के बाद, विल्सन ने जल्दी ही खुद को प्रमुख हस्तियों के साथ जोड़ा और एक आकर्षक कानूनी प्रैक्टिस की स्थापना की। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, विल्सन ने बाद में अमेरिकी स्वायत्तता के पक्ष में एक राजनीतिक पोस्टर लिखा और बाद में कॉन्टिनेंटल कांग्रेस में एक नेता बन गए। बेंजामिन फ्रैंकलिन ने विल्सन को "मेरे विद्वान सहयोगी" के रूप में संदर्भित करना पसंद किया और बेंजामिन रश ने विल्सन के दिमाग को "प्रकाश की किरण" के रूप में संदर्भित किया।

Machine Translated by Google

यह ओपरा की जीवनशैली को भी दर्शाता है। ओपरा की बुद्धिमत्ता के बारे में पहले ही पता चल गया था जब शिक्षकों ने तय किया कि वह किंडरगार्टन को छोड़कर सीधे पहली कक्षा में जा सकती है। ओपरा विल्सन की कड़ी मेहनत की प्रकृति को भी प्रदर्शित करती है। मैयर ने किशोर ओपरा के बारे में लिखा, "उसमें महत्वाकांक्षा की चिंगारी और महान बनने का दृढ़ संकल्प था।" कहा जाता है कि ओपरा को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करने की जेसी जैक्सन की सलाह से प्रेरणा मिली थी। ओपरा के टेलीविजन निर्माता ने भी टिप्पणी की कि उन्होंने कभी किसी और को ओपरा जितनी मेहनत करते नहीं देखा, और उन्होंने ओपरा के बारे में टिप्पणी की, "उनकी सहनशक्ति अद्भुत है।"10

गौरतलब है कि जेम्स विल्सन और ओपरा दोनों ने एक प्रदर्शन किया किताबों से प्यार. एक वकील और क्रांतिकारी के रूप में अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद, विल्सन ने फिलाडेल्फिया कॉलेज में अंग्रेजी साहित्य पढ़ाया। ओपरा ने किताबों के प्रति शुरुआती प्रेम दिखाया; अपनी दादी के खेत में बचपन के दौरान, ओपरा का जीवन पढ़ने के इर्द-गिर्द घूमता रहा। ओपरा अपने द्वारा पाले गए पशुओं को बाइबल कहानियाँ ज़ोर से पढ़ती है।

अपनी शुरुआती किशोरावस्था में, परेशानी और अकेलेपन के दौरान, ओपरा अपनी किताबों में डूबी रहती थीं।

वर्षों बाद, उनका शो दिन में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला कार्यक्रम बन गया और उनका बुक क्लब सांस्कृतिक रूप से प्रभावशाली संस्थान बन गया।

जेम्स विल्सन भी गुलामी के ख़िलाफ़ एक शुरुआती आवाज़ थे। अपने क्रांति-पूर्व पोस्टर, ब्रिटिश संसद के विधायी प्राधिकरण की प्रकृति और विस्तार पर विचार, में विल्सन ने लिखा, “सभी मनुष्य स्वभाव से समान और स्वतंत्र हैं। किसी को भी उसकी सहमति के बिना किसी दूसरे के अधिकार को उचित ठहराने का अधिकार नहीं है।'' हालाँकि यह पोस्टर मुख्य रूप से ब्रिटिश शासन पर लक्षित है, यह कथन विल्सन के आदर्शों को दर्शाता है। कॉन्टिनेंटल कांग्रेस में, विल्सन ने गुलामी के प्रति अपना विरोध उस समय व्यक्त किया जब कई लोगों ने उपनिवेशों के बीच एकता बनाए रखने के लिए इस मुद्दे को एक तरफ रख दिया था।

ओपरा के लिए मानव दासता भी एक मुद्दा है। उसके शो में और फिल्में, ओपरा प्रभाव की खोज करती हैं

Machine Translated by Google

अफ्रीकी अमेरिकियों के मानस की गुलामी।

इस संदर्भ में ओपरा कहती हैं, "गुलामी हमें खुद से नफरत करना सिखाती है।" यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि अमेरिका में एक काला नागरिक होना ओपरा के जीवन का एक केंद्रीय मुद्दा है, लेकिन वह पूरी तरह से काले मुद्दों की पहचान नहीं करती है। ओपरा निर्माता शेरी बर्न्स ने कहा, “वह एक सार्वभौमिक महिला हैं; वह काली चीजों से आगे जा सकता है।''11

विल्सन और ओपरा दोनों ही अमीर माने जाते हैं और दोनों ही समाज के "उच्च" वर्ग से जुड़े हुए हैं। हालाँकि ओपरा ने अपने काले वंश के प्रति निष्ठा दिखाई है, मायर ने ओपरा के बारे में लिखा है, "वह खुद को एक श्वेत शक्ति संरचना के साथ रखती है और सफल और अमीर अश्वेतों के समान सामाजिक-आर्थिक वर्ग को साझा करती है।" जो अपनी उंगलियों के झटके से लिमोसिन, बढ़िया भोजन, चार्टर जेट ऑर्डर करने में सक्षम थी।''12 ओपरा का सिद्धांत अपने धन का नियंत्रण किसी और को सौंपने के बजाय, अपने वित्त और गतिविधियों का नियंत्रण स्वयं लेना है।

ये लक्षण जेम्स विल्सन में देखे गए लक्षणों के अनुरूप हैं।

एक इतिहासकार का कहना है, "विल्सन ने अपने व्यापारिक हितों को बढ़ाते हुए, अमीर कुलीन समूहों और रिपब्लिकन के साथ पहचान जारी रखते हुए अपनी नई अर्जित राजनीतिक स्थिति को मजबूत किया।" विल्सन को अंततः फिलाडेल्फिया के सबसे धनी निवासियों में से एक माना जाता था। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, जब 1779 में मुद्रास्फीति अधिक थी और भोजन का अकाल पड़ा, तो धन की इस छवि का विल्सन और उनके धनी सहयोगियों पर उल्टा प्रभाव पड़ा।

1779 के पतन में, एक सशस्त्र भीड़ द्वारा रॉबर्ट मॉरिस और 30 से अधिक अन्य अभिजात लोगों का जेम्स विल्सन के घर में पीछा किया गया। गोलीबारी शुरू हो गई और दोनों तरफ से लोग हताहत हुए।

स्थानीय सैनिकों को फोर्ट विल्सन दंगा के नाम से जाने जाने वाले स्थान में फंसे समूह को बचाना होगा।

Machine Translated by Google

जबकि विल्सन और ओपरा दोनों धन के लिए महत्वाकांक्षाएँ प्रदर्शित करते हैं उपलब्धि हासिल करने के अलावा, उनमें पैसे खर्च करने की भी प्रवृत्ति होती है। एक युवा महिला के रूप में, जब ओपरा से एक सौंदर्य प्रतियोगिता में पूछा गया कि वह दस लाख डॉलर के साथ क्या करेगी, तो उसने जवाब दिया कि वह "पैसा चाहने वाली मूर्ख" होगी। यह भविष्यवाणी विभिन्न घटनाओं में सच साबित हुई। मैयर के जीवनी लेखक ने उल्लेख किया है कि 1988 और 1990 के बीच ओपरा ने निजी सामान पर $35 मिलियन डॉलर खर्च किए।

इसके अलावा, जब प्रमुख स्टाफ सदस्यों या उनके रिश्तों के साथ समस्याएं उत्पन्न होती हैं, तो ओपरा की तत्काल प्रतिक्रिया इस उम्मीद में भारी मात्रा में पैसा खर्च करना, उपहार देना, छुट्टियां देना, नए घर खरीदना आदि होती है, इस उम्मीद में कि उसकी उदारता से चीजें सुलझ जाएंगी।

जेम्स विल्सन भी एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बहुत सारा पैसा खर्च करते हैं, लेकिन व्यापार के अवसरों और भूमि सट्टेबाजी के क्षेत्र में अधिक।
जेम्स विल्सन ने इलिनोइस में सीमांत भूमि खरीदी और इलिनोइस वबाश कंपनी के अध्यक्ष चुने गए। विडंबना यह है कि इस तरह, विल्सन के पास उस ज़मीन का स्वामित्व था जो बाद में शिकागो शहर बन गया, वह शहर जिसे ओपरा ने अपनी सभी गतिविधियों के लिए अपने घर और मुख्यालय के रूप में अपनाया था। "पैसा चाहने वाला मूर्ख" उपनाम विल्सन पर भी लागू होता है, क्योंकि उसके खर्च और सट्टेबाजी के कारण विल्सन दिवालिया हो गया। जेम्स विल्सन/

ओपरा विन्फ्रे को कर्ज बकाया के लिए जेल में भी रहना पड़ा।

जेम्स विल्सन की तरह, ओपरा सरकार से जुड़ी रही हैं कार्य प्रणाली और प्रायोजित कानून है। ओपरा ने राष्ट्रीय बाल संरक्षण अधिनियम के पारित होने का मार्गदर्शन करने के लिए इलिनोइस के पूर्व गवर्नर जेम्स थॉम्पसन को नियुक्त किया, जो बाल दुर्व्यवहार करने वालों को बाल देखभाल से जुड़ी नौकरियां लेने से रोकने में मदद करता है। इस कानून को "ओपरा अधिनियम" के रूप में भी जाना जाता है, और जब राष्ट्रपति क्लिंटन ने इस पर हस्ताक्षर कर इसे कानून बनाया तो ओपरा भी मौजूद थीं। दिलचस्प बात यह है कि जेम्स विल्सन के रूप में ओपरा ने क्रांति के समय में क्लिंटन को पीटन रैंडोल्फ के रूप में पहचाना होगा। जेम्स विल्सन/ओपरा

Machine Translated by Google

विन्फ्रे 1775 में प्रथम महाद्वीपीय कांग्रेस के लिए चुने गए।
पीटन रैंडोल्फ/बिल क्लिंटन ने अक्टूबर 1775 में अपनी अचानक और अप्रत्याशित मृत्यु तक प्रथम महाद्वीपीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

अंतिम समानता में, ओपरा और विल्सन दोनों वजन बढ़ाने की प्रवृत्ति प्रदर्शित करते हैं। जेम्स मैडिसन ने यह भी कहा कि जेम्स विल्सन "मोटे होते हैं"।

जॉन एडम्स में भी यह प्रवृत्ति थी, जैसा कि कुछ वर्षों में मेरी भी थी। ऐसा लगता है कि अत्यधिक भूख की विशेषता भी एक ऐसी विशेषता है जिसे जीवन से जीवन तक ले जाया जा सकता है। ऐसा लगता है कि ओपरा ने इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण करना सीख लिया है, क्योंकि हाल के वर्षों में वह काफी सुंदर दिखने लगी हैं। ऐसा लगता है कि जेम्स विल्सन डाइट पर हैं।

Machine Translated by Google

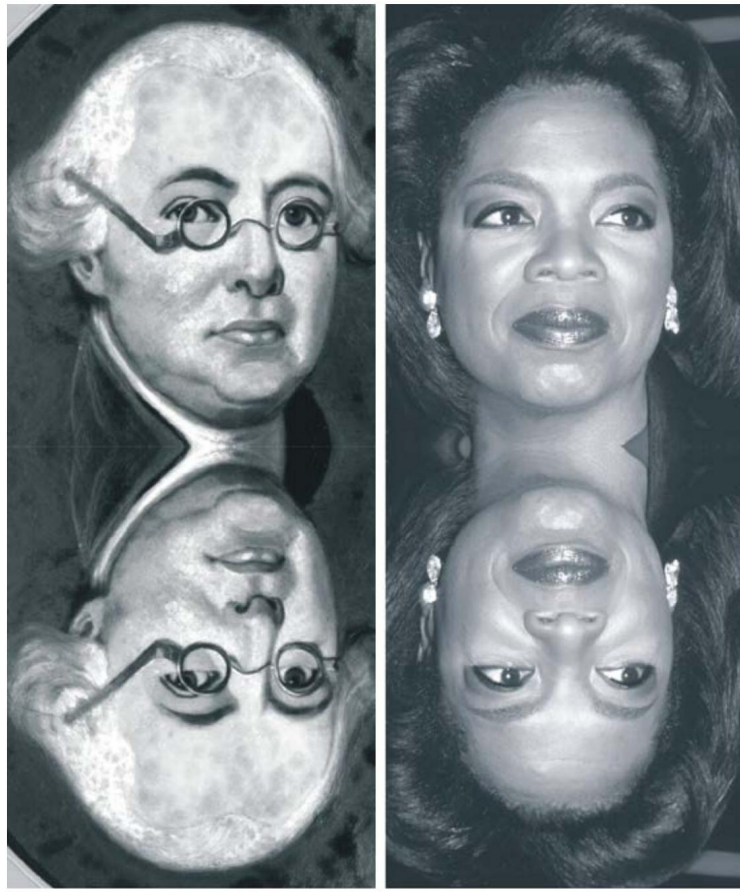

फोलिप फिशबोर्न व्हार्टन द्वारा,
स्वतंत्रता राष्ट्रीय ऐतिहासिक पार्क

जेम्स विल्सन

विवरण © एरियल रामरेज़/
कॉर्बिस

ओपराह विन्फ़्री

जेम्स विल्सन को अमेरिकी क्रांति के वक्ताओं में से एक माना जाता है। ओपरा ने कम उम्र से ही सार्वजनिक रूप से बोलने की प्रतिभा दिखाई। फिलाडेल्फिया में, विल्सन

अंग्रेजी साहित्य पढ़ाया, जो प्रतिबिंबित हुआ
ओपरा के बुक क्लब में.

Machine Translated by Google

14

पुनर्जन्म के रूप में हैले बेरी
डोरोथी डैंड्रिज,
एक आत्मीयता का मामला

अपने वर्षों के पुनर्जन्म अनुसंधान को करने में, मैं
ध्यान दें कि कभी-कभी, लोग अपने पिछले जीवन के व्यक्तित्व लक्षणों से आकर्षित होते हैं। मैंने यह अक्सर देखा है कि मैंने इस प्रकार के पुनर्जन्म मामले को नाम दिया है। मैं उन्हें "आत्मीयता के मामले" कहता हूं, जिससे वर्तमान में एक व्यक्ति उन लोगों के साथ गहरा बंधन दिखाता है जो वे पिछले अवतार में थे।

जब हैले बेरी ने अभिनेत्री डोरोथी डैंड्रिज के बारे में फिल्म बनाने के लिए बहुत कुछ त्याग किया और बहुत कुछ किया, तो यह अनुमान लगाना स्वाभाविक है कि हैले डोरोथी का पुनर्जन्म है। यह सिद्धांत इस तथ्य से समर्थित है कि हाले और डोरोथी के चेहरे की विशेषताएं बिल्कुल एक जैसी हैं। केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, अहतुन रे ने डोरोथी डैंड्रिज/हैल बेरी जोड़ी की अनुकूलता की पुष्टि की।

यह मामला न केवल यह जोड़ा, आत्मीयता के मामले का एक उदाहरण है
यह इस बात का भी उदाहरण है कि किसी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आत्मा का पुनर्जन्म कैसे हो सकता है। 8 सितंबर, 1965 को डोरोथी डैंड्रिज की मृत्यु हो गई; जबकि हैले बेरी का जन्म ठीक तीन साल बाद 14 अगस्त 1968 को हुआ था।

डोरोथी और हाले दोनों का जन्म क्लीवलैंड, ओहियो में हुआ था। 1954 में, डैंड्रिज को कारमेन जोन्स में उनकी भूमिका के लिए ऑस्कर के लिए नामांकित किया गया था, लेकिन उन्हें पुरस्कार नहीं मिला, क्योंकि उस समय हॉलीवुड में अफ्रीकी अमेरिकियों के साथ अभी भी भेदभाव किया जाता था। हाले बेरी के रूप में, मार्च 2002 में डोरोथी डैंड्रिज ने अपना सपना पूरा किया।

Machine Translated by Google

इस मामले में आश्चर्यजनक बात यह है कि वह दोस्ती कायम रहती है
दो जीवन. जब हाले डोरोथी डैंड्रिज के बारे में एक फिल्म बना रही थी, तो वह डोरोथी डैंड्रिज के करीबी
दोस्तों में से एक, गेरी ब्रैंटन के करीब हो गई, जो उस समय 70 वर्ष के थे।

एक साक्षात्कार में, ब्रैंटन ने डैंड्रिज और बेरी के बीच बड़ी समानताओं का उल्लेख किया। वो कहता है:

"आश्चर्यजनक है, और उसने (डैंड्रिज की भूमिका) बहुत अच्छे से निभाई।" बेर
जब ब्रैंटन से पूछा गया कि वह डैंड्रिज से कितना मिलता-जुलता है, तो वह भयभीत हो गया। ब्रेंटन ने कहा, "मुझे लगता है कि हैले का निजी जीवन बहुत चौंकाने वाला है क्योंकि यह बहुत समान है।"

"गेरी, श्श्श," बेरी ने कहा। लेकिन ब्रैंटन ने जारी रखा। “वे दोनों खूबसूरत लोग हैं, बाहर से तो खूबसूरत हैं
लेकिन अंदर से कहीं ज्यादा खूबसूरत हैं। उदार और मज़ेदार,'' उन्होंने कहा। ''विश्वास करना मुश्किल है।

और जब मैंने पहली बार हाले को देखा, तो मैं बहुत चकित हो गया, सचमुच स्तब्ध रह गया। वे बहुत-बहुत समान हैं।"

हाले बेरी स्वयं कहती हैं कि उनका जीवन डैंड्रिज के समान है
—“हॉलीवुड में होने के नाते, एक मुख्य अभिनेत्री की तरह बनना और महसूस करना चाहती हूं, लेकिन एक ऐसी इंडस्ट्री में जहां हमारे लिए कोई जगह नहीं है।

मेरा संघर्ष भी उनके जैसा ही रहा है, एक महिला प्रधान के रूप में अपने लिए जगह बनाने की कोशिश करना। और, हालाँकि उसने मेरे लिए दरवाज़ा खोल दिया है, क्योंकि उसे कभी भी उस तरह से नहीं जाना गया जिस तरह से उसे जाना जाना चाहिए, मैं अभी भी उसके जैसी ही स्थिति में हूँ।"

लेकिन 2002 में ऑस्कर नाइट के बाद, यह सच नहीं रहा।
उस अवसर पर, हैले बेरी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का ऑस्कर जीतने वाली अफ्रीकी अमेरिकी बन गईं।

हाले बेरी और डोरोथी डैंड्रिगे के संबंध में एक दिलचस्प बात घटी, जैसा कि 2003 में रिपोर्ट किया गया था।
फिल्म बनाते समय, डोरोथी डैंड्रिज का परिचय देते हुए, हाले को एक पोशाक मिलती है जो कभी डोरोथी की थी, जिसे वह घर पर रखती है।
सुरक्षा के लिए कपड़ों को कागज और प्लास्टिक में रखा जाता है। आइए देखें कि हैले बेरी का इस घटना के बारे में क्या कहना है:

“एक रात मैं घर पर था

Machine Translated by Google

दोस्त और चाय पी रहे थे तभी हमने शोर सुना। पहले तो मुझे लगा कि यह सिर्फ चायदानी से पानी टपक रहा है, फिर मुझे एहसास हुआ कि आवाज़ कमरे से आ रही थी, और रैपिंग पेपर हिल रहा था-

अकेला! मैं और मेरे दोस्त तुरंत वहां से भाग गये!"

"तब घर पर एक और अजीब बात घटी जब मैं शर्ट पहन रहा था। मैं घर पर हूं और घर की नौकरानी ने कहा कि उसने मेरे बाथरूम में मेरी ड्रेसर कुर्सी को ऊपर की ओर हिलते हुए सुना है। और रेफ्रिजरेटर का दरवाज़ा अपने आप खुल गया। मैंने कोई मज़ाक नहीं किया।"

"जब फिल्म खत्म हो गई, तो मैं शर्ट लेना चाहता था, लेकिन मुझे इसे उतारना पड़ा। फिर सब कुछ सामान्य हो गया।''1

हाले बेरी ने इन घटनाओं की व्याख्या इस प्रकार की कि डोरोथी डैंड्रिज का भूत उसके घर में था। मैं खुद नहीं जानता कि इस मनोविश्लेषणात्मक घटना के घटित होने का कारण क्या है, लेकिन मैं किसी अन्य अवसर पर अहतुन रे से पूछूंगा कि वह क्या सोचता है। शायद यह हाले बेरी की अपनी आत्मा या एक मार्गदर्शक आत्मा थी, जो उसे एक संदेश देने की कोशिश कर रही थी। हम अगले अध्याय में मनोविश्लेषणात्मक घटनाओं के बारे में और अधिक जानेंगे, जिसमें उरी गेलर भी शामिल हैं।

Machine Translated by Google

योगदान करें mptv.net

विवरण © रूफस एफ. फोल्क्स/कॉर्बिस

डोरोथी डैंड्रिज हैली बैरी

डोरोथी डैंड्रिज एक ऐसी अभिनेत्री हैं जिन्होंने ऑस्कर नहीं जीता, आंशिक रूप से क्योंकि वह भेदभाव के युग में काली थीं।

हाले ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का ऑस्कर जीतकर डोरोथी का सपना पूरा किया। डोरोथी के बारे में एक फिल्म बनाते समय, हाले ने अपने पिछले जीवन के साथ एक मजबूत बंधन प्रदर्शित किया व्यक्तित्व, एक घटना जिसे "एफ़िनिटी केस" कहा जाता है।

Machine Translated by Google

15

उरी गेलर, डैनियल डुंगलास होम, और एरियल शेरोन

उरी गेलर, जिन्होंने अपने चम्मचों को मोड़कर प्रसिद्धि अर्जित की मन, ग्रह पर सबसे अद्भुत व्यक्तियों में से एक है।

एक मित्र, परामनोविज्ञानी और रूट्स ऑफ कॉन्शसनेस के लेखक जेफ़री मिशलोवे ने सबसे पहले यह संदेह किया था कि गेलर 19वीं सदी के डेनियल डुंगलास होम का पुनर्जन्म था, जो गेलर की तरह ही मनोविश्लेषणात्मक घटनाओं से चिंतित था।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि उरी गेलर होम का पुनर्जन्म था।

जैसा कि जॉर्ज डब्ल्यू से जुड़े अध्याय में बताया गया है।
बुश, बिल क्लिंटन, और अल गोर, उरी गेलर ने 2000 में अपने रेडियो शो में मेरा साक्षात्कार लिया, इसलिए मेरे पास उनका ई-मेल पता और फोन नंबर है। होम के साथ उसकी पहचान की पुष्टि करने के बाद मैंने उरी को चित्रों के साथ एक संदेश भेजा जिसमें उसके चेहरे की विशेषताओं की होम से तुलना की गई। जब मुझे लगभग एक सप्ताह तक उरी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिलती, तो मैं उसे फोन करता हूँ। जब मैंने उससे बात की, तो उरी काफी खुश लग रहा था कि मैंने उसके लिए पिछले जीवन की पहचान बना ली है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने मेरा ई-मेल नहीं देखा है; वह बताते हैं कि उन्हें हर दिन सैकड़ों पत्र मिलते हैं। जब मैं कुछ पृष्ठभूमि जानकारी समझाने की कोशिश कर रहा था, तो उरी ने एक अधीर प्रश्न के साथ मेरी बात काट दी, "तो फिर मैं कौन हूं?" मैंने कहा, "आप डेनियल डी. होम हुआ करते थे।" गेलर ने फिर कहा, “डैनियल डुंगलास होम! हे भगवान, मेरी गर्दन पर बाल बिल्कुल खड़े हो गए! मैं होम जानता हूं, मैंने लिखा भी

Machine Translated by Google

उसके बारे में।" मैंने गेलर को सूचित किया कि मैंने उसके मामले को अपनी पुस्तक में शामिल करने की अनुमति मांगी है। इससे पहले कि और कुछ कहा जा सके, गेलर ने कहा कि उसे ई-मेल ढूंढना होगा

मैंने तुरंत और उसने जल्दी से विदा ली. दो सप्ताह बाद, उरी रिवोल्यूशनरीज़ में डेनियल डी. होम के पुनर्जन्म के रूप में प्रदर्शित होने के लिए सहमत हो गया।

इस मामले को प्रस्तुत करते समय, मैं सबसे पहले डैनियल डी. होम और उरी गेलर का संक्षिप्त जीवनी विवरण दूंगा। फिर मैं जीवन इतिहास, व्यक्तित्व, मानसिक या अलौकिक क्षमताओं और उनकी मध्यम क्षमताओं के सामान्य लक्षणों की विस्तार से समीक्षा करूंगा। इस बिंदु पर आइए हम उपयोग किए जाने वाले कुछ शब्दों की समीक्षा करें।

आइए हम एक माध्यम को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित करें जो एक मध्यस्थ, एक "कनेक्टर" के रूप में कार्य करता है, जो आध्यात्मिक प्राणियों को मनुष्यों से जोड़ने का काम करता है।

दूसरी ओर, अलौकिक सिध्दियों को हम उन क्षमताओं के रूप में सोचेंगे जो किसी बाहरी आध्यात्मिक व्यक्ति की भागीदारी के बिना, किसी व्यक्ति के भीतर पहले से मौजूद हैं। अलौकिक क्षमता का एक उदाहरण टेलीपैथी है, जिसमें विचार एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक प्रसारित होते हैं। एक पूर्वाभास, जिससे भविष्य की घटना देखी जा सकती है, एक और असाधारण घटना है। दूर देखना एक और अलौकिक क्षमता है जिसके द्वारा दूर स्थानों में होने वाली घटनाओं को मन से देखा जा सकता है। निःसंदेह, एक व्यक्ति के पास दोनों प्रकार की प्रतिभा हो सकती है और उसके भीतर असाधारण क्षमता के साथ-साथ एक माध्यम की क्षमता भी हो सकती है।

इस पुस्तक में हमने जिन माध्यमों का सामना किया है उनमें केविन भी शामिल है
रायर्सन और बॉबी जो, जिन्हें पेनी पीयर्स में दिखाया गया है
मामला।

एक भौतिक माध्यम को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया जाता है जो असामान्य भौतिक घटनाएं उत्पन्न करता है, जैसे कि फर्नीचर को तैराना।
यदि किसी को भौतिक माध्यम के रूप में संदर्भित किया जाता है, तो इसका मतलब है कि उड़ने वाली घटना किसी बाहरी प्राणी, जैसे आत्मा, के कारण होती है।
माध्यम आत्मा के लिए एक मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है, ताकि गैर-अवतरित प्राणी वस्तुओं, या घटनाओं को ऊपर उठाने का कारण बन सके।

Machine Translated by Google

दूसरा, भौतिक आयाम पर। सामान्य तौर पर, माध्यमों को यह समझ में नहीं आता कि जिस भावना को वे संचारित करते हैं वह मँडराने जैसी भौतिक घटनाएँ कैसे पैदा करती है। टेलीकिनेसिस या साइकोकाइनेसिस ऐसे शब्द हैं जो एक ही चीज़ को व्यक्त करते हैं और केवल मन के कारण होने वाले शारीरिक प्रभावों को संदर्भित करते हैं। ये दो शब्द यह परिभाषित नहीं करते हैं कि भौतिक प्रभाव किसी बाहरी आध्यात्मिक व्यक्ति के कारण होते हैं या घटना से संबंधित किसी इंसान के कारण होते हैं।

डैनियल होम का जन्म 1833 में स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग के पास हुआ था।
चार साल की उम्र में, डैनियल ने असाधारण प्रतिभा दिखाई, उदाहरण के लिए, वह घटनाओं को जानने में सक्षम था, जैसे कि परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु, जो भौगोलिक रूप से दूर के स्थानों में हुई थी।
जब डेनियल 9 वर्ष के थे, तब उनका परिवार संयुक्त राज्य अमेरिका चला गया, फिर कनेक्टिकट में बस गया। 1820 में, जब होम 17 वर्ष का था, अचानक उसके आसपास टेलीकेनेटिक घटनाएँ घटीं।

वर्णित पहली घटनाओं में से एक कुर्सी पर घटित होती है
जब वह नाश्ता कर रहा होता है तो वह अचानक अपने आप घर के करीब चला जाता है। घर भी दूसरों की तरह ही हैरान था और उसने टिप्पणी की, "हमारे नाश्ते में इस तरह की गड़बड़ी का कारण क्या है?"1 तब से, कमरे के चारों ओर फर्नीचर का हिलना, यहाँ तक कि मंडराना, घर के चारों ओर एक नियमित घटना बन गई है। प्रमुख विद्वानों ने होम की शक्ति पर ध्यान दिया, जिनमें न्यूयॉर्क सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जॉन डब्ल्यू एडमंड्स भी शामिल थे।

1855 में होम लंदन, इंग्लैंड चला गया। होम ने आत्माओं से बात करने के लिए सभाएं आयोजित करना शुरू कर दिया, जिसने अमीर और प्रभावशाली लोगों का ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने बदले में होम को आवास और भोजन प्रदान किया। होम सत्र बैठकों के लिए कभी शुल्क नहीं लेता, लेकिन वह उपहारों से इनकार नहीं करता। आवश्यकता पड़ने पर होम सार्वजनिक प्रदर्शन आयोजित करके पैसा कमाता है। वह दुनिया में सबसे प्रसिद्ध माध्यम बन गया और देश के शासकों द्वारा उसकी मांग की गई। होम फ्रांस के सम्राट नेपोलियन तृतीय का करीबी बन गया। नेपोलियन III विशेष रूप से होम से प्रभावित हुआ जब आत्मा ने मेज पर दस्तक दी और सवालों के जवाब दिए

Machine Translated by Google

उन्होंने शब्दों के माध्यम से नहीं, बल्कि अपने मन में प्रस्ताव रखा।

रोम में, होम की मुलाकात साचा नाम की एक महिला से होती है, जो रूसी शाही परिवार की वंशज है। उससे मिलने के बाद, होम को एक आभास होता है, जहां वह जानता है कि साचा उसकी पत्नी बनेगी।

रूस के ज़ार अलेक्जेंडर द्वितीय ने व्यक्तिगत रूप से विवाह को अपना आशीर्वाद दिया और ज़ार होम का घनिष्ठ मित्र बन गया। 1859 में, साचा और होम का ग्रेगोइरे नाम का एक बेटा हुआ, जिसे ग्रिचा उपनाम दिया गया था। अलेक्जेंडर द्वितीय, ज़ार, ग्रिचा के गॉडपेरेंट्स बने। जैसे-जैसे उसका बेटा बड़ा होता है, होम को पता चलता है कि ग्रिचा की उपस्थिति से मनोविश्लेषणात्मक घटनाएँ बढ़ जाती हैं।2

दुर्भाग्य से, होम को तपेदिक हो गया और उसकी पत्नी, साचा भी इसकी चपेट में आ गई। शादी के केवल चार साल बाद ही होम ने अपनी प्रिय पत्नी को तपेदिक के कारण खो दिया। उनकी मृत्यु के बाद, होम एक कलाकार बनकर वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने की आशा से, मूर्तिकला का अध्ययन करने के लिए रोम चले गए। 1863 में, उन्होंने अपनी आत्मकथा, इंसीडेंट्स ऑफ़ माई लाइफ़ का पहला संस्करण प्रकाशित किया, हालाँकि किताब का अधिकांश भाग वास्तव में उनके वकील द्वारा लिखा गया था। 1869 में, सेंट विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर अलेक्जेंडर अक्साकॉफ़।

पीटर्सबर्ग और होम के एक मित्र ने रूसी अदालत में अपने संबंधों के माध्यम से उन्हें सर विलियम क्रुक्स से मिलवाया। क्रुक्स एक प्रसिद्ध ब्रिटिश वैज्ञानिक हैं जो प्रख्यात अमेरिकी अध्यात्मवादी केट फॉक्स का अध्ययन करते हैं। सर विलियम क्रूक्स ने 1870 में गृह अध्ययन किया।

विभिन्न प्रलेखित घटनाओं के बीच, क्रुक्स ने होम को दो मौकों पर मंडराते हुए देखा और एक आत्मा को कमरे के चारों ओर अकॉर्डियन बजाते हुए उड़ते देखा (क्रूक्स की पत्नी के डर से चिल्लाने के बाद वह आत्मा गायब हो गई)। विभिन्न सत्रों में, होम अक्सर अकॉर्डियन का केवल एक सिरा पकड़ता है, जबकि एक अदृश्य स्पिरिट हाथ वाद्ययंत्र के कीबोर्ड को बजाएगा।

अक्सर, बजाए जा रहे संगीत को बहुत सुंदर बताया जाता है, मानो वह किसी दूसरी दुनिया से आया हो। अन्य अवसरों पर, राग काफी सामान्य है, जैसे "गॉड सेव द क्वीन" गीत।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह कोई चाल नहीं है, सर विलियम

Machine Translated by Google

क्रुक्स ने एक लोहे का पिंजरा बनाया, जिसमें अकॉर्डियन रखा गया था।
होम ने पिंजरे के शीर्ष के माध्यम से अकॉर्डियन का एक सिरा पकड़ रखा है जबकि एक अदृश्य हाथ कैद संगीत वाद्ययंत्र की धुन बजा रहा है। इस तरह के प्रयोगों की एक श्रृंखला के बाद, 1871 में क्रुक्स ने घोषणा की कि होम की क्षमताएँ वास्तविक थीं। उनके कामकाजी संबंधों के परिणामस्वरूप, क्रुक्स और होम सबसे अच्छे दोस्त बन गए। अध्यात्मवाद के बारे में वैज्ञानिक समुदाय की सोच बंद थी और क्रुक्स को केट फॉक्स और डैनियल होम पर अपने शोध के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। हालाँकि, वर्षों बाद, क्रुक्स को ब्रिटिश एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट का अध्यक्ष चुना गया

विज्ञान की।

जिस अवधि के दौरान सर विलियम क्रूक्स के साथ प्रयोग हुए, डैनियल होम की मुलाकात रूसी शाही परिवार के एक अन्य सदस्य जूली डी ग्लौमेलिन से हुई। जूली ने नोट किया कि उनके परिचय के समय, एक आवाज ने उसे बताया कि उसका पति यहीं है।

उन्होंने अक्टूबर 1871 में शादी कर ली। जूली घर के प्रति बहुत समर्पित थीं और वह उनके बारे में दो किताबें लिखती थीं। इसके बाद के वर्षों में होम ने मनोविश्लेषणात्मक घटनाओं का प्रदर्शन जारी रखा और मार्क ट्वेन जैसी विश्व हस्तियों से दोस्ती की। होम की 21 जून, 1886 को फ्रांस के नीस में तपेदिक से मृत्यु हो गई।

उरी गेलर का जन्म ठीक 20 दिसंबर 1946 को इज़राइल में हुआ था
डेनियल डी. होम की मृत्यु के 60 वर्ष बाद। पहली असामान्य घटना तब घटी जब वह 3 या 4 साल का था।

इस घटना का वर्णन उनकी आत्मकथा 'माई स्टोरी' में किया गया है।
जब वह अपने घर के सामने एक अरबी बगीचे में खेल रहा था, तो सूर्य के समान चमकीली एक चाँदी की रोशनी उस पर पड़ी। उसके कानों में तेज़ आवाज़ सुनाई दी, माथे में दर्द हुआ, फिर वह हार गया

जागरूकता।

जब उरी जागा, तो उसे पता चला कि उसके साथ कुछ महत्वपूर्ण घटित हुआ है, हालाँकि वह अभी तक समझ नहीं पाया था कि यह क्या था।
अगले वर्षों में, उरी को पता चला कि उसके पास टेलीपैथिक क्षमताएं हैं, जैसे कि करने की क्षमता

Machine Translated by Google

जानो, मन में क्या चल रहा है। वह अपनी माँ से जुड़ा एक उदाहरण बताता है, जिसे अपने दोस्तों के साथ ताश खेलना पसंद था। उरी को पता चलता है कि उसे ठीक-ठीक पता है कि उसकी माँ ने कितना पैसा जीता या हारा है, इससे पहले कि वह इसके बारे में एक भी शब्द बोल पाता। जब उरी 9 साल का था, तो वह मासूमियत से घर पर मशरूम का सूप खा रहा था, तभी उसका चम्मच अनायास मुड़ गया और गर्म सूप उसकी गोद में गिर गया।

एक क्षण बाद, चम्मच का सिरा टूट गया, मानो चम्मच के हैंडल का कनेक्शन पिघल गया हो। उरी अपनी माँ की तरह ही आश्चर्यचकित था।

उरी गेलर के पिता इजरायली सेना में एक स्टील टैंक सार्जेंट थे और उनकी माँ एक दर्जी के रूप में काम करती थीं। अंततः इस जोड़े का तलाक हो गया और उरी और उसकी माँ भूमध्य सागर में साइप्रस द्वीप पर चले गए, जहाँ टेलीपैथिक और साइकोकाइनेटिक घटनाएँ जारी रहीं। एक किशोर के रूप में, उरी गेलर को जीवन में पूर्वनिर्धारित पथ का ज्ञान था। 1950 के दशक में उरी ने अपनी शिक्षिका जूली एग्रोटिस से कहा कि वैज्ञानिक उनका अध्ययन करेंगे और वह विश्व शांति के लिए काम करेंगे। उरी और उसकी मां बाद में तेल अवीव लौट आए और जब वह सैन्य सेवा की उम्र में पहुंचे, तो उरी इजरायली सेना में भर्ती हो गए। जून 1967 में छह दिवसीय युद्ध छिड़ गया और एक पैराशूट सैनिक उरी ने रमाला के पास लड़ाई को प्रत्यक्ष रूप से देखा।

लड़ाई में उनके दोनों हाथों और सिर में चोट लग गई।

जब गेलर अपनी चोटों से उबर रहे थे, तब उनसे पूछा गया बच्चों के लिए एक अवकाश शिविर में परामर्शदाता के रूप में काम करना। शिविर में, गेलर ने टेलीपैथी और चम्मच मोड़ने वाले प्रदर्शनों से बच्चों का मनोरंजन किया। फिर उरी की मुलाकात 12 या 13 साल के लड़के शिमशोन श्रत्रंग से होती है, जिसका उपनाम शिपी है। वे दोनों एक-दूसरे के साथ प्रतिध्वनित होने लगे और गेलर ने देखा कि उसकी टेलीपैथिक क्षमताएं और धातु झुकने की घटना शिपी के आसपास बढ़ गई थी।3 दोनों करीबी दोस्त बन गए। शिपी ही वह व्यक्ति था जिसने गेलर को एक बड़े सार्वजनिक मंच पर अपना शो प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया और अंततः उसका प्रबंधक बन गया।

शिपी ने उसे अपनी जैविक बहन हन्ना से भी मिलवाया।

Machine Translated by Google

वर्षों बाद, उरी गेलर हन्ना से शादी करेगा।
शादी में गायक माइकल जैक्सन भी दूल्हे के साथी के तौर पर शामिल हुए थे.

संयुक्त राज्य अमेरिका की एक डॉक्टर, एंड्रीजा पुहरिच को अलौकिक घटनाओं में रुचि है और वह उरी गेलर को देखने के लिए इज़राइल आती है। उन्हें तुरंत एक जुड़ाव महसूस हुआ और उरी ने अपनी आत्मकथा में लिखा, "जिस क्षण मैंने एंड्रीजा को देखा, मुझे अंतर्ज्ञान से पता चल गया कि मैं उसके साथ काम कर सकता हूं।" गेलर ने यह भी देखा कि शिपी और हन्ना भी पुहारिच को पसंद करते थे। इज़राइल में प्रारंभिक शोध किए जाने के बाद, पुहारिच ने स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआरआई) के वैज्ञानिकों को पत्र लिखकर सिफारिश की कि वे औपचारिक रूप से गेलर की क्षमताओं की जांच करें। 1972 और 1973 में एसआरआई में गेलर की प्रतिभा का परीक्षण किया गया। इन प्रयोगों को अंजाम देने वाले वैज्ञानिकों में अपोलो अंतरिक्ष यात्री एडगर मिशेल, पीएच.डी.; रसेल टार्ग, पीएच.डी., एक भौतिक विज्ञानी; और हैल पुथॉफ़, पीएच.डी., एक क्वांटम भौतिक विज्ञानी। जब एसआरआई में प्रायोगिक प्रयोग किए जा रहे थे, गेलर की मुलाकात रॉकेट वैज्ञानिक वर्नर वॉन ब्रौन से भी हुई। गेलर ने वॉन ब्रॉन की शादी की अंगूठी को मोड़ दिया, जब वह वॉन ब्रॉन के हाथ में थी।

एसआरआई में शोध का फोकस टेलीपैथिक प्रयोगों पर था और अंत में, प्रमुख ब्रिटिश जर्नल, नेचर में एक वैज्ञानिक पत्र प्रकाशित हुआ, जिसमें गेलर की टेलीपैथिक क्षमताओं को वास्तविक बताया गया।

इसके बाद गेलर का जून 1974 में किंग्स कॉलेज, लंदन में दोबारा परीक्षण किया गया।
प्रोफेसर जॉन टेलर ने इन प्रयोगों का पर्यवेक्षण किया और एसआरआई के शोध के विपरीत, उन्होंने गेलर की मनोविश्लेषणात्मक क्षमताओं की जांच की। प्रयोगशाला की स्थितियों में, एक धातु का तार अपने आप मुड़ता हुआ देखा गया और पीतल का एक टुकड़ा अपने आप 20 फीट तक चला गया। फिर तांबे का एक टुकड़ा तैरने लगा और पहले पीतल के टुकड़े के साथ जुड़ गया। एक सीधी लोहे की छड़ अपने आप चली गई और प्रोफेसर टेलर के पैरों पर आकर झुकी हुई पाई गई। इसके अलावा किंग्स कॉलेज की प्रयोगशाला में, गेलर केवल कम्पास पर ध्यान केंद्रित करके उसे 40 डिग्री तक घुमाने में भी सक्षम थे और उन्होंने उपकरण में सुई को सक्रिय कर दिया।

Machine Translated by Google

गीजर केवल अपने दिमाग से नापता है। घटना की निगरानी के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण संकेत देते हैं कि गेलर के कार्यों के दौरान कोई विद्युत शक्ति, चुंबकीय क्षेत्र या विकिरण उत्पन्न नहीं होता है।

बिर्कबेक कॉलेज के वैज्ञानिक प्रोफेसर डेविड बोहम, जो लंदन विश्वविद्यालय का हिस्सा है, गेलर का मूल्यांकन करने वाला अगला अकादमिक वैज्ञानिक था। गेलर द्वारा बोहम को एक उज्ज्वल और संवेदनशील व्यक्ति के रूप में वर्णित किया गया है और उन दोनों के बीच एक विशेष संबंध विकसित होता है। क्वांटम भौतिक विज्ञानी के रूप में बोहम ने अल्बर्ट आइंस्टीन और नील्स बोह्र के साथ काम किया था, और वह परमाणु को विभाजित करने के पहले प्रयासों में शामिल लोगों में से एक थे। बिर्कबेक में प्रयोगों को देखने के लिए कई मेहमानों को भी आमंत्रित किया गया था, जिनमें काल्पनिक लेखक आर्थर सी. क्लार्क भी शामिल थे, जिन्होंने 2001: ए स्पेस ओडिसी लिखी थी।

बिर्कबेक कॉलेज में, प्रयोगशाला की स्थितियों में, गेलर ने मुड़ी हुई चाबियाँ बनाईं और फिर से उन्होंने अपने दिमाग से गीजर गेज को घुमाया। गेलर वैनेडियम कार्बाइड के आधे क्रिस्टल भी बनाता है, जिसे प्लास्टिक ट्यूब में सील करके विघटित किया जाता है। अंत में, प्रोफेसर जॉन टेलर और प्रोफेसर डेविड बोहम ने उरी गेलर के समर्थन में लिखा, यह स्वीकार करते हुए कि उनकी मनोवैज्ञानिक क्षमताएं वास्तविक थीं। उन्होंने यह भी ध्यान दिया कि गेलर द्वारा प्रदर्शित घटनाएँ भौतिकी के ज्ञात नियमों से पूरी तरह बाहर हैं।

स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट, किंग्स कॉलेज और बिर्कबेक कॉलेज में प्रयोग 1970 के दशक में आयोजित किए गए थे।
तब से, उरी गेलर ने अपनी मनोविश्लेषणात्मक क्षमताओं का प्रदर्शन जारी रखा है, विश्व नेताओं और मशहूर हस्तियों के साथ दोस्ती की है, और विभिन्न मीडिया के माध्यम से अपना संदेश देना जारी रखा है। संदेश यह है कि ये ताकतें मानव मस्तिष्क में कुछ असाधारण और कुछ ऐसी चीज़ों का संकेत देती हैं जिनकी व्याख्या करना अभी बाकी है। उरी की आशा है कि मानव क्षमता को और अधिक तलाशने के लिए मानवता इन ताकतों की जांच करेगी। साथ ही, उन्होंने बार-बार कहा कि उनकी सबसे बड़ी इच्छा शांति थी

Machine Translated by Google

विश्व और इन शक्तियों के कारण वह अपने पास उपलब्ध मंचों का उपयोग सहिष्णुता और समझ के प्रवक्ता बनने के लिए करेगा।

डेनियल डी. होम और उरी गेलर घटना की तुलना

मुझे संदेह है कि उरी गेलर डेनियल डी. होम का पुनर्जन्म है।
मैं यह दिखाने की कोशिश में डैनियल डी. होम और उरी गेलर की टेलीपैथिक और साइकोकाइनेटिक क्षमताओं की समीक्षा करूंगा कि इन दोनों व्यक्तियों की प्रतिभाएं समान हैं।

फिर, मैं उनके व्यक्तित्व लक्षणों की तुलना करूँगा।
इस तरह, मैं एक और उदाहरण दिखाने की उम्मीद करता हूं कि कैसे प्रतिभाएं, योग्यताएं, रुचियां और व्यक्तित्व एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल तक सुसंगत रहते हैं। आइए सबसे पहले उन प्रतिभाओं पर चर्चा करें जो डेनियल होम और उरी गेलर में समान हैं।

पूर्वाभास, टेलीपैथी और दूर से देखना

होम: 4 साल की उम्र में, डैनियल होम ने पहली बार घटनाओं का वर्णन किया
जो उससे दूर हुआ। क्या यह एक टेलीपैथिक घटना थी, जहां विचार उत्सर्जित हुए थे, या दूरदर्शिता का एक रूप था, यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सका। 17 साल की उम्र में, होम ने सटीक भविष्यवाणी की थी कि उसकी माँ 42 साल की उम्र में मर जाएगी। उसकी माँ की मृत्यु के बाद, यह बताया गया कि होम अभी भी आत्मा क्षेत्र में उसके साथ लगातार संपर्क में था। इस संचार को एक टेलीपैथिक घटना के रूप में देखा जा सकता है जिसमें एक आत्मा शामिल है।

होम में 13 साल की उम्र में एक दृश्य टेलीपैथिक संदेश है, जिसमें इरविन नाम का बचपन का सबसे अच्छा दोस्त प्रकट होता है और अपने दाहिने हाथ से तीन घेरे बनाता है। इरविन और होम ने वर्षों पहले एक समझौता किया था कि जो लोग पहले मरेंगे उनमें से एक दूसरे के साथ संवाद करने का प्रयास करेगा। होम इस दृष्टि अर्थ की सटीक व्याख्या करता है

Machine Translated by Google

इरविन की मृत्यु 3 दिन पहले हो गई थी।5 बाद में, होम को ध्रुवीय महासागर में अपने भाई की मृत्यु का आभास हुआ। होम का भाई, एडम, वास्तव में ध्रुवीय क्षेत्रों की जांच कर रहे एक जहाज के अधिकारियों के साथ भालू का शिकार करते समय मर गया।

गेलर: गेलर की सबसे प्रारंभिक अभिव्यक्तियों में से एक

अलौकिक क्षमताएँ उसकी माँ के मन को पढ़ने की क्षमता थी।
एक बच्चे के रूप में उरी बार-बार यह बताने में सक्षम था कि उसकी माँ ने कार्ड गेम में कितने पैसे जीते या हारा। बाद में, उरी को टेलीपैथिक तरीके से पता चलता है कि उसकी माँ एक कार दुर्घटना में है। साइप्रस में, उसे पता चला कि वह अपने सहपाठियों से टेलीपैथिक रूप से उत्तर और संपूर्ण निबंध लेकर, बिना पढ़ाई किए, स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण कर सकता है।

उरी गेलर को खतरे और मौत के कई पूर्वाभास हो चुके थे।
एक बच्चे के रूप में, चिड़ियाघर की यात्रा के दौरान, उरी को महसूस हुआ कि एक खतरनाक स्थिति उत्पन्न हो गई है और उसे तुरंत जगह छोड़ने की इच्छा हुई। बाद में पता चला कि एक शेर अपने पिंजरे से भाग गया था और चिड़ियाघर में कई आगंतुकों का पीछा कर रहा था। एक किशोर के रूप में, उरी को टेलीपैथिक रूप से पता चलता है कि उसके सौतेले पिता को एक आपातकालीन चिकित्सा स्थिति के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह अस्पताल चला गया और सीधे चौथी मंजिल की ओर चला गया, जहां उसके सौतेले पिता की निगरानी की जा रही थी। उरी अपने सौतेले पिता को उसकी स्थिति या उसके सौतेले पिता के स्थान के बारे में किसी बाहरी सूचना के बिना ढूंढता है। वह यह भी जानता था कि उसके सौतेले पिता की मृत्यु हो जायेगी।

जब उसके पिता उरी को स्टील की जंजीरों वाले एक सैन्य वाहन में ले जाते हैं और जैसे ही वे एक खड़ी बैंक पर चढ़ने लगते हैं, तो उन्हें एहसास होता है कि खतरा आसन्न है और उरी जिद करता है कि उसके पिता बैंक छोड़ दें। कुछ सेकंड बाद, भारी वाहन की स्टील की एक चेन टूट गई, जिससे वाहन किनारे पर होने पर पलट गया।

जब छह दिवसीय युद्ध छिड़ जाता है और उरी युद्ध में जाने के लिए तैयार होता है, तो उसे पूर्वाभास होता है कि उसके साथ कुछ होगा, जैसे कि घायल होना, लेकिन वह यह भी जानता है कि वह मरेगा नहीं। ये सच निकला

Machine Translated by Google

घटित होना। जब वह एक बख्तरबंद वाहन के शीर्ष पर अवराम नाम के एक दोस्त को देखता है, तो उरी को एक पूर्वाभास होता है कि अवराम युद्ध में मर जाएगा, जो अगले दिन होता है।

जब युद्ध के बाद उरी गेलर ने बच्चों के शिविर में प्रदर्शन किया, तो टेलीपैथी, जैसे कि बच्चों के दिमाग में आने वाली संख्याओं का सही अनुमान लगाना, उनकी प्रदर्शित प्रतिभाओं में से एक थी। जैसा कि पहले चर्चा की गई है, उरी गेलर की टेलीपैथिक क्षमताओं को स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट में वैज्ञानिक रूप से सिद्ध किया गया है। एसआरआई में किए गए परीक्षणों में दृश्य से छिपी हुई छवि को फिर से बनाने का प्रयास शामिल था। इस क्षमता को दृश्य टेलीपैथी माना जा सकता है, हालाँकि "दूरदर्शिता" शब्द का भी प्रयोग किया जा सकता है।

वस्तुओं का संचलन, तैरना और हेरफेर

घर: घर में होने वाली आम घटनाओं में से एक है भारी फर्नीचर सहित वस्तुओं का हिलना और तैरना।

एक दिलचस्प बात यह है कि मेज पर रखी वस्तुएं, जो तैरती हैं और क्षैतिज रूप से घूमती हैं, मेज पर चिपकी हुई सी रहती हैं। मोमबत्ती की लपटें झुकी हुई मेज पर ऊपर की ओर अपनी दिशा बनाए रखती थीं।

इसलिए, आग की लपटें गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देती हुई प्रतीत हो रही थीं। कुर्सियाँ, लैंप और अन्य घरेलू सामान अपने आप हिलेंगे, और अकॉर्डियन और पियानो अपने आप बजेंगे जैसे कि किसी अदृश्य हाथ से हिल रहे हों। चमकते हाथ दिखाई देंगे, दर्शकों को छूएंगे, या वस्तुएं उठाएंगे, फिर गायब हो जाएंगे। भाप जैसे बादल अनायास प्रकट होंगे और फिर गायब हो जायेंगे। सर विलियम क्रूक्स ने इनमें से कई घटनाओं को नियंत्रित परिस्थितियों में देखा। इन घटनाओं के कारण, एक पर्यवेक्षक ने होम पर टिप्पणी की, "यह जो महान आकर्षण प्रदर्शित करता है वह निर्जीव वस्तुओं के साथ इसका रहस्यमय संबंध है।"6

Machine Translated by Google

गेलर: किंग्स कॉलेज में नियंत्रित प्रयोगशाला स्थितियों के तहत, वस्तुएं कमरे में अपने आप घूमती दिखाई दीं, एक हाथ का कंपास 40 डिग्री विचलित हो गया और एक गीजर गेज सक्रिय हो गया। बिर्कबेक कॉलेज में, नियंत्रित परिस्थितियों में, चाबियाँ मोड़ दी जाती हैं, एक गीगर गेज सक्रिय हो जाता है, और वैनेडियम कार्बाइड क्रिस्टल का आधा हिस्सा अलग हो जाता है। जब उरी गेलर अभिनेता जिमी स्टीवर्ट के घर पर थे, स्टीवर्ट की लाइब्रेरी में दरियाई घोड़े की एक चट्टान पर नक्काशी अचानक घर के खुले प्रांगण में दिखाई दी। एक महिला मित्र के घर पर, एक बंद अलमारी में 1000 ईसा पूर्व की मिस्र की एक मूर्ति अचानक दिखाई देती है।

जब उरी गेलर इंग्लैंड के रास्ते में हवाई जहाज पर थे, तो उनका कैमरा, जो उन्होंने अपनी सीट के नीचे रखा था, अनायास ही उनके सामने तैरने लगा। डॉ पर

एंड्रीजा पुहारिच, गेलर की उपस्थिति से पहले, एक प्राचीन भारी दीवार घड़ी अपने आप कमरे में सरक गई, बिल्कुल वैसी ही जैसी घटना होम ने अनुभव की थी। गेलर ने यह भी कहा कि एक ऐशट्रे एक मेज से उछलकर फर्श पर आ गई और एक फूलदान दूसरे कमरे से चला गया और एक मेज पर आ गिरा। इन घटनाओं की घटनाएँ होम द्वारा उत्पन्न घटनाओं के समान हैं।

बेशक, उरी गेलर की खासियत चम्मच और अन्य धातु की वस्तुओं को अपने दिमाग से मोड़ना था।

हालाँकि धातु का झुकना होम की सामान्य घटनाओं में से एक के रूप में रिपोर्ट नहीं किया गया है, लेकिन होम और गेलर की घटनाओं में एक समानता यह है कि यह भौतिकी के सामान्य नियमों से अलग है।

होम और गेलर दोनों की घटनाओं में गुरुत्वाकर्षण के नियम की समाप्ति, बाहरी ताकतों के बिना वस्तुओं की गति जो उन्हें प्रेषित होती है और उनका उद्भव शामिल है/

गायब होना

अंत में, टिप्पणी, "यह महान आकर्षण प्रदर्शित करता है निर्जीव वस्तुओं के साथ इसका रहस्यमय संबंध है," होम और गेलर पर समान रूप से लागू होता है।

Machine Translated by Google

हिलता हुआ कमरा

होम: होम सेन्स प्रदर्शन करता है

नेपोलियन तृतीय और फ्रांस की महारानी के लिए नियमित। इनमें से एक घटना में, यह देखा गया कि पूरा कमरा हिल गया। एलिजाबेथ ब्राउनिंग, एक ब्रिटिश कवि, ने भी कहा कि एक सत्र सत्र के दौरान, कमरा भूकंप की तरह हिल गया।

गेलर: जब डॉ. के कमरे में प्राचीन घड़ी सरकती चली गई।

गेलर का घर. एंड्रीजा पुहारिच, गेलर ने भी देखा कि "कमरा हिल गया"।

जीवित प्राणियों का तैरना/स्थानांतरण

घर: सत्र के दौरान घर तैरता हुआ दिखता है

विभिन्न आयोजनों में. सर विलियम क्रूक्स ने इनमें से दो घटनाओं का अवलोकन किया।

सबसे प्रसिद्ध होम होवरिंग कार्यक्रम 16 दिसंबर, 1867 को एशले हाउस, लंदन में हुआ, जो उस समय एडारे परिवार के स्वामित्व में था।

घर एक कमरे की खिड़की से क्षैतिज रूप से तैरता है और फिर इमारत से बाहर दूसरे कमरे की खिड़की की ओर तैरता है, जब तक कि वह इमारत में फिर से प्रवेश नहीं कर जाता। जब होम इमारत से बाहर निकला, तो वह जमीन से ठीक 50 फीट ऊपर था। उस वक्त कई गवाह मौजूद थे.

गेलर: नियमित बहाव की घटनाएं अभी तक उरी गेलर की क्षमताओं का हिस्सा नहीं हैं, हालांकि वह इस क्षमता के अधिक उन्नत संस्करणों में दिखाई देते हैं। 9 नवंबर, 1975 को, उरी गेलर ने एक घटना का जिक्र किया जिसमें उन्हें मैनहट्टन में ईस्ट साइड से स्थानांतरित कर दिया गया था।

ओस्सिनिंग, न्यूयॉर्क में डॉ. एंड्रीजा पुहारिच का घर, लगभग तुरंत ही। मैनहट्टन और ओस्सिनिंग लगभग 40 मील दूर हैं।
अपनी आत्मकथा, माई स्टोरी में, गेलर ने बताया है कि वह मैनहट्टन की सड़क पर चल रहा था, अपने घर जा रहा था, जब उसे अचानक महसूस हुआ कि उसे चूसा जा रहा है। अगली बात जो उसे पता चली, वह यह कि वह फ़ोयर में एक शीशे के शीशे से गिर गया था। गेलर कांच की मेज पर जा गिरा, जिससे कांच की सतह टूट गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना से कुछ समय पहले गेलर को मैनहट्टन में देखा था और पुहारिच घर पर था

Machine Translated by Google

ओस्सिनिंग, जब उसने उरी गेलर को घिसा-पिटा और स्तब्ध पाया।6

एक अन्य घटना में, पुहारिच का कुत्ता रसोई के फर्श से घर के बाहर सड़क पर चला गया, जो तब हुआ जब गेलर वहां था।7

लोगों में मध्यमवादी क्षमताओं को ट्रिगर करने की क्षमता

अन्य

होम: यह ध्यान दिया जाता है कि डैनियल होम, प्रिंस की उपस्थिति में नेपल्स के राजा का भाई लुइगी, माध्यम की क्षमता स्वयं प्रकट करता है।

गेलर: उरी गेलर के रेडियो के बारे में सबसे आश्चर्यजनक चीजों में से एक 1970 के दशक में साक्षात्कार यह था कि गेलर के रेडियो शो के दौरान हजारों श्रोताओं ने अपने घरों में धातु के झुकने की सूचना दी थी। इसके अलावा, वर्षों से बंद पड़ी दीवार घड़ियाँ और घड़ियाँ अनायास ही फिर से काम करने लगीं। यही घटना तब घटित हुई जब उरी गेलर के बारे में एक अखबार में लेख प्रकाशित हुआ, जब पाठकों को एक साथ पूर्व निर्धारित और समायोजित समय पर धातु को मोड़ने के लिए आमंत्रित किया गया। लोगों के घरों में धातु को मोड़ने और घड़ियों की मरम्मत करने की क्षमता शुरू करने की घटना लंदन, जर्मनी, डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड और जापान में भी हुई। डेनमार्क में गेलर का कार्यक्रम सुन रही एक महिला ने शिकायत की कि कुछ हुआ ही नहीं. कुछ क्षण बाद, उसके चश्मे का धातु का फ्रेम उसकी नाक पर मुड़ गया। अन्य लोगों में मनोविश्लेषणात्मक क्षमताओं को कैसे जागृत किया जा सकता है, इसके और भी अधिक आश्चर्यजनक प्रदर्शन में, रेडियो प्रसारण ने गेलर के समान क्षमताओं वाले 15 बच्चों की पहचान की। इसके बाद प्रोफेसर जॉन टेलर ने किंग्स कॉलेज में इन बच्चों का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि ये बच्चे हर बार कोशिश करने पर धातु को 80% मोड़ने में सक्षम थे, गेलर के समान दर।8

Machine Translated by Google

ऐसा माना जाता है कि ताकत माध्यम के बाहर से आती है; प्रभावशीलता में भिन्नता है

होम: होम बार-बार कहता है कि सत्ता की ताकतें उसके बाहर से आती हैं और उन पर उसका कोई नियंत्रण नहीं है। सत्रों में, वह इस बात की गारंटी नहीं दे सके कि घटनाएँ प्रकट होंगी और उन्होंने नोट किया कि शक्तियों की शक्ति भिन्न-भिन्न थी।

होम को एक बार उनके आध्यात्मिक मार्गदर्शकों या "नियंत्रकों" द्वारा सलाह दी गई थी कि उनकी शक्तियां ठीक एक वर्ष के लिए अस्थायी रूप से गायब हो जाएंगी, और ठीक वैसा ही हुआ।

यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि हर किसी की तरह, होम अक्सर अपने द्वारा उत्पादित घटनाओं से आश्चर्यचकित होता है। कभी-कभी, जब होम सत्र के बाद समाधि से जागता है

समाप्त किया और बताया कि जब वह अचेतन स्थिति में था तब क्या हुआ, उसे विश्वास नहीं हुआ कि वर्णित घटनाएँ वास्तव में घटित हुई थीं। अमेरिकी लेखक नथानिएल हॉथोर्न ने होम के बारे में लिखा कि वह "अपने अलौकिक प्रदर्शन से किसी अन्य व्यक्ति की तरह ही हैरान थे, वह इसके द्वारा उत्पन्न घटनाओं से हैरान और भयभीत थे।"9

गेलर: उरी गेलर ने बार-बार कहा है कि उनकी शक्तियां उनके बाहर से आती हैं। गेलर ने लिखा, "मुझे लगा कि ये ताकतें मुझसे बहुत दूर से आ रही हैं, ऐसा लगा जैसे मैं उनके बीच से एक पाइप की तरह गुजर रहा हूं।"10 "इसके अलावा, मैं हमेशा यह ध्यान रखता हूं कि ये शक्तियां या ऊर्जाएं मेरी नहीं हैं: वे केवल ब्रह्मांडीय ताकतों से उधार ली गई हैं जो ने इसे मुझे भेज दिया है।''11 गेलर ने यह भी देखा कि इन बलों की ताकत अलग-अलग हो सकती है, न ही वह यह अनुमान लगाने में सक्षम था कि वे कब मजबूत या कमजोर होंगे। जबकि गेलर को होम के अपने "नियंत्रकों" से मौखिक निर्देश नहीं मिले हैं, लेकिन उन्हें मिलते हैं।

उदाहरण के लिए, एक बार आधी रात में एक आवाज ने गेलर को जगाया और घोषणा की, "एंड्रीजा को एक किताब लिखनी चाहिए।" 12 डैनियल होम की तरह, उरी गेलर अक्सर उन घटनाओं से आश्चर्यचकित रह जाते थे जो उन्होंने खुद पैदा की थीं।

Machine Translated by Google

ताकत शरारती हो सकती है

होम: एक सेशन सत्र के दौरान, जिसे होम ने एक मेज पर करने की कोशिश की, उसकी अपनी कुर्सी, जिस पर होम बैठा था, कुछ फीट पीछे खिसक गई। घर भी दूसरों की तरह ही आश्चर्यचकित था। डरते-डरते अपनी कुर्सी वापस मेज पर रखते हुए, उन्होंने अपने मेहमानों को समझाया कि उस रात सेनाएँ "शरारती" थीं।

गेलर: उरी गेलर होम द्वारा अनुभव की गई स्थिति के समान ही स्थिति का वर्णन करने में सक्षम थे। गेलर ने लिखा है, "यह बुद्धि या ऊर्जा या शक्ति- जो भी वे हैं, ब्रह्मांड में दिखाई देने वाले जोकरों की तरह हैं। वे अक्सर ऐसी चीजें करते हैं जिनकी मुझे उम्मीद नहीं होती।''13 उदाहरण के लिए, जब स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट में गेलर का मूल्यांकन किया जा रहा था, तो वह, एडगर मिशेल और अन्य शोधकर्ता दोपहर का भोजन कर रहे थे।

जब वह आइसक्रीम खा रहा था, गेलर को उसके मुँह में एक छोटा धातु का तीर मिला। उनकी पहली प्रतिक्रिया रेस्तरां के प्रबंधन का विरोध करना था। तभी, मेज पर तीरों की एक पूँछ दिखाई दी। एडगर मिशेल को तब एहसास हुआ कि दो टुकड़ों ने तीर के आकार में एक टाई क्लिप बनाई है जिसे उन्होंने वर्षों पहले खो दिया था।

ताकत सुरक्षात्मक हो सकती है

होम: यह नोट किया गया कि कम से कम एक अवसर पर बल
बल ने घर को चोट से बचाया। विशेष रूप से, होम एक गिरे हुए पेड़ के रास्ते से तैरता है।14

गेलर: उरी गेलर ने कई घटनाओं का वर्णन किया है, जिसमें उनका मानना है कि उनकी शक्तियों को नियंत्रित करने वाली बुद्धिमत्ता ने उन्हें नुकसान या परेशानी से बचाया है। सबसे स्पष्ट में से एक सैन्य अभ्यास के दौरान होता है। अपनी सैन्य प्रशिक्षण अवधि के दौरान, गेलर को एक विस्तारित प्रशिक्षण दौड़ में एक भारी मशीन गन ले जाना था। चूंकि ड्रिल में बंदूक चलाना शामिल नहीं था, इसलिए उन्होंने मशीन गन से भारी स्पेयर पार्ट्स निकाले और उन्हें अपने कमरे में छोड़ दिया।

Machine Translated by Google

अप्रत्याशित रूप से, एक अचानक ड्रिल का आदेश दिया गया जिसमें गेलर को राइफल को फिर से जोड़ने के तुरंत बाद फायर करना था। गेलर ने मशीन गन को स्थापित करने के लिए कदम उठाए, यह जानते हुए कि यह स्पेयर पार्ट्स के बिना फायर नहीं करेगा। उसे चिंता थी कि उसे अपने किए की कड़ी सज़ा मिलेगी। जब उसने ट्रिगर दबाया, तो गेलर यह देखकर आश्चर्यचकित रह गया कि राइफल से ठीक से फायर हुआ। जब वह कमरे में लौटा, तो उसने पाया कि स्पेयर पार्ट्स बिल्कुल वहीं थे, जहां उसने उन्हें छोड़ा था।

फर्क सिर्फ इतना था कि उसने उन्हें साफ छोड़ दिया था, जबकि जब वह वापस आया तो वे गंदे और चिकने थे, जैसे कि उनका इस्तेमाल राइफल चलाने के लिए किया गया हो।

तो ऐसा लगता है कि स्पेयर पार्ट्स को सैन्य प्रशिक्षण मैदान में ले जाया गया था, फिर मशीन गन को फायर करने का कार्य पूरा होने के बाद गेलर के कमरे में वापस कर दिया गया था।15

सुरक्षा के दो अन्य उदाहरण उरी गेलर में लिखे गए हैं
आत्मकथात्मक पुस्तक. जब वह किशोर था और साइप्रस में रह रहा था, उरी एक काली गुफा में खो गया था। जैसे ही वह जीवित बाहर निकलने के लिए बेताब था, उसका कुत्ता, जिसे उरी ने कुछ मील दूर घर पर छोड़ा था, रहस्यमय तरीके से गुफा में दिखाई दिया। फिर उरी का कुत्ता उसे सुरक्षित बाहर ले जाता है। एक अन्य अवसर पर, गेलर भूमध्य सागर में गोता लगा रहा था। एक शार्क निकली और उसका चक्कर लगाने लगी. जैसे ही शार्क हमला करने वाली थी, गेलर ने अपनी आँखें बंद कर लीं और अपनी भाले की बंदूक से शार्क पर अंधाधुंध गोली चला दी। जब उसने आँखें खोलीं तो शार्क नज़रों से ओझल थी।

वध देखना

होम: यह बताया गया कि होम में भयानक भूत थे, जिससे वह रोने और कांपने लगा।16

गेलर: ट्रान्स में रहते हुए, उरी गेलर ने "दैट" नामक एक कविता लिखी
दिन"। यह कविता उस समय के बारे में है जब "हवा पीली हो गई", "धूल गिर गई", "वे।"

Machine Translated by Google

आकाश खोल दिया", और "मुझे अंत पता है"।17 गेलर ने पृथ्वी पर होने वाली एक भयानक तबाही के बारे में कविता की व्याख्या की।
हालाँकि वे इन कविताओं को पूरी तरह से समझ नहीं पाए और स्वीकार करते हैं कि ये महान साहित्यिक कृतियाँ नहीं थीं, गेलर ने कहा, "मैं उन्हें गहराई से महसूस कर सकता था।"18

मिशन की भावना और ईश्वर में विश्वास

होम: हालाँकि डैनियल होम को यह समझ में नहीं आता कि उनकी क्षमताएँ कहाँ से आती हैं, उन्हें लगता है कि शक्ति का यह प्रदर्शन मानव जाति के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। जब वे पहली बार मिले, तो होम ने अपनी भावी पत्नी साचा से कहा, "मैडेमोसेले (मिस), मुझे विश्वास है कि आप हमेशा यह ध्यान में रखेंगी कि मुझे एक मिशन सौंपा गया है। एक महान और पवित्र मिशन।''19

घर भी लगातार ईश्वर में महान विश्वास व्यक्त करता है। साइकोकाइनेटिक शो प्रस्तुत करने के बाद, होम ने कहा, "भगवान अच्छा है ना?
उसके कानून अद्भुत हैं, है ना?

गेलर: उरी गेलर, जिसे यह भी समझ नहीं आता कि कहां
उसकी शक्तियाँ कहाँ से आती हैं, यह भी महसूस करता है कि इन रहस्यमय शक्तियों के बारे में संदेश फैलाना उसके हित में है। गेलर ने लिखा, “एक बात जो मैं निश्चित रूप से जानता हूं वह यह है कि मैं इन घटनाओं को प्रदर्शित करने के लिए मजबूर महसूस करता हूं, न केवल जीविका के लिए, बल्कि इसलिए क्योंकि मुझे पता है कि यहां से कुछ महत्वपूर्ण निकलने वाला है, लेकिन मुझे यह भी नहीं पता कि यह क्या है। ”21 गेलर ने निम्नलिखित संबंधित बयान भी दिया, “मैं यह विश्लेषण करने की कोशिश कर रहा हूं कि मेरा दिल जितना संभव हो उतने लोगों के साथ संवाद करने के लिए क्यों प्रेरित होता है... मैं लोगों को और अधिक जानने देने के लिए प्रेरित होता हूं, किसी न किसी तरीके से उन्हें बता देता हूं। ”22

उरी गेलर भी अक्सर ईश्वर में अपने आंतरिक विश्वास को व्यक्त करते हैं और विश्व शांति उनकी सबसे बड़ी इच्छा है। उन्होंने लिखा, “मैं प्यार की ताकत और हर जगह के लोगों में दृढ़ता से विश्वास करती हूं। मुझे भी पूरा विश्वास है

Machine Translated by Google

ईश्वर के बारे में... और मेरा दृढ़ विश्वास है कि अगर हमें जीवित रहना है तो इस दुनिया में शांति होनी चाहिए।''23

हालाँकि यह अटकलें हैं, मुझे आश्चर्य है कि डैनियल होम और उरी गेलर जो बड़ी तबाही के सपने देखते हैं, क्या वे मिशन की भावना को व्यक्त करते हैं जो वे दोनों व्यक्त करते हैं। ऐसा लग रहा था जैसे कि जिन शक्तियों के द्वारा उन्होंने मानवता दिखाई है वे किसी तरह एक बड़ी तबाही से बचने में मदद करेंगी, जो भविष्य में घटित होने की संभावना थी।

मैं यह भी प्रश्न करता हूं कि क्या वही दर्शन जॉन द्वारा प्रकाशितवाक्य की पुस्तक से अनुभव किया गया था, जो नए नियम में लिखे गए प्रलय के दिन के दर्शन की ओर ले जाता है। शायद ये दर्शन इस बात की भविष्यवाणी नहीं हैं कि क्या होगा, बल्कि क्या हो सकता है, अगर मानवता उस चरण से आगे विकसित नहीं हुई होती जहां संघर्षों को सुलझाने के लिए अभी भी हिंसा का इस्तेमाल किया जाता था। यदि हम आध्यात्मिक प्राणी के रूप में अपनी वास्तविक पहचान को बेहतर ढंग से समझते हैं, तो संभवतः परमाणु युद्ध के खतरों के लिए उपयुक्त विनाशकारी आपदा के दृश्यों से बचा जा सकता है। ऐसा लगता है कि यह डेनियल होम मिशन के साथ-साथ चल रहा उरी गेलर मिशन भी है।

अर्थ जो भी हो, आकाश में मेरे अपने आध्यात्मिक सलाहकार, अहतुन रे, ऊपर वर्णित विश्लेषण से सहमत हैं।

स्थापित धर्मों का सम्मान

घर: हालाँकि घर 19वीं सदी का सबसे प्रसिद्ध भौतिक माध्यम था, इसने स्थापित धर्मों के प्रति सम्मानजनक रवैया बनाए रखा। होम एक समय में रोमन कैथोलिक थे और यहां तक कि पोप पायस IX से भी मिले थे। जब होम ने सच्चा से विवाह किया, तो वह ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च में परिवर्तित हो गया। उनकी मृत्यु के बाद, होम मूर्तिकला सीखने के लिए रोम लौट आए। कैथोलिक धर्म में उनके पिछले रूपांतरण के बावजूद, पोप की सरकार ने जादू टोना का उपयोग करने के आरोप में उन्हें रोम से निष्कासित कर दिया। होम इस घटना को दुःख के साथ देखता है, क्योंकि उसे लगता है कि एक प्रबुद्ध चर्च को उसके काम में दिलचस्पी लेनी चाहिए। निष्कासन थोड़ा अजीब मोड़ के साथ आया। जब घर मिलता है

Machine Translated by Google

रोम के पुलिस प्रमुख जब अपने ऊपर लगे आरोपों को सुनने पहुंचे तो उनके साथ काम करने वाली आत्माओं या ताकतों ने अचानक होम के समर्थन में प्रमुख की मेज पर दस्तक दे दी। हालाँकि ऐसा हुआ, फिर भी घर को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।24

गेलर: सबसे लोकप्रिय भौतिक माध्यम होने के बावजूद

20वीं सदी, उरी गेलर अभी भी स्थापित धर्मों के प्रति सम्मान का रवैया रखता है। गेलर का पालन-पोषण यहूदी पृष्ठभूमि में हुआ था और जब उन्होंने हन्ना से शादी की तो उन्होंने पारंपरिक यहूदी विवाह किया।

हाल ही में गेलर ने दिवंगत पोप जॉन पॉल द्वितीय से भी आशीर्वाद मांगा और प्राप्त किया। एक समय पोप के आशीर्वाद को उनकी वेबसाइट www.urigeller.com पर गर्व से प्रदर्शित किया गया था।

व्यक्तित्व लक्षणों की समानताएँ

डेनियल डी. होम और उरी गेलर दोनों में कई विशेषताएं समान हैं

सामान्य। समानताओं में से एक में उनकी आत्मकथा के शीर्षक शामिल हैं। होम ने अपनी पुस्तक का नाम 'इंसीडेंट्स ऑफ माई लाइफ' रखा, जबकि गेलर ने अपनी पुस्तक का नाम 'माई स्टोरी' रखा। वाक्यांश "माई लाइफ" और "माई स्टोरी" समान हैं। करियर के संबंध में, होम और गेलर दोनों के पास भौतिक माध्यम होने के अलावा कोई पेशा नहीं है, एक ऐसा व्यवसाय जिसके लिए प्रत्येक ने अच्छी तरह से अनुकूलित किया है। होम और गेलर दोनों ने शो के मास्टर के रूप में प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उदाहरण के लिए, होम को दर्शकों द्वारा पसंद किया गया बताया गया है, यहाँ तक कि छोटे बच्चों द्वारा भी। उरी गेलर ने कहा कि वह बचपन से ही एक स्टेज अभिनेता या फिल्म स्टार बनना चाहते थे। जब गेलर ने पहली बार एक सार्वजनिक कार्यक्रम पेश किया, तो उन्होंने पाया कि उन्होंने वास्तव में इसका आनंद लिया। उन्होंने उल्लेख किया है कि वह एक "कलाकार हैं जो अपनी आवाज़ से आगे बढ़ना पसंद करते हैं"।

होम और गेलर दोनों ने संगीत के प्रति झुकाव दिखाया

कला। होम ने निपुणता के साथ पियानो बजाया, जबकि गेलर ने स्वाभाविक रूप से पियानो बजाया, सुनकर इसे बजाना सीखा। घर पर मूर्तिकला सीखना; गेलर एक चित्रकार हैं और उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में कई प्रदर्शनियाँ की हैं

Machine Translated by Google

कई साल। घर को सुंदर माना जाता है और वह बहुत मिलनसार है, क्योंकि उसे विभिन्न प्रकार के लोगों से मिलना और बातचीत करना पसंद है। इसी तरह उरी गेलर के साथ भी। होम और गेलर यात्रा के लिए एक समान पसंद के साथ-साथ अपने पसंदीदा भौगोलिक क्षेत्र को भी साझा करते हैं। होम का जन्म स्कॉटलैंड में हुआ, वे संयुक्त राज्य अमेरिका चले गए, फिर अपना मुख्यालय लंदन ले गए। वहां से उन्होंने पूरे यूरोप की व्यापक यात्रा की। उरी गेलर का जन्म इज़राइल में हुआ था, वे अस्थायी रूप से मैनहट्टन में रहे, फिर लंदन के पास इंग्लैंड में बस गए। वहां से, होम की तरह, गेलर ने भी अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए बड़े पैमाने पर यात्रा की।

लेखन शैली भी सुसंगत रहती है। तुलनात्मक उद्देश्यों के लिए, मैंने होम द्वारा अपने बेटे ग्रिचा को लिखे गए एक पत्र का चयन किया है, साथ ही उरी गेलर: माई स्टोरी के दो पत्रों का भी चयन किया है। दिलचस्प बात यह है कि होम का पत्र तब लिखा गया था जब वह सैन फ्रांसिस्को क्रॉनिकल के लिए एक समाचार पत्र संवाददाता होने का नाटक कर रहा था, जिसने फ्रेंको-प्रशिया युद्ध के दौरान पेरिस पर हमले को कवर किया था। "आवाज़"

डैनियल होम द्वारा लिखे गए इस पत्र में उरी गेलर स्पष्ट है, कम से कम मेरे कानों और दिमाग में। इस पत्र में राजा का तात्पर्य प्रशिया के राजा विल्हेम प्रथम से है, जो होम के पुराने मित्र, फ्रांस के सम्राट, नेपोलियन III के साथ युद्ध में था। होम के पत्र के बाद गेलर का साइप्रस का वर्णन आता है, क्योंकि उसे यह बचपन से याद है। दूसरे लेख में, गेलर एक घटना का वर्णन कर रहे हैं जिसमें उन्होंने और यात्रियों के एक समूह ने धातु के ईंधन पाइप को अपने दिमाग से मोड़कर स्पष्ट रूप से एक क्रूज जहाज को स्थिर कर दिया था।

लेख में, गेलर ने इसे एक सीमावर्ती घटना के रूप में संदर्भित किया, क्योंकि वह पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थे कि एक मनोवैज्ञानिक घटना के कारण पाइप झुक गए थे। आइए अब हम डैनियल होम के अपने बेटे को लिखे पत्र की जांच करें।

25 अक्टूबर, 1870

प्रिय ग्रिचाकु,

मैंने अभी भी आपसे नहीं सुना है लेकिन मुझे पता है कि यह एक डाक त्रुटि थी।

Machine Translated by Google

पोस्ट में देरी हो रही है और अभी भी हो रही है क्योंकि असॉल्ट राइफलों को आगे लाया जाना जारी है। यहां हालात बहुत खराब हैं; और मुझे दोबारा घर आना अच्छा लगेगा। 21 तारीख को हमारी भयानक लड़ाई हुई। मैं इसके बीच में था और घायलों को वापस लाने में मदद की।

यह एक भयानक दृश्य था और अब भी यह एक भयानक सपने जैसा लग रहा था। मैं तुम्हें तुरंत सब कुछ बता दूँगा।

20 तारीख को, मैं वर्सेल्स से लगभग तीन या चार मील दूर एक खूबसूरत गेस्टहाउस देखने गया; और वहीं, राजा आए और हमारी लंबी बातचीत हुई।

मैंने उस दिन स्ट्रासबर्ग से लिए गए कागज के एक टुकड़े पर लिखा था
इसने आत्मसमर्पण कर दिया... मैं वास्तव में आप सभी को देखने और उन घंटों को गिनने की आशा करता हूं जब मैं मुक्त हो सकता हूं।25

निम्नलिखित लेख मेरी कहानी से लिए गए हैं, जो इसमें प्रकाशित हुआ है
1975, होम द्वारा ग्रिचा को अपना पत्र लिखने के लगभग 100 साल बाद।

किसी भी बच्चे की तरह, मैं अक्सर रोमांच के लिए यात्रा करता हूँ। साइप्रस एक द्वीप है और समुद्र ने मुझे हमेशा प्रभावित किया है। साइप्रस के चारों ओर का समुद्र सुंदर है। मुझे उससे प्यार हो गया है। समुद्र इतना साफ है कि आप पानी में आठ मीटर तक एक सिक्का गिरा सकते हैं और फिर भी उसे नीचे देख सकते हैं। मैंने स्कूल में एक दोस्त से स्नॉर्कलिंग के बारे में सीखा और इसका दीवाना हो गया। साइप्रस के चारों ओर का पानी क्रिस्टल की तरह इतना साफ है कि आप समुद्री जानवरों और पौधों के सुंदर पैटर्न देख सकते हैं, ये सब एक रोमांचक नई दुनिया है।26

कुछ घटनाएँ सीमा पर हैं। इनमें से एक हुआ
जब मेरे दो सबसे करीबी दोस्तों, बायरन और मारिया जेनिस ने मुझे पुनर्जागरण क्रूज जहाज पर बोर्डो से इटली तक की यात्रा पर अपने साथ जाने के लिए आमंत्रित किया। बायरन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक कॉन्सर्ट पियानोवादक के रूप में जाने जाते हैं, और उनकी पत्नी, मारिया, जो गैरी कूपर की बेटी हैं, एक अद्भुत कलाकार हैं। यह एक म्यूजिकल क्रूज़ है. बायरन ने पियानो बजाया, और जहाज के डेक पर हंगेरियन स्ट्रिंग चौकड़ी के सदस्य भी थे।27

Machine Translated by Google

डैनियल होम और उरी गेलर की लेखन शैली एक समान है, जिसमें वे दोनों छोटे वाक्यों का उपयोग करते हैं, जो "सुंदर", "अद्भुत", "भयानक" और "डरावना" जैसे विविध विशेषणों से भरे होते हैं।

होम और गेलर मित्रों और सहकर्मियों से प्राप्त प्रतिष्ठित उपाधियों या उपाधियों का उल्लेख करना पसंद करते हैं। इन तीन उद्धरणों में रोमांच की भावना प्रकट होती है और बच्चों जैसी मासूमियत भी नजर आती है।

कर्म संबंध और प्रकटीकरण

डैनियल डी. होम और उरी गेलर का अध्ययन करते समय, मुझे होम के सहयोगियों और उरी गेलर के आसपास के लोगों के बीच एक काल्पनिक पिछले जीवन के रिश्ते का पता चला। अहतुन रे ने इन जोड़ियों की पुष्टि की है. मैं पिछले जीवन के अधिकांश रिश्तों के बारे में विस्तार से नहीं बताऊंगा, हालांकि मैं नेपोलियन III से जुड़े कुछ रिश्तों पर चर्चा करूंगा।

होम की पहली पत्नी, सच्चा, की पहचान आज उरी गेलर की पत्नी हन्ना के रूप में की गई है। डेनियल होम और साचा का ग्रिचा नाम का एक बेटा है। वर्तमान में, ग्रिचा शिपी, हन्ना का भाई और उरी गेलर का युवा मित्र और प्रबंधक है। इस वजह से, एक विवाहित जोड़ा फिर से एक हो गया है और सच्चा का बेटा लौट आया है और सच्चा/हन्ना की बड़ी बहन की भूमिका निभाता है। पाठकों को याद होगा कि एक माध्यम के रूप में होम की क्षमता तब मजबूत होती है जब होम का बेटा ग्रिचा मौजूद होता है। यह घटना फिर से घटित हुई है, जब ग्रिचा/शिपी मौजूद थे, तब उरी गेलर की टेलीपैथिक और धातु झुकने की क्षमता भी मजबूत हो गई थी। होम की दूसरी पत्नी, जूली डी ग्लौमेलिन, इस जीवन में याफ़ा नाम की एक महिला थी, जिससे छह-दिवसीय युद्ध में शामिल होने के तुरंत बाद गेलर को प्यार हो गया। हालाँकि उनका दीर्घकालिक रिश्ता कभी विकसित नहीं हुआ, उरी गेलर ने लिखा कि वह हमेशा याफ़ा से प्यार करेंगे।

होम का मिस्टर एंड मिसेज डी. जार्विस नाम के एक कलाकार जोड़े से गहरा संबंध है। इस जीवन में, परिवार

Machine Translated by Google

जार्विस बायरन और मारिया जेनिस हैं, जो कलाकार-महिला युगल हैं जिनका उल्लेख क्रूज जहाजों के बारे में लेखों में किया गया है। उरी गेलर ने देखा कि जब वह जार्विस/जेनिस परिवार से पहली मुलाकात के दौरान मिले तो उन्हें अपनेपन का एहसास हुआ।

न्यायाधीश जॉन एडमंड्स न्यूयॉर्क सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश थे जिन्होंने कनेक्टिकट में रहने के दौरान होम को अपने मध्यम कौशल का प्रदर्शन जारी रखने का समर्थन किया था। इस जीवनकाल में, एडमंड्स एक लॉ स्कूल के डीन अम्नोन रुबिनस्टीन थे, जिन्होंने उरी गेलर को अपनी शक्तियों की वैज्ञानिक मान्यता और परीक्षण करने का प्रस्ताव दिया था।

होम की क्षमताओं में वैज्ञानिक जांच का समर्थन करने वाले रसायन विज्ञान के रूसी प्रोफेसर, अलेक्जेंडर अक्साकॉफ़ थे, जिन्होंने बाद में होम को सर विलियम क्रुक्स से परिचित कराया। इस जीवन में, पुनर्जन्मित अक्साकॉफ़ ने एक समान भूमिका निभाई, स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों से उरी गेलर का परिचय कराया। इस जीवन में अक्साकॉफ़ की पहचान डॉ. एंड्रीजा पुहारिच के रूप में की गई है।

बेशक, होम का अध्ययन करने वाले सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सर विलियम क्रुक्स थे। डेनियल डी. होम/उरी गेलर पर एक बार फिर से शोध करने के लिए क्रूक्स ने भी 20वीं सदी में पुनर्जन्म लिया। सर विलियम की पहचान दिवंगत प्रोफेसर डेविड बोहन के रूप में की गई है।

डेनियल डी. होम विशेष रूप से देश के दो नेताओं के करीबी थे। एक था अलेक्जेंडर द्वितीय, रूस का ज़ार, जो होम के बेटे ग्रिचा का गॉडफादर बन गया। वर्तमान में, अलेक्जेंडर द्वितीय को एक अन्य राज्य प्रमुख के रूप में पुनर्जन्म दिया गया है, जो फिर से डैनियल होम/उरी गेलर से निकटता से संबंधित है।

अलेक्जेंडर द्वितीय ने मेक्सिको के पूर्व राष्ट्रपति जोस लोपेज़ पोर्टिलो के रूप में पुनर्जन्म लिया। होम के करीबी राज्य का एक अन्य प्रमुख नेपोलियन III था। नेपोलियन III के पुनर्जन्म में सबसे महत्वपूर्ण और दिलचस्प पिछले जीवन की पहचान का मामला शामिल है जिसका हमने कभी सामना किया है।

नेपोलियन तृतीय को आज के जीवन में उरी गेलर के नाम से ज्ञात इजराइल के नेता के रूप में पहचाना जाता है और उनके साथ संक्षिप्त फोटो भी ली गई थी। वर्तमान नेपोलियन III की पहचान एरियल शेरोन के रूप में की गई है।

Machine Translated by Google

नेपोलियन III और एरियल शेरोन के बीच शारीरिक समानता अद्भुत है और उनके व्यक्तित्व लक्षण लगभग समान हैं।

नेपोलियन III, शेरोन की तरह, एक हिंसक सैन्य शासक था, जिसे कुछ लोग अत्याचारी मानते थे।

वह उन सभी शत्रुओं को नष्ट कर देता है जो उसका विरोध करते हैं। उसी समय, नेपोलियन III को अपने लोगों, विशेषकर आम लोगों की बहुत परवाह थी, और वह उनकी समृद्धि बढ़ाने की कोशिश करता था।

एरियल शेरोन की तरह नेपोलियन तृतीय भी लोकतंत्र का समर्थक था। इन गुणों के कारण आम जनता ने नेपोलियन III का समर्थन किया और उसे सत्ता के लिए चुना। हालाँकि, लोकतांत्रिक सुधारों और अपने निरंकुश शासन के बीच संतुलन बनाना, सम्राट के लिए बहुत बड़ी कुशलता की बात थी। नेपोलियन III को अंततः फ्रांस से निर्वासित कर दिया गया जब वह फ्रेंको प्रशिया युद्ध हार गया।

जब अहतुन रे ने नेपोलियन III और एरियल शेरोन के बीच जोड़ी की पुष्टि की, तो मैंने पूछा कि नेपोलियन III का आज इज़राइल में पुनर्जन्म कैसे हो सकता है? वह कौन सा कार्मिक तर्क है कि नेपोलियन तृतीय इस्राएलियों का नेता बन गया? मैं यह भी पूछता हूं कि नेपोलियन III और एरियल शेरोन के दो अवतारों के दौरान ऐसी सैन्यवादी प्रवृत्ति क्यों थी।

अहतुन रे ने कहा कि फ्रांसीसी पैलेस मामलों में, यहूदी विरोधी विचार उच्च स्तर पर थे। उस पूर्वाग्रह को दूर करने के लिए, अदालत के सदस्यों ने यहूदी संस्कृति में अवतरित होने का विकल्प चुना। सैन्यवादी प्रकृति के बारे में एक सवाल के जवाब में, अहतुन रे ने कहा कि शेरोन हमेशा से ऐसी नहीं थी। वास्तव में, पिछले अवतारों में, शेरोन शांतिवादी प्रतीत होता है, उसे युद्ध में शामिल होना पसंद नहीं है। महत्वपूर्ण मोड़ 13वीं शताब्दी में, एशिया में जीवन की अवधि के दौरान हुआ, जब शेरोन एक ताओवादी था। चंगेज खान के हमले में, एरियल शेरोन के गांव को खान की सेना की रक्षा के लिए ढाल के रूप में इस्तेमाल किया गया था। चंगेज खान का विरोध करने वाली सेनाओं ने शेरोन के रहने वाले गांव को नष्ट कर दिया और उसमें रहने वाले सभी लोग मारे गए। उसी जीवनकाल में एरियल शेरोन ने शांतिवादी होने का अपना विचार त्याग दिया और यह निर्णय लिया

Machine Translated by Google

भविष्य में, वह अपने लोगों, अपने समूह को हमलों से बचाएगा।
अहतुन रे के अनुसार, इस तरह शेरोन का सैन्यवादी दृष्टिकोण सामने आया।

हालाँकि चंगेज खान के युग में जीवन की अभी तक निष्पक्ष पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन नेपोलियन III के रूप में उनका जीवनकाल वैध लगता है। यदि ये जीवन-पर्यंत पहचान जोड़े हैं जो मेल खाते हैं, तो नेपोलियन III और एरियल शेरोन के मामले से बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

मैंने बार-बार कहा है कि हम अपने धार्मिक या जातीय रुझान को एक जीवन से दूसरे जीवन में बदल सकते हैं।
नेपोलियन III एक ईसाई था, जबकि शेरोन एक यहूदी थी। विभिन्न धर्मों और जातीय समूहों के होने का लाभ यह है कि बाद के अवतारों में, हम अपने जीवन में विविधताओं का अनुभव कर सकते हैं।

यदि हमारे पास ईश्वर की पूजा करने और जीवन जीने के विभिन्न तरीके नहीं होते तो जीवन इतना दिलचस्प नहीं होता। विभिन्न धर्म और जातीय संस्कृतियाँ सुंदर रचनाएँ हैं, कई पीढ़ियों का काम हैं। हालाँकि, आनंद लेने योग्य कला के कार्य बनने के बजाय, धर्म और जातीय संस्कृति अलगाव और विभाजन का केंद्र बन गए हैं।

हमसे गलती यह होती है कि हम अपने वास्तविक स्वरूप को भूल जाते हैं
हम विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों में कई बार पुनर्जन्म लेने वाली आत्माएँ हैं। हम भूल जाते हैं कि हम वास्तव में कौन हैं और हम किसी विशेष धर्म, या एक जातीय समूह, एक जाति, एक संस्कृति, या एक राष्ट्र के साथ अपनी पहचान बढ़ा लेते हैं। यह मानव जाति की एक बड़ी गलतफहमी है जो गलत कार्यों, हिंसा और युद्ध की ओर ले जाती है।

यह जीवन की बहुत बड़ी बर्बादी है.

महासंकट की छाया को दूर करने के लिए हमें अपने अंदर से अपनी पहचान के प्रति अपनी सोच को बदलना होगा।
हमें अपने आप को यहूदी, मुस्लिम, ईसाई, ताओवादी, बौद्ध और हिंदू नहीं समझना चाहिए, क्योंकि हम सभी पिछले जन्मों में ये सब रहे हैं। यदि हम इस पहचान को बदलने में सक्षम नहीं हुए, तो कभी शांति नहीं होगी, केवल विभाजन और युद्ध होगा। आइए मानवता को परिपक्वता के उच्च स्तर तक आगे बढ़ाएं, आइए इस पहचान में बदलाव लाएं। केवल

Machine Translated by Google
Machine Translated by Google

इस प्रकार, रहस्योद्घाटन की पुस्तक में जॉन, डैनियल होम और उरी गेलर द्वारा देखी गई महान आपदा के सपने को समाप्त किया जा सकता है।

तभी, वे फिर नहीं रोएँगे। यह हमारी शक्ति की पहुंच में है. दरअसल, यह इतनी साधारण पहचान को देखने का बदलाव है। आइए हम अपने घरों और प्रार्थना स्थलों से, पहाड़ों की चोटियों से और घाटियों से चिल्लाएँ कि यह परिवर्तन होगा। आइए अपने बच्चों को आत्म-जागरूकता में इस बदलाव के बारे में सिखाएं। आइए शांति प्राप्त करने का निर्णय लें!

Machine Translated by Google

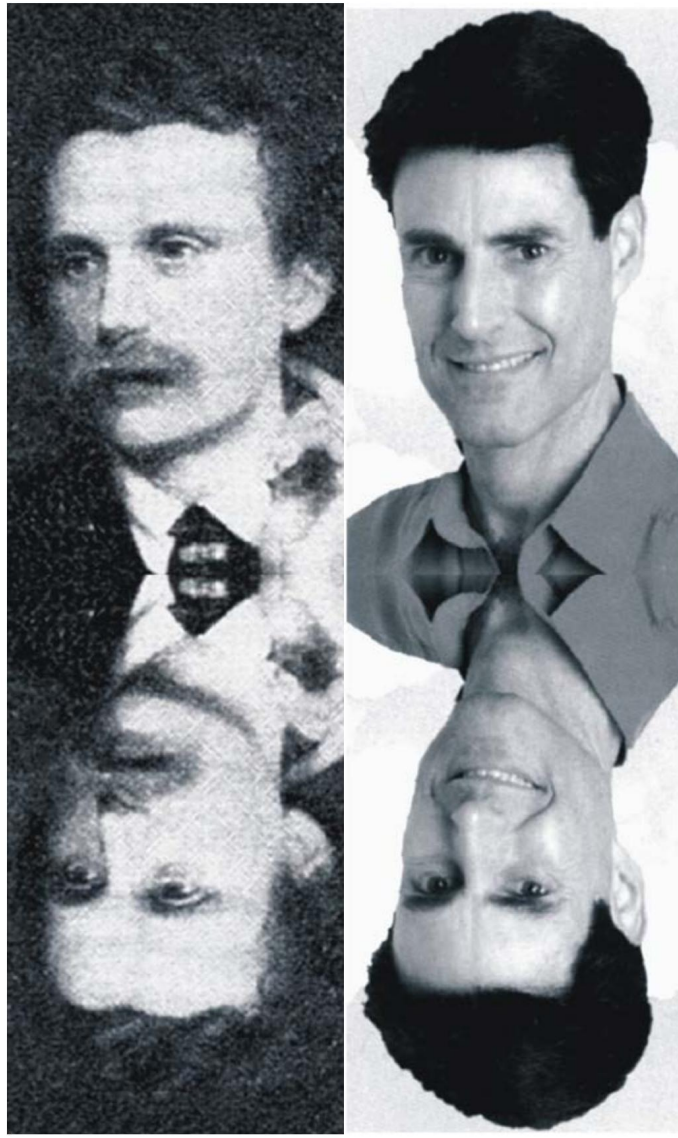

उरी गेलर का योगदान

डैनियल डुंगलास होम

उरी गेलर

Machine Translated by Google

उरी गेलर डैनियल डुंगलास होम उरी गेलर

डीडी होम 19वीं शताब्दी का सबसे प्रसिद्ध भौतिक माध्यम था, जिसने वस्तुओं को उड़ने, टेलीपैथी का अनुभव करने और उरी गेलर की तरह सटीक पूर्वाभास कराया। होम और गेलर के व्यक्तित्व लक्षण और यहां तक कि लेखन शैली भी मेल खाती है। उरी गेलर अपने पिछले जीवन के पहचान साथी का समर्थन करता है, जिसे वह डीडी होम के पुनर्जन्म के रूप में पहचानता है।

Machine Translated by Google

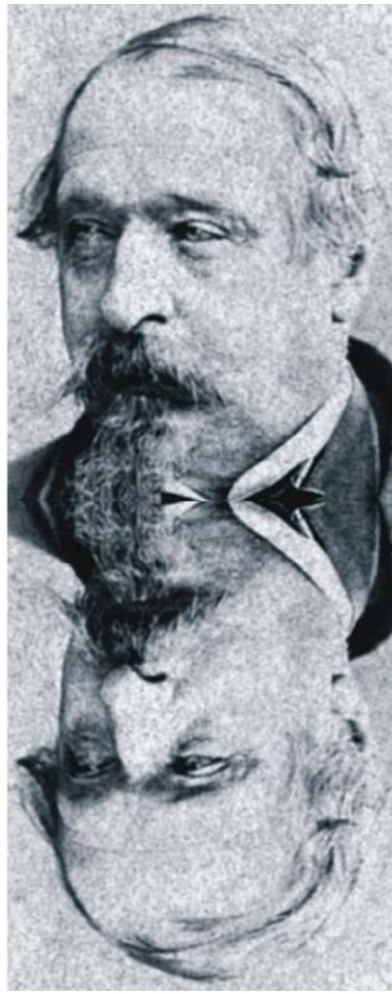

विवरण © हॉल्टन-ड्यूश/कॉर्बिस

नेपोलियन तृतीय

विवरण © एएफपी/कॉर्बिस

एरियल शेरॉन

नेपोलियन III डीडी होम की शारीरिक अभिव्यक्तियों और मानसिक क्षमताओं से बहुत प्रभावित हुआ, खासकर जब उसने शब्दों में नहीं, बल्कि अपने दिमाग में जो सवाल उठाए थे, उनका जवाब दिया गया था।

Machine Translated by Google

16

नास्त्रेदमस और रबेलैस का पुनर्जन्म

"आग ने दुनिया के केंद्र से पृथ्वी को हिला दिया,
न्यू सिटी के चारों ओर डर पैदा हो जाएगा।

"आसमान 45 डिग्री पर जलेगा,
आग ग्रेट न्यू सिटी की ओर बढ़ रही है,
कुछ ही देर में, एक तेज़ लौ उठी।"

ये वाक्य नास्त्रेदमस ने 1555 में लिखे थे.
जब 11 सितंबर, 2001 को न्यूयॉर्क में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला हुआ, तो कई लोगों ने इसकी व्याख्या लगभग 500 साल पहले नास्त्रेदमस द्वारा की गई भविष्यवाणी की पूर्ति के रूप में की। जो बात इस भविष्यवाणी को असाधारण तरीके से फिट करती प्रतीत होती है, वह यह तथ्य है कि दूसरा आत्मघाती विमान 45 डिग्री के कोण पर झुके हुए पंखों के साथ दूसरे टॉवर से टकराया। इस भविष्यवाणी के कारण नास्त्रेदमस में एक नई रुचि पैदा हुई। अब मैं पुष्टि करूंगा कि नास्त्रेदमस का पुनर्जन्म एक अनुभवी पेशेवर मनोवैज्ञानिक, हंस क्रिश्चियन किंग के व्यक्तित्व में हुआ है।

मैं हंस क्रिश्चियन किंग से 7 दिसंबर 2003 को मिला, जब मैं थ्री मीडियम नामक एक प्रस्तुति में भाग ले रहा था।
निस्संदेह, हंस शो में दिखाए गए तीन माध्यमों में से एक है। मेरी योजना प्रत्येक वक्ता से यह पूछने की थी कि क्या वे केविन रायर्सन और अहतुन रे के साथ अपने शोध के माध्यम से मुझे अपने पिछले जीवन की जाँच करने की अनुमति देंगे। मेरा अनुभव है कि कभी-कभी, जब मैं अहतुन रे से पिछले जीवन के मैच के बारे में पूछता था, तो वह जानकारी देने से इनकार कर देता था। हो सकता है कि मामला बहुत संवेदनशील हो, या हो सकता है कि जिस व्यक्ति से पूछा जा रहा है वह संवेदनशील न हो

Machine Translated by Google

पिछले जीवन की पहचान जानने के लिए तैयार हैं। हालाँकि, मैंने देखा कि अगर मुझे किसी व्यक्ति से उनके पिछले जीवन की समीक्षा करने की अनुमति मिलती है, तो यह अधिक संभावना है कि अहतुन रे सहयोग करने के लिए तैयार होंगे।

जब मैंने हंस को अपना परिचय दिया तो उसने गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया।
जब मैंने उससे हाथ मिलाने के लिए हाथ बढ़ाया तो उसने दोनों हाथों से मेरा हाथ पकड़ लिया। मैं उनके बेहद प्रेमपूर्ण व्यक्तित्व से प्रभावित हुआ।
जब मैंने पूछा कि क्या मैं ऐतिहासिक रूप से पहचाने जाने योग्य व्यक्ति अहतुन रे से उसके पिछले जीवन की पहचान के बारे में पूछ सकता हूं, तो वह तुरंत इस प्रस्ताव पर सहमत हो गया।

जब मैंने हंस के पिछले अवतार अहतुन रे के बारे में पूछताछ की
कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया. मैंने यह दावा करते हुए विरोध किया कि हंस ने मुझे अनुमति दी थी, तो वह मुझे अपनी पिछली पहचान क्यों नहीं देगा।

अहतुन रे ने उत्तर दिया, "हम मिस्टर किंग को तुरंत बताएंगे," उन्होंने कहा, "यह एक दिलचस्प बात है।"

मैं केविन रायर्सन के साथ हंस के लिए एक सत्र स्थापित करने की कोशिश कर रहा था, जब हम सभी जनवरी 2004 में एक सप्ताहांत में लास वेगास में निर्धारित थे। हालाँकि एक सत्र की योजनाएँ काम नहीं कर सकीं, हम सभी एक शनिवार की रात को एक साथ रात्रिभोज करने में कामयाब रहे। मैंने हंस और केविन को एक साथ बैठाया, ताकि वे बात कर सकें। मैंने हंस को केविन से यह प्रश्न पूछते हुए सुना, "अहटुन रे मेरे पिछले जीवन की पहचान वाल्टर को क्यों नहीं देगा?"

केविन ने उत्तर दिया, "इसका आम तौर पर मतलब है कि कुछ महत्वपूर्ण बात है जो आत्मा आपको तुरंत बताना चाहती है।"

रात और सप्ताहांत बिना किसी महत्वपूर्ण घटना के समाप्त हो गए।
हालाँकि मैं खुद केविन के साथ हंस के लिए एक सत्र आयोजित करने में कामयाब नहीं हुआ, मैंने खुद हंस के साथ एक सत्र आयोजित किया जिसका वर्णन मैं नीचे करूंगा। एक या दो सप्ताह बाद, मैंने इस स्थिति पर विचार किया, "अहतुन रे हंस को पिछले जीवन की पहचान क्यों नहीं देगा?"

किसी कारण से यह मुझे हमेशा अजीब लगता है कि हंस तीन शब्दों के साथ एक नाम का उपयोग करता है, हंस क्रिश्चियन किंग। मैं जानता हूं कि जब लोग पुनर्जन्म लेते हैं, तो वे अक्सर अपने नामों के उन संस्करणों का उपयोग करना चुनते हैं जो उनके पास हैं

Machine Translated by Google

पिछले जन्मों जैसी ही बारीकियाँ, हालाँकि उस समय मैंने जानबूझकर नामों के संबंध के बारे में नहीं सोचा था। मैं हंस क्रिश्चियन किंग मामले के बारे में सोचता रहा और वह पिछले जन्म में कौन रहा होगा। चुपचाप, मैं अपने मन में "हंस क्रिश्चियन किंग" नाम दोहराता रहा और अचानक, "मिशेल डी नास्त्रेदम" नाम मेरी चेतना में प्रकट हुआ। मुझे एहसास हुआ कि मिशेल डी नास्त्रेदम, नास्त्रेदमस का असली नाम, हंस क्रिश्चियन किंग के समान ही था।

मैं जल्दी से नास्त्रेदमस के चित्र के लिए ऑनलाइन गया और मुझे मिल गया
कि इस ऋषि की केवल एक ऐतिहासिक रूप से सटीक छवि है, जो उनके बेटे, सीज़र नास्त्रेदम द्वारा बनाई गई है, और हंस का चेहरा बिल्कुल नास्त्रेदमस से मेल खाता है। केविन रायर्सन के साथ एक बाद के सत्र में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि हंस क्रिश्चियन किंग नास्त्रेदमस का पुनर्जन्म था।

जब मुझे यह पुष्टि मिली, तो मैंने आरोन हंट, हंस को फोन किया।
कार्यकारी निजी सहायक, उसे समाचार बताने के लिए। हारून को सुखद आश्चर्य हुआ। मैंने एरोन से हंस को इस मैच के बारे में बताने के लिए कहा।
जब हारून ने हंस को उसकी पिछली जिंदगी की पहचान बताने के लिए फोन किया, तो अनुमान लगाएं कि हंस टेलीविजन पर कौन सा कार्यक्रम देख रहा है? हंस नास्त्रेदमस के बारे में एक शो देख रहा था।

हंस ने 40 वर्षों से अधिक समय तक मानसिक अध्ययन करके जीवनयापन किया। उन्हें मियामी हेराल्ड द्वारा अमेरिका के शीर्ष पांच मनोविज्ञानियों में से एक नामित किया गया है, और हंस की सिफारिश येल-शिक्षित मनोचिकित्सक, डॉ. द्वारा की गई है। ब्रायन वीज़, मेनी लाइव्स, मेनी मास्टर्स के लेखक। मानसिक अध्ययन करने में, हंस चार मार्गदर्शक आत्माओं के साथ काम करता है।

जब उन्हें अपने पिछले जीवन की पहचान नास्त्रेदमस के रूप में बताई गई, तो हंस ने अपनी मार्गदर्शक आत्माओं से पूछा कि क्या यह सच है, कि वह नास्त्रेदमस का पुनर्जन्म था। हंस के गुरुओं ने उसे बताया कि यह सच है। बाद में, जब मैंने हंस से पूछा कि क्या मैं नास्त्रेदमस के रूप में उसके पिछले जीवन की पहचान को जनता के सामने प्रकट कर सकता हूँ,

Machine Translated by Google

हंस ने मुझे अनुमति दी. जब मैंने उससे कहा, "लोग इसके लिए आपका मज़ाक उड़ा सकते हैं," हंस ने बस उत्तर दिया, "सत्य ही सत्य है।"

पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य से पता चलता है कि लोग जीवन-दर-जीवन समान व्यक्तित्व गुण और अक्सर समान प्रतिभाएँ साझा करते हैं। जब मैं जनवरी 2004 में लास वेगास में था, इससे पहले कि मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचता कि हंस नास्त्रेदमस था, मैंने हंस के साथ एक सत्र किया था। दिलचस्प बात यह है कि वे सभी सत्र मेरे भविष्य के बारे में थे। फिर मैंने हंस द्वारा निर्मित सीडी का ऑर्डर दिया, जिसमें उनके द्वारा विभिन्न ग्राहकों के साथ किए गए नमूना सत्र शामिल थे। इन सभी सत्रों में

हंस को अपने ग्राहकों के भविष्य की भविष्यवाणी करते देखा जाता है।

हालाँकि, की सार्वजनिक छवि में अंतर है
नास्त्रेदमस और हंस क्रिश्चियन किंग का व्यक्तित्व।
नास्त्रेदमस को उनकी भविष्यवाणियों के कारण "विनाश का पैगंबर" कहा जाता है। दूसरी ओर, मैं हंस को "दीपक और प्रेम का पैगंबर" मानता हूं। मुझे लगता है कि नास्त्रेदमस, जो एक डॉक्टर के रूप में शिक्षित थे, जिन्होंने पेरिस में ब्लैक प्लेग के पीड़ितों का इलाज करने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी, को स्पष्ट रूप से गलत समझा गया है।

नास्त्रेदमस ने स्पष्ट रूप से हंस क्रिश्चियन किंग के समान मानवतावादी स्वभाव साझा किया। उनके लेखन, लेस प्रोफेटीज़, जिसके लिए उन्हें "विनाश के पैगंबर" के रूप में जाना जाता है, बस मिशेल डी नास्त्रेदम के संपूर्ण व्यक्तित्व को कवर करता है।

हंस क्रिश्चियन किंग/नास्त्रेदमस मामला एक और दिलचस्प माध्यमिक मामले की ओर ले जाता है। नास्त्रेदमस ने फ्रेंकोइस रबेलैस नामक व्यक्ति के साथ मेडिकल स्कूल में प्रवेश लिया।

हालाँकि एक डॉक्टर के रूप में शिक्षित, रबेलैस फ्रांसीसी इतिहास के सबसे बुद्धिमान लेखकों में से एक बन गए। उन्हें दो दिग्गजों, गर्गेंटुआ और पेंटाग्रे के बारे में एक काल्पनिक महाकाव्य लिखने के लिए जाना जाता है। रबेलैस की जांच करने पर, मुझे सहज और सहज सुराग मिलते हैं कि रबेलैस ने वर्तमान समय में एक डॉक्टर और अन्य लेखक के रूप में पुनर्जन्म लिया है, जिन्होंने दिग्गजों को शामिल करते हुए एक काल्पनिक महाकाव्य भी लिखा है। मेरी परिकल्पना यह है कि रबेलैस का पुनर्जन्म जुरासिक पार्क के लेखक माइकल क्रिक्टन के रूप में हुआ है, जिसकी बाद में अहतुन रे ने पुष्टि की।

Machine Translated by Google

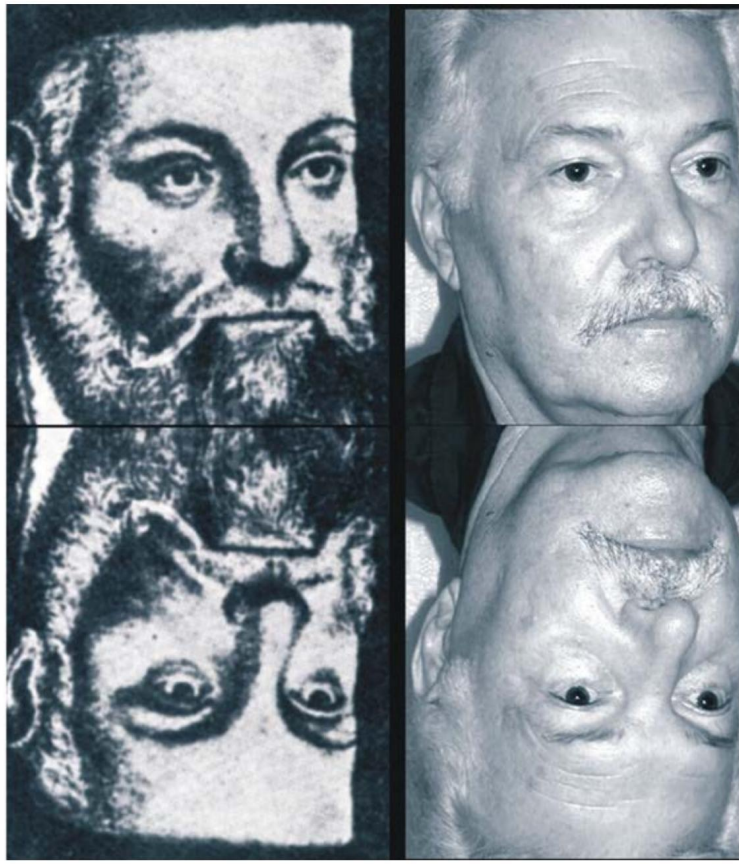

फोटो वाल्टर सेमकिव द्वारा

नोस्ट्राडमस हंस क्रिश्चियन किंग

हंस क्रिश्चियन किंग ने तब से एक मानसिक रोगी के रूप में काम किया है

वह 19 वर्ष का था, उसका अध्ययन भविष्य के बारे में है और उसे अमेरिका के शीर्ष पांच मनोविज्ञानियों में से एक माना गया है। किंग इस दावे का समर्थन करते हैं कि वह नास्त्रेदमस का पुनर्जन्म हैं।

Machine Translated by Google

17

लॉरेल और हार्डी पुनर्जन्म

पसंद पिछले अध्यायों में उल्लिखित, 2001 के उत्तरार्ध और 2002 की शुरुआत में कई महीनों की अवधि में केविन रायर्सन के साथ काम करने के बाद, मुझे एहसास हुआ कि अहतुन रे, मार्गदर्शक भावना जिसने उनके माध्यम से संचार किया, वह पिछले जीवन की पहचान बना सकती है मेल खाता है. शुद्ध। इस बिंदु पर, मैंने हर समय मशहूर हस्तियों के बारे में पूछना शुरू कर दिया। वर्तमान पात्रों से मैं उनके पिछले जीवन के बारे में पूछता हूं, ऐतिहासिक शख्सियतों से मैं पूछता हूं कि क्या उन्होंने वर्तमान जीवन में पुनर्जन्म लिया है।

जिस जोड़ी के बारे में मैंने सबसे पहले पूछा था वह लॉरेल और हार्डी* थी, मैं विशेष रूप से इस युगल समूह के इतिहास में सबसे प्रसिद्ध और कॉमेडी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे हमेशा उनकी फिल्में पसंद आईं। इसके अलावा, मैं लॉरेल और हार्डी के बारे में थोड़ा भावुक महसूस करता हूं क्योंकि वे मेरे पिता को हंसा सकते हैं।
मेरे पिता एक दयालु, उदार और प्यार करने वाले व्यक्ति थे, लेकिन वे जीवन भर विभिन्न चिकित्सीय विकारों से पीड़ित रहे, और एक उदासी और गंभीर मनोदशा उन पर हावी रही। हालाँकि यह बदल जाएगा, हम अक्सर लॉरेल और हार्डी की फ़िल्में देखते हैं। यह सुनना आश्चर्यजनक है कि मेरे पिताजी इतनी ज़ोर से हंस सकते हैं।

लगभग 2003 से शुरू करते हुए, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या लॉरेल और हार्डी हैं वर्तमान में पुनर्जन्म हुआ था।

---

* लॉरेल और हार्डी एक कॉमेडी टीम की जोड़ी हैं, जिसमें पतले स्टेन लॉरेल (1890-1965) और हट्टे-कट्टे ओलिवर हार्डी (1892-1957) शामिल हैं। वे 20वीं सदी के मध्य में अपनी फिल्मों के साथ-साथ पूरे अमेरिका और यूरोप में मंचीय प्रस्तुतियों के लिए प्रसिद्ध थे। इस कॉमेडी टीम को सिनेमा के इतिहास में सबसे प्रसिद्ध कॉमेडी जोड़ियों में से एक माना जाता है।

Machine Translated by Google

अहतुन रे ने उत्तर दिया कि उनका पुनर्जन्म हुआ है, लेकिन वह उनकी पहचान मुझे नहीं बताएंगे; इसने निश्चित रूप से मुझे आकर्षित किया।
जब मैंने पूछा कि वह उनकी पहचान उजागर क्यों नहीं करना चाहते, तो अहतुन रे ने बस जवाब दिया, "हम आपको अभी नहीं बता सकते।" उसके बाद के वर्षों के दौरान, मैंने पहचान संबंधी परिकल्पनाएँ उत्पन्न करके उनके दावे को भेदने की कोशिश की। मैंने पूछा कि क्या आज के दुबले-पतले हास्य कलाकार स्टेन लॉरेल के पुनर्जन्म हो सकते हैं और क्या हट्टे-कट्टे हास्य कलाकार ओलिवर हार्डी के पुनर्जन्म हो सकते हैं। मेरी सभी परिकल्पनाओं के विपरीत, अहतुन रे का कहना है कि कथित मैच गलत है और वह आज भी यह बताने से इनकार करते हैं कि लॉरेल और हार्डी कौन हैं। मेरे द्वारा सोचे जा सकने वाले सभी संभावित साझेदारों को ख़त्म करने के बाद, मैंने हार मान ली और लगभग एक साल तक इस बारे में भूल गया।

इस बिंदु पर, मैं उस एक कारण की ओर ध्यान दिलाना चाहूँगा
मैं अहतुन रे की पिछले जीवन से मेल खाने की क्षमता पर भरोसा करने का आदी क्यों हो गया हूं, इसका कारण यह है कि वह प्रस्तावित जीवन साथी पर केवल "रबर स्टैंप" नहीं लगाता है। दूसरी ओर, जब मैंने उनके बारे में पूछताछ की तो अधिकांश प्रस्तावित जोड़ियों को अहतुन रे ने गलत माना। जब मैंने खुद पिछले जीवन को समझने की कोशिश की, तो अहतुन रे अक्सर कहते थे कि मैं सटीक नहीं था, लेकिन जब अहतुन रे की असली पहचान का पता चला और बाद में अहतुन रे द्वारा पुष्टि की गई, तो यह पता चला कि सब कुछ एक साथ स्पष्ट रूप से वास्तविक मामले के रूप में उभरा।

उदाहरण के लिए, गीतकार चोपिन के साथ मेरा गहरा रिश्ता है,
और मैं आज के जीवन में उसकी पहचान का पता लगाने की कोशिश करता हूं। मैंने कई जोड़ी परिकल्पनाएँ बनाई हैं और अहतुन रे उन सभी से असहमत हैं।

जब मैंने अंततः सही युग्मन परिकल्पना बनाई, जिसकी पुष्टि अहतुन रे ने की, तो यह बहुत उचित निकली और चेहरे की विशेषताएं पिछली धारणाओं की तुलना में अधिक समान थीं।

इसके अलावा, कभी-कभी, जब उस व्यक्ति से संपर्क किया जाता है जो इस पहचान का विषय है,

Machine Translated by Google

यह व्यक्ति स्वतंत्र रूप से इस पहचान को साबित करेगा।
दूसरे शब्दों में, जिन विषयों की पहचान की पुष्टि की गई है, वे बताएंगे कि वे पहले से ही जानते हैं कि वह कथित पहचान का पुनर्जन्म है: या तो प्रत्यक्ष यादों के माध्यम से या अन्य माध्यमों से। 5 साल की अवधि, 70 सत्रों और 1,000 से अधिक पुनर्जन्म मामलों के डेटाबेस में अहतुन रे के साथ मेरे अनुभव ने मुझे पिछले जीवन की पहचानों से सटीक मिलान करने की उनकी क्षमता पर एक परिप्रेक्ष्य दिया।

आइए लॉरेल और हार्डी मामले पर वापस जाएं। अहतुन रे के बाद से
स्टेन और ओली की वर्तमान पहचान को उजागर नहीं करना चाहता और वह उनकी वर्तमान पहचान के बारे में मेरी कई परिकल्पनाओं को खारिज कर देता है, मैं उनके पिछले जीवन की पहचान के बारे में धारणा बनाना छोड़ देता हूं। एक या दो साल बीत गए जब मेरी रुचि अचानक फिर से जागृत हो गई जब मैंने रोलिंग स्टोन पत्रिका का एक पुराना कवर देखा, जिसे हमारी नर्स मेडिकल क्लिनिक में लाई थी, जिस पर एक छोटा सा शीर्षक था, "सर्वश्रेष्ठ नई कॉमेडी टीम"। इस नर्स की मेरे पुनर्जन्म अनुसंधान में हमेशा रुचि रही है और पिछले कुछ वर्षों में उसने मेरे लिए एक तरह के "स्काउट" के रूप में काम किया है, मीडिया में पुनर्जन्म के मामलों को उजागर किया है, इत्यादि, जिसे मैं बाद में आगे बढ़ाऊंगा। हालाँकि, वह लॉरेल और हार्डी में मेरी रुचि के बारे में कुछ नहीं जानता था।

मुझे पत्रिका में किसी नई कॉमेडी टीम के बारे में कुछ भी नहीं मिला, लेकिन मेरे मन में बहुत प्रबल अंतर्ज्ञान था कि मुझे नई कॉमेडी टीमों के लिए इंटरनेट पर खोज करनी चाहिए। जैसा कि पिछले अध्यायों में बताया गया है, सहज ज्ञान युक्त मार्गदर्शन ने मुझे पिछले जीवन की पहचान को पहचानने में अच्छी मदद की है।

यह नवंबर 2005 में हुआ, जब मैं इंटरनेट पर खोज कर रहा था, मुझे एक साइट पर एक शो का विज्ञापन मिला, जिसका शीर्षक था "कॉमेडी के इतिहास में दुनिया का सबसे मजेदार शो, दो भाइयों द्वारा प्रस्तुत, दो घंटे से भी कम समय में, केवल बीस डॉलर से कम में"

, जिसे जनवरी 2006 में न्यू में दिखाया जाएगा
यॉर्क. मैंने दो भाइयों, जोश और डैनी बाचर की तस्वीर देखी, और मेरे चेहरे पर एक बड़ी मुस्कान आ गई। स्वाभाविक रूप से ये दोनों भाई ही नहीं

Machine Translated by Google

अजीब लग रहे थे, लेकिन वे अजीब तरह से लॉरेल और हार्डी की तरह लग रहे थे जिनके चेहरे भी अजीब थे। मैं सहजता से और गहराई से महसूस करता हूं कि मैंने उन्हें पा लिया है। जोश, बड़ा भाई, पतला स्टेन लॉरेल चरित्र है और डैनी थोड़ा मोटा ओलिवर हार्डी है। वास्तव में, स्टेन और ओलिवर और जोश और डैनी के बीच दिखने में एकमात्र बड़ा अंतर यह है कि ओलिवर हार्डी का वजन डैनी से बहुत अधिक है।

केविन रायर्सन के साथ अगले सत्र में, आख़िरकार

लॉरेल और हार्डी के लिए पहले प्रस्तावित परिकल्पनाओं को अस्वीकार कर दिया गया था, अहतुन रे ने पुष्टि की कि जोश और डैनी बाकर एक कॉमेडियन टीम हैं जो स्टेन लॉरेल और ओलिवर हार्डी की टीम का पुनर्जन्म है। स्टैन लॉरेल का जन्म 1890 में इंग्लैंड के उल्वरस्टन में हुआ था, जबकि ओलिवर हार्डी का जन्म संयुक्त राज्य अमेरिका में जॉर्जिया के हार्लेम में हुआ था। स्टेन ने ग्लासो में एक हास्य अभिनेता के रूप में काम किया और अंततः संयुक्त राज्य अमेरिका आ गए, जहां वह एक यात्रा समूह में शामिल हो गए जिसमें चार्ली चैपलिन भी शामिल थे। यही वह समूह था जो उन्हें लॉस एंजेल्स ले आया। ओलिवर ने एक बच्चे के रूप में यात्रा संगीत में प्रदर्शन करना शुरू किया और एक वयस्क के रूप में, कैलिफ़ोर्निया चले गए और अपने निर्माता, हैल रोच के साथ अनुबंध किया। रोच के लिए काम करने वाले निर्देशक लियो मैककेरी लघु फिल्मों के लिए एक कॉमेडी टीम बनाना चाहते थे जिसमें एक पतला आदमी और एक मोटा आदमी शामिल हो। मैककेरी ने प्रोजेक्ट पर स्टेन लॉरेल और ओलिवर हार्डी को एक साथ लाया और एक कॉमेडी टीम का जन्म हुआ जो 20 से अधिक वर्षों तक चलेगी।

यह विश्वास करते हुए कि मैंने लॉरेल और हार्डी के पुनर्जन्म को दो भाइयों के रूप में पाया है, मैंने सोचना शुरू कर दिया कि पुनर्जन्म और जीवन की यांत्रिकी कैसे काम करती है। यदि स्टैन-ओली/जोश-डैनी मामले सच हैं, तो 1926 में अटलांटिक पार से शामिल हुई एक कॉमेडी टीम अब दो भाइयों के रूप में फिर से एकजुट हो गई है, जो 80 साल बाद न्यूयॉर्क शहर में एक बार फिर से कॉमेडी का मंचन करने के लिए तैयार हैं।

मैंने न्यू सिटी के लिए थिएटर से संपर्क किया, जहां जोश और डैनी प्रदर्शन करेंगे और शो के लिए टिकट खरीदेंगे

Machine Translated by Google

वे। मैंने बैचर बॉयज़ से, जैसा कि वे जाने जाते थे, मुझसे संपर्क करने के लिए कहा, एक संदेश छोड़ते हुए कि मैं हॉलीवुड में उनके लिए कुछ कनेक्शन ढूंढ सकता हूँ।

कुछ दिनों बाद डैनी बाकर ने मुझसे संपर्क किया। उन विभिन्न तरीकों पर चर्चा करने के बाद जिनसे मैं उनके करियर में मदद कर सकता हूं, मैंने डैनी को अपनी किताब के बारे में बताया और फिर डैनी को स्वतंत्र रूप से शोध किए गए मामलों से उभरे पुनर्जन्म के सिद्धांतों के बारे में ध्यान से समझाया, फिर मैं केविन रायर्सन के साथ जो काम कर रहा था। .

मैंने डैनी से पूछा कि क्या उनमें किसी प्रकार की आध्यात्मिक पकड़ है और उन्होंने उत्तर दिया, "हम यहूदी पैदा हुए थे।" मैं बता सकता हूं कि डैनी को आश्चर्य होने लगा था कि यह बातचीत कहां जा रही है और इसका उनके कॉमेडी कार्य से क्या लेना-देना है। फिर मैंने ध्यान से कहा, "आपको और जोश को केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करने वाले मिस्र के आध्यात्मिक मार्गदर्शक अहतुन रे द्वारा लॉरेल और हार्डी के पुनर्जन्म साबित किया गया है।"

थोड़ी देर बाद डैनी ने जवाब दिया, "मैं इस पुनर्जन्म वाली बात के बारे में नहीं जानता, लेकिन आपने जो कहा है वह बहुत दिलचस्प है क्योंकि कॉमेडी के मामले में अब तक हमारे जीवन में सबसे बड़ा प्रभाव लॉरेल और हार्डी का है।" हमारी बातचीत को जारी रखते हुए, मैंने जोश और डैनी को अपनी किताब और बार्ब्रो कार्लेन का एक वीडियोटेप भेजा, जिसमें उन्होंने खुद को ऐनी फ्रैंक का पुनर्जन्म बताया था, जो मेरे लिए, पुनर्जन्म के सबसे ठोस मामलों में से एक है। मैंने न्यूयॉर्क में उनके शो में भाग लेने की योजना बनाई क्योंकि एक, मैं पुनर्जन्म वाले लॉरेल और हार्डी से मिलना चाहता था, और दूसरा, मैं यह देखना चाहता था कि क्या जोश और डैनी लोगों को लॉरेल और हार्डी की तरह हंसा सकते हैं।

फिर मैंने पूर्वी तट की अपनी यात्रा की प्रभावशीलता को अधिकतम करने के लिए न्यूयॉर्क में एक पुनर्जन्म प्रस्तुति की व्यवस्था की।
मैं अक्टूबर 2005 में न्यूयॉर्क शहर में एक न्यू लाइफ एक्सपो में बोल रहा था, जहां न्यू जर्सी में सेंटर फॉर मेटाफिजिक्स के निदेशक हैरियट वाग्निएरे ने मुझसे संपर्क किया, जिन्होंने पूछा कि क्या मैं वेन, न्यू जर्सी में उनके केंद्र में बोल सकता हूं। किसी दिन. बाद में। उस समय मैंने कहा था

Machine Translated by Google

मैं उनसे मिलना चाहता था, लेकिन मुझे नहीं पता था कि मैं इस क्षेत्र में कब लौटूंगा, क्योंकि मैं कैलिफोर्निया में रहता हूं। अब, चूँकि मैं बैचर बॉयज़ को देखने के लिए न्यूयॉर्क में हूँ, मैंने हैरियट से यह देखने के लिए संपर्क किया कि क्या मैं जनवरी 2006 में उसी सप्ताहांत में उनके स्थान पर बात कर सकता हूँ।

हालाँकि मैंने डैनी से कहा था कि मैं लॉरेल और हार्डी की पहचान के बारे में अपना मुँह तब तक बंद रखूँगा जब तक कि दोनों भाई इसे स्वीकार नहीं कर लेते, मैं इस रहस्य को हैरियट के साथ साझा करने के अलावा कुछ नहीं कर सका। मैंने उनसे कहा कि मैं लॉरेल और हार्डी का पुनर्जन्म देखने के लिए न्यूयॉर्क आया हूं।

हैरियट को आश्चर्य हुआ और उसने पूछा, "क्या मैं जान सकता हूँ कि वे कौन हैं?"

पिछले जीवन की पहचान को गुप्त रखने की कोशिश में एक पल के लिए विचार करने के बाद, मैंने हैरियट को चेतावनी दी कि मैं उसे केवल तभी बताऊंगा जब वह इस पहचान को किसी के सामने प्रकट नहीं करेगी। हैरियट सहमत है और मैं लॉरेल और हार्डी की पुनर्जन्म वाली पहचान का रहस्य उजागर करता हूं। हैरियट ने फिर कहा, "मैं जोश और डैनी बाचर को जानता हूं, मैं वेन में हाई स्कूल में पढ़ाता था और वे मेरे छात्र थे!" जब हैरियट ने ऐसा कहा, तो मैं इस संयोग से थोड़ा अचंभित रह गया, लेकिन साथ ही, मुझे पुनर्जन्म अनुसंधान परियोजना के हिस्से के रूप में समकालिक घटनाओं के घटित होने की उम्मीद करने की आदत हो गई थी।

अंततः, इस भाग्यशाली संयोग के परिणामस्वरूप वेन, न्यू जर्सी में एक स्थान पर मेरी प्रस्तुति के लिए न्यू जर्सी सेंटर फॉर मेटाफिजिक्स का प्रायोजन मिला, जो जोश और डैनी के माता-पिता के रहने के स्थान से केवल पांच मिनट की दूरी पर स्थित था।

मैंने 14 जनवरी, 2006 को जोश और डैनी शो देखा और मैं ज़ोर से हँसा, ठीक उतना ही जितना मैं स्टेन और ओली की हरकतों पर हँसा था। भले ही वे एक अलग पीढ़ी के हैं, वे स्टेन और ओली की तरह ही प्यारे और एक-दूसरे के पूरक हैं। जोश, दुबला-पतला बड़ा भाई, मासूम, कभी-कभी घबराए हुए व्यक्ति की भूमिका निभाता है, जो योजना के काम न करने पर अचानक गिर सकता है और शिकायत कर सकता है, जबकि डैनी, थोड़ा मोटा भाई, अधिक आधुनिक, बुद्धिमान और अधिक सांसारिक चरित्र निभाता है। जो जोश के अजीब व्यवहार पर लड़खड़ाने से खुद को रोक नहीं सका।

Machine Translated by Google

उनके शो के बारे में जिस चीज़ ने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया वह थी वह मूक फ़िल्म जो जोश और डैनी ने अपने शो के लिए बनाई थी। यह मूक फिल्म उतनी ही मजेदार थी, जितनी हैल रोच द्वारा बनाई गई कोई भी मूक फिल्म, गतिशील हास्य, ढीले गोरिल्ला, पुलिस वाले, दयनीय अंधी लड़की से भरी हुई थी, जिसने गलती से डैनी को अपनी सफेद छड़ी से उसके शरीर पर एक शरारती प्रहार कर दिया था। मूक फिल्म में, और पूरे शो में स्पष्ट रूप से स्पष्ट, जोश और डैनी ने लॉरेल और हार्डी की हास्य शैली को दोहराया, जैसा कि पीटर टेकैम्प ने पॉल गाउगिन की कलात्मक शैली की पुनर्कल्पना की, और एलेक्जेंड्रा नेचिता ने, जिन्होंने बहुत कम उम्र में, पिकासो के काम की पुनर्कल्पना की। .

इस तथ्य पर विचार करें कि इस आधुनिक युग में बहुत सी कॉमेडी टीमें अपने शो के हिस्से के रूप में 1920 के दशक की शैली में मूक कॉमेडी फिल्में नहीं बनाती हैं। जब तक मैंने जोश और डैनी द्वारा बनाई गई फिल्म नहीं देखी, तब तक मैंने खुद कभी भी आधुनिक मूक फिल्म नहीं देखी थी।

मुझे तब सम्मानित महसूस हुआ जब जोश और डैनी, अपने माता-पिता, जोएल और जेन के साथ, अगले दिन वेन, न्यू जर्सी में पुनर्जन्म अनुसंधान पर मेरी प्रस्तुति में शामिल हुए। हम हेरियट वैगनिएर की मदद से अपनी सभा को एक संयोग के रूप में देख सकते हैं, लेकिन इसे काम पर आध्यात्मिक मार्गदर्शन के रूप में भी माना जा सकता है।

कैप्टन रॉबर्ट स्नो के मामले को याद करें और कैसे उनकी पत्नी उन्हें न्यू ऑरलियन्स ले आईं, जहां उन्हें एक कुबड़ी महिला का चित्र मिला, साथ ही कैरोल बेकविथ के रूप में उनका पिछला जीवन भी मिला। हालांकि कैप्टन स्नो और हैरियट वैगनेयर की पत्नियों के पास टेलीपैथिक आवाज नहीं हो सकती है जो उन्हें बताए कि क्या करना है, अंतर्ज्ञान और इच्छा घटनाओं के समन्वय में समान रूप से प्रभावी हो सकती है।

जबकि बैचर बॉयज़ और उनके माता-पिता ऐसा दावा नहीं करते हैं जोश और डैनी लॉरेल और हार्डी के पुनर्जन्म हैं, वे कुछ बहुत दिलचस्प रिश्ते देखते हैं। स्टैन लॉरेल की मृत्यु के 11 साल बाद जोश का जन्म 22 अगस्त 1976 को हुआ था। जब जोश का जन्म हुआ, तो उनके चचेरे भाई सैली ने उन्हें लॉरेल और हार्डी गुड़िया का एक सेट दिया था। सैली और जेन बाचर, जोश की मां, घनिष्ठ मित्र हैं और वे स्वयं भी इसी प्रकार की हैं

Machine Translated by Google

सैली के पति लॉरेल और हार्डी जैसे जोड़ों का अवलोकन किया। जोएल और जेन बाचर ने कहा कि जोश को तुरंत लॉरेल और हार्डी गुड़िया से प्यार हो गया और वे उसके पसंदीदा खिलौने बन गए।

ओलिवर हार्डी की मृत्यु के लगभग 20 साल बाद डैनी का जन्म 15 जनवरी 1978 को हुआ था। इसके बाद के वर्षों में, जोश ने लॉरेल और हार्डी गुड़िया के साथ खेला, इतना कि जब डैनी का जन्म हुआ, तो गुड़िया के केवल रबर के सिर ही बचे थे। अपने पूरे बचपन में, जोश और डैनी ने स्टेन और ओली की गुड़िया के सिर के साथ खेलना जारी रखा और आज, 29 साल बाद भी, उनके पास वह खिलौना है।

जोश और डैनी अक्सर लॉरेल और हार्डी की नकल करते थे; जोश हमेशा स्टेन था और डैनी हमेशा ओली था। डैनी ने अपने खिलौनों पर ओलिवर की तरह मूंछें बनाईं
खुद ओली की मूंछें काले कपड़े से बनी हुई थीं, जिन्हें उसने अपने होठों से चिपका लिया था
पारदर्शी फीता। जब डैनी ने ओली की मूंछें पहनीं, तो जोश ने अपने सिर के ऊपरी हिस्से को खुजलाते हुए स्टेनली की नकल की।

जोश और डैनी ने जब भी संभव हुआ स्टेन और ओली की भूमिका निभाई और जोएल ने
जेन बाचर ने याद दिलाया कि छोटे लॉरेल और हार्डी (उम्मीद है) के साथ बाहर यात्रा करना, खरीदारी करना या घर का काम करना चुनौतीपूर्ण था, हालांकि मनोरंजक था। बहुत सी चीज़ें नहीं, जैसे पियानो या कारें जो उनके कारण नष्ट हो गईं)। इसके अलावा, एक अदालत के वकील, श्री बाचर ने मुझे बताया कि उनके जन्मदिन पर बच्चे उन्हें लॉरेल और हार्डी की मूक फिल्में दिखाने के लिए मजबूर करेंगे, जो स्थानीय पुस्तकालय से उधार ली गई थीं। जैसे-जैसे वे बड़े हुए, जोश और डैनी ने अन्य पुराने और नए हास्य कलाकारों के साथ मिलकर लॉरेल और हार्डी पर आधारित एक कॉमेडी शो विकसित किया, जिसका समापन उनके ऑफ-ब्रॉडवे डेब्यू के रूप में हुआ।

जनवरी 2006 न्यूयॉर्क में।

जबकि बैचर्स यह दावा नहीं करते हैं कि जोश और डैनी स्टेन लॉरेल और ओलिवर हार्डी के पुनर्जन्म हैं, वे स्वीकार करते हैं कि यह समझ में आता है। मेरे लिए, जोश और डैनी आत्मीयता के मामलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनसे व्यक्ति आकर्षित होते हैं

Machine Translated by Google

अपने निजी अतीत पर. जैसा कि देखा गया है, आत्मीयता के सबसे नाटकीय मामलों में से एक हैले बेरी है, जिसे उसकी अपनी आदर्श डोरोथी डैंड्रिज के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया है।

हाले ने डोरोथी का ऑस्कर जीतने का सपना पूरा किया है और वह अभिनय में अपना करियर बनाने को लेकर उत्साहित हैं।

उसी तरह, मेरे निर्णय में, स्टेन लॉरेल और ओलिवर हार्डी का जोश और डैनी बाचर के रूप में पुनर्जन्म हुआ है। उनका स्व-घोषित मिशन, जैसा कि जोएल बाचर ने कहा था, "ऐसी दुनिया में खुशी और हँसी लाना है जहाँ हँसी गुणवत्तापूर्ण हो"। स्टैन और ओली के लिए, मैं खुशी से घोषणा करता हूं, "वापस स्वागत है।" मुझे पूरी उम्मीद है कि आपके कॉमेडी सपने सच होंगे और भविष्य में, अपने बुढ़ापे में, आप अपने जीवन पर विचार करेंगे और जानेंगे कि आपने एक बार फिर "एक और बड़ी गड़बड़ी" पैदा कर दी है।

Machine Translated by Google

जोश (बाएं) और डैनी (दाएं)
बाकर की पहचान कर ली गई है

स्टेन लॉरेल (बीच में बाएँ) और ओलिवर हार्डी (दाएँ बीच में)

के पुनर्जन्म के रूप में।

इस प्रकार, हास्य जोड़ी लॉरेल और हार्डी का दो

भाइयों के रूप में पुनर्जन्म हुआ है।

बच्चों के रूप में, जोश और डैनी ने हर अवसर पर स्टेन और
ओली की नकल की, डैनी ने अपने होठों पर "ओली"

मूंछें चिपका लीं।

वयस्कों के रूप में, जोश और डैनी अपने लोक रंगमंच की

शुरुआत में एक कॉमेडी टीम बन गए।

उन्होंने स्टेन और ओली की कॉमेडी शैली को फिर से खोजा और

यहां तक कि अपनी खुद की मूक फिल्म भी बनाई।

जोश और डैनी के माता-पिता को पता चला कि वे वास्तव

में लॉरेल और हार्डी के पुनर्जन्म हो सकते हैं।

Machine Translated by Google

लॉरेल और हार्डी © बेटमैन/कॉर्बिस

जोश और डैनी बार्चर: जोश और डैनी बार्चर का योगदान

स्टेन लॉरेल जोश बाकर डैनी बाकर ओलिवर हार्डी

Machine Translated by Google

BORN again

भाग III

महापुरूषों के पुनर्जन्म का मामला

भारत, इंडोनेशिया और फिलीपींस

Machine Translated by Google

18

राष्ट्रपति अब्दुल कलाम
पुनर्जन्म के रूप में

टीपू सुल्तान, विक्रम साराभाई अस
हैदर अली का पुनर्जन्म, और भारतीय मिसाइलों के पुत्र

एपीजे अब्दुल कलाम को मिसाइल (रॉकेट) कार्यक्रम का जनक माना जाता है
भारत; इस वजह से उन्हें अक्सर "मिसाइल मैन" उपनाम दिया जाता है। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई हैं, और उनके सम्मान में, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की सबसे बड़ी सुविधा को विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र कहा जाता है। आइए रॉकेट अनुसंधान के क्षेत्र में इन दो भारतीय नेताओं का अध्ययन करें।

अब्दुल कलाम दक्षिणी भारत के मद्रास क्षेत्र के द्वीप शहर रामेश्वरम में पले-बढ़े। एक बच्चे के रूप में, वह और उसका सबसे अच्छा दोस्त, जलालुद्दीन, अक्सर दोपहर में टहलने जाते थे, भगवान और आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा करते थे। हालाँकि अब्दुल का पालन-पोषण एक मुस्लिम के रूप में हुआ था, फिर भी वह और जल्लालुदीन भगवान शिव की पूजा करने वाले एक हिंदू मंदिर में भी गए। एक अनुष्ठान के रूप में, वे मंदिर के चारों ओर घूमते हैं और अपना सम्मान व्यक्त करते हैं और ऐसा करते समय, जलालुद्दीन और अब्दुल उनके बीच से गुजरते हुए "ऊर्जा के प्रवाह को महसूस करते हैं"।1 बाद में, गंगा के पास शिवानंद शयनगृह का दौरा करते समय, अब्दुल ने "एक मजबूत कंपन महसूस करने" का वर्णन किया ” जैसे ही वह हॉस्टल में दाखिल हुआ।

.2 एक अन्य अवसर पर, अब्दुल ने एक घटना का जिक्र किया जहां उसके पिता ने उसके करियर में उन्नति का जश्न मनाने के लिए मस्जिद में एक समारोह का आयोजन किया था, “मैं ईश्वर की शक्ति को अपने पिता के माध्यम से मेरे पास और वापस ईश्वर की ओर प्रवाहित होते हुए महसूस कर सकता था; हम सभी गहन प्रार्थना में हैं।”3

आध्यात्म के प्रति रुचि ने अब्दुल कलाम का साथ कभी नहीं छोड़ा

Machine Translated by Google

उन्होंने विज्ञान और अध्यात्मवाद को कभी भी विरोधाभासी नहीं माना। वास्तव में, कलाम ने कहा है कि उनके लिए, "ज्ञान आध्यात्मिक संवर्धन और आत्म-प्राप्ति का मार्ग बन गया है।" इसके अलावा, ट्रांसफार्मर, शिव की अग्नि, उनकी रगों में दौड़ती प्रतीत होती है। आग एपीजे अब्दुल कलाम के लेखन का एक प्रमुख पहलू है। उनकी आत्मकथा का शीर्षक है, विंग्स ऑफ फायर, और उनके द्वारा लिखी गई एक अन्य पुस्तक का शीर्षक है, इग्नाइटेड माइंड्स, जो भारतीय बच्चों और भारत को अधिक परिष्कृत और विकसित देश बनाने की उनकी क्षमता को संदर्भित करती है। .

एक बच्चे के रूप में, अब्दुल उड़ने में सक्षम होने का सपना देखता था, इत्यादि लियोनार्डो दा विंची, उन्होंने पक्षियों को उड़ाना सीखा।

बाद में अपने जीवन में, जब वह छोटा था, अब्दुल ने इंजीनियर बनने के लिए मद्रास इंस्टीट्यूट फॉर टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में प्रवेश किया। यहां भी उनकी रुचि उड़ने वाली मशीनों में बढ़ती गई। अपनी आत्मकथा में, उन्होंने एमआईटी में प्रदर्शित हवाई जहाजों और उनकी प्रणालियों के प्रति अपनी प्रशंसा का वर्णन किया है। उन्होंने लिखा, "मुझे हवाई जहाजों के प्रति एक अजीब आकर्षण महसूस हुआ, और अन्य छात्रों के अपने कमरे में लौटने के बाद भी मैं उनके पास बैठा रहता था, और पक्षियों की तरह आकाश में स्वतंत्र रूप से उड़ने की मानवीय इच्छा की प्रशंसा करता था।"5 वास्तव में, महत्वाकांक्षा और इच्छा कलाम की थी उस समय की सबसे बड़ी उपलब्धि भारतीय वायु सेना में एक अधिकारी बनना था। कलाम ने आवेदन प्रक्रिया में प्रवेश किया और जब वायु सेना चयन बोर्ड द्वारा उन्हें अस्वीकार कर दिया गया, तो पायलट बनने का अवसर चूक जाने से उनका मोहभंग हो गया।

भले ही उनका पायलट बनने का सपना पूरा हो चुका था,

अब्दुल कलाम ने रक्षा मंत्रालय में नौकरी की, जहाँ वे तकनीकी विकास और उत्पादन निदेशालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक बन गये। कलाम विमान नहीं उड़ाएंगे, लेकिन वह इसे डिजाइन करने में शामिल रहेंगे। एक परियोजना में, कलाम ने एक युद्ध होवरक्राफ्ट बनाने के लिए एक टीम का नेतृत्व किया और उन्होंने इस वाहन को उड़ाया भी, भले ही वह जमीन से केवल इंच की ऊंचाई पर था। प्रगति के अगले चरण में प्रोफेसर विक्रम साराभाई के साथ एक साक्षात्कार शामिल था, जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति कलाम को भर्ती करने में रुचि रखती थी

Machine Translated by Google

"रॉकेट इंजीनियर" का पद भरें।

जल्द ही कलाम और साराभाई के बीच एक रिश्ता विकसित हो गया।
कलाम साराभाई की गर्मजोशी, साथ ही उनके कर्तव्यनिष्ठ स्वभाव, उनकी संक्रामक आशावादिता और दूरदर्शिता से प्रभावित हुए।
साराभाई, जैसा कि कलाम ने कुछ समय से देखा था, एक प्रवर्तक, प्रयोगकर्ता और नेता थे जिन्होंने अपने लोगों को विश्वास और विश्वास दिखाकर प्रेरित किया कि वे सफल होंगे। दिशा प्रदान करने के बजाय, साराभाई विचारों के आदान-प्रदान का समर्थन करते हैं जो किसी समस्या के सामान्य समाधान की ओर ले जाता है। विक्रम साराभाई के बारे में कलाम के लेखन के लहजे से पता चलता है कि वर्षों से, अब्दुल के मन में साराभाई के लिए गहरा प्यार और प्रशंसा थी, जो किसी भी अन्य पेशेवर समकक्ष से कहीं अधिक थी। जब विक्रम साराभाई की उनके करियर के स्वर्णिम युग में, 52 वर्ष की आयु में अचानक और अप्रत्याशित रूप से दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई, तो उन्हें बहुत दुख हुआ। कलाम ने बाद में विक्रम साराभाई को भारतीय विज्ञान का महात्मा गांधी करार दिया।

इसके अलावा अब्दुल कलाम की रुचि विज्ञान में भी थी
भारत को आत्मनिर्भर बनाने और समाज की प्रगति घरेलू प्रौद्योगिकी के विकास से हो, न कि पश्चिम से आयातित प्रौद्योगिकी से हो, इसके लिए अटूट जुनून रखता है। हालाँकि, उनके सबसे मूल्यवान अनुभवों में से एक मिसाइल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत के अग्रदूतों के योगदान की पश्चिमी स्वीकृति से आता है। इस अनुभव का दृश्य मैरीलैंड में नासा की वॉलॉप्स फ़्लाइट सुविधा का है। भारत के मिसाइल कार्यक्रम में प्रमुख इंजीनियर के रूप में, कलाम को रॉकेट प्रक्षेपण तकनीकों पर छह महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नासा द्वारा आमंत्रित किया गया है।

वॉलॉप्स में, कलाम रिसेप्शन लॉबी में लटकी हुई एक पेंटिंग देखते हैं, जिसमें युद्ध के दृश्य को दर्शाया गया है जिसमें आने वाले सैनिकों पर रॉकेट लॉन्च किए जाते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि रॉकेट दागने वाले सभी सैनिक गहरे रंग के थे, जबकि रॉकेट का निशाना ब्रिटिश वर्दी पहने सफेद सैनिक थे।

Machine Translated by Google

कलाम ने करीब से देखा और महसूस किया कि यह पेंटिंग टीपू सुल्तान की सेना और भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक ताकतों के बीच एक लड़ाई थी। टीपू सुल्तान को उनके पिता हैदर अली के साथ रॉकेट विकास का अग्रदूत माना जाता है। कलाम इस बात से काफी आश्चर्यचकित थे कि नासा की सुविधा में भारतीयों को सम्मानित किया गया, जबकि घर पर अधिकांश भारतीय टीपू सुल्तान के बारे में भूल गए थे।

हालाँकि चीन रॉकेट का आविष्कार करने वाला पहला देश था, जिसका उपयोग उन्होंने औपचारिक उद्देश्यों के लिए किया था, हैदर अली और टीपू सुल्तान वह थे जिन्होंने सैन्य उद्देश्यों के लिए रॉकेट विकसित किए थे। जिस नवाचार ने हैदर अली और टीपू सुल्तान द्वारा इस्तेमाल किए गए रॉकेटों को अधिक प्रभावी बनाया, वह लोहे की परतों का उपयोग था, जिसके परिणामस्वरूप अधिक दबाव वाला पोत और परिणामस्वरूप, लंबी दूरी थी। इनमें से कुछ रॉकेट 1,000 गज (914.4 मीटर) तक भी उड़ सकते हैं।

रॉकेट के आधार में 8 इंच लंबी और 2-3 इंच व्यास वाली एक स्टील ट्यूब होती है। रॉकेट के पतवार में 4 फुट लंबी बांस की छड़ी शामिल थी। डिज़ाइन को विशेष उद्देश्यों और प्रभावों के लिए बदला जा सकता है।

उदाहरण के लिए, हैदर अली के कुछ रॉकेटों में धातु की ट्यूबें होती हैं जो रॉकेट के उड़ने पर चिंगारी छोड़ सकती हैं, जिससे उसके रास्ते में आने वाली वस्तुओं में आग लग सकती है। लंदन के वूलविच आर्टिलरी संग्रहालय में प्रदर्शित टीपू सुल्तान के दो रॉकेटों के सिर पर तलवार की धार है। टीपू सुल्तान ने एक पहिएदार रॉकेट लांचर भी विकसित किया जो एक के बाद एक कई रॉकेट दाग सकता था। ऐसा अनुमान है कि टीपू सुल्तान की सेना में 27 ब्रिगेड थे, जिन्हें कुशून कहा जाता था। प्रत्येक ब्रिगेड को 200 रॉकेट सैनिकों का एक दस्ता सौंपा जाता है, जिसे जर्क कहा जाता है। टीपू सुल्तान ने फ़तहुल मुजाहिदीन नामक एक सैन्य मैनुअल लिखा, जिसमें उनकी सैन्य इकाइयों की संरचना और कार्य की रूपरेखा दी गई थी।

हमने स्वतंत्र रूप से शोध किये गये पुनर्जन्म में देखा है
मामले, जैसे कि पॉल गाउगिन/पीटर टेकैम्प, एलेक्जेंड्रा नेचिटा/पाब्लो पिकासो, और फ्रांसेस्को फोस्कारी/के मामले

वेन पीटरसन, रुचियां, जुनून और प्रतिभाएं जीवन भर कैसे जारी रह सकती हैं। अब हम एपीजे अब्दुल कलाम के मामले में इस घटना को देख रहे हैं, क्योंकि मेरे सहयोग से

Machine Translated by Google

केविन रायर्सन, अहतुन रे ने पुष्टि की कि कलाम टीपू सुल्तान के पुनर्जन्म हैं। अहतुन रे ने यह भी पुष्टि की कि कलाम के महान शिक्षक, विक्रम साराभाई, टीपू सुल्तान के पिता हैदर अली के अवतार हैं। पिता और पुत्र के रूप में, हैदर अली और टीपू सुल्तान ने मैसूर राष्ट्र का निर्माण किया, जबकि शिक्षक और छात्र के रूप में, विक्रम साराभाई और अब्दुल कलाम ने भारत के अंतरिक्ष और मिसाइल कार्यक्रम का निर्माण किया, जिससे दुनिया के देशों के बीच भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी। वास्तव में, भारत के अंतरिक्ष और मिसाइल कार्यक्रमों में कलाम की सेवाएँ भारत के लिए महाशक्तियों की सूची में शामिल होने का टिकट हैं।

आइए हैदर अली और टीपू सुल्तान के बारे में और जानें, जिन्होंने 38 वर्षों की अवधि तक मैसूर नामक क्षेत्र पर शासन किया।

मैसूर दक्षिण भारत का एक जिला है, जो बेंगलुरु से 140 किलोमीटर दूर है। हैदर अली का जन्म 1722 के आसपास हुआ था। उनके जन्म के सटीक वर्ष के संबंध में विभिन्न स्रोत थोड़े भिन्न हैं।

हैदर अली के पिता फ़तेह मोहम्मद थे और उनका एक भाई शाबिज़ था, जो मैसूर सेना में सैनिक बन गया। हैदर अली अपने भाई के साथ युद्ध में शामिल हुए और सैन्य सेवा में उपलब्धियाँ दर्ज करने में सफल रहे। उन्होंने सैन्य इंजीनियरिंग में भी रुचि दिखाई, पांडिचेरी में फ्रांसीसी सैनिकों का दौरा किया, जहां उन्होंने फ्रांसीसी तकनीकी अधिकारियों के कौशल की प्रशंसा की।

हैदर अली को "बहुत मजबूत याददाश्त" और "तीखी नज़र" के लिए जाना जाता है।

अपनी सैन्य विशेषज्ञता के कारण, 1755 में, हैदर अली को मैसूर के बुदिकोट में सैन्य कमांडर नियुक्त किया गया था। हैदर अली उत्कृष्ट संगठनात्मक कौशल प्रदर्शित करते हैं।

उन्होंने महसूस किया कि ब्रिटिश और फ्रांसीसी औपनिवेशिक शक्तियों ने सैन्य कमान की एक कुशल प्रणाली बनाई थी और उन्होंने उसी तरह से अपने सैनिकों को संगठित किया।

हैदर अली ने ब्रिटिश और फ्रांसीसी हथियारों पर आधारित सैन्य उपकरण भी बनाए। अंत में, 1757 में मैसूर की पूरी सेना उनकी कमान सौंप दी गई। जब हैदर अली ने हमलावर मराठा सैनिकों को हराया, तो उनके प्रतिद्वंद्वी हिंदू समूह, मैसूर के हिंदू महाराजा

Machine Translated by Google

उन्हें फ़तेह बहादुर की उपाधि से सम्मानित किया गया। 1761 में हैदर अली को मैसूर का मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया और जब 1766 में महाराजा की मृत्यु हो गई, तो हैदर अली स्वयं मैसूर के शासक बन गए।

इस क्षमता में हैदर अली ने स्वयं को एक महान प्रशासक साबित किया। यह उल्लेख किया गया है कि उनमें "एक साथ कई चीजों पर ध्यान देने की क्षमता थी, ताकि वह किसी भी गतिविधि से विचलित हुए बिना, एक नाटकीय प्रदर्शन देखते समय, पढ़े गए पत्र को सुन सकें, आदेश दे सकें।"7 उनके शासनकाल के दौरान , हैदर अली ने मैसूर के बुनियादी ढांचे की मरम्मत की, सड़कों - सड़कों और उद्यानों का निर्माण किया। बैंगलोर और सेरिंगपट्टम की सुरक्षा भी अली द्वारा बनाई गई थी। वह अन्य मान्यताओं के प्रति सहिष्णु है। हैदर अली लोगों के साथ कूटनीतिक भी हैं और यह ध्यान दिया जाता है कि उनका कोई व्यक्तिगत दुश्मन नहीं है।

दुर्भाग्य से, उनके शासनकाल के दौरान सैन्य अभियान जारी रहे।
पहला मैसूर युद्ध 1767 में शुरू हुआ, जब अंग्रेजों ने मराठों, जो उत्तरी और मध्य भारत के क्षेत्रों को नियंत्रित करते थे, और हैदराबाद के निज़ाम के साथ गठबंधन किया। निज़ाम एक राजवंश के शासक का नाम था, जिसने हैदराबाद को अपनी राजधानी बनाए रखा। हैदर अली ने मद्रास और दक्षिण भारत पर शासन किया। हालाँकि इस गठबंधन में ब्रिटिश, मराठा और निज़ाम शामिल थे, हैदर अली इस ब्रिटिश नेतृत्व वाली सेना को हराने में सक्षम थे। इसके बाद हुई शांति संधि में, यदि मैसूर पर अन्य शक्तियों द्वारा हमला किया गया तो अंग्रेजों को हैदर अली की मदद करने की आवश्यकता थी।

जब 1771 में मराठों ने फिर से मैसूर पर आक्रमण किया, तो अंग्रेजों ने अपना वादा तोड़ दिया और हैदर अली की मदद करने से इनकार कर दिया। इसके चलते अली को फ्रांस के साथ गठबंधन करना पड़ा।

दूसरा मैसूर युद्ध 1780 में शुरू हुआ जब अंग्रेजों ने इस क्षेत्र में फ्रांसीसी सेना पर हमला करने की योजना बनाई और हैदर अली ने अंग्रेजों की मदद करने से इनकार कर दिया। इसके बाद अंग्रेजों ने मराठों और हैदराबाद के निज़ाम के साथ फिर से गठबंधन किया और हैदर अली और मैसूर पर युद्ध की घोषणा की। द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध के दौरान, पोलिलुर की लड़ाई (10 सितंबर 1780) में, हैदर अली और टीपू सुल्तान रिकॉर्ड करने में कामयाब रहे

Machine Translated by Google

बड़ी जीत। उनकी जीत में मदद करने वाले कारकों में से एक यह था कि ब्रिटिश गोला-बारूद गाड़ियों में से एक को मैसूर रॉकेट द्वारा सफलतापूर्वक जला दिया गया था।

हैदर अली ने युद्ध में 80,000 पुरुषों और 100 तोपों का नेतृत्व किया और अक्टूबर 1780 में, उन्होंने जीत हासिल की और अर्कोट पर विजय प्राप्त की। हालाँकि, 1781 में, वह मद्रास के पास हार गया। यह बताया गया कि हैदर अली की पीठ पर एक प्युलुलेंट ट्यूमर था, जिसके कारण युद्ध के बीच 7 दिसंबर 1782 को चित्तूर के बाहर उनके बेस पर उनकी मृत्यु हो गई। जब उन्हें अपने पिता की मृत्यु की खबर मिली, तो टीपू सुल्तान ने 90,000 सैनिकों के साथ चित्तूर पर चढ़ाई की और मैसूर सेना की कमान संभाली। इसके बाद टीपू सुल्तान बैंगलोर के बंदरगाह में ब्रिटिश-आधिपत्य वाले किले में चले गए और फ्रांसीसी इंजीनियरों की मदद से छापेमारी शुरू कर दी। हालाँकि, यह लड़ाई उस समय हुई जब ब्रिटेन और फ्रांस अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध के बाद शांति संधि में प्रवेश कर रहे थे। तब फ्रांसीसी इंजीनियर जो टीपू सुल्तान की सहायता कर रहे थे, उन्हें अपनी सहायता वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। फ्रांसीसी पलायन से क्रोधित टीपू सुल्तान को हमले को बचाव में बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा। टीपू सुल्तान अंततः 1783 में दूसरा मैसूर युद्ध जीतकर अंग्रेजों के खिलाफ जीत दर्ज करने में कामयाब रहे। जनवरी 1784 में हस्ताक्षरित एक समझौते के माध्यम से टीपू सुल्तान द्वारा नियंत्रित क्षेत्र का बड़े पैमाने पर विस्तार किया गया।

आइये अब टीपू सुल्तान के जीवन की समीक्षा करते हैं। उनका जन्म 10 दिसंबर 1750 को देवनहल्ली में हुआ था। टीपू को बचपन से ही एक सैन्य नेता के रूप में शिक्षा मिली और 15 वर्ष की उम्र से वह अपने पिता के साथ सैन्य अभियानों में शामिल हो गये। टीपू सुल्तान को पढ़ाई करना बहुत पसंद है, उन्होंने एक पुस्तकालय में लगभग 2,000 किताबें भी एकत्र की हैं। विशेष रूप से, टीपू ने गणित और विज्ञान का अध्ययन किया। उन्हें बहुत गतिशील बताया गया है

व्यक्ति।

अपने पिता की मृत्यु के बाद, टीपू सुल्तान ने मैसूर पर अधिकार कर लिया उन्हें एक न्यायप्रिय और महान शासक माना जाता था। यह अपने लोगों की समृद्धि बढ़ाने के लिए गतिशील रूप से काम करता है। उदाहरण के लिए, कृषि को विकसित करने के लिए टीपू सुल्तान ने सिंचाई के लिए बाँध और जलाशय बनवाए

Machine Translated by Google

खेतों के साथ-साथ बाजारों तक माल पहुंचाने के लिए सड़कों का निर्माण भी किया जा रहा है।
टीपू सुल्तान ने कच्छ, मास्क्वाट और जेद्दा में कारखानों का निर्माण करके उद्योग भी विकसित किया। उन्होंने ओमान, फारस और तुर्की जैसे पड़ोसी देशों के साथ व्यापार तेज कर दिया।

टीपू ने किले और महल बनवाये। एक मुस्लिम के रूप में, टीपू ने मैसूर में शराब पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन वह अपनी गैर-मुस्लिम प्रजा के साथ अच्छा व्यवहार करता है। उन्होंने विदेशी विशेषज्ञों को कांच, दर्पण और जहाज निर्माण के कारखाने बनाने के लिए आमंत्रित किया। वह अपने राज्य को भारत का सबसे समृद्ध देश बनाने के लिए कृतसंकल्प थे। टीपू सुल्तान दुनिया भर के नवीनतम वैज्ञानिक विकास के बारे में भी जानकारी लेता है।

टीपू सुल्तान अपने देश की आज़ादी के बड़े समर्थक थे
औपनिवेशिक शासन से और इस संबंध में, वह पूरे भारत में अपना प्रभाव फैलाने की ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की योजनाओं से भी सावधान थे। टीपू ने फ्रांस, तुर्की के सुल्तान और अफगानिस्तान के अमीर के साथ गठबंधन किया। 1787 में, टीपू ने फ्रांस के साथ अपने गठबंधन को मजबूत करने के प्रयास में, पेरिस में एक प्रतिनिधिमंडल भी भेजा, जो लुई XVI से मिला।

अंग्रेज़ टीपू सुल्तान की बढ़ती शक्ति से अवगत हो गये
हैदराबाद के निज़ाम और मराठों के साथ एक बार फिर गठबंधन किया, फिर 1790 में तीसरा मैसूर युद्ध शुरू हुआ। जनवरी 1791 में, लॉर्ड कॉर्नवालिस ने वेल्लोर में ब्रिटिश सैनिकों की कमान संभाली, और बैंगलोर की घेराबंदी शुरू करने के लिए दृढ़ संकल्प किया। जैसे ही कॉर्नवालिस मुगली दर्रे से आगे बढ़े, उन पर टीपू सुल्तान के रॉकेट सैनिकों ने हमला कर दिया

यदि आप इसके बारे में सोचते हैं, तो शायद मैरीलैंड में नासा की वॉलॉप्स फ़्लाइट सुविधा की लॉबी में प्रदर्शित पेंटिंग, जो अब्दुल कलाम को प्रमाण की भावना देती है, कलाम के भीतर एक अचेतन स्मृति या अहसास पैदा करती है कि यह एक ऐसी लड़ाई है जिसका नेतृत्व उन्होंने एक बार किया था। अगर

कलाम वास्तव में टीपू सुल्तान के पुनर्जन्म हैं, वॉलॉप्स में उन्हें रॉकेट तकनीक में उनके योगदान के लिए मान्यता मिलती है, जिसका आविष्कार उन्होंने 200 साल से भी पहले किया था।

हालाँकि, अंत में टीपू सुल्तान युद्ध में हार गया

Machine Translated by Google

तीसरा मैसूर. 22 मार्च 1792 को अपनी राजधानी सेरिंगपट्टम में हस्ताक्षरित एक संधि में, टीपू सुल्तान को अपना आधा राज्य छोड़ना पड़ा और अंग्रेजों और उनके सहयोगियों को युद्ध की लूट के 33 मिलियन रुपये का भुगतान करना पड़ा।

1792 में अपनी हार के बाद, टीपू सुल्तान ने फ्रांसीसी सहायता से अपनी सेना का पुनर्निर्माण किया। अंग्रेजों ने इसे सेरिंगपट्टम की संधि का उल्लंघन माना, जिसके कारण 1798 में मैसूर पर उनका आक्रमण हुआ और चौथे मैसूर युद्ध की शुरुआत हुई। अंततः टीपू को उसकी राजधानी सेरिंगपट्टम में घेर लिया गया। एक बार फिर टीपू सुल्तान की रॉकेट सेना युद्ध में शामिल हो गई। टीपू ने युद्ध के मैदान में घुड़सवारी करके कैद से बचने की कोशिश की, लेकिन सीने में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसके शरीर के दाहिनी ओर दूसरा घाव तब हुआ जब उसका घोड़ा उसके नीचे गिर गया। टीपू सुल्तान के रक्षकों ने उसकी मदद की और उसे ब्रिटिश सैनिकों के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, यह जानते हुए कि उसे माफ कर दिया जाएगा। टीपू सुल्तान ने मना कर दिया. एक ब्रिटिश सैनिक टीपू की रत्नजड़ित तलवार की बेल्ट को पकड़ने की कोशिश करता है। टीपू ने, भले ही वह खुद घायल हो गई थी, तलवार खींच ली और सैनिक के घुटने पर घाव कर दिया। जवाबी कार्रवाई में, ब्रिटिश सैनिक ने अपनी राइफल निकाली और टीपू सुल्तान के सिर में गोली मार दी, जिससे तुरंत मौत हो गई। यह मई 1799 में हुआ था। टीपू सुल्तान को तब "गुम्बज़" में दफनाया गया था, जो उसने एक पारिवारिक कब्र में बनवाया था, जहाँ उसे हैदर अली और उसकी माँ फातिमा बेगम के साथ दफनाया गया था।

एक क्षण में हम देखेंगे कि विक्रम साराभाई और अब्दुल कलाम के मामलों में व्यक्तित्व लक्षण कैसे सुसंगत रहते हैं।

सबसे पहले, मैं यह टिप्पणी करना चाहूंगा कि आज के जीवन में अन्य कर्म संबंधों का भी नवीनीकरण हुआ है और मिसाइल प्रौद्योगिकी विकसित करने पर साराभाई और कलाम के साथ काम करने वाले कई इंजीनियर और वैज्ञानिक हैदर अली और टीपू सुल्तान के युग के दौरान भी उनके साथ थे, जैसा कि पुष्टि की गई है अहतुन रे, केविन रायर्सन की मार्गदर्शक भावना। उदाहरण के लिए, हैदर अली के मंत्री मुहम्मद सादिक का कथित तौर पर विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र के पहले निदेशक ब्रह्म प्रकाश के रूप में पुनर्जन्म हुआ था। यहां तक की

Machine Translated by Google

प्रख्यात रॉकेट वैज्ञानिक वर्नर वॉन ब्रॉन भी टीपू सुल्तान के साथ थे, शायद सुल्तान के भरोसेमंद कमांडर बुरहानुद्दीन के रूप में।

आइए विक्रम के बीच सामान्य व्यक्तित्व लक्षणों की समीक्षा करें
साराभाई और हैदर अली.

• रंगीन कपड़े। हैदर अली को चमकीले रंग के कपड़े पसंद हैं, जैसे विक्रम साराभाई को, जो चमकीले रंग के कपड़े पहनते हैं।

• प्रशासन में प्रतिभा. जैसा कि ऊपर वर्णित है, हैदर अली के पास एक है
मजबूत याददाश्त और पैनी पकड़।
वह अपने क्षेत्र पर शासन करने में विभिन्न प्रकार के कार्य भी आसानी से कर पाता है। विक्रम साराभाई एक प्रतिभाशाली प्रबंधक भी हैं, जो न केवल भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को चला रहे हैं बल्कि अपने परिवार की दवा, रसायन, कांच, कृषि और इंजीनियरिंग कंपनियों के संचालन का प्रबंधन भी कर रहे हैं। हैदर अली की तरह, विक्रम साराभाई को भी अक्सर एक साथ कई काम करते हुए, औद्योगिक गतिविधियाँ चलाते हुए और एक ही समय में अपने छात्रों को पढ़ाते हुए देखा जाता है।

• समस्या समाधान करने की कुशलताएं। हैदर अली एक सैन्य कमांडर है जो समस्याओं को हल करने के तरीके खोजने में बहुत अच्छा है, रचनात्मक तरीके से अवसर खोजने में सक्षम है। अब्दुल कलाम ने यह भी कहा कि विक्रम एक चतुर प्रबंधक थे, जो कभी-कभी सोच के पारंपरिक पैटर्न का पालन नहीं करते थे, जो भारत के कम कर्मचारियों और कम वित्तपोषित अंतरिक्ष कार्यक्रम को चलाने में सफल रहे।

• विदेशी सैन्य उपकरणों की इंजीनियरिंग। हैदर अली ने कथित तौर पर फ्रांसीसी और ब्रिटिश सैन्य उपकरणों की चोरी की। विक्रम साराभाई ने एक रूसी RATO मोटर का अधिग्रहण किया, जिसका उपयोग प्रतिकूल परिस्थितियों में उड़ान भरते समय जेट की सहायता के लिए किया जाता है, जिसका उपयोग भारतीय RATO मोटर को डिजाइन करने के लिए किया गया था। अब्दुल कलाम ने इस प्रयास में भाग लिया।

• खुला। कहा जाता है कि हैदर अली ''खुले और किसी से भी बातचीत करने के लिए तैयार'' थे। कथित तौर पर विक्रम साराभाई भी इस पर विचार कर रहे हैं

Machine Translated by Google

हर कोई बराबर है. ऐसा कहा जाता था कि एक नौकरानी भी उनके पास खुलकर आ सकती थी और उनसे खुलकर बातचीत कर सकती थी।

अब आइए टीपू सुल्तान और अब्दुल कलाम के व्यक्तित्व में समानताओं की जाँच करें।

• सरल. टीपू सुल्तान साधारण खाना खाता है और खुरदरी चटाई पर सोता है। अब्दुल कलाम के पास भी साधारण कमरे हैं और जब भी उन्हें अधिक आलीशान आवास की पेशकश की जाती है तो वे अक्सर इसे स्वीकार करने से इनकार कर देते हैं, जिसमें थुम्बा में वहाना 3 उपग्रह प्रक्षेपण टीम का नेतृत्व करना भी शामिल है।

• साधारण कपड़े. टीपू सुल्तान बेहद साधारण कपड़े पसंद करते हैं अपने पिता के विपरीत, जो रंगीन कपड़े पहनना पसंद करते हैं। अब्दुल कलाम को हमेशा सादे कपड़े पसंद थे और जब भारत के पहले उपग्रह के सफल प्रक्षेपण के बाद उन्हें प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी से मिलने के लिए आमंत्रित किया गया था, तो उन्होंने बैठक के लिए केवल सादे कपड़े और सैंडल पहने थे।

• परहेज़। टीपू सुल्तान अपने और अपने क्षेत्र दोनों के लिए शराब पर प्रतिबंध रखता है। कहा जाता है कि टीपू सुल्तान भी महिलाओं के मोह में नहीं पड़ता था. अब्दुल कलाम शराब से परहेज़ करते हैं, शाकाहारी हैं और ब्रह्मचारी हैं।

• कविता। टीपू सुल्तान एक अच्छे कवि के रूप में जाने जाते हैं। अब्दुल कलाम को कविता लिखना अच्छा लगता था और उनकी कविताएँ उनकी जीवनी, विंग्स ऑफ फायर में भी मिलती हैं। अब्दुल कलाम ने माई जर्नी और द लाइफ ट्री शीर्षक से कविता की किताबें भी प्रकाशित की हैं।

• अध्यात्मवादी वैज्ञानिक। टीपू सुल्तान को धार्मिक प्रेम बहुत पसंद था किताबें, लेकिन उन्हें नवीनतम वैज्ञानिक खोजों में भी बहुत रुचि थी। अब्दुल कलाम कई पवित्र ग्रंथों के विद्यार्थी थे और यहां तक कि वे मानसिक दार्शनिक रुडोल्फ स्टीनर से भी परिचित थे, जो आध्यात्मिक विज्ञान के विकास को आगे बढ़ाने के अपने प्रयासों के लिए प्रसिद्ध थे।

• नवाचार। टीपू सुल्तान को नवप्रवर्तन के प्रति "महान जुनून" के लिए जाना जाता है। यह ट्रिक एक नई माप प्रणाली, एक नया कैलेंडर, मुद्रा और एक समस्या निवारण मार्गदर्शिका बनाती है

Machine Translated by Google

सैन्य समस्या. टीपू ने एक जहाज निर्माण कारखाना बनाया और इस परियोजना के हिस्से के रूप में, उन्होंने जहाज निर्माण के लिए एक गैर-चुंबकीय मिश्र धातु विकसित की। अब्दुल कलाम ने सामग्री विज्ञान में भी रुचि दिखाई और मिश्र धातुओं में रुचि को स्वीकार किया जिसे धातु मिश्र धातुओं के समान देखा जा सकता है। एक बहुत ही विशिष्ट समानता में टीपू सुल्तान के पहिये वाले रॉकेट लॉन्चर का विकास शामिल है जो लगातार रॉकेट लॉन्च कर सकता है।

अपनी पुस्तक, इग्नाइटेड माइंड्स में, अब्दुल कलाम ने गर्व के साथ लिखा है कि भारत ने पिनाका नामक एक आधुनिक मल्टी-पिट रॉकेट लॉन्चर का उत्पादन किया है। टीपू सुल्तान की तरह, अब्दुल कलाम एक अग्रणी प्रर्वतक थे।

- बहादुर। टीपू सुल्तान कहते थे, "शेर की तरह एक दिन जीना भेड़ की तरह सौ साल जीने से बेहतर है।" अब्दुल कलाम ने कहा, "मैं पूर्णता की ओर साहस और दृढ़ता की डोर पसंद करता हूं।"

- हार्ड वोकर. ऐसा कहा जाता है कि टीपू सुल्तान सुबह से लेकर सुबह तक काम करते हैं
  अपने लोगों के कल्याण के लिए आधी रात। अब्दुल कलाम प्रतिदिन 18 घंटे काम करने के लिए जाने जाते हैं और उन्हें काम में लगे रहने वाले व्यक्ति के रूप में जाना जाता है।
- देश की प्रगति के लिए समर्पण। टीपू सुल्तान ने तकनीकी प्रगति और आर्थिक विकास के मामले में अपने क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए अथक प्रयास किया। यहां तक कि वह अपनी सामाजिक चेतना को प्रतिबिंबित करने के लिए खुद को "टीपू सुल्तान का नागरिक" भी कहते हैं।

  अब्दुल कलाम भी भारत को एक विकसित, समृद्ध और विश्व शक्ति बनाने के लिए समान रूप से प्रयास करने के लिए प्रेरित हैं, जैसा कि उनकी पुस्तक, इंडिया 2020, ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम में जोर दिया गया है।

- घरेलू उपलब्धियों और स्वतंत्रता पर गर्व। टीपू सुल्तान भारत में ब्रिटिश उपस्थिति से नाराज़ थे और उन्होंने ब्रिटिश और ईस्ट इंडिया कंपनी को इस क्षेत्र से बाहर निकालने के लिए लड़ाई लड़ी। इस प्रयास को शुरू करने के लिए टीपू ने फ्रांस के साथ गठबंधन किया, हालांकि ब्रिटेन के साथ शांति संधि पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद जब फ्रांसीसी युद्ध से हट गए तो उन्हें निराशा हुई। अब्दुल कलाम

Machine Translated by Google

प्रमुख उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के घरेलू उत्पादन के प्रबल समर्थक थे, इसका मुख्य कारण कलाम की यह समझ थी कि विदेशी प्रौद्योगिकियों और उत्पादों पर निर्भरता भारत को कमजोर कर देगी। वैसे, कलाम फ्रांस के साथ एक मिसाइल परियोजना में शामिल थे, जो उसी तरह समाप्त हो गई, जब फ्रांस अचानक पीछे हट गया। यह लगभग वैसा ही है जैसे अब्दुल कलाम अपने साथ टीपू सुल्तान के अनुभव लेकर आए, जिसके कारण वे न केवल राजनीतिक रूप से, बल्कि तकनीकी रूप से भी भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रयास करते रहे।

निःसंदेह, टीपू सुल्तान और अब्दुल कलाम में जो समानता है वह रॉकेटों में उनकी रुचि है। जैसा कि वॉलॉप्स में उनके अनुभव से पता चलता है, अब्दुल कलाम ने टीपू सुल्तान में बहुत रुचि दिखाई है।

1991 में बैंगलोर की यात्रा के दौरान कलाम ने श्रीरंगपट्टनम में टीपू सुल्तान के महल को देखने की इच्छा व्यक्त की।

यह भी ध्यान दिया जाता है कि कलाम को अक्सर इस बात का दुख होता है कि रॉकेट के क्षेत्र में अग्रणी के रूप में टीपू सुल्तान की उपलब्धियों को काफी हद तक भुला दिया गया है, यहां तक कि टीपू सुल्तान के अपने क्षेत्र में भी, भले ही "टीपू सुल्तान शहीद की स्मृति में व्याख्यान" नियमित रूप से बैंगलोर में आयोजित किए जाते हैं। विडंबना यह है कि 30 नवंबर 1991 को मंच पर अब्दुल कलाम वक्ता थे। कलाम ने लंदन के पास वूलविच आर्टिलरी संग्रहालय का भी दौरा किया और कहा कि जब उन्होंने टीपू के रॉकेट देखे तो उन्हें बहुत खुशी हुई।

इस संबंध में, टीपू सुल्तान/अब्दुल कलाम मामला वास्तव में "आत्मीयता मामले" का एक और उदाहरण है, जिसमें एक व्यक्ति अपने पिछले जीवन की पहचान से आकर्षित होता है।

Machine Translated by Google

© हरीश त्यागी/ईपीए/कॉर्बिस

टीपू सुल्तान

ए पी जे अब्दुल कलाम

टीपू सुल्तान ने अपने पिता के साथ मिलकर युद्ध में रॉकेट के इस्तेमाल की शुरुआत की थी। भारत के "मिसाइल मैन" डॉ. कलाम की पहचान टीपू सुल्तान के पुनर्जन्म के रूप में की जाती है।

Machine Translated by Google

हैदर अली विक्रम साराभाई

हैदर अली और उनके बेटे टीपू सुल्तान ने 38 वर्षों तक मैसूर पर शासन किया है। अली को सैन्य उपकरणों, रॉकेटों में रुचि थी और वह एक चतुर प्रशासक थे। अली का विक्रम साराभाई के रूप में पुनर्जन्म हुआ है

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक और अब्दुल कलाम के शिक्षक।

Machine Translated by Google

19

इंदिरा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, और 1857 का स्वतंत्रता संग्राम

भारत कई मायनों में विदेशी शासन के अधीन है
इसकी ऐतिहासिक सीमा का. यही वास्तविकता अब्दुल कलाम को आहत करती है और इसने उन्हें घरेलू प्रौद्योगिकी के विकास पर जोर देने के लिए प्रेरित किया है, ताकि भारत आत्मनिर्भर बन सके। भारत में ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के कारण कई संघर्ष हुए, जिनमें हैदर अली और टीपू सुल्तान के इतिहास में बताए गए संघर्ष भी शामिल हैं। इस अशांति में बहुत क्रूरता देखी गई है और अशांति के बाद कई घृणित कार्य किए गए हैं।

1947 में भारत को आजादी मिलने के बाद, जातीय और धार्मिक मतभेदों के कारण देश में फिर से उथल-पुथल और रक्तपात शुरू हो गया।

आशा है कि इस पुस्तक के अध्यायों में पुनर्जन्म के जो साक्ष्य मिलेंगे, वे देशों और विभिन्न मूल के लोगों के बीच हिंसा को कम करने में मदद करेंगे। निम्नलिखित मामलों में, हम देखेंगे कि आत्माएँ राष्ट्रीय, जातीय और नस्लीय संबद्धताएँ कैसे बदल सकती हैं। इस ज्ञान के साथ, आइए अब हम एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश न करें।

आइए हम अपनी उपलब्धियों या खुद को नष्ट करने के बजाय एक सामंजस्यपूर्ण ग्रह बनाने के लिए अपनी ऊर्जा का उपयोग करें।

भारत के मुख्य पात्रों के पिछले जीवन की जांच में, एक
जिन लोगों में मेरी दिलचस्पी थी उनमें जवाहरलाल नेहरू की बेटी, प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी थीं। केविन रायर्सन के साथ अपने सत्र से पहले, मैंने मिस गांधी के बारे में पढ़ा था और मैं इस बात से प्रभावित हुआ कि वह इतनी मजबूत किरदार थीं। मैंने सोचा कि वह कोई प्रभावशाली व्यक्ति होगा

Machine Translated by Google

पिछले। मैं यह भी सोचता हूं कि वह पिछले जन्म में लगभग निश्चित रूप से एक आदमी था, क्योंकि पिछले इतिहास में, आम तौर पर केवल पुरुष ही पदों तक पहुंचने या सत्ता पर कब्जा करने में सक्षम रहे हैं। इंदिरा गांधी के पिछले जीवन के साथ-साथ उनके पिता के पिछले अवतारों पर चर्चा करने से पहले, आइए हम जवाहरलाल नेहरू और उनकी बेटी इंदिरा के जीवन की संक्षेप में समीक्षा करें।

जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर, 1889 को हुआ था। नेहरू
वे प्रमुख राजनेताओं के परिवार से थे, क्योंकि उनके पिता ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। नेहरू मोहनदास गांधी के संघर्ष से प्रभावित थे। 1924 में, नेहरू को इलाहाबाद क्षेत्रीय कंपनी का अध्यक्ष चुना गया और दो साल तक इस क्षेत्र के मुख्य कार्यकारी रहे। बाद में उन्होंने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के रूप में कार्य किया। नेहरू भारत के उन राजनीतिक नेताओं में से एक थे जिन्होंने भारत को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के रूप में अवधारणा दी। फांढी के समर्थन से, 26 जनवरी 1930 को, नेहरू ने भारत की स्वतंत्रता की घोषणा की, जिसके कारण उनकी गिरफ्तारी हुई और हिरासत में लिया गया।

अपनी रिहाई के बाद, नेहरू को 1936 में भारतीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। द्वितीय विश्व युद्ध ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता चाहने वालों की योजनाओं को बाधित और विलंबित किया, लेकिन 13 अगस्त, 1942 को भारतीय कांग्रेस ने भारत से ब्रिटेन से स्वतंत्र होने का आग्रह किया। ब्रिटिश शासन की हड़ताल और बहिष्कार के बाद ब्रिटिश सरकार ने कांग्रेस कार्यसमिति को गिरफ्तार कर लिया।

हजारों भारतीय स्वतंत्रता प्रदर्शनकारियों को जेल में डाल दिया गया और पुलिस द्वारा मार डाला गया।

द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद, 15 अगस्त 1947 को भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया, जिसके प्रधानमंत्री नेहरू थे।
वह 27 मई 1964 को अपनी मृत्यु तक उस पद पर बने रहे।

जवाहरलाल और कमला नेहरू की बेटी इंदिरा गांधी का जन्म 19 नवंबर, 1917 को हुआ था। इंदिरा देश की राजनीतिक पृष्ठभूमि में पली-बढ़ीं और एक समय वह देश की युवा नायिका बन गईं, जो अपने पिता की राजनीतिक क्रांति की योजनाओं को स्कूल बैग में लेकर चलती थीं, टाल-मटोल करती थीं। ब्रिटिश जांच. 1936 में उनकी माँ की तपेदिक से मृत्यु हो गई। 1942 में, उन्होंने फ़िरोज़ गांधी से शादी की, जो एक राजनीतिक कार्यकर्ता थे, लेकिन परिवार से संबंधित नहीं थे

Machine Translated by Google

महात्मा गांधी के साथ. इसके तुरंत बाद, भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने के उद्देश्य से महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने के लिए इंदिरा और फ़िरोज़ गांधी को गिरफ्तार कर लिया गया। 1944 में, इंदिरा ने अपने पहले बच्चे, राजीव गांधी को जन्म दिया, उसके दो साल बाद संजय गांधी को जन्म दिया। जब उनके बेटे बड़े हुए तो इंदिरा खास तौर पर संजय के करीब हो गईं।

इसके बाद इंदिरा अपने पिता की मदद के लिए नई दिल्ली में बस गईं। 1959 में, इंदिरा स्वयं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष चुनी गईं। 1964 में, वह संसद के लिए चुनी गईं और 1966 में, इंदिरा अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए भारत की तीसरी प्रधान मंत्री बनीं। हालाँकि लोगों ने सोचा कि उन्हें कोई और चला सकता है, लेकिन इंदिरा एक अविश्वसनीय रूप से मजबूत राजनीतिज्ञ साबित हुईं। वह अपनी राजनीतिक शक्ति का उपयोग काफी अप्रत्याशित तरीकों से करता है।

1971 में भारतीय लोगों के बीच इसकी लोकप्रियता अपने चरम पर पहुंच गई जब भारत ने एक क्षेत्रीय युद्ध में पाकिस्तान को हरा दिया।

इंदिरा के शासन में, 1974 में, भारत ने एक भूमिगत अभियान चलाया परमाणु परीक्षण. अब्दुल कलाम इस प्रयास का समर्थन करते हैं और हालाँकि इसके कारण पाकिस्तान भी अपनी परमाणु शक्ति विकसित कर रहा है, कलाम इस बात पर अड़े हैं कि दोनों देशों की परमाणु शक्ति ने क्षेत्र में शांति बनाए रखी है।

इंदिरा गांधी के शासनकाल के दौरान, भारत ने तथाकथित हरित क्रांति में अपना कृषि उत्पादन भी विकसित किया और भारत खाद्य निर्यातक बन गया। 1975 में एक संकट उत्पन्न हुआ जब एक अदालत ने उन्हें गैरकानूनी प्रचार प्रथाओं का दोषी पाया और अदालत ने उन्हें इस्तीफा देने का आदेश दिया। आत्मसमर्पण करने के बजाय, इंदिरा ने देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। इंदिरा ने अपने दुश्मनों के साथ व्यवहार में सत्तावादी और एकतरफा तरीके से काम किया, जिसमें अपने विरोधियों को हिरासत में रखना भी शामिल था।

इंदिरा ने अपने बेटे संजय को अपनी सरकार में अधिक शक्तियाँ दीं, जिससे भारतीयों को बहुत निराशा हुई, खासकर जब संजय ने जबरन नसबंदी जैसे अलोकप्रिय कार्यक्रमों का नेतृत्व किया। परिणामस्वरूप, इंदिरा गांधी को अविश्वास प्रस्ताव मिला और उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया

Machine Translated by Google

1977. इसके बाद नई सरकार ने भ्रष्टाचार के आरोप में इंदिरा और संजय को गिरफ्तार कर लिया। यह आरोप पुख्ता सबूत हासिल करने में सफल नहीं हुआ, जिससे इंदिरा के प्रति आम जनता में सहानुभूति पैदा हो गई।

वर्ष 1980 वह समय था जब इंदिरा गांधी वापस लौटीं
भारत के प्रधान मंत्री के रूप में उनके पद के लिए, लेकिन वह वर्ष भी जब उनके लिए एक बड़ी त्रासदी हुई, जब संजय गांधी की मृत्यु हो गई। संजय एक निजी विमान में खतरनाक युद्धाभ्यास कर रहे थे जब वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। संजय संसद के लिए चुने गए थे और जब उनकी मृत्यु हो गई, तो इंदिरा ने संजय के पद के लिए अपने दूसरे बेटे राजीव का समर्थन किया, जिसे बाद में उन्होंने जीत लिया।

1984 में एक और संकट आया, जिसमें जरनैल सिंह बिहिंदरावाले नामक एक सिख नेता शामिल थे, जो भारत में सिखों के साथ समान व्यवहार के लिए दबाव डालते रहे।

भारत के पंजाब क्षेत्र से लिए गए क्षेत्र से एक अलग सिख राज्य, खालिस्तान के स्वतंत्र राज्य का गठन करने का भी अनुरोध किया गया था। इलाके में सिखों और हिंदुओं के बीच हिंसा भड़क उठी है. एक समय भिंडरावाले ने सिख धर्म के सबसे पवित्र स्थान स्वर्ण मंदिर में शरण लेने का फैसला किया। इंदिरा गांधी ने भारतीय सैनिकों को भिंडरावाले से छुटकारा पाने का आदेश दिया।

ब्लू स्टार कहे जाने वाले इस ऑपरेशन में, सैन्य कर्मियों और सिख आतंकवादियों दोनों की ओर से भारी हताहत होने के अलावा, मंदिर को भी नुकसान पहुँचाया गया, जिसे सिख मंदिरों में सबसे पवित्र माना जाता है। ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की उनके ही सिख अंगरक्षक ने हत्या कर दी थी। उनकी मृत्यु के बाद सिख विरोधी दंगे हुए, जिसमें हजारों सिख मारे गए।

ऐसा लगता है कि इंदिरा गांधी को पहले से ही इसका अंदाज़ा था
मौत। अपनी हत्या से कुछ ही दिन पहले उन्होंने लिखा था, "अगर मैं अप्राकृतिक मौत मरूं जैसा कि कुछ लोग डरते हैं और दूसरे योजना बनाते हैं, तो मैं जानता हूं कि हिंसा केवल हत्यारे के दिमाग और कार्यों में होगी, मेरी मौत में नहीं... और हर बूंद में" मेरा खून नये भारत को जन्म देगा!" उनकी मृत्यु के बाद, राजीव गांधी ने भारत के प्रधान मंत्री का पद संभाला।

Machine Translated by Google

1857 का स्वतंत्रता संग्राम

इंदिरा गांधी वास्तव में एक मजबूत नेता थीं, जो कभी-कभी सत्तावादी थीं और सैन्य या राजनीतिक बल का उपयोग करने में संकोच नहीं करती थीं। केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने इंदिरा गांधी के पिछले जीवन के बारे में पूछा। अहतुन रे, मिस्र की मार्गदर्शक आत्मा, जिनका अंतिम अवतार 3,000 साल से भी अधिक पहले हुआ था, ने कहा कि इंदिरा गांधी सिपाही विद्रोह की एक प्रमुख नेता थीं। अहतुन रे ने बाद में पुष्टि की कि इंदिरा गांधी नाना साहब का पुनर्जन्म थीं। नाना साहब के बारे में अधिक स्पष्ट रूप से समझने के लिए, आइए हम ईस्ट इंडिया कंपनी के माध्यम से भारत में ब्रिटिश प्रवेश के इतिहास की समीक्षा करें।

1600 में ब्रिटिश व्यापारियों द्वारा एक कंपनी बनाई गई, जो ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा भारत में व्यापार करने के लिए विशेष अधिकार दिए गए थे। ईस्ट इंडिया कंपनी ने सबसे पहले 1608 और 1615 में अपने जहाज़ उतारे; सर थॉमस रो सूरत में एक फैक्ट्री बनाने के लिए मुगल सम्राट जहांगीर से अनुमति लेने में कामयाब रहे। मुग़ल साम्राज्य, जो एक मुस्लिम राजवंश था, ने 1526 से भारतीय उपमहाद्वीप पर शासन किया था। ईस्ट इंडिया कंपनी पूरे भारत में विकसित हुई और उसने अपनी सेना विकसित करना शुरू कर दिया, जिसने भारत के विभिन्न हिस्सों में चुनौती देना और सत्ता पर नियंत्रण करना शुरू कर दिया। 1773 में, लॉर्ड नॉर्थ के भारतीय अधिनियम ने ब्रिटिश सरकार को ईस्ट इंडिया कंपनी पर अधिक नियंत्रण दिया और भारत में एक ब्रिटिश गवर्नर जनरल नियुक्त किया गया।

तब से, ब्रिटिश सैन्य विस्तार में तेजी आई है और हैदर अली और टीपू सुल्तान जैसे देशी शासकों के खिलाफ युद्ध छेड़े गए हैं। इसके अलावा, ब्रिटेन ने विराम के सिद्धांत को भी पारित किया, जिसमें कहा गया था कि जब किसी देश या क्षेत्र का शासक बिना किसी प्रत्यक्ष पुरुष उत्तराधिकारी के मर जाता है, या यदि शासक को ब्रिटिश द्वारा अक्षम समझा जाता है, तो ब्रिटेन को उस क्षेत्र पर कब्ज़ा करने का अधिकार है। उस शासक का.

वर्ष के विद्रोह से पहले के 8 वर्षों में

Machine Translated by Google

1857, गवर्नर-जनरल जेम्स ब्राउन-रामसे ने 250,000 वर्ग मील के क्षेत्र को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के क्षेत्र में शामिल करने की घोषणा की थी। जब कंपनी संपत्ति जब्त कर लेती है, तो वे मृत मालिक की विरासत की संपत्ति भी नीलाम कर देती है; इससे अंग्रेजों के प्रति नफरत बढ़ती है। दरअसल, जब विद्रोह हुआ, तब तक अंग्रेजों ने लगभग पूरे भारत पर कब्ज़ा कर लिया था। इन घटनाओं के बाद अंग्रेजों द्वारा मूल निवासियों पर कर लगाया गया और विभिन्न आर्थिक नीतियां लागू की गईं, जिससे किसानों को कठिनाई हुई।

इसके अलावा अंग्रेज़ देश पर प्रशासनिक नियंत्रण भी रखते थे और सैन्य रूप से, पश्चिमी संस्कृतियों को पेश किया गया, जिससे और अधिक अशांति और नफरत पैदा हुई। इसके अलावा, भारतीयों ने ब्रिटिश अदालत प्रणाली को अपने प्रति अनुचित माना, उनका आरोप था कि जब भारतीय आबादी के खिलाफ अत्याचार और क्रूरता बरती गई तो अंग्रेजों ने अपने स्वयं के कानून लागू नहीं किए। इस घटना के साक्ष्य 1856 और 1857 में हाउस ऑफ कॉमन्स में प्रस्तुत किये गये।

इसी क्रम में 1857 का स्वतंत्रता संग्राम, जिसे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम भी कहा जाता है, छिड़ गया। हालाँकि, अंग्रेज़ों ने इसे आज़ादी की लड़ाई नहीं माना, बल्कि ऐतिहासिक रूप से इसे महान ब्रिटिश विद्रोह, भारतीय विद्रोह, सिपाही विद्रोह और 1857 के विद्रोह के रूप में जाना जाता है। अंग्रेजों को स्पष्ट रूप से महसूस हुआ कि वे भारत के शासक थे, हालाँकि वे मूल निवासी थे। आम तौर पर उपनिवेशित होना पसंद नहीं करते। यह स्वीकार करना होगा कि ब्रिटेन से भारत की आजादी वास्तव में 20वीं सदी के मध्य तक नहीं हुई थी।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का मुख्य ट्रिगर एक नई राइफल, 1853 एनफील्ड (पी/53) का आगमन था, जिसमें एक कारतूस का उपयोग किया जाता था जिसे उपयोग के लिए लोड करने से पहले काटना पड़ता था। ये राइफलें सिपाहियों के लिए थीं, जो मूल भारतीयों के सैनिक थे जिन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी का पक्ष लिया था। सिपाही सैनिक प्रशिक्षित ब्रिटिश अधिकारियों की कमान में थे

Machine Translated by Google

इंग्लैंड में, कंपनी के अपने सैन्य स्कूल में। सिपाही सेना की तीन मुख्य इकाइयाँ थीं, जो बंगाल, मद्रास और बॉम्बे में स्थित थीं, जिनमें कुल 257,000 लोग थे।

सिपाहियों ने अपने ब्रिटिश नेताओं के प्रति विभिन्न प्रकार के द्वेष का अनुभव किया, एक ऐसी स्थिति जिसने अपने ही देशवासियों के खिलाफ लड़ना और भी कठिन बना दिया, जब अंग्रेजों ने सिपाहियों को मूल निवासियों के खिलाफ लामबंद कर दिया।

नई राइफल और उसके गोले के आगमन के कारण

अविश्वास की डिग्री तब और गहरी हो गई जब अफवाहें फैलने लगीं कि कारतूसों के कागज के आवरण पर चरबी या गोमांस लगाया गया था। मुस्लिम सैनिकों के लिए, वे चर्बी लगी आस्तीन को काटना स्वीकार नहीं कर सकते थे, जबकि हिंदू सिपाही सैनिकों के लिए, बैल के तेल से बनी आस्तीन को काटना स्पष्ट रूप से उनके धर्म के विरुद्ध था। हालाँकि अंग्रेजों ने सिपाहियों को समझाने की कोशिश की और आस्तीन के लिए मोम या वनस्पति तेल के उपयोग का दावा किया, लेकिन सिपाही सैनिकों को राजी नहीं किया जा सका; और जवाब में, ब्रिटिश कमांडर जॉर्ज एंसन ने सख्त रुख अपनाया और उन लोगों को अनुशासित किया जिन्होंने राइफलों का उपयोग करने से इनकार कर दिया था।

फरवरी 1857 में बेहरामपुर में 19वीं रेजीमेंट ने विद्रोह कर दिया।
जैसा कि मार्च में बैरकपुर में 34वीं रेजिमेंट ने किया था। इसके अलावा उसी महीने, एक सिपाही को एक ब्रिटिश अधिकारी पर हमला करने के लिए फाँसी दे दी गई।
लगभग एक महीने बाद, कारतूस और नई राइफलों का उपयोग करने से इनकार करने वाले 85 सिपाहियों को कैद कर लिया गया। पूर्ण विद्रोह 10 मई 1857 को भड़क उठा, जब मेरठ में एक सिपाही घुड़सवार सेना अपने कमांडरों के खिलाफ हो गई और अन्य रेजिमेंटों ने भी उसका पीछा किया। सिपाही सैनिक 11 मई को दिल्ली पहुंचने और लाल किले को जीतने में कामयाब रहे, जहां अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर द्वितीय रहते थे। सिपाहियों सिपाही ने बहादुर शाह को अपना सिंहासन पुनः प्राप्त करने और स्वतंत्रता के लिए इस युद्ध का नेता बनने के लिए मना लिया।

इस प्रकार बहादुर शाह को भारत का सम्राट घोषित किया गया और उसने अपनी संप्रभुता की पुष्टि के लिए अपने नाम पर मुद्रा का उत्पादन किया।

Machine Translated by Google

नाना साहब और प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

तीरेक धुनु पंट का जन्म बॉम्बे से लगभग तीस मील पूर्व में घाट की तलहटी में एक छोटे से गाँव में हुआ था। धुनू पुंट, जिन्हें बाद में नाना साहब के नाम से जाना गया, को मराठा परिसंघ के एक क्षेत्रीय नेता, अंतिम ब्राह्मण पेशवा (महल के प्रमुख) बाजा राव द्वितीय ने गोद लिया था। 1817 में, किर्की में एक युद्ध हुआ, जहां बाजा राव की सेना को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया की सैन्य ताकत ने जीत लिया। बाजा राव ने आत्मसमर्पण कर दिया और शांति संधि के हिस्से के रूप में, उन्हें ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा पेंशन दी गई। बदले में, बाजा राव को अपने क्षेत्र की सत्ता और नेतृत्व के सभी अधिकार छोड़ने पड़े। बाजा राव और उनके परिवार को कानपुर से 12 मील दूर एक छोटे से शहर बिठूर ले जाया गया, जहां वे बाद में बस गए।1

1851 में बाजा राव की मृत्यु हो गई। नाना साहब, तब लगभग 32 वर्ष के थे।
बाजा राव की पेंशन जारी रखने के लिए ब्रिटिश सरकार से याचिका दायर की। नाना ने लंदन में एक दूत भी भेजा, लेकिन ब्रिटिश वेतन अभी भी निलंबित था। जबकि ऐतिहासिक सूत्रों का कहना है कि पेंशन की हानि ही वह कारण थी जिसके कारण नाना अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह में शामिल हुए थे, पेंशन का मुद्दा वास्तव में अपेक्षाकृत छोटा है।

बड़ी समस्या यह थी कि नाना साहब मराठों के नेता, हिंदू पेशवा के दत्तक पुत्र थे, जो अपने पिता सहित, भारत में ब्रिटिश शासन के कारण अपनी ही भूमि में बहिष्कृत हो गए थे।

हालाँकि नाना साहब को ब्रिटिश शासन से नफरत थी, लेकिन अपने पिता की तरह, नाना शालीन थे और ब्रिटिश लोगों के साथ मेलजोल रखते थे।
कानपुर में उनकी मित्रता हिलर्सडन नाम के एक अंग्रेज जज से हुई।
जब सिपाही विद्रोह की खबर कानपुर पहुंची, तो नाना साहब ने हिलर्सडन को बिठूर भागने की सलाह दी, जहाँ नाना हिलर्सडन, उसकी पत्नी और कानपुर के कोषाध्यक्ष की देखभाल कर सकते थे।

खजांची और उसके संबंधित दल बिठूर चले गए और 22 मई 1857 को नाना साहब ने 200 सशस्त्र मराठों के साथ वहां पद संभाला।2

जब विद्रोही सिपाही रेजीमेंटों में प्रवेश हुआ
बिठूर, घुड़सवार सेना का एक प्रतिनिधि सिपाही अधिकारी

Machine Translated by Google

दूसरे और देशी इन्फैंट्री सैनिकों ने नाना से संपर्क किया और घोषणा की, "महाराजा, यदि आप हमारे साथ हैं तो एक राज्य आपका इंतजार कर रहा है, लेकिन यदि आप हमारे दुश्मनों के साथ हैं तो मृत्यु आपका इंतजार कर रही है।" नाना ने उत्तर दिया, “इंग्लैंड से मुझे क्या लेना-देना? मैं पूरी तरह से आपके पक्ष में हूं।''3

नाना के लिए, जो अब सिपाहियों को अपने राजा के रूप में पूजते हैं, सिपाहियों में शामिल होना अपने पिता के सिंहासन को फिर से हासिल करने और मराठा संघ को सत्ता बहाल करने का एक तरीका है। उसकी योजना कानपुर को जीतने और समुद्र तक अपने क्षेत्र का विस्तार करने की थी।

6 जून, 1857 को, नाना ने 10,000 से अधिक लोगों की सिपाही विद्रोही सेना का नेतृत्व करते हुए कानपुर शहर में प्रवेश किया, जहाँ नाना ने खुद को मराठा शासक घोषित किया। जल्द ही एक नई सरकार की स्थापना हुई, जिसके मुखिया नाना थे और नाना का विरोध करने वाले सभी लोगों को जेल में डाल दिया गया।

उसी दिन, नाना साहब ने ब्रिटिश कमांडर जनरल ह्यू व्हीलर को एक पत्र भेजा, जो लगभग 900 ब्रिटिश सैनिकों की सेना के साथ कानपुर के बाहर डेरा डाले हुए था। नाना साहब ने कहा कि वह और सिपाही उन पर हमला करने के लिए तैयार थे।

इसके तुरंत बाद, व्हीलर ने मैदानी इलाकों में विद्रोही पैदल सैनिकों को देखा
अर्धचंद्राकार आकृति बनाते हुए युद्ध संरचना में पंक्तिबद्ध, बैनर उड़ रहे थे, युद्ध की तुरही बज रही थी
और घुड़सवार सेना तैयार थी।
फिर पैदल सेना विभाजित हो गई, जिससे नाना साहब को पंक्ति में सबसे आगे अपना स्थान लेने की अनुमति मिल गई। इसके बाद लड़ाई और अराजकता शुरू हुई और कई दिनों तक चली। नाना साहब जीते और बाद में उन्होंने कानपुर में सरकार स्थापित की।

इसी अवधि के दौरान एक घटना घटी जिसे कानपुर नरसंहार के नाम से जाना जाता है। लगभग एक हजार ब्रिटिश सैनिक और उनमें शरण लेने वाले लोग गंगा के पास, कानपुर में एक दीवार वाले शस्त्रागार में सिपाहियों से इस उम्मीद में छिप गए कि ब्रिटिश सेना उन्हें बचा लेगी। सिपाहियों ने तीन सप्ताह तक गोला बारूद डिपो की घेराबंदी की और 25 जून, 1857 को इसके निवासी, अब केवल 400 थे

Machine Translated by Google

लोग, हार मान लो. शेष लोगों को नावों के माध्यम से सुरक्षित बाहर निकलने का वादा किया गया, जहां उन्हें गंगा के तट पर ले जाया जाएगा।

जब अंग्रेज नावों में घुसे, तो सिपाहियों ने उन पर गोलियां चला दीं, जिसमें तीन को छोड़कर बाकी सभी मारे गए। नाना साहब को ऐतिहासिक रूप से कानपुर नरसंहार के लिए दोषी ठहराया गया है, लेकिन कम से कम एक ब्रिटिश लेखक, जीडब्ल्यू फॉरेस्ट का तर्क है कि सिपाही सैनिकों ने अपनी मर्जी से काम किया। फॉरेस्ट ने लिखा है कि, "जब नदी के किनारे नरसंहार चल रहा था, एक सैनिक सावदा गेस्टहाउस में सरपट दौड़ा, जहां नाना ठहरे हुए थे और उन्हें सूचित किया कि उनके दुश्मनों, जिनमें उनकी पत्नियाँ और बच्चे भी शामिल थे, का वध किया जा रहा है...

बाद में नाना ने जवाब दिया कि महिलाओं और बच्चों को ख़त्म करना वास्तव में अनावश्यक था, और फिर नरसंहार को रोकने के आदेश के साथ सैनिकों को वापस जाने का आदेश दिया।

अत: ऐसा प्रतीत होता है कि नाना साहब स्वयं उपस्थित नहीं थे
हमले के समय और कुछ राहत भरी खबर यह है कि सिपाही सैनिकों ने वहां अकेले ही कार्रवाई की। तट पर हुई घटना के बाद, जीवित बचे लोगों, जिनमें अनुमानित रूप से लगभग 73 ब्रिटिश महिलाएं और 124 छोटे बच्चे थे, को बीबीघर की एक इमारत में लाया गया।

15 जुलाई, 1857 को एक भीड़ वापस लौटी और जहाज़ पर सवार सभी लोगों को मार डाला।

अंत में, ब्रिटिश नियंत्रण वापस पाने में कामयाब रहे
भारतीय क्षेत्र और वे अंग्रेजों की मौत का बदला लेने में उतने ही क्रूर थे। सितंबर 1857 में नई दिल्ली पर पुनः कब्ज़ा कर लिया गया। बहादुर शाह ज़फ़र ने आत्मसमर्पण कर दिया और उन्हें जेल में डाल दिया गया। 22 सितंबर 1857 को ब्रिटिश मेजर विलियम हॉडसन ने बिना किसी आदेश के अकेले कार्रवाई करते हुए दिल्ली गेट पर बहादुर के बेटों मिर्जा मुगल, मिर्जा खिज्र सुल्तान और मिर्जा अबू बक्र को गोली मार दी। अगले दिन उनके सिर बहादुर के सामने लाये गये। विद्रोह में शामिल होने वाले सिपाही सैनिकों को तोप के मुँह से बाँध दिया गया और फिर उड़ा दिया गया। नाना साहब को कानपुर से हटा दिया गया और ऐसा माना जाता है कि वह नेपाल भाग गये।

Machine Translated by Google

उस समय की क्रूरता की कल्पना करना कठिन है, हालाँकि क्रूर कृत्य आज भी जारी हैं। जैसा कि मैंने इन पन्नों में कई बार कहा है, मेरी गहरी इच्छा यह है कि पुनर्जन्म के सबूत बर्बर कृत्यों को कम करने में मदद कर सकते हैं, जो वास्तव में, कर्म के दृष्टिकोण से, केवल हिंसा को जन्म देते हैं। पुनर्जन्म के मामलों का अध्ययन करते समय, यह देखना दुखद है कि कैसे व्यवहार और पैटर्न खुद को दोहराते रहते हैं। यदि हम इन पैटर्नों के प्रति अधिक जागरूक हो सकते हैं, जिन्हें हम अनजाने में दोहराते रहते हैं, तभी हम अपना व्यवहार बदल सकते हैं। जब हमें यह एहसास होगा कि हम किसी भी देश, जाति, धर्म और जातीय पृष्ठभूमि में पैदा हो सकते हैं, तभी हम समझेंगे कि इन मतभेदों के कारण एक-दूसरे से लड़ना मूर्खता है। हमें यह भी एहसास होगा कि एक समूह का दूसरे समूह पर हावी होना, उस पर अत्याचार करना गलत है। स्वार्थी इच्छाओं पर आधारित अल्पकालिक लाभ केवल उल्टा असर डालेंगे और अन्य अवतारों में पीड़ा का कारण बनेंगे।

आइए हम नाना साहब के पुनर्जन्म के मामलों पर लौटते हैं

बहादुर शाह जफर. याद रखें कि मिस्र के आध्यात्मिक मार्गदर्शक अहतुन रे, जो केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करते हैं, ने सूचित किया है कि नाना साहब ने इंदिरा गांधी के रूप में पुनर्जन्म लिया है। चेहरे की विशेषताओं के विश्लेषण से पता चलता है कि नाना और इंदिरा की चेहरे की विशेषताएं वास्तव में समान हैं। नाना साहब और इंदिरा गांधी की विशेषताओं की समीक्षा करने पर कुछ विशेषताएँ सुसंगत भी लगती हैं। विशेष रूप से, नाना और इंदिरा दोनों ही सत्तावादी होने और सैन्य बल का उपयोग करने की प्रवृत्ति दिखाते हैं। जब नाना ने कानपुर पर कब्ज़ा किया, तो उन्होंने अपने विरोधियों को जेल में डाल दिया, ठीक उसी तरह जब इंदिरा गांधी ने 1975 में देश में आपातकाल की घोषणा की, जहाँ उन्होंने अपने विरोधियों को जेल में डाल दिया। नाना अपने सिंहासन और सत्ता को पुनः प्राप्त करने के लिए सैन्य बल का उपयोग करते हैं। उग्रवादियों से मुकाबला करने के लिए इंदिरा गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार के आदेश दिए. हालाँकि, हिंसा से हिंसा ही प्राप्त होगी।

जब मैंने बहादुर शाह जफर के बारे में पढ़ा और

Machine Translated by Google

उनका चित्र देखकर मुझे तुरंत जवाहरलाल नेहरू की याद आ गई। लोग समूहों के समूहों में अवतार लेते हैं और अन्य जन्मों में शुरू किए गए काम को जारी रखने के लिए पुनर्जन्म ले सकते हैं। जॉर्ज डब्ल्यू बुश, अल गोर, बिल क्लिंटन और राल्फ नादर सभी अमेरिकी क्रांति का हिस्सा थे और आज अमेरिकी राष्ट्रपति की राजनीति में फिर से भाग लेने के लिए उनका पुनर्जन्म हुआ है। अहतुन रे ने बाद में पुष्टि की कि बहादुर शाह ज़फ़र ने वास्तव में नेहरू के रूप में पुनर्जन्म लिया था। बहादुर शाह का चरित्र कैसा था? बहुत कम जानकारी है, हालांकि फॉरेस्ट बहादुर शाह के बारे में कहते हैं, "वह एक शांत और विचारशील व्यक्ति थे, शब्दों के शौकीन थे।"5

इस प्रकार प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दो नेता
1857 में सिपाही सैनिकों द्वारा प्रक्रिया शुरू करने के 90 साल बाद, 1947 में भारत की स्वतंत्रता की उपलब्धि का हिस्सा बनने के लिए, पिता और बेटी के रूप में पुनर्जन्म लिया गया था।

Machine Translated by Google

नाना शाहब

© बेटमैन/कॉर्बिस

इंदिरा गांधी

Machine Translated by Google

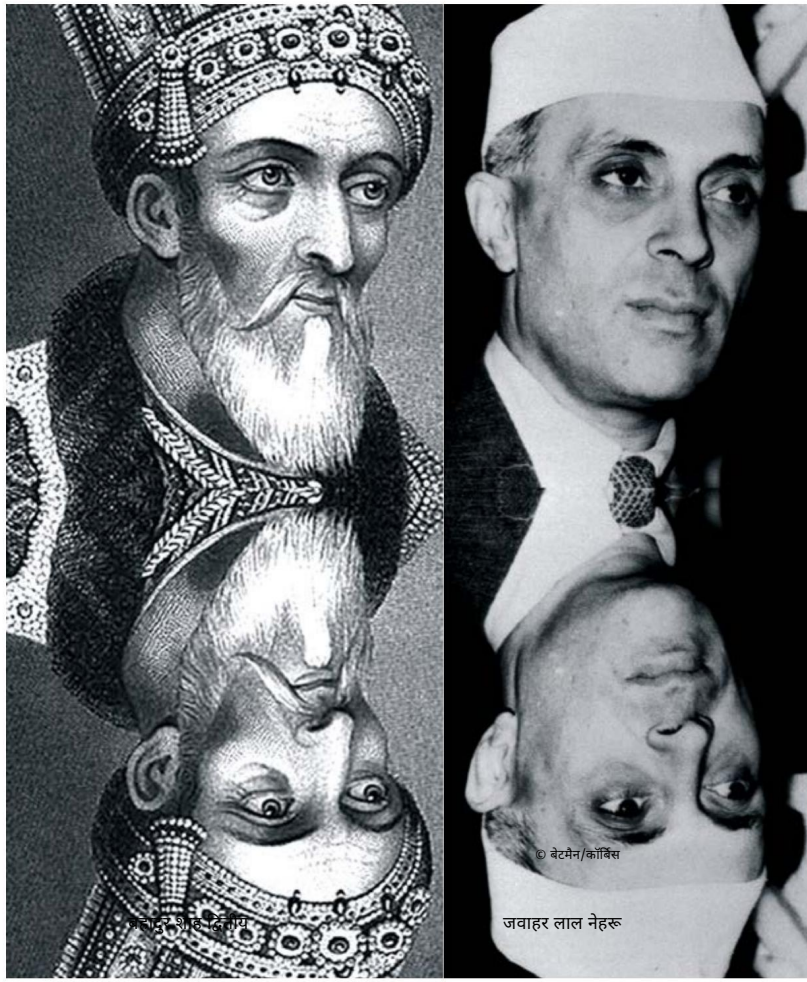

बहादुर शाह द्वितीय जवाहर लाल नेहरू

Machine Translated by Google

20

पुनर्जन्म के रूप में बेनज़ीर भुट्टो

जवाहर लाल नेहरू; डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर का अमेरिका में पुनर्जन्म

कब यह जानते हुए कि मैं 2006 में नई दिल्ली में रिग्रेशन थेरेपी की दूसरी विश्व कांग्रेस में बोलूंगा, मैंने पुनर्जन्म के उन मामलों पर शोध किया जिनमें भारतीयों की रुचि हो सकती है। केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में मैंने जिन भारतीय स्वतंत्रता नेताओं के बारे में पूछा उनमें से एक जवाहरलाल नेहरू थे। मुझे सुखद आश्चर्य हुआ जब अहतुन रे ने कहा कि नेहरू वर्तमान में अवतरित हुए हैं।

अहतुन रे ने मुझे बताया कि जवाहरलाल नेहरू का पुनर्जन्म पाकिस्तान की सबसे प्रमुख महिला राजनीतिज्ञ बेनज़ीर भुट्टो के रूप में हुआ है। सत्र के बाद, मुझे तुरंत भुट्टो की तस्वीरें मिलीं और देखा कि उनके चेहरे की विशेषताएं जवाहरलाल नेहरू से मेल खाती थीं।

यदि इस मामले को स्वीकार कर लिया जाता है, तो यह दिखाता है, जैसा कि बारब्रो कार्लेन/ऐनी फ्रैंक, जेम्स विल्सन/ओपरा विन्फ्रे और पाब्लो पिकासो/एलेक्जेंड्रा नेचिता के मामलों में, कैसे अतीत की प्रतिभाएँ बाद के जीवनकाल में जल्दी उभर सकती हैं। साथ ही, जैसा कि विल्सन/विन्फ्रे और पिकासो/नेचिटा मामलों से पता चलता है, हम देख सकते हैं कि लिंग एक अवतार से दूसरे अवतार में कैसे बदल सकते हैं, भले ही चेहरे की विशेषताएं और चेहरे की कुछ हड्डियों की संरचना सुसंगत रहती हो। इन मामलों में कॉस्मेटिक प्रकृति के परिवर्तन होते हैं, लेकिन चेहरे की विशेषताओं का मूल आकार वही रहता है।

यह मामला जवाहरलाल नेहरू के अन्य पिछले जन्मों के संबंध में भी दिलचस्प है/

Machine Translated by Google

पिछले अध्यायों में बेनज़ीर भुट्टो, अर्थात् बहादुर शाह ज़फ़र। बहादुर शाह ज़फ़र अंतिम जीवित मुग़ल शासक थे, जिनसे भारत में ब्रिटिश शासन के कारण उनकी शक्ति छीन ली गई थी। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, सिपाही के सैनिकों द्वारा बहादुर शाह ज़फ़र को भारत का सम्राट बनाया गया था, हालाँकि उनका नया शासन अल्पकालिक था। तो तीन जन्मों की इस श्रृंखला में, प्रत्येक भूमिका में एक राष्ट्रीय नेतृत्व की स्थिति शामिल है, हम देख सकते हैं कि आत्मा एक मुस्लिम पुरुष, एक हिंदू पुरुष और एक मुस्लिम महिला के रूप में अवतारों के बीच कैसे यात्रा करती है। अगर हम गौर करें तो बहादुर शाह जफर/जवाहरलाल नेहरू/बेनजीर भुट्टो की आत्मा के तीन अवतारों पर कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। कृपया ध्यान दें कि स्वतंत्र रूप से शोध किए गए पुनर्जन्म के मामलों में, जिनमें वर्जीनिया विश्वविद्यालय में इयान स्टीवेन्सन द्वारा अध्ययन भी शामिल है, आत्माओं का पुनर्जन्म बहुत जल्दी हो सकता है, यहां तक कि कुछ दिनों के भीतर भी।

जवाहरलाल नेहरू/बेनज़ीर भुट्टो के मामले में, एक प्रतिभा

इन दोनों अवतारों में राजनीतिक मामलों को कम उम्र से ही देखा जा सकता है। नेहरू का जन्म 14 नवंबर, 1889 को हुआ था। उनके पिता, मोतीलाल नेहरू, राजनीति में शामिल थे, इस प्रकार नेहरू को अपना राजनीतिक करियर शुरू करने में मदद मिली। नेहरू जब युवा थे, तब उन्हें यूरोप भेजा गया और उनकी शिक्षा कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में हुई। अपने देश लौटने और अपने देश के राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले उन्हें पश्चिमी संस्कृति का अनुभव करने का अवसर मिला। कालान्तर में नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री बने।

बेनज़ीर भुट्टो भी बिल्कुल ऐसे ही रास्ते पर चलीं.

भुट्टो के पिता ज़ुल्फ़िकार अली भुट्टो, पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री हैं। सोलह साल की उम्र में, बेनजीर भुट्टो को हार्वर्ड विश्वविद्यालय के रैडक्लिफ कॉलेज में स्वीकार कर लिया गया। हार्वर्ड से राजनीति विज्ञान की डिग्री के साथ स्नातक होने के बाद, बेनजीर ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में दाखिला लिया, जहां उन्होंने दर्शनशास्त्र, राजनीति और अर्थशास्त्र में डिग्री के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। ऑक्सफ़ोर्ड में रहते हुए, 1977 में, बेनज़ीर भुट्टो को ऑक्सफ़ोर्ड यूनियन का अध्यक्ष चुना गया, जिसे दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित बहस समूह माना जाता है। बहुत कठिन समय के बाद, वह पाकिस्तान लौट आया है

Machine Translated by Google

जब उनके पिता को जेल में डाल दिया गया और फाँसी दे दी गई, बेनजीर भुट्टो 35 साल की उम्र में पाकिस्तान की प्रधान मंत्री बनने वाली पहली महिला बनीं। भुट्टो वास्तव में मुस्लिम-बहुल देश में सरकार का नेतृत्व करने वाली पहली महिला हैं।

अतः हम जीवन के विकास में समानताएँ देख सकते हैं
जवाहरलाल नेहरू और बेनजीर भुट्टो की. दोनों का जन्म राजनीतिक परिवारों में हुआ था, दोनों ने प्रमुख पश्चिमी विश्वविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त की थी जहाँ उन्होंने महान प्रतिभा का प्रदर्शन किया और दोनों अपने जीवन के आरंभ में ही राजनीतिक नेता बन गए। नेहरू की घटना/

भुट्टो का दो जन्मों में राजनेताओं के परिवार में अवतरित होना कोई संयोग नहीं है। आत्माएं उन स्थितियों में अवतार लेने की योजना बना सकती हैं जो उन्हें किसी विशेष अवतार में अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेंगी। एक अच्छा उदाहरण डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर का मामला है।

अम्बेडकर को भारत के प्रमुख वास्तुकार के रूप में याद किया जाता है
संविधान मानव समानता का समर्थक होने के साथ-साथ भारत में जाति व्यवस्था के उन्मूलन का भी समर्थक है।

अंबेडकर का जन्म 1891 में हुआ था। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अपनी शिक्षा जारी रखी। 1923 में, अम्बेडकर ने पारिया सहित वंचितों की जीवन स्थितियों और नागरिक अधिकारों में सुधार के लिए बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना की। इस आंदोलन का एक फोकस इन लोगों के लिए शिक्षा प्रदान करना है, ताकि उन्हें बेहतर नौकरियां मिल सकें।

1927 में, उन्होंने एक आंदोलन शुरू किया जिसने पारिया को चवदार झील से पानी लेने की अनुमति दी। अपने पूरे जीवन में, अम्बेडकर ने भारत में जाति व्यवस्था को खत्म करने और गरीबी में पैदा हुए लोगों की आजीविका में सुधार करने में मदद करने के लिए संघर्ष किया है। 1956 में उनकी मृत्यु हो गई।

जब मैंने मिस्र के आध्यात्मिक मार्गदर्शक अहतुन रे से पूछा कि कौन
केविन रायर्सन के माध्यम से डॉ. के बारे में संचार करता है।
भीमराव रामजी अम्बेडकर, मुझे यह सुनकर ख़ुशी हुई कि अम्बेडकर का भी पुनर्जन्म हुआ है। अहतुन रे का कहना है कि अंबेडकर रॉबर्ट एफ कैनेडी के पोते के रूप में लौटे हैं

Machine Translated by Google

और अम्बेडकर ने अंतर्राष्ट्रीय मामलों में काम शुरू कर दिया है। याद करना
कि जॉन एफ कैनेडी और रॉबर्ट एफ कैनेडी के समय में अमेरिका में नागरिक अधिकार समानता आंदोलन अपने चरम पर था।

कैनेडी परिवार ने अमेरिका में नस्लीय भेदभाव को नष्ट करने के प्रयासों में मार्टिन लूथर किंग का समर्थन किया।

नस्लीय रूप से भेदभाव करने वाला दक्षिण, गुलामी का अवशेष, संयुक्त राज्य अमेरिका में जाति व्यवस्था के समान है।

कैनेडी परिवार में अवतरित होकर डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की आत्मा आज उनके कार्यों की नींव रख रही है।

अम्बेडकर का पुनर्जन्म मेव टाउनसेंड के रूप में हुआ है, जो
अम्बेडकर से उल्लेखनीय समानता है। मेव चश्मा भी पहनता है जिसका स्टाइल भीमराव के चश्मे से काफी मिलता-जुलता है।
मेव कैथलीन कैनेडी टाउनसेंड की बेटी हैं, जो रॉबर्ट एफ कैनेडी की सबसे बड़ी बेटी हैं।

कैथलीन कैनेडी टाउनसेंड स्वयं एक राजनीतिज्ञ हैं और उन्होंने मैरीलैंड के लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में कार्य किया है। मेव का जन्म 1980 के आसपास हुआ था। वह जॉन एफ द्वारा स्थापित संगठन पीस कॉर्प्स में शामिल होने वाली कैनेडी परिवार की पहली सदस्य थीं।

कैनेडी. पीस कॉर्प में अपनी सेवा के दौरान, उन्होंने अफ्रीका के मोज़ाम्बिक की यात्रा की, जहाँ उन्होंने क्विसिको शहर में एक पुस्तकालय बनाने के लिए धन जुटाया, जिसकी आबादी लगभग 2,000 है। क्विसिको में, मेव एक छोटे से सीमेंट के कमरे में रहती है, वह स्थानीय भाषा सीखती है, और उसने स्थानीय स्कूलों में पढ़ाया है। इन कृत्यों में, मेव डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर के काम को दोहराते हैं, जो शिक्षा के माध्यम से वंचितों की जीवन स्थितियों में सुधार करते हैं। आने वाले वर्षों में मेव टाउनसेंड के विकास का अनुसरण करना दिलचस्प होगा।

अंत में, मैं दो टिप्पणियाँ करना चाहूँगा।
पहला जाति के मुद्दे से संबंधित है। इस पुस्तक में प्रस्तुत पुनर्जन्म अनुसंधान से पता चलता है कि महान अनुभव और विशेषज्ञता वाली आत्माएं किसी भी जाति, धर्म, सामाजिक आर्थिक वर्ग या जाति में पैदा हो सकती हैं। एक उत्कृष्ट उदाहरण में ओपरा विन्फ्रे शामिल हैं, जो जेम्स विल्सन की तरह समाज में सर्वोच्च सामाजिक-आर्थिक वर्ग से संबंधित हैं

Machine Translated by Google

अमेरिकी क्रांतिकारी. हालाँकि, ओपरा के रूप में अपने जीवनकाल के दौरान, उनका जन्म कठिन परिस्थितियों में एक गरीब अफ्रीकी-अमेरिकी परिवार में हुआ था। हालाँकि, जैसा कि विल्सन ने दिखाया था, वह प्रतिभा तब उभरकर सामने आई जब वह एक बच्ची थी, जिसके कारण वह दुनिया की सबसे प्रभावशाली महिलाओं में से एक बन गई।

दुनिया में अपनी अभिव्यक्ति में आत्मा का अनुभव किसी की प्रतिभा और स्थिति को निर्धारित करता है, न कि उस जाति को जिसमें उसने जन्म लिया है।

दूसरा, मैं यह बताना चाहूंगा कि जवाहरलाल नेहरू/
बेनज़ीर भुट्टो मामला एक और विभाजित पुनर्जन्म मामले का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें एक आत्मा खुद को अलग कर सकती है और एक समय में दो शरीरों में निवास कर सकती है। जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु 27 मई 1964 को हुई थी, जबकि बेनज़ीर भुट्टो का जन्म 21 जून 1953 को हुआ था।

इसलिए, नेहरू और भुट्टो का जीवन लगभग 11 वर्षों तक ओवरलैप होता है। हालाँकि पहले तो इस विभाजित पुनर्जन्म की घटना को समझना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन वास्तव में यह अजीब नहीं था। अहतुन रे ने संकेत दिया कि आज पृथ्वी पर लगभग पाँच प्रतिशत आत्माएँ इस घटना में सक्षम हैं। इसके अलावा, 11 वर्षों का ओवरलैप, जैसा कि नेहरू/भुट्टो के मामले में देखा गया, कोई अतिशयोक्ति नहीं है।

याद करें कि पेनी पीयर्स के बहुत ही ठोस मामले में, ऐलिस केरी और चार्ल्स पार्कहर्स्ट के रूप में उनके जीवनकाल में 29 साल का ओवरलैप हुआ था।

तो हम देख सकते हैं, इस पृथ्वी लोक में भी, आत्मा मनुष्य जितना सोचते हैं उससे अधिक मजबूत हो सकती है।

Machine Translated by Google

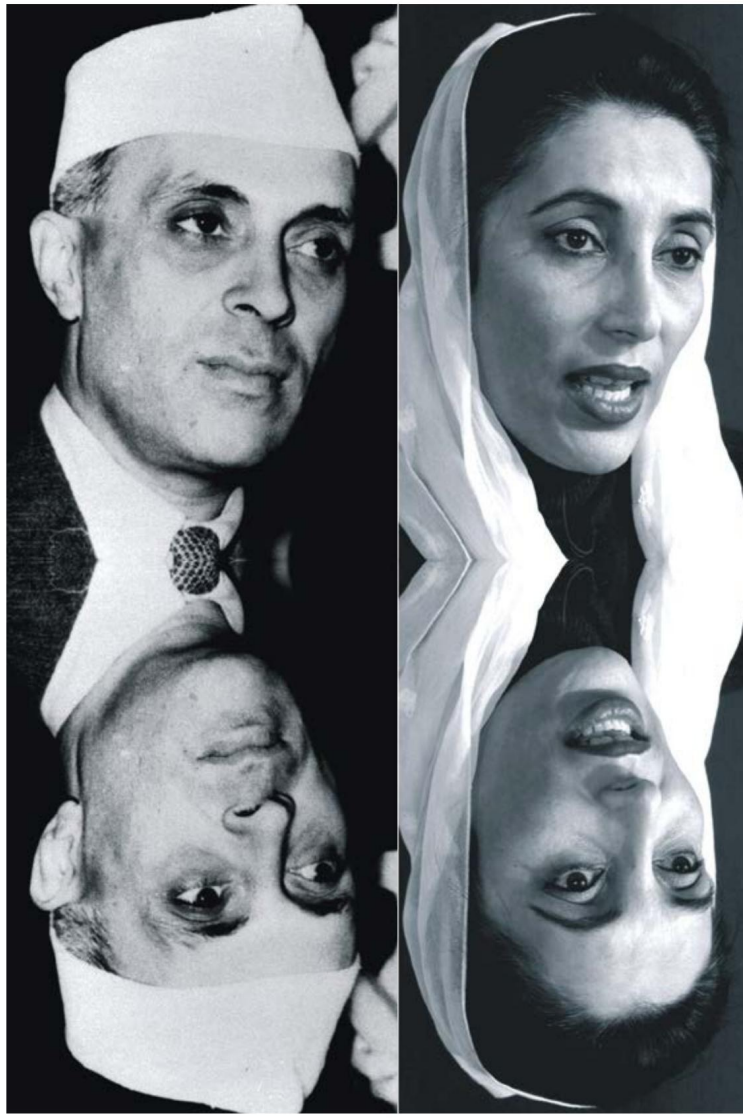

©बेटमैन/कॉर्बिस ©रॉयटर्स/कॉर्बिस

जवाहर लाल नेहरू बेनजीर भुट्टो

Machine Translated by Google

©बेटमैन/कॉर्बिस

भीमराव रामजी अम्बेडकर

भीमराव अम्बेडकर भारतीय संविधान के निर्माता, जाति व्यवस्था के खिलाफ लड़ने वाले और पारिया के शूरवीर थे। डॉ. अम्बेडकर का पुनर्जन्म रॉबर्ट एफ की पोती मेव टाउनसेंड के रूप में हुआ है।

कैनेडी, जो पीस कॉर्प्स में अपनी सेवा के दौरान मोजाम्बिक में वंचितों की मदद के लिए काम करती हैं।

Machine Translated by Google

21

शाहरुख खान ए.एस
साधोना बोस का पुनर्जन्म

के पिछले जीवन की जांच के अलावा
भारतीय राजनीतिक किंवदंती, मुझे प्रदर्शन कलाओं, विशेषकर भारतीय फिल्म सितारों से जुड़े पुनर्जन्म के मामलों में भी दिलचस्पी है। केविन रायर्सन के साथ सत्र में, मैं शाहरुख खान के बारे में पूछता हूं, जिन्हें भारत का संस्कारी सितारा बताया गया है।

शाहरुख खान के मामले में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि खान साधोना बोस का पुनर्जन्म है, जो 1914 से 1973 तक जीवित रहे।

साधोना कलकत्ता की एक अभिनेत्री और नर्तकी हैं। साधोना है
शास्त्रीय भारतीय नृत्य में प्रशिक्षित, लेकिन वह बैले भी करती हैं। 1929 में, उन्होंने अलीबाबा के स्टेज संस्करण में अन्ना पावलोवा के साथ भी प्रदर्शन किया। उनकी सबसे प्रसिद्ध फिल्म राज नर्तकी है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में कोर्ट डांसर शीर्षक के तहत रिलीज़ हुई थी। साधोना बोस शो रिदम ऑफ विक्ट्री की निर्माता भी हैं, जो एक मनोरंजन शो है जिसमें 40 नर्तक शामिल हैं।

साधोना बोस/शाहरुख खान के मामले में, चेहरे की विशेषताओं में एक मजबूत समानता स्पष्ट है। बचपन में शाहरुख खान एक सनकी स्वभाव वाले मिलनसार व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। स्कूल में, उसे शिक्षकों और मशहूर हस्तियों की नकल करके अपने सहपाठियों का मनोरंजन करने में मज़ा आता है।

शाहरुख खान को शुरू से ही थिएटर में रुचि थी और अंततः उन्होंने फिल्म और पत्रकारिता में मास्टर डिग्री हासिल की।

यदि पुनर्जन्म के मामले को स्वीकार किया जाए, तो साधोना बोस की नृत्य प्रतिभा शाहरुख खान के करियर की शुरुआत में ही स्पष्ट हो गई थी, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के निर्देशक और अभिनेता बैरी जॉन के संरक्षण में एक नर्तक के रूप में प्रदर्शन किया था। जॉन एनी गेट का निर्माण करते हैं

Machine Translated by Google

योर गन दिल्ली में अपने एक्शन ग्रुप थिएटर के साथ। शाहरुख खान ने जॉन से एक भूमिका मांगी और उन्हें प्रोडक्शन में एक पुरुष नर्तक के रूप में लिया गया। बैरी जॉन ने शाहरुख खान की प्रतिभा पर टिप्पणी की, "उनकी नकल करने और मजाक करने की क्षमता, उनका नृत्य कौशल और उनका जिमनास्टिक उत्कृष्ट हैं।"1 शाहरुख खान विज़ार्ड ऑफ ओज़ सहित अन्य संगीत फिल्मों में भी दिखाई दिए हैं, और लगातार जुड़े हुए हैं उत्पादन में। - संगीत निर्माण. 2004 में, वह यूरोप और उत्तरी अमेरिका के विभिन्न स्थानों पर दो महीने की नृत्य और गीत यात्रा पर निकलीं।

शाहरुख खान की कहानी का एक दिलचस्प हिस्सा उनका रोमांस है और गौरी छिबा से शादी। शाहरुख खान मुस्लिम हैं, जबकि गौरी छिबा हिंदू हैं। इस वजह से, उनकी प्रेम कहानी में रोमियो और जूलियट की विशेषताएं हैं, अर्थात् उनके धार्मिक मतभेद उनके रिश्ते में जटिलताएं पैदा करते हैं। एक समय तो गौरी छिबा शाहरुख खान को बताए बिना ही अपना मन शांत करने के लिए मुंबई चली गईं। इस अप्रत्याशित विदाई से रुख खान को एहसास हुआ कि उन्हें गौरी के साथ रहना चाहिए। भले ही उसे मुंबई में गौरी की सटीक लोकेशन का पता नहीं है, फिर भी वह उसकी तलाश में वहां जाता है।

यह जानते हुए कि गौरी को समुद्र तट बहुत पसंद हैं, मुंबई में अपनी खोज के आखिरी दिन, वह एक टैक्सी ड्राइवर से पूछती है कि उसे अपने प्रेमी को खोजने के लिए किस समुद्र तट पर जाना चाहिए।

ड्राइवर ने शाहरुख खान को अक्सा बीच ट्राई करने के लिए कहा और वाकई वहां उन्हें गौरी मिलीं। जोड़े ने गले लगाया और महसूस किया कि वे एक साथ रहने के लिए ही बने हैं। सामान्य तौर पर, जब लोगों के बीच एक मजबूत आकर्षण होता है, जैसा कि शाहरुख खान और गौरी छिबा के रिश्ते में दिखाया गया है, तो आमतौर पर पिछले जन्म में एक रिश्ता होता है। पिछले युगों, पिछले कई जन्मों से इन दो लोगों के बीच संबंधों के इतिहास की जांच करना दिलचस्प है। दो युगों में एक जोड़े के फिर से एक साथ आने की घटना वास्तव में हमारे अगले मामले में प्रदर्शित होती है, जिसमें अमिताभ बच्चन और उनकी पत्नी जया शामिल हैं।

एक आखिरी बात जिसे समझाने की जरूरत है, वह है साधोना बोस का मामला/

Machine Translated by Google

शाहरुख खान एक और विभाजित पुनर्जन्म मामले का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां एक आत्मा को एक ही समय में दो भौतिक शरीरों में निवास करते हुए देखा जाता है। साधोना बोस की मृत्यु 1973 में हुई, जबकि शाहरुख खान का जन्म 1965 में हुआ, जिसका मतलब है 8 साल की एक टकराती हुई समय अवधि।

विभाजित अवतारों को दर्शाने वाले अन्य मामलों में जवाहरलाल नेहरू/बेनजीर भुट्टो का मामला और पेनी पीयर्स के पिछले जीवन के बहुत महत्वपूर्ण और ठोस मामले शामिल हैं, जिनके जीवन में 29 वर्षों की अतिव्यापी अवधि थी। हालाँकि विभाजित पुनर्जन्म की घटना पहली बार में भ्रमित करने वाली हो सकती है, लेकिन वास्तव में यह उतनी अजीब नहीं है। अहतुन रे ने कहा कि आज पृथ्वी पर पुनर्जन्म लेने वाली लगभग पाँच प्रतिशत आत्माएँ एक ही समय में एक से अधिक भौतिक शरीरों में रहने की क्षमता रखती हैं।

Machine Translated by Google

©टिम ग्राहम/कॉर्बिस

साधोना बोस शाहरुख खान

Machine Translated by Google

22

अमिताभ और जया बच्चन, रेखा, सोनिया और राहुल गांधी, और अमेरिकी गृह युद्ध

एक मामले की जांच करते समय मैंने एक घटना देखी

अमिताभ बच्चन का मामला यह है कि थिएटर से प्यार करने वाली आत्माएं नाटक अभिनेता/अभिनेत्री के रूप में अपनी क्षमताओं को विकसित करने के लिए विभिन्न देशों में अवतरित हो सकती हैं। ऐतिहासिक रूप से, थिएटर-प्रेमी आत्माएं अक्सर इंग्लैंड और फ्रांस में अवतरित हुईं, क्योंकि यूरोपीय महलों और प्रमुख शहरों ने अभिनेताओं के लिए जगह प्रदान की। दरअसल, आज हमारे कई पसंदीदा फिल्म सितारे एलिज़ाबेथन युग के अभिनेता थे, जो विलियम शेक्सपियर से संबंधित थे। आज के समय में, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका थिएटर प्रेमियों के लिए लोकप्रिय गंतव्य हैं, इन देशों में तेजी से बढ़ते फिल्म उद्योगों के कारण।

उपलब्धि और सार्वजनिक मान्यता का स्तर अक्सर जीवन-दर-जीवन एक समान बना रहता है, जो कि सही भी है। पाब्लो पिकासो/अलेक्जेंड्रा नेचिटा और पॉल गाउगिन/पीटर टेकैम्प के मामलों को याद करें और बाद के अवतारों में प्रतिभा और करियर विकास कैसे परिलक्षित हुआ। उसी तरह, महान अभिनेता सदियों तक महान अभिनेता बनकर लौटते हैं, भले ही स्थान, देश और बोली जाने वाली भाषा बदल जाए। निम्नलिखित पैराग्राफों में, हम देखेंगे कि कैसे 19वीं सदी के अमेरिका में गृह युद्ध के दौरान अवतरित हुए महान अभिनेताओं की आत्माएं वर्तमान में लौट आई हैं, जिनमें से कई भारत में और कुछ संयुक्त राज्य अमेरिका में हैं।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने पूछा कौन

Machine Translated by Google

अमिताभ बच्चन अपने पिछले जन्म में। जवाब सुनकर मैं हैरान रह गया. अहतुन रे ने मुझे बताया कि अमिताभ बच्चन विक्टोरियन युग के सर्वश्रेष्ठ शेक्सपियर अभिनेता माने जाने वाले अमेरिकी एडविन बूथ के पुनर्जन्म हैं। हालाँकि, एक विश्व स्तरीय अभिनेता के रूप में एडविन की प्रतिष्ठा उनके भाई, जॉन विल्क्स बूथ, जिन्होंने अब्राहम लिंकन की हत्या की थी, के आपराधिक कृत्यों से धूमिल हो गई थी।

जब अहतुन रे ने कहा कि अमिताभ एडविन हैं, तो मैंने तुरंत बूथ और बच्चन की तस्वीरें खोजीं और तुरंत पाया कि कुछ तस्वीरों में, उनकी समानता काफी उल्लेखनीय थी।

उनके व्यक्तित्वों का अध्ययन करने पर, संभवतः सबसे उल्लेखनीय समानता यह है: यद्यपि वे जाने-माने अभिनेता हैं, फिर भी वे दोनों काफी शर्मीले हैं।

अमिताभ बच्चन खुले तौर पर स्वीकार करते हैं कि उन्हें सामाजिक परिस्थितियों में बहुत अजीब महसूस हो सकता है और उन्हें किसी सभा में एक कोने में अकेले खड़े होकर शीतल पेय पीते हुए देखा जाता है।

निम्नलिखित उद्धरण एडविन बूथ से संबंधित हैं, हालाँकि ये अमिताभ बच्चन के बारे में भी लिखा जा सकता है.
एडविन को एक शर्मीले लड़के के रूप में वर्णित किया गया है, “जब उसके अधिक सक्रिय भाई-बहन खेलते हैं और घुड़सवारी प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं तो वह एक तरफ खड़ा रहता है। पारिवारिक चर्चाओं में भी वह ज्यादा नहीं बोलते थे।
इसके बजाय वह पीछे खड़े होकर सुनने और अपनी बड़ी-बड़ी अंधेरी आँखों से दूसरों को देखने में संतुष्ट था।'1 इसके अलावा, 'एडविन सामाजिक समारोहों में शर्मीले हैं। वह अक्सर एक कोने में बैठा रहता था और किसी से बात नहीं करता था...

जो लोग उन्हें अच्छी तरह से जानते थे, उन्होंने कहा कि एडविन को मंच के अलावा हर जगह मंच से डर लगता था।''2

बाद में, एडविन बूथ और अमिताभ बच्चन पर शोध करते हुए, मैं पता चला कि पूरे एडविन बूथ परिवार का पुनर्जन्म अमिताभ बच्चन के साथ हुआ था। उदाहरण के लिए, अमिताभ की पत्नी जया भादुड़ी की बाद में अहतुन रे ने एडविन बूथ की दूसरी पत्नी मैरी मैकविकर्स के रूप में पुष्टि की। इसके अलावा, एडविन बूथ के बच्चे आज के जीवन में एक बार फिर उनके बच्चे हैं। भारतीय अभिनेत्री रेखा, जिन्होंने 20 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है

Machine Translated by Google

अमिताभ बच्चन के साथ, उनकी पहचान एडविन बूथ की पहली पत्नी मैरी डेवलिन के रूप में की गई है।

आइए एडविन बूथ के जीवन पर चर्चा करें। एडविन का जन्म 13 नवंबर, 1833 को मैरीलैंड में हुआ था। उनके पिता जूनियस ब्रूटस बूथ मूल रूप से लंदन के थे और एक सफल अभिनेता बने।

कोवेंट गार्डन थिएटर के बाहर, जुनिसू की मुलाकात अपनी भावी पत्नी, मैरी एन होम्स से होती है, जो फूल बेच रही है। मैरी ने अपनी मुलाकात से कुछ समय पहले जुनियस को कोवेंट गार्डन में एक्शन करते देखा था।

इस जोड़े ने अमेरिका में प्रवास करने का फैसला किया और मैरीलैंड में बस गए। गर्मियों में, जुनिसु ब्रूटस बूथ अपने परिवार के साथ अपने खेत पर रहता है, क्योंकि गर्मी की गर्मी में थिएटर बहुत गर्म और घुटन भरा होता है, और फिर पतझड़, सर्दियों और वसंत ऋतु में पूरे अमेरिका की यात्रा करता है। विक्टोरियन काल में एक थिएटर स्टार का जीवन ऐसा ही था। शो के पूरे कलाकार देश भर में यात्रा करने के बजाय, केवल शो के सितारे यात्रा करेंगे, और प्रत्येक शहर में रहने वाले अभिनेताओं द्वारा उनकी सहायता की जाएगी। सितारे और सहायक कलाकार मानक नाटकों को दिल से जानते हैं और वे थोड़े से अभ्यास के साथ एक शो पेश कर सकते हैं।

जब जुनियस घर पर होता है तो उसे अपने बच्चों को किताबें पढ़ना अच्छा लगता है, अपने विशाल पुस्तकालय से पढ़ने के विकल्प बनाना। हालाँकि उनके पास कोई उच्च शिक्षा नहीं थी, जुनियस को साहित्य पसंद था और वह सभी क्लासिक्स से परिचित थे। जूनियस ब्रूटस बूथ में एक कट्टर हिंदू की तरह आध्यात्मिकता है, क्योंकि वह अपने बच्चों को पूर्ण शाकाहारी बनाकर बड़ा करते हैं और वह अपने फार्म पर किसी भी जानवर को मारने की अनुमति नहीं देते हैं। उसने अपने खेत को चलाने में मदद के लिए दास रखने के बजाय वेतनभोगी श्रमिकों को काम पर रखा। मैरीलैंड उत्तर और दक्षिण के बीच एक सीमावर्ती राज्य है, इसलिए यहां दास रखना कानूनी था।

जूनियस ने एक शहर से दूसरे शहर, थिएटर से थिएटर तक यात्रा की वसंत पतझड़ के लिए. शायद अपने परिवार से अलग होने के कारण होने वाले अकेलेपन से निपटने में मदद करने के लिए, जुनियस में अत्यधिक शराब पीने की प्रवृत्ति होती है

Machine Translated by Google

यात्रा. मैरी की इस समस्या का समाधान यह था कि युवा एडविन को उसके पिता के साथ एक यात्रा पर भेजा जाए, उनके निजी सहायक और कार्यवाहक के रूप में कार्य किया जाए, फिर नाट्य प्रदर्शनों में सहायक भूमिकाएँ निभाना शुरू किया जाए।

जुनियस और एडविन जहां भी गए शेक्सपियर का प्रदर्शन किया। जुनियस को एक अभिनेता के रूप में एडविन की छिपी प्रतिभा का एहसास हुआ और एक दिन उन्होंने अपने बेटे को बताया कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है और उन्हें रिचर्ड III में मुख्य भूमिका निभाने के लिए कहा। जूलियस की बीमारी नकली थी या असली यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। हालाँकि, दर्शकों को एडविन का प्रदर्शन पसंद आया और थिएटर दर्शकों को तब और भी आश्चर्य हुआ जब उन्हें पता चला कि रिचर्ड की भूमिका निभाने वाला अभिनेता जूनियस बूथ नहीं, बल्कि उनका बेटा एडविन था, जो उस समय केवल 17 वर्ष का था।

1852 में, जूनियस और एडविन ने सैन फ्रांसिस्को की यात्रा करने का फैसला किया, जब उन्होंने कैलिफोर्निया में चल रही "सोने की दौड़" के बारे में सुना। अभिनेता पहाड़ी लोगों और नवोदित लोगों का मनोरंजन करके बहुत सारा पैसा कमा सकते हैं।
पश्चिमी तट की असफल यात्रा के बाद, जुनियस ब्रूटस बूथ ने घर लौटने का फैसला किया, जबकि एडविन ने अपना अभिनय करियर स्थापित करने के लिए सैन फ्रांसिस्को में रहने का फैसला किया। जब एडविन सिएरा पर्वत के खनन शहरों में काम कर रहे थे, एडविन, जिन्हें बार-बार पूर्वाभास होता था, को लगा कि उनके पिता के साथ कुछ बुरा हुआ है। एक सह-अभिनेता को सैन फ्रांसिस्को से एडविन के लिए एक संदेश मिला, जिसमें घोषणा की गई कि जुनियस की मृत्यु हो गई है, और वह तुरंत एडविन के पास गया और उसे बुरी खबर सुनाई।

हालाँकि, एडविन को कुछ क्षण पहले ही संदेश का आभास हो गया था। जूनियस को मिसिसिपी नदी में नौकायन करते समय तंत्रिका संबंधी बुखार हो गया था और मैरीलैंड वापस जाते समय रास्ते में उसकी मृत्यु हो गई।

अमिताभ को पहले से ही पूर्वाभास होने के लिए भी जाना जाता है। अमिताभ बच्चन की द लीजेंड में, उनकी जीवनी लेखिका, भावना सोमाया, टोरंटो में एक घटना का वर्णन करती हैं

Machine Translated by Google

अमिताभ एक शो के लिए रिहर्सल कर रहे हैं: “जब आप 'झुम्मा चुम्मा' की धुन पर नाचते हैं, तो कोई नहीं जान सकता कि आपके दिमाग में क्या है।
आपका दिल बैठ जाता है और आपके पूर्वाभास निराधार नहीं हैं। होटल में वापस, बुरी खबर
आपका इंतजार कर रही है।
तुम्हारे पिता बाथरूम में फिसल गये और अस्पताल चले गये।
अगली रात के लिए, आप भारत की साप्ताहिक यात्रा करते हैं, पाँच दिन मुंबई में और एक सप्ताहांत अमेरिका में बिताते हैं। वे जेट लैग, चिंता और तनाव के दिन थे।''3

आइए गोल्ड रश के दौरान कैलिफोर्निया वापस चलें। 1854 में, एडविन की मुलाकात एक अंग्रेजी अभिनेत्री लॉरा कीन से हुई, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में लोकप्रिय थी, और जिसे, हम बाद में देखेंगे, एडविन बूथ, जेम्स विल्क्स बूथ और अब्राहम लिंकन के जीवन में एक नाटकीय भूमिका निभाने के लिए नियत थी। . दिलचस्प बात यह है कि अहतुन रे के अनुसार, लॉरा कीन का वर्तमान में निकोल किडमैन के रूप में पुनर्जन्म हुआ है।

हालाँकि पहली नज़र में चेहरे की अनुकूलता स्पष्ट नहीं है, उचित पोज़ में कीन और किडमैन के चित्रों के विश्लेषण से हड्डी की संरचना और चेहरे के आकार का मिलान पता चलता है। कीन/

किडमैन की पहचान वास्तव में अमिताभ बच्चन पर मेरे शोध से लगभग एक साल पहले ही समझ में आ गई थी, जिसके बारे में मैं इस अध्याय में आगे चर्चा करूंगा।

एक युवा महिला के रूप में, लौरा कीन ने एक बारमेड के रूप में काम किया, हालांकि उन्हें साहित्य का शौक था और जब वह पेय पेश करती थीं तो अक्सर शेक्सपियर का उद्धरण देती थीं। उनके ग्राहक अक्सर उन्हें उनके बालों के कारण "रेड लॉरा" उपनाम देते हैं, जो कि किडमैन की एक शारीरिक विशेषता है। कीन का विवाह जॉन टेलर नामक ब्रिटिश सशस्त्र बल अधिकारी से हुआ है और दंपति की दो बेटियाँ हैं। घटनाओं के एक अप्रत्याशित मोड़ में, टेलर को अचानक गिरफ्तार कर लिया गया, मुकदमा चलाया गया, दोषी पाया गया और जेल जहाज पर भेज दिया गया। लौरा को कभी नहीं बताया गया कि उसके पति को कहाँ निर्वासित किया गया था, हालाँकि, उसे संदेह था कि उसे ऑस्ट्रेलिया में एक ब्रिटिश उपनिवेश में भेजा जा रहा था। अपने पति के चले जाने के बाद, लौरा एक अभिनेत्री के रूप में जीवनयापन करने की कोशिश करती है और उसकी प्रतिभा को तुरंत पहचान लिया जाता है। इंग्लैंड के दौरे के बाद, उन्होंने न्यूयॉर्क में प्रदर्शन किया, फिर सैन फ्रांसिस्को गए, जहां

Machine Translated by Google

उन्होंने और एडविन बूथ दोनों ने द लव चेज़ में मुख्य भूमिकाएँ निभाईं।

एक नये अंतर्राष्ट्रीय अवसर ने नाटक मंडली में हलचल मचा दी। ए
कुछ अभिनेता ऑस्ट्रेलिया से सैन फ़्रांसिस्को लौट आए और उन्होंने बताया कि उन्होंने वहां प्रदर्शन करके भारी मुनाफ़ा कमाया है। लौरा कीन को अपने पति को खोजने की इच्छा थी; फिर लौरा, एडविन और कुछ दोस्त जुलाई 1854 में ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए।

लौरा को पता चलता है कि उसका पति वास्तव में मेलबर्न में कैद है, उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है, जिसमें नरमी की कोई संभावना नहीं है।
न ही उसे अपने पति से मिलने का अधिकार मिला, जो जाहिर तौर पर उसके लिए बहुत निराशाजनक था। ऑस्ट्रेलिया का दौरा आर्थिक रूप से भी उतना ही निराशाजनक था, हालाँकि एडविन, जो यात्रा पर 21 वर्ष के हो गए, को उनके शो के लिए बहुत अच्छी समीक्षाएँ मिलीं। हालाँकि, एडविन, लॉरा और अन्य लोग 1855 में वापस घर आ गए। एडविन ने कैलिफोर्निया में एक और साल बिताया और 5 सितंबर, 1856 को वह मैरीलैंड में अपनी मां और भाइयों से मिलने के लिए घर वापस चले गए।

इस समय, अभिनेता जोसेफ जेफरसन दिखाई दिए। अहतुन रे द्वारा टॉम क्रूज़ की पुष्टि जोसेफ जेफरसन के पुनर्जन्म के रूप में की गई है, और हम देखेंगे कि निकोल किडमैन और टॉम क्रूज़ का जीवन, जो आज पति-पत्नी हैं, लिंकन के समय में कैसे आपस में जुड़े हुए थे। जोसेफ जेफरसन का जन्म 1829 में फिलाडेल्फिया में हुआ था।

इस प्रकार, जोसेफ एडविन से केवल कुछ वर्ष बड़ा था, जिसका जन्म 1833 में हुआ था। जोसेफ के माता-पिता दोनों अभिनेता थे और परिवार ने देश भर में यात्रा की थी, विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शन किया था।

इस पृष्ठभूमि में, जोसेफ़ कम उम्र से ही मंच पर दिखाई देने लगे, जो टॉम क्रूज़ के करियर पथ को दर्शाता है।

जब जेफरसन छोटे थे, आयोवा के दौरे के बाद, परिवार को बसने का अवसर मिला जब उनके पिता को इलिनोइस की राजधानी स्प्रिंगफील्ड में एक थिएटर बनाने के लिए एक भागीदार मिला। एक समस्या तब उत्पन्न हुई जब नगर परिषद, जिसके सदस्य थिएटर को परेशानी का स्रोत मानते थे, ने कार्यक्रम स्थल के उद्घाटन को रोकने की कोशिश की

Machine Translated by Google

बहुत महंगी लाइसेंस फीस. धार्मिक समूह थिएटर को "राक्षस की मांद" मानते हैं और वे स्प्रिंगफील्ड में ऐसी जगह नहीं चाहते हैं। एक युवा वकील, जो थिएटर से प्यार करता है, मामले को अदालत में ले जाने के लिए सहमत होकर बचाव में आता है। युवा वकील अब्राहम लिंकन ने केस जीत लिया और थिएटर खुल गया। ऐसा माना जाता है कि यह घटना 1839 में घटी थी, जब जोसेफ जेफरसन दस साल के थे, जिन्होंने अपनी बाद की आत्मकथा में लिंकन द्वारा थिएटर के बचाव का दस्तावेजीकरण किया था।

यह दिलचस्प होगा यदि टॉम क्रूज़ इस आत्मकथा को पढ़ें, जिसे हम उनकी अपनी आत्मकथा मान सकते हैं, यह देखने के लिए कि क्या विचार और शैली में कोई समानता पाई जा सकती है।

1857 तक, जोसेफ जेफरसन, जो अभी भी एक अभिनेता के रूप में संघर्ष कर रहे थे, ने व्यवस्था की रिचमंड, वर्जीनिया में एक थिएटर, जहां 24 साल के एडविन रोमियो एंड जूलियट में मुख्य भूमिका निभाएंगे। जेफरसन और उनकी पत्नी, मार्गरेट क्लेमेंट्स लॉकयर, एक युवा अभिनेत्री, मैरी डेवलिन को घर लाए थे, जो उस समय 16 वर्ष की थी। जब एडविन और मैरी ने रोमियो और जूलियट में स्टार भूमिकाएँ निभाईं, तो उन्हें प्यार हो गया। एडविन ने अपने टूरिंग और अभिनय करियर को जारी रखने के लिए रिचमंड छोड़ दिया और 1860 में एडविन और मैरी ने शादी कर ली।

1858 में, जोसेफ जेफरसन/टॉम क्रूज़ और उनकी पत्नी न्यूयॉर्क चले गए, जहां लौरा कीने/निकोल किदमान ने ब्रॉडवे पर अपना थिएटर खोला। कीन ने अपने सह-कलाकार के रूप में मुख्य भूमिका निभाने के लिए जोसेफ जेफरसन को काम पर रखा। तो हम देखते हैं, वर्तमान में, निकोल किडमैन और टॉम क्रूज़ 19वीं सदी के पेशेवर रिश्ते को दोहरा रहे हैं।

कीन और जेफरसन के बीच संबंध कथित तौर पर अस्थिर थे।
हालाँकि यह कीन ही थे जिन्होंने थिएटर खोला था, जेफरसन ने नाटकों के चयन को ख़राब माना, जिसके परिणामस्वरूप केवल एक छोटा दर्शक वर्ग ही मिला।
दूसरी ओर, जोसेफ जेफरसन को यह जानने की आदत थी कि दर्शक क्या चाहते हैं और जिन नाटकों को वह दिखाने के लिए कीन को मनाने में कामयाब रहे, जैसे कि ब्रांडीवाइन का क्रांतिकारी युद्ध नाटक ब्लैंच लोकप्रिय हो गया।

टॉम क्रूज़ के व्यक्तित्व में जोसेफ जेफरसन जारी है

Machine Translated by Google

ऐसा शो प्रस्तुत करने का कौशल प्रदर्शित करें जो आर्थिक रूप से सफल हो।

जेफरसन द्वारा अनुशंसित एक और नाटक, जिसमें उनकी मुख्य भूमिका थी, ब्रिटिश नाटककार टॉम टेलर द्वारा लिखित माई अमेरिकन कजिन था। इस कॉमेडी में, जेफरसन द्वारा अभिनीत आसा ट्रेंकार्ड को एक संपत्ति विरासत में मिलती है और वह अपने कुलीन रिश्तेदारों से मिलने के लिए इंग्लैंड जाता है। यह शो एक बड़ी सफलता थी और इसने जोसेफ जेफरसन के साथ-साथ सह-अभिनेता ईएच सोथर्न और उनकी अभिनेत्री पत्नी वर्जीनिया हार्नड के करियर को एक बड़ी छलांग प्रदान की। जोसेफ जेफरसन और वर्जीनिया हार्नड के बीच कोई संबंध होना चाहिए, क्योंकि वर्तमान समय में, हार्नड का टॉम क्रूज़ की पूर्व पत्नी, मिमी रोजर्स के रूप में पुनर्जन्म हुआ है।

हालाँकि लौरा कीन के थिएटर को दर्शकों का पूरा आनंद मिलता रहा, लेकिन कीन और जेफरसन के रिश्ते में दूरियाँ बढ़ती गईं। जोसेफ जेफरसन ने अंततः सीज़न के अंत में नाटक समूह से हटने का फैसला किया। जाने से पहले, उन्होंने कीन से, जिन्होंने अमेरिकी नाटक के अधिकार खरीदे थे, पूछा कि क्या वह अवर अमेरिकन कजिन शो को कहीं और प्रदर्शित कर सकते हैं।

कीन ने मना कर दिया और कीन और जोसेफ का ब्रेकअप हो गया।

अवर अमेरिकन कजिन के लेखक टॉम टेलर की पहचान पुलित्जर पुरस्कार विजेता नाटककार डेविड मैमेट के रूप में की गई है।
टेलर का जन्म 1817 में हुआ था और उन्होंने बहुत कम उम्र से ही रंगमंच के प्रति आकर्षण दिखाया था और अपने बचपन के दोस्तों के साथ अस्तबल में नाटकीय रचनाएँ की थीं। एक युवा व्यक्ति के रूप में, टेलर ने कैम्ब्रिज में अध्ययन किया और यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन में अंग्रेजी साहित्य के प्रोफेसर बन गए।

टेलर अपने नाटकों में स्वाभाविक और तेज़ गति वाले संवाद के लिए जाने जाते हैं। उनके कार्यों में स्टिल वॉटर रन डीप (1855) शामिल हैं; पीड़ित (1857); चुनाव लड़ा (1859); ओवरलैंड रूट (1860); लीव मैन का टिकट (1863); ऐनी बोलिन (1875); और जोन ऑफ आर्क (1871)। 1880 में टेलर की मृत्यु हो गई।

1947 में जन्मे डेविड मैमेट अपने बेजोड़, नाटकीय और तेज़-तर्रार संवाद के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने अपने काम ग्लेनगैरी ग्लेन रोज़ के लिए पुलित्जर जीता, और वह कई सफल नाटकों के लेखक हैं

Machine Translated by Google

द पोस्टमैन ऑलवेज रिंग्स ट्वाइस, द वर्डिक्ट, द अनटचेबल्स और स्टीव मार्टिन की फिल्म द स्पैनिश प्रिज़नर। छात्रों के लिए टॉम टेलर और डेविड मैमेट के कार्यों का विश्लेषण करना और उनकी साहित्यिक शैलियों में समानताएं और अंतर देखना बहुत दिलचस्प होगा।

विषयांतर से हटकर, आइए एडविन बूथ कहानी पर वापस आएं/
अमिताभ बच्चन। एडविन और मैरी डेवलिन ने 7 जुलाई, 1860 को शादी की। उस वर्ष बाद में, अब्राहम लिंकन, जिन्होंने विकासशील पश्चिमी राज्यों में गुलामी के प्रसार का विरोध किया, राष्ट्रपति चुने गए। 20 दिसम्बर, 1860 को दक्षिणी राज्य संघ से अलग हो गये। लिंकन का उद्घाटन समारोह 4 मार्च, 1861 को हुआ और 12 अप्रैल, 1861 को कॉन्फेडरेट समर्थकों द्वारा दक्षिण कैरोलिना में फोर्ट समर पर हमले के साथ, अमेरिकी गृहयुद्ध छिड़ गया।

अपने भाई, जॉन विल्क्स बूथ, एक राजनीतिक कार्यकर्ता के विपरीत
दक्षिण का दृढ़ता से समर्थन किया, एडविन ने उत्तर का समर्थन किया, क्योंकि उन्होंने गुलामी का भी विरोध किया था। हालाँकि एडविन पूरी तरह से लिंकन के पीछे थे और संघ के पक्ष में थे, जिसके कारण दोनों भाइयों के बीच फूट पड़ गई, एडविन को एक राजनीतिक दंभ के रूप में भी पहचाना जाने लगा। राजनीतिक मामलों में उनकी रुचि नहीं थी, जो अमिताभ बच्चन के साथ भी सुसंगत है, जिन्होंने भारतीय संसद के सदस्य के रूप में एक अवधि तक सेवा करने के बावजूद कहा कि राजनीति में प्रवेश करना उनके लिए एक गलती थी। एडविन बूथ के अनुसार, बच्चन के लिए राजनीति विदेशी क्षेत्र थी।

1861 में, एडविन और मैरी इंग्लैंड गए, जहां एडविन ने कई शो किए। लंदन से, यह जोड़ी ब्रिटिश प्रेस के नजरिए से अमेरिकी गृहयुद्ध को देखने की दिलचस्प स्थिति में है। एडविन को यह सुनकर आश्चर्य हुआ कि लंदन टाइम्स ने दक्षिण का समर्थन किया। एडविन ने अनुमान लगाया कि यह ब्रिटिश कुलीन शैलियों के कारण था, जो उत्तर के बजाय दक्षिण अमेरिकियों में परिलक्षित होते थे। 9 दिसंबर, 1861 को उनकी बेटी एडविना का जन्म लंदन में हुआ।

युगल संयुक्त राज्य अमेरिका लौटता है और एडविन को पता चलता है

Machine Translated by Google

कि उनका सबसे अच्छा दोस्त, रिचर्ड कैरी, एंटीएटम की लड़ाई में मारा गया था, जिसमें 24,000 लोग मारे गए थे या घायल हुए थे। स्मरण रहे कि जॉन बी. गॉर्डन के अवतार में जेफ कीन भी उस युद्ध में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। लिंकन ने मुक्ति उद्घोषणा करने के लिए एंटीएटम का उपयोग किया, जिसने विद्रोही राज्यों में दासों को मुक्त कर दिया, लेकिन एडविन के गृह राज्य मैरीलैंड सहित संघ के प्रति वफादार सीमावर्ती राज्यों में नहीं।

हालाँकि गृह युद्ध जारी रहा, एडविन का करियर आगे बढ़ता रहा और उनकी आय और संपत्ति में वृद्धि हुई। नवंबर 1862 में, एडविन बोस्टन संग्रहालय में प्रदर्शन कर रहे थे, जब उन्हें जबरदस्त प्रशंसा या समीक्षाएँ मिलीं। मैरी और एडविना बोस्टन के बाहर, डोरचेस्टर के पास एक ग्रामीण घर में किराए पर रह रहे थे।

इसके बाद एडविन ने न्यूयॉर्क की यात्रा की, जहां उन्होंने खचाखच भरे दर्शकों के सामने हेमलेट की भूमिका निभाई।

न्यूयॉर्क में रहते हुए, उन्हें खबर मिली कि मैरी डोरचेस्टर में बीमार हैं। न्यूयॉर्क से वापस बोस्टन के लिए ट्रेन पकड़ते समय, उन्हें एक और पूर्वाभास हुआ, जिसका वर्णन उन्होंने बाद में एक मित्र को लिखे पत्र में किया: "हर बार जब मैं खिड़की से बाहर देखता हूं, तो मैं मैरी को मृत देखता हूं, उसके गले में एक सफेद कपड़ा बंधा हुआ है और ठोड़ी।

, मैंने उसे देखा था

स्पष्ट रूप से, कम से कम लगभग एक दर्जन बार।'4 जब वह बोस्टन पहुंची, तो एक दोस्त आया और उसे उठाया और उसे मैरी की स्थिति के बारे में जानकारी दी। एडविन को मैरी के भाग्य के बारे में पता चल गया था और जब वह घर पहुंचा और मैरी के कमरे में दाखिल हुआ, तो एडविन ने उसे बिल्कुल वैसा ही देखा जैसा उसने उसे देखा था, बिस्तर पर उसकी गर्दन और ठोड़ी के चारों ओर एक सफेद चादर थी, ताकि वह गर्म रहे। मैरी की मृत्यु के बाद, एडविन ने मंच पर लौटने से इनकार कर दिया और 21 सितंबर, 1863 तक दोबारा प्रदर्शन नहीं किया।

याद रखें कि अमिताभ बच्चन को भी पूर्वाभास होता है और एडविन की पहली पत्नी मैरी डेवलिन को आज के जीवन में रेखा के रूप में पहचाना जाता है, जिन्होंने अमिताभ की कई फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई थी।
डेवलिन और रेखा के बीच शारीरिक समानताएँ स्पष्ट हैं।
तो हम यहां एक जोड़े को देखते हैं

Machine Translated by Google

विवाह और मंच पर, प्रारंभिक मृत्यु से अलग हो जाने पर, बाद के समय में वापस आ सकते हैं और फिर से एक साथ प्रदर्शन करना जारी रख सकते हैं। यह जानना दिलचस्प है कि रेखा का जन्म अमिताभ से एक दिन पहले 10 अक्टूबर को हुआ था, जिनका जन्म 11 अक्टूबर को हुआ था और दोनों ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत एक ही वर्ष 1969 में की थी।

न्यूयॉर्क में, लौरा कीन ने अपना थिएटर खो दिया था और अपनी आय बनाए रखने के लिए, कीन अपने लोकप्रिय नाटक, अवर अमेरिकन कजिन को सड़कों पर ले आईं। अप्रैल 1865 में, वह वाशिंगटन डीसी में फोर्ड थिएटर खोलने की तैयारी कर रहे थे।

राजधानी में जश्न का माहौल था, क्योंकि 9 अप्रैल को दक्षिण ने आत्मसमर्पण कर दिया था। युद्ध चार साल तक चला और इसके परिणामस्वरूप 620,000 लोग मारे गए। 14 अप्रैल, 1865 को, अब्राहम और मैरी लिंकन ने राष्ट्रपति की बालकनी पर बैठकर अवर अमेरिकन कजिन शो में भाग लिया। इससे पहले, जॉन विल्क्स बूथ ने फोर्ड थिएटर में प्रदर्शन किया था और जब जॉन ने द मार्बल हार्ट का प्रदर्शन किया था तब अब्राहम लिंकन भी उपस्थित थे। लिंकन जॉन विल्क्स बूथ के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हैं और एक संदेश भेजते हैं कि वह अभिनेता से मिलना चाहते हैं, लेकिन जॉन ने मना कर दिया। दक्षिण के आत्मसमर्पण के बाद, जॉन ने उस संस्कृति के विनाश के लिए लिंकन को दोषी ठहराया जिसकी वह प्रशंसा करते थे। एक बच्चे के रूप में, जॉन ने दक्षिण के अभिजात वर्ग के साथ एक बोर्डिंग स्कूल में पढ़ाई की थी। युवा दक्षिणी अभिजात वर्ग के सदस्यों के साथ उनके मैत्रीपूर्ण संबंध थे। दरअसल, जॉन विल्क्स बूथ खुद को दक्षिणी अभिनेता मानते हैं। दक्षिण के पतन के बाद, जॉन ने लिंकन की हत्या करके बदला लेने का फैसला किया, यह सोचकर कि वह संघ का नायक बन जाएगा।

दुखद बात यह है कि जॉन विल्क्स बूथ के दिल में अभी-अभी प्यार पनपा है और लुसी हेल नाम की एक खूबसूरत युवा लड़की, जो न्यू हैम्पशायर के पूर्व सीनेटर जॉन पी. हेल की बेटी है, जो कट्टर उन्मूलनवादी और लिंकन समर्थक दोनों हैं, को हाल ही में स्पेन में राजदूत नियुक्त किया गया है। . हेल्स उसी वाशिंगटन होटल में ठहरे थे जहाँ जॉन विल्क्स बूथ ठहरे थे। लूसी और जॉन की मुलाकात वहां जनवरी 1865 में हुई। इस जोड़े में प्यार हो गया और लूसी ने कहा कि जब उसका परिवार वहां से लौटा

Machine Translated by Google

स्पेन, वे शादी कर रहे हैं। उस समय, उनका प्यार केवल तीन महीने का था, लेकिन लूसी अपनी बातों में ईमानदार थी।

जॉन ने 14 अप्रैल, 1865 को लुसी के साथ रात्रि भोज किया और जाते समय उसने ओथेलो से उद्धृत किया, "परी, प्रार्थना में, मेरे सभी पापों को याद किया जाए।"5

भागने की योजना सहित अंतिम तैयारी करने के बाद, जॉन फोर्ड थिएटर की ओर जाता है। थिएटर क्लर्क को जानने के बाद, जॉन आसानी से राष्ट्रपति की बालकनी पर चढ़ने में सक्षम हो गया और लिंकन के सिर में बिल्कुल नजदीक से गोली मार दी। फिर वह मंच पर कूद गया, चिल्लाया "सिक सेम्पर टायरानिस" ("अत्याचारियों के साथ हमेशा ऐसा ही होता है"), फिर भाग गया। दर्शक चौंक गए और फिर घबरा गए। यह लॉरा कीन/निकोल किडमैन ही थीं जिन्होंने मंच से चिल्लाकर माहौल को शांत किया, "भगवान के लिए, अपने सामान्य ज्ञान का उपयोग करें और जहां हैं वहीं रहें, सब कुछ ठीक हो जाएगा!"6 जब राष्ट्रपति की बालकनी से किसी ने पानी मांगा , लौरा कीन खून से लथपथ लिंकन के लिए ब्रांडी की एक बोतल लेकर आई, जिसके चारों ओर दो डॉक्टर मौजूद थे जिन्होंने उसके घाव की जांच की। जब डॉक्टरों में से एक ने लिंकन को ब्रांडी का एक घूंट देने के लिए कहा, तो वह लौरा ही थी जिसने लिंकन के शरीर में तरल प्रवेश करते ही राष्ट्रपति का सिर पकड़ लिया।

, कौन लेटा

निकोल किडमैन की पहचान लॉरा कीन के पुनर्जन्म के रूप में की गई थी

2004 में, बहुत पहले ही मुझे अमिताभ बच्चन के पिछले जीवन में दिलचस्पी हो गई थी। मैं हॉलीवुड मशहूर हस्तियों के पिछले जीवन को उजागर करने की कोशिश कर रहा हूं और अहतुन रे से निकोल के बारे में पूछा। उस समय, अहतुन रे ने मुझसे कहा, “श्रीमती। जब लिंकन को गोली मारी गई तब किडमैन मंच पर थे।

मैं अभिनेत्री के नाम को पहचानने के लिए पर्याप्त इतिहास नहीं जानता, लेकिन जब मैंने लिंकन की हत्या की जांच की, तो अहतुन रे ने पुष्टि की कि किडमैन कीन था। कीन/किडमैन की पहचान उजागर होने के बाद, टॉम क्रूज़ की पहचान जोसेफ जेफरसन के रूप में की गई।

लिंकन को फोर्ड थिएटर से दसवीं स्ट्रीट पर पास के एक घर में ले जाया गया। युद्ध सचिव, एडविन एच. स्टैंटन, इस स्थान पर पहुंचे और तुरंत स्थिति पर नियंत्रण कर लिया।

स्टैंटन ने जनरल यूलिसिस एस. ग्रांट, उपराष्ट्रपति एंड्रयू जॉनसन और मुख्य न्यायाधीश को आवश्यक नोटिस भेजे

Machine Translated by Google

पीछा करना। स्टैंटन जॉन विल्क्स बूथ, जो संदिग्ध हत्यारा है, की जांच का नेतृत्व भी कर रहे हैं।

जब ये घटनाएँ सामने आ रही थीं, जोसेफ जेफरसन/
टॉम क्रूज़ लैटिन अमेरिका जाने वाले जहाज पर यात्रा कर रहे हैं।
जेफ़रसन ने अधिकांश समय ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड का दौरा किया था
गृह युद्ध। उन्हें लिंकन की मृत्यु के बारे में तब तक पता नहीं चला
अगले महीने, जब वह पेरू पहुंचा। लिंकन शूटिंग की रात एडविन बूथ/अमिताभ बच्चन बोस्टन थिएटर में प्रदर्शन करते हुए।

रात के अंधेरे में, 26 अप्रैल, 1865 के शुरुआती घंटों में, यूनियन सैनिकों ने जॉन विल्क्स बूथ को बॉलिंग ग्रीन, मैरीलैंड के बाहर एक खलिहान में छिपा पाया, जहां बाद में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई।

युद्ध सचिव, एडविन स्टैंटन ने पुष्टि की कि बूथ के शव को गुप्त रूप से ओल्ड आर्सेनल जेल ले जाया गया, जहां उसे एक भंडारण कक्ष के फर्श के नीचे दफनाया गया था। स्टैंटन व्यक्तिगत रूप से उस कमरे की चाबी रखता है जहां बूथ को दफनाया गया है। उन्हें चिंता थी कि यदि बूथ का शव दक्षिण के हाथों में पड़ गया, तो यह समाप्त हो चुके संघर्ष के लिए एक नया ट्रिगर हो सकता है। स्टैंटन बूथ के सह-साजिशकर्ता होने के आरोपी लोगों के सैन्य परीक्षणों के लिए भी जिम्मेदार हैं।

एडविन बूथ, अब्राहम लिंकन की हत्या के कृत्य से स्तब्ध
अपने भाई-बहन द्वारा, मंच पर लौटने से पहले तुरंत 18 महीने के लिए खुद को अलग-थलग कर लिया।

आत्म-निर्वासित निर्वासन की उस अवधि के दौरान, उन्होंने अपनी माँ की ओर से अपने भाई के शव को छुड़ाने के लिए लड़ाई लड़ी ताकि उसे ठीक से दफनाया जा सके। इस प्रयास में उन्होंने एडविन स्टैंटन को सीधा पत्र लिखा, हालाँकि उन्हें कोई उत्तर नहीं मिला। जनवरी 1866 में जैसे ही एडविन न्यूयॉर्क में मंच पर लौटने के लिए तैयार हुए, अफवाहें फैल गईं कि एडविन के खिलाफ बदला लिया जाएगा। हालाँकि, जब वह बिक चुके विंटर गार्डन थिएटर के एक मंच पर हेमलेट के रूप में दिखाई दिए, तो उन्हें दर्शकों से खड़े होकर सराहना मिली।

एडविन शिकागो जाते रहे, जहां उन्होंने मैकविकर थिएटर में प्रदर्शन किया। एक बार फिर मंच पर जताया गया
प्यार शादी में बदल गया। एडविन

Machine Translated by Google

रोमियो एंड जूलियट में अपनी सह-कलाकार मैरी मैकविकर, जो थिएटर मालिक की बेटी थी, के साथ मुख्य भूमिका निभाई। मैरी ने अपने हास्यबोध और अपने "दिल के आकार के" चेहरे से एडविन को मंत्रमुग्ध कर दिया।7 अमिताभ बच्चन के जीवन में भी कोई था जिसका चेहरा "दिल के आकार का" था, वह थीं उनकी पत्नी जया। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, जया को मैरी मैकविकर के पुनर्जन्म के रूप में, केविन रायर्सन की मार्गदर्शक भावना, अहतुन रे द्वारा पुष्टि की गई है।

जया ने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म जंजीर में अभिनय किया, जो 1973 में एक लोकप्रिय फिल्म बन गई। उसी वर्ष दिसंबर में, अमिताभ की नायिका जया बच्चन बन गईं। अपनी शादी के बाद, जया ने पारिवारिक जीवन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सिनेमा की दुनिया से एक छोटा ब्रेक लिया।

मैकविकर थिएटर में अपने प्रदर्शन के बाद, मैरी एडविन के साथ उनके निरंतर दौरे पर शामिल हुईं। इस अवधि के दौरान, एडविन न्यूयॉर्क शहर में एक बहुत ही भव्य थिएटर के निर्माण की प्रक्रिया में थे। बूथ थिएटर का भव्य उद्घाटन 3 फरवरी, 1869 को हुआ, जब एडविन केवल 35 वर्ष के थे।

उद्घाटन की रात, एडविन और मैरी ने एक बार फिर रोमियो और जूलियट की भूमिका निभाई। इसी अवधि के दौरान एडविन ने मैरी के सामने प्रस्ताव रखा और 7 जून, 1869 को उन्होंने शादी कर ली। जया की तरह, मैरी भी पारिवारिक जीवन की तैयारी के लिए शादी के बाद मंच से सेवानिवृत्त हो गईं। मैरी गर्भवती हो गईं और 4 जुलाई, 1870 को एक बेटे, एडविन जूनियर का जन्म हुआ। एक कठिन जन्म हुआ, और छोटे एडगर (एडविन जूनियर) को मस्तिष्क क्षति हुई और वह केवल कुछ ही घंटे जीवित रहे।

अपने बेटे की मृत्यु के बाद, मैरी गहरे अवसाद में पड़ गई, जो उसे जीवन भर समय-समय पर परेशान करती रही। आधुनिक समय में, निश्चित रूप से एंटीडिप्रेसेंट थेरेपी का उपयोग किया जाएगा, लेकिन विक्टोरियन युग में, मौजूदा उपचार अभी भी अप्रभावी थे।

हालाँकि, मैरी अभी भी एडविन के साथ यात्रा करती है और जब भी जरूरत पड़ती है, आश्चर्यजनक लचीलापन दिखाती है। उन्होंने दक्षिण का दौरा किया और फिर सैन फ्रांसिस्को गए, जहां 1876 में, आठ सप्ताह के खेल में एडविन ने 50,000 डॉलर कमाए। उस समय बहुत बड़ी संख्या थी. तो, जैसे अमिताभ बच्चन, एडविन

Machine Translated by Google

न केवल उन्हें अपने समय के महानतम अभिनेताओं में से एक माना जाता था, बल्कि वह एक ऐसे अभिनेता भी थे जो बड़े पैमाने पर दर्शकों को आकर्षित कर सकते थे और मुनाफा कमा सकते थे।

1880 में, एडविन मैरी और उनकी बेटी एडविना को यूरोप के दौरे पर ले गये। लंदन में, मैरी, जो पुरानी खांसी से पीड़ित थी, को उन्नत तपेदिक का पता चला था। इस समय से मैरी की शारीरिक और मानसिक स्थिति में गिरावट जारी रही और 13 नवंबर, 1881 को मैरी की मृत्यु हो गई।

मैरी की मृत्यु के बाद, एडविना उनके पिता की यात्रा साथी बन गईं।
विषय से थोड़ा हटकर, अहतुन रे ने पुष्टि की है कि एडविना, एडविन की बेटी और उनकी पहली पत्नी, मैरी डेवलिन, का वर्तमान में अमिताभ और जया की बेटी श्वेता बच्चन के रूप में पुनर्जन्म हुआ है। इसी तरह, अहतुन रे ने कहा कि बच्चन के बेटे, अभिषेक, मैरी मैकविकर के बेटे एडविन जूनियर का पुनर्जन्म थे, जिनकी जन्म के समय मृत्यु हो गई थी। यदि इन मामलों को स्वीकार कर लिया जाता है, तो हम देख सकते हैं कि कैसे पूरे परिवार का पुनर्जन्म और पुनर्मिलन किया जा सकता है।

1882 में, एडविन और एडविना फिर से इंग्लैंड के लिए रवाना हुए और उसी वर्ष दिसंबर में, वे बर्लिन गए, जहाँ एडविन को उत्कृष्ट समीक्षाएँ मिलीं। चार अन्य जर्मन शहरों में शो के बाद, वे ऑस्ट्रिया गए। तो हम देखते हैं कि एडविन भी अमिताभ बच्चन की तरह ही एक अंतरराष्ट्रीय स्टार बन गए। जब वह संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने घर लौटे, तो एडविन ने अपनी थिएटर यात्राओं से मोटी कमाई करना जारी रखा। उदाहरण के लिए, अपने 1886-1887 के दौरे पर एडविन ने 200,000 डॉलर कमाए। तो हम देख सकते हैं कि आज के "बिग बी" के रूप में जाने जाने से पहले, बच्चन विक्टोरियन युग में पहले से ही "बिग बी" थे।

अपने करियर को समाप्त करने के लिए, एडविन बूथ ने न्यूयॉर्क के ग्रामरसी पार्क क्षेत्र में "द प्लेयर्स" नामक एक क्लब की स्थापना की, जो अभिनेताओं और अन्य पेशेवरों के लिए एक साथ आने और विचारों का आदान-प्रदान करने का स्थान था। जब 1880 में नए साल की पूर्वसंध्या पर द प्लेयर्स की शुरुआत हुई तो एडविन पीठासीन अधिकारी थे। मुख्य कमरे में, जुनियस ब्रूटस बूथ के चित्र के नीचे, एडविन ने अपने पिता के नाम का टोस्ट बनाया, "चलो एक पेय लें

Machine Translated by Google

इस प्यार के प्याले से, अतीत की स्मृति चिन्हों से, मेरे पिता के प्याले से।
आइए, अब इस चित्र के नीचे सर्वकालिक खिलाड़ियों की समृद्धि का जश्न मनाएं।"

अहतुन रे ने बताया कि एडविन के प्रिय पिता, जुनियस ब्रूटस बूथ, का पुनर्जन्म बच्चन के दिवंगत प्रिय पिता, हरिवंशराय श्रीवास्तव बच्चन के रूप में हुआ है। यह कथन चेहरे की विशेषताओं की मजबूत समानता और शेक्सपियर और साहित्य के साझा प्रेम द्वारा समर्थित है। जुनियस की मृत्यु 1852 में हुई, जबकि हरिवंशराय बच्चन का जन्म 1907 में हुआ था। हरिवंशराय ने कैम्ब्रिज में अंग्रेजी साहित्य में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की, दिल्ली में येट्स पर शोध प्रबंध लिखा* उन्होंने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा बनाने की परियोजना पर सरकार के लिए काम किया। हरिवंशराय मधुशाला काव्य के साथ-साथ कई अन्य काव्य पुस्तकें लिखने के लिए प्रसिद्ध हैं। वह शेक्सपियर, विशेष रूप से मैकबेथ और ओथेलो का हिंदी में अनुवाद करने वाले पहले व्यक्ति थे। अपने साहित्यिक योगदान के लिए, उन्होंने 1976 में पद्म भूषण पुरस्कार जीता।

जूनियस ब्रूटस बूथ को अंग्रेजी साहित्य भी पसंद है, भले ही उन्होंने कॉलेज की शिक्षा प्राप्त नहीं की। वह शास्त्रीय साहित्य में स्व-सिखाया गया छात्र था और मैरीलैंड में अपने खेत में, वह अक्सर अपने बच्चों को मिल्टन, डांटे, कीट्स और शेली की चुनी हुई रचनाएँ पढ़ाता था। बेशक, जूनियस अपने समय के सबसे प्रसिद्ध शेक्सपियर अभिनेताओं में से एक थे और जैसा कि पहले चर्चा की गई थी, हरिवंशराय शेक्सपियर का हिंदी में अनुवाद करने वाले पहले व्यक्ति थे और उन्होंने अपना काम अमिताभ को समर्पित किया था।

जब सभी जीवन को पवित्र मानने, शाकाहार का अभ्यास करने और अपने खेत में जानवरों की हत्या की अनुमति न देने की बात आती है तो जुनियस में आध्यात्मिकता की प्रबल भावना होती है। जूनियस अपने बेटे एडविन को सलाह देते हैं, जो विक्टोरिया मंच पर "बिग बी" बन जाता है, जबकि हरिवंशराय "बिग बी" को सलाह देते हैं।

---

* आयरिश मूल के लेखक। द एबी थिएटर, डबलिन में आयरिश नेशनल थिएटर कंपनी के संस्थापक। उन्होंने द काउंटेस कैथलीन (1892) सहित कई लघु नाटक लिखे। उनकी कविता, द विंडिंग स्टेयर (1929) जैसी कविताओं के संग्रह के रूप में प्रकाशित हुई, जिसमें प्रारंभिक प्रेम कविताओं से लेकर उनके बाद के जीवन के जटिल प्रतीकात्मक कार्य शामिल हैं। उन्होंने 1923 में साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार जीता।

Machine Translated by Google

वर्तमान (अमिताभ).

एक अंतर, जुनियस को एक अभिनेता के रूप में जाना जाता है, जबकि हरिवंशराय को एक कवि के रूप में याद किया जाता है। आत्माएँ जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में ध्यान केंद्रित कर सकती हैं, हालाँकि आमतौर पर समान रुचियाँ बनी रहती हैं। ऐसे में रुचि साहित्य में है। दोनों में अंतर यह है कि जुनियस को शराब से छोटी-मोटी दिक्कत है, जबकि हरिवंशराय बिल्कुल भी शराब नहीं पीते.

यह एक ऐसी घटना है जिसे मैंने कई पुनर्जन्म मामलों में देखा है, कि जब किसी व्यक्ति को एक जीवनकाल में नशीली दवाओं या अवैध पदार्थों के उपयोग से समस्या होती है, तो अगले जीवनकाल में आत्मा का हानिकारक पदार्थों से कोई संबंध नहीं होता है। बस अब।

अमिताभ की मां तेजी बच्चन ने भी इस बात की पुष्टि की है अहतुन रे एडविन बूथ की मां के पुनर्जन्म के रूप में, जिनका विवाह से पहले का नाम मैरी ऐनी होम्स है। एक दृश्य सादृश्य देखने को मिलता है।
एडविन की एशिया नाम की एक बहन है, जिसका उसके भाई, जॉन विल्क्स बूथ के साथ घनिष्ठ संबंध है, हालांकि वह उत्तर का समर्थन करता है और जॉन के समान राजनीतिक जुनून नहीं रखता है। हालाँकि, जॉन की मृत्यु के बाद, एशिया ने भावी पीढ़ियों के साथ अपने अच्छे गुणों को साझा करने के प्रयास में, जॉन के साथ अपने संबंधों के बारे में एक किताब लिखी। हाल के दिनों में, एशिया बूथ ने अपने भाई-बहन के बारे में एक किताब भी लिखी है, भले ही वह पिछले जन्म का भाई-बहन हो। आसिया का पुनर्जन्म भावना सोमाया के रूप में हुआ है, जिन्होंने अमिताभ बच्चन की जीवनी द लीजेंड लिखी थी, जिसे ऊपर अमिताभ के पूर्वाभास के संदर्भ के रूप में उद्धृत किया गया था।

इस एशियाई पहचान की पुष्टि अहतुन रे ने की है।

आख़िरकार मुझे समझ आया कि बच्चन परिवार के इंदिरा गांधी के परिवार से घनिष्ठ संबंध थे। सबसे खास बात यह है कि मुझे बताया गया है कि तेजी और इंदिरा सबसे अच्छी दोस्त हैं। यदि यह सच है और यदि बच्चन परिवार के सदस्य गृह युद्ध के दौरान अमेरिका में रहते थे, तो यह संदिग्ध है कि क्या इंदिरा गांधी का भी उस युग में पुनर्जन्म हुआ था। जब मैं पूछता हूँ

Machine Translated by Google

अहतुन रे से इस सवाल पर उन्होंने जवाब दिया, "वह एडविन स्टैंटन, युद्ध सचिव हैं, आप समानताएं देखेंगे।" निस्संदेह, इससे मुझे आश्चर्य हुआ। मैंने तस्वीरों की जांच की और वास्तव में, स्टैंटन के साथ इंदिरा गांधी की कुछ तस्वीरों में चेहरे की विशेषताओं में समानता देखी जा सकती है।

मैंने यह भी पाया कि उनकी संपत्तियाँ समान हैं।

एक सामान्य विशेषता किसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बल प्रयोग करने का दृढ़ संकल्प है। स्टैंटन का मानना था कि युद्ध का लक्ष्य गुलामी को समाप्त करना था और इसे पूरा होने तक सैन्य बल का उपयोग किया जाना चाहिए। यह रवैया इंदिरा गांधी द्वारा ऑपरेशन ब्लू स्टार को दी गई मंजूरी के समान है, जिसकी चर्चा पिछले अध्याय में की गई थी।
स्टैंटन ने अपने कार्यों में निर्णायक रूप से कार्य किया और जब उन्हें युद्ध सचिव नियुक्त किया गया तो उन्होंने सभी टेलीग्राफ लाइनों पर कब्जा कर लिया और प्रेस को सेंसर कर दिया, जनता को जानकारी नियंत्रित की।

यह इंदिरा गांधी के कार्यों के समान है, जब उन्हें राजनीतिक संकट और विरोध का सामना करना पड़ा था।

नाना साहब के रूप में इंदिरा गांधी के पहले से प्रस्तावित पिछले जीवन की समानता स्टैंटन के गुलामी के अंत के समर्थन में भी देखी जा सकती है जो एक स्वतंत्र भारत बनाने के प्रयासों के अनुरूप है। नाना के समय में, उत्पीड़क अंग्रेज थे, जबकि गृहयुद्ध में, गुलाम मालिक उत्पीड़क थे। इस शक्ति का उपयोग करने के संकल्प का स्वभाव नाना साहब में भी मिलता है।

इस बिंदु पर, मैं उस अवलोकन पर जोर देना चाहूंगा
हमारी कार्यप्रणाली आम तौर पर एक जीवन से दूसरे जीवन में नहीं बदलती है।
पिकासो के पुनर्जन्म जैसे चित्र, लॉरेल और हार्डी के पुनर्जन्म को आज भी लोगों को हंसाने में आनंद आता है। इसी प्रकार, राज्य सत्ता के क्षेत्र में काम करने वाली आत्माएं वापस आकर इन भूमिकाओं में काम करना पसंद करती हैं। हालाँकि, हमें यह समझना चाहिए कि कर्म का चक्र भी हिंसा से संचालित होता है, हिंसा का परिणाम केवल हिंसा ही होता है और जो तलवार से जीता है वह भी तलवार से ही मरेगा। दीर्घकालिक, एक-दूसरे के साथ युद्ध करना किसी के भी दीर्घकालिक लक्ष्य में नहीं है। सबसे ज्यादा हिंसा यहीं से आती है

Machine Translated by Google

जीवन कैसे चलता है इसकी अज्ञानता और यह राष्ट्रीयता, नस्ल और नस्ल के संदर्भ में कथित मतभेदों पर आधारित है। ऐनी फ्रैंक जैसे मामले/
बार्ब्रो कार्लेन और इस पुस्तक में शामिल कई अन्य लोग दर्शाते हैं कि हम इन रिश्तों को जीवन-दर-जीवन बदल सकते हैं। साक्ष्य या पुनर्जन्म के अस्तित्व द्वारा लाए गए इस ज्ञान के साथ, आइए हम हिंसा के इस चक्र को समाप्त करें।

यदि ये मामले वैध हैं, तो एडविन स्टैंटन/इंदिरा गांधी, मैरी ऐनी होम्स बूथ/तेजी बच्चन, हरिवंशराय श्रीवास्तव बच्चन/जूनियस ब्रूटस बूथ, और एडविन बूथ/ क्यों थे?

भारत लौटेंगे अमिताभ बच्चन? मेरा मानना है कि गृहयुद्ध के दौरान इन आत्माओं के बीच कर्म बंधन बने थे। बूथ उस समय शेक्सपियर के मुख्य अभिनेता थे और स्टैंटन इस भावनात्मक समय में सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक हस्तियों में से एक थे।

यह स्टैंटन को था कि एडविन बूथ ने अपनी मां की ओर से जॉन के शरीर को वापस करने के लिए लिखा था। इस भौतिक संसार में, हम आलोचनात्मक और क्षमा न करने वाले होते हैं। आध्यात्मिक जगत में, मेरा मानना है कि क्षमा और मेल-मिलाप की जीत होती है।

जीवन के दौरान उत्पन्न भावनाओं के बीज के विरुद्ध, भविष्य के अवतारों के एक समूह के लिए नियति का एक जटिल जाल उभरेगा।

वैसे, खूबसूरत लुसी हेल, जिन्हें जॉन विल्क्स बूथ से प्यार हो गया था और उनकी मृत्यु से कुछ महीने पहले ही उनकी सगाई हुई थी, वर्तमान में उनकी पहचान स्वर्गीय राजीव गांधी की पत्नी सोनिया गांधी के रूप में की गई है। सोनिया के बेटे राहुल गांधी को लुसी के पिता, न्यू हैम्पशायर एबोलिशनिस्ट सीनेटर जॉन पी. हेल के पुनर्जन्म के रूप में पुष्टि की गई है।

आज के फिल्मी दिग्गजों के साथ अमिताभ बच्चन का एक अंतिम पुनर्जन्म संबंध है, जो एडविन बूथ के जीवनकाल से जुड़ा है। इसमें अब्राहम और मैरी लिंकन के बेटे रॉबर्ट टॉड लिंकन शामिल थे। यह घटना लिंकन की हत्या से पहले 1863 या 1864 में घटी थी। रॉबर्ट टॉड लिंकन एक ट्रेन के बगल वाले प्लेटफार्म पर खड़े थे।

Machine Translated by Google

जब ट्रेन अचानक चलने लगी तो रॉबर्ट का संतुलन बिगड़ गया और वह प्लेटफॉर्म से नीचे गिर गया। अचानक, उसकी शर्ट का कॉलर पकड़ लिया गया और तब तक खींचा गया जब तक वह बच नहीं गया।

मददगार एडविन बूथ थे, जिन्हें रॉबर्ट ने तुरंत पहचान लिया और उन्हें धन्यवाद दिया।

अमिताभ बच्चन के पिछले जीवन पर शोध शुरू करने से एक या दो साल पहले, केविन रायर्सन के साथ मेरे सहयोग के दौरान, रॉबर्ट टॉड लिंकन के पुनर्जन्म के बारे में मुझे पता चला था। मैंने अहतुन रे से हॉलीवुड निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग के पिछले जीवन के बारे में पूछा, और अहतुन रे ने कहा कि स्पीलबर्ग अब्राहम लिंकन के सबसे बड़े बेटे, रॉबर्ट टॉड थे। इससे मुझे आश्चर्य हुआ. बाद में मैंने रॉबर्ट टॉड लिंकन और स्टीवन स्पीलबर्ग के बीच मजबूत समानता देखी। हालाँकि इस मैच ने मुझे पहले तो आश्चर्यचकित कर दिया, लेकिन आगे विचार करने पर यह समझ में आया। लिंकन को थिएटर बहुत पसंद था और आज जनता की चेतना को प्रभावित करने का सिनेमा से बेहतर तरीका क्या हो सकता है? स्पीलबर्ग द्वारा बनाई गई सभी सामाजिक रूप से सार्थक फिल्मों के बारे में सोचें।

आगे के शोध और केविन के साथ अतिरिक्त सत्रों के साथ रायर्सन के अनुसार, यह पता चला कि लिंकन के चार बेटे पुनर्जन्म ले चुके थे और हॉलीवुड में सक्रिय थे। दरअसल, मैंने सुना है कि इनमें से दो बेटे लिंकन के बारे में एक फिल्म बनाने पर विचार कर रहे थे।

लिंकन की पत्नी मैरी लिंकन आधुनिक जीवन में खुद एक वकील बन गई हैं और फिल्म निर्माण उद्योग में उनकी भूमिका रही है। ईमानदार इब्राहीम/अबे भी प्रकट हुए

हमारे साथ वापस आओ.

1893 में एडविन बूथ की मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के बाद, जोसेफ जेफरसन ग्रामरसी पार्क में प्लेयर्स क्लब के दूसरे अध्यक्ष बने। 1905 में जेफरसन की मृत्यु हो गई।

लौरा कीन की आत्मा दूसरी ओर एडविन और जोसेफ की प्रतीक्षा कर रही थी, जब 1873 में उनकी मृत्यु हो गई। हम जानते हैं कि ये आत्माएं नई जगहों पर प्रकट हुई हैं। अब पर्दा बंद हो जाएगा, क्योंकि कहानी ख़त्म हो गई है।

Machine Translated by Google

एवर्ट जेन्सन वेन्डेल संग्रह,
हार्वर्ड थियेटर संग्रह,
ह्यूटन लाइब्रेरी

एडविन बूथ

© सुचेता दास/रॉयटर्स/कॉर्बिस

अमिताभ बच्चन

एडविन बूथ विक्टोरियन युग के महानतम शेक्सपियर अभिनेताओं में से एक बन गए। यंग बूथ और बच्चन में गहरी समानता थी। बच्चन को शेक्सपियरियन शैली का एक प्रतिभाशाली अभिनेता बताया गया है।

Machine Translated by Google

हार्वर्ड थियेटर संग्रह, हूटन लाइब्रेरी

मैकमिलियन इंडिया लिमिटेड

मैरी मैकविकर्स

जया बच्चन

एडविन बूथ की मुलाकात मैरी मैकविकर्स से तब हुई जब वह अपने पिता के थिएटर में प्रदर्शन कर रहे थे। एडविन और मैरी ने "रोमियो एंड जूलियट" में मुख्य भूमिकाएँ निभाईं, उन्हें एक-दूसरे से प्यार हो गया और बाद में उन्होंने शादी कर ली।

मैरी का पुनर्जन्म जया बच्चन के रूप में हुआ है।

Machine Translated by Google

एवर्ट जेन्सन वेन्डेल संग्रह,
हार्वर्ड थियेटर संग्रह,
ह्यूटन लाइब्रेरी

मैरी डेवलिन बूथ

रेखा

एडविन बूथ की पहली पत्नी मैरी डेवलिन एक अभिनेत्री थीं, जिनसे उनकी मुलाकात तब हुई थी जब उनकी जोड़ी "रोमियो एंड जूलियट" में मुख्य भूमिका में थी। शादी के दो साल बाद मैरी डेवलिन की मृत्यु हो गई।

Machine Translated by Google

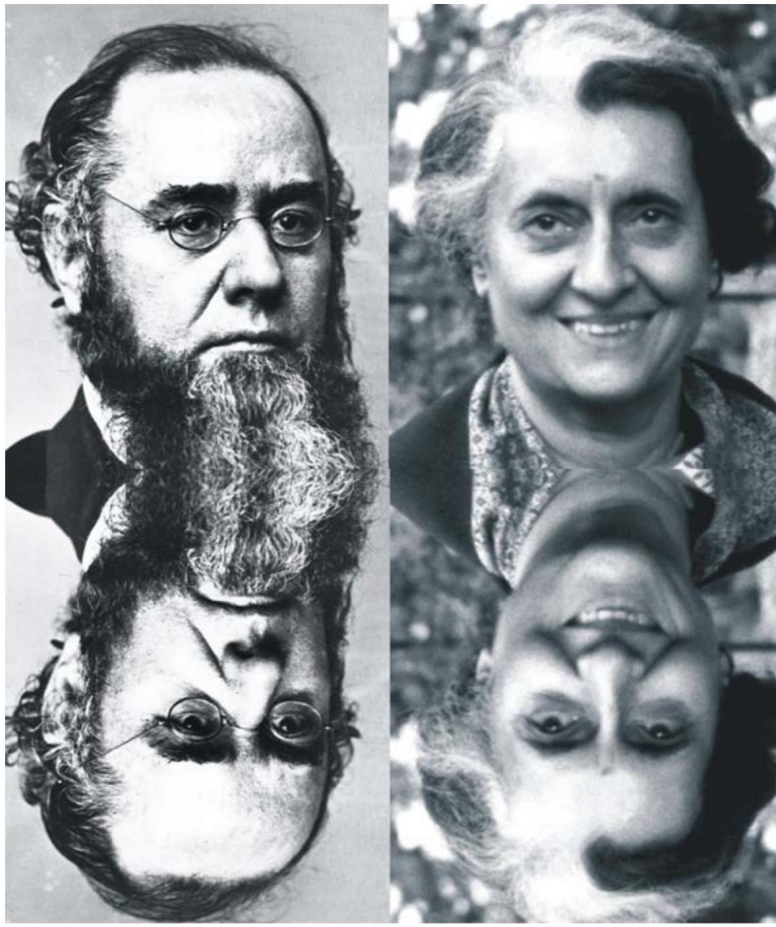

© कॉर्बिस © बेटमैन/कॉर्बिस

एडविन स्टैंटन इंदिरा गांधी

अहतुन रे के अनुसार, इंदिरा गांधी गृह युद्ध के दौरान लिंकन के युद्ध सचिव एडविन स्टैंटन थे।

एडविन के भाई, जॉन विल्क्स बूथ द्वारा लिंकन को गोली मारने के बाद, एडविन स्टैंटन ने कार्यभार संभाला।

जेडब्ल्यू बूथ के मारे जाने के बाद, स्टैंटन ने उसका शव बरामद किया।

Machine Translated by Google

हेल हाउस संग्रहालय
वुडमैन इंस्टीट्यूट, डोवर
न्यू हैम्पशायर

© बेटमैन/कॉर्बिस

लूसी हेल

सोनिया गांधी

लिंकन की हत्या करने से कुछ महीने पहले लुसी हेल की मुलाकात जेडब्ल्यू बूथ से हुई थी और उसकी सगाई भी हो चुकी थी।

उनके पिता, लुसी पी. हेल, गुलामी के उन्मूलन के लिए लड़ने वाले एक अमेरिकी सीनेटर और लिंकन के समर्थक थे। जॉन पी.

हेल का पुनर्जन्म सोनिया गांधी के बेटे राहुल गांधी के रूप में हुआ है।

Machine Translated by Google

23

शिव बाबा और उनका पिछला जीवन

अगस्त्यर और वल्लालर के रूप में;

एडवर्ड डी वेरे के पुनर्जन्म के साथ और

विलियम शेक्सपियर

योग एकता प्राप्त करने का विज्ञान है
दिव्यता या ईश्वर के साथ व्यक्तिगत आत्मा। योग शब्द संस्कृत से आया है जिसका अर्थ है "जोड़ना" या "एकजुट होना"। पश्चिम में बहुत से लोग सोचते हैं कि योग शारीरिक व्यायाम और आसन की एक श्रृंखला है, जो योग का सिर्फ एक अनुशासन है जिसे हठ योग कहा जाता है।

सही मायने में योग का तात्पर्य ईश्वर के साथ एकता की जागरूकता से है। ऐसे संतों की एक वंशावली है जो इस दुनिया में योग, क्रिया योग का एक रूप लाए, जिसकी उत्पत्ति भारत के तमिलनाडु नामक क्षेत्र में हुई, जो बंगाल की खाड़ी पर स्थित है और श्रीलंका के द्वीप राष्ट्र के पास है।

परंपरा कहती है कि पहले संतों या "सिद्धों" में से एक थे
अगस्त्यर, जिन्होंने बाद में बाबाजी को दीक्षा दी, जिन्हें सबसे महान क्रिया योग संत माना जाता है। बाबाजी का जन्म भारत के तमिल क्षेत्र में वर्ष 203 ईस्वी में हुआ था और उनकी शिक्षाएँ पूरे समय में फैली हुई हैं।

अगस्त्यर और बाबाजी के अलावा, 16 अन्य संत हैं जिन्होंने क्रिया योग में निहित सभी ज्ञान में योगदान दिया।
हाल ही में, बाबाजी की शिक्षाओं और क्रिया योग के विज्ञान को परमहंस योगानंद द्वारा लोकप्रिय बनाया गया है, जिन्होंने योगी की आत्मकथा लिखी और सेल्फ रियलाइजेशन फेलोशिप की स्थापना की।

आज, तमिल के जीवित संत या सिद्ध हैं
भारत के जिन क्षेत्रों के लिए पश्चिम की यात्रा भी की है

Machine Translated by Google

क्रिया योग के ज्ञान को साझा करें, जो परमात्मा के साथ एकता प्राप्त करने का विज्ञान है। इस सिद्ध का नाम शिव बाबा है, इन्हें श्री शिव, श्री गुरुजी, गुरुजी और ब्रज़ी के नाम से भी जाना जाता है। शिव बाबा डॉ. वेन डायर के आध्यात्मिक शिक्षक हैं, जिनकी पुस्तक, मेनिफेस्ट योर डेस्टिनी, शिव बाबा की शिक्षाओं पर आधारित है।

वास्तव में, डॉ. डायर ने यह पुस्तक बाबा को "गुरुजी" (महान शिक्षक) के रूप में समर्पित की थी।

निम्नलिखित समीक्षा में, शिव बाबा के कुछ पिछले जीवन पर चर्चा की जाएगी। शिव बाबा ने स्वयं इन पिछले जीवन की पहचानों को स्वीकार किया।
बाबा के संबंध में पुनर्जन्म के मामलों की पुष्टि अहतुन रे ने भी की है। मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि शिव बाबा ने मेरे शोध का समर्थन किया और उन्होंने पुष्टि की है कि मैं जॉन एडम्स का पुनर्जन्म हूं। हम इस विश्वास को साझा करते हैं कि पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य विश्व शांति बनाने में मदद कर सकते हैं।

वास्तव में, शिव बाबा ने कलियुग की घोषणा की है
अंधकार का युग समाप्त हो गया है और चमत्कारों का युग, या सत्य का युग आ गया है। मेरा मानना है कि पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य, जो अब दुनिया में सामने आ रहे हैं, सत्य के इस नए युग को लाने में मदद करेंगे। आइए अब हम अगस्त्यर और रामलिंगम, जिन्हें वल्लालर के नाम से भी जाना जाता है, के रूप में शिव बाबा के पिछले जीवन पर चर्चा करें।

अगस्त्यर/शिव बाबा

परंपरा यह है कि अगस्त्य ने तिब्बती हिमालय में कैलाश पर्वत पर भगवान शिव, भगवान के एक पहलू, से अपनी दीक्षा प्राप्त की। जैसा कि यह महत्वपूर्ण है, अहतुन रे ने यह भी पुष्टि की कि शिव बाबा वर्तमान में भगवान शिव के रूप में जाने जाने वाले भगवान के इस पहलू के साथ अपनी चेतना को एकजुट करने की प्रक्रिया में हैं। इसके बाद अगस्त्य ने कैलाश पर्वत से दक्षिण भारत के तमिल क्षेत्र की यात्रा की।

तमिल के कोर्ट्रलम शहर में, अगस्त्यर ने बाबाजी को दीक्षा दी, जिनका जन्म वर्ष, हम ध्यान दें, 203 ईस्वी है।

Machine Translated by Google

अगस्त्यर को भारत के सबसे प्रसिद्ध संतों में से एक माना जाता है। वह एक गतिशील व्यक्ति हैं.

अपनी पुस्तक, बाबाजी और 18 सिद्ध योगी परंपरा में, एम. गोविंदन बताते हैं कि अगस्त्यर, "हालांकि ऊंचाई 5 फीट से कम थी, ... एक प्रसिद्ध सेनानी, शिकारी और तीरंदाज था, जिसने अपने बर्बर दुश्मनों पर विजय प्राप्त की, और प्राचीन में हरक्यूलिस की तरह खाने-पीने के मामले में ग्रीस का कोई मुकाबला नहीं था।"

अगस्त्य के जीवन का वर्णन महाकाव्य महाभारत में किया गया है। शिव बाबा अगस्त्यर से इस मायने में भिन्न थे कि वे अब महान शिकारी, खाने वाले या पीने वाले नहीं थे।

दूसरी ओर, समस्त जीवन के प्रति प्रेम उनका सबसे बड़ा गुण है। हालाँकि, अगस्त्यर और शिव बाबा के बीच कुछ दिलचस्प समानताएँ हैं। आइए इसकी जांच करें
बाहर।

भाषा/साहित्य में रुचि

अगस्त्यर को तमिल भाषा का जनक माना जाता है, जिसे तमिल व्याकरण पर उनके काम में दिखाया गया है, जिसमें भाषा के सिद्धांतों पर 12,000 कथन हैं।

शिव बाबा, जिनका धर्मनिरपेक्ष नाम भास्करन पिल्लई है, ने अपनी औपचारिक शिक्षा भारत के मदुरै विश्वविद्यालय में प्राप्त की, जहाँ वे एक रिसर्च फेलो थे और अंग्रेजी साहित्य में मास्टर डिग्री हासिल की, साथ ही तुलनात्मक साहित्य में मास्टर ऑफ लेटर्स की डिग्री भी हासिल की।

प्राचीन इतिहास, धर्म का इतिहास, धर्मशास्त्र, आदि में रुचि
ध्यान

अगस्त्यर ने कैंडा पूरनम लिखा, जो प्राचीन इतिहास पर एक कृति है जिसमें 1,000 से अधिक छंद हैं। उन्होंने धर्म और धर्मशास्त्र पर कई किताबें भी लिखीं, जिनमें कैलिकियानम,

पूर्णा सूत्रु, और अगस्त्यार डुंडाकुम नूरू। अगस्त्य ध्यान में भी निपुण थे और जैसा कि वर्णित है, उन्हें कैलाश पर्वत पर ज्ञान प्राप्त हुआ था
तिब्बती पर्वतों में.

शिव बाबा ने अपनी पीएच.डी. प्राप्त की। विश्वविद्यालय में धार्मिक अध्ययन में
पिट्सबर्ग. फिर वह समन्वयक के रूप में कार्य करता है

Machine Translated by Google

एशियाई अध्ययन कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय अध्ययन, और बौद्ध ध्यान सिखाता है। शिव बाबा को संयुक्त राष्ट्र में विश्व धर्म सम्मेलन में हिंदू धर्म पर एक वक्ता के रूप में भी आमंत्रित किया गया था और उन्होंने हिंदू धर्म विश्वकोश के संपादक के रूप में भी काम किया था।

शिव बाबा एक ध्यान गुरु हैं और उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया है।

धार्मिक समारोहों और अनुष्ठानों में रुचि

अगस्त्यर ने दीक्षावेदी लिखी, जो तंत्र-मंत्र, जादू और प्रार्थना माला के उपयोग से संबंधित एक कृति है।

शिव बाबा अपने छात्रों को "असाधारण रूप से सुंदर जीवन जीने" की चुनौती देते हैं, और उन्हें अपनी इच्छाओं को पूरा करना सिखाते हैं।
बेशक, यह प्रक्रिया वेन डायर की पुस्तक, मेनिफेस्ट योर डेस्टिनी में पूरे संदेश में सन्निहित है, जिसे उन्होंने बाबा को समर्पित किया है। शिव बाबा को विभिन्न प्रकार के अनुष्ठानों में रुचि है।

मुझे हाल ही में एक वैज्ञानिक एहसास हुआ कि अनुष्ठान कैसे काम कर सकते हैं। बड़ी संख्या में शोध अध्ययनों के मेटा-विश्लेषणों ने लोगों की यादृच्छिक संख्या पीढ़ी के परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। दूसरे शब्दों में, जब लोग अपना ध्यान यादृच्छिक संख्या जनरेटर मशीनों पर केंद्रित करते हैं और यह प्रभावित करने का प्रयास करते हैं कि क्या ये मशीनें अधिक 1 या 0 उत्पन्न करती हैं, तो यह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो गया है कि लोग वास्तव में इस यांत्रिक और विद्युत प्रक्रिया के परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। इन प्रयोगों से पता चलता है कि इच्छाशक्ति वास्तव में भौतिक दुनिया को प्रभावित कर सकती है। इस प्रकाश में, हम अनुष्ठान को एक शारीरिक गतिविधि के रूप में देख सकते हैं जो वांछित परिणाम प्राप्त करने के उद्देश्य से इच्छाशक्ति को ठोस तरीके से केंद्रित करता है।

चिकित्सा, औषध विज्ञान और वनस्पति विज्ञान में रुचि

अगस्त्यर ने चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, फार्मेसी और विभिन्न रोगों के उपचार में पौधों और जड़ी-बूटियों के उपयोग पर कई किताबें लिखीं।
इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उन्हें हिप्पोक्रेट्स माना जाता है
तमिल क्षेत्र.

Machine Translated by Google

पिछले दो दशकों से, शिव बाबा उपचार के लिए औषधीय पौधों के अनुसंधान और उपयोग में शामिल रहे हैं, और एक वेबसाइट के माध्यम से दुनिया भर में सभी औषधीय पौधों को उपलब्ध कराने की योजना बना रहे हैं, जिसे वह प्रबंधित करेंगे। बाबा ने सिद्ध चिकित्सा पर कई सम्मेलनों को प्रायोजित किया है

और वह एड्स पीड़ितों को बेहतर स्वास्थ्य का आनंद लेने में मदद करने के लिए सेमिनार आयोजित करता है।

विज्ञान में रुचि

अगस्त्यर ने चिकित्सा, रसायन विज्ञान और खगोल विज्ञान सहित विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर सैकड़ों किताबें लिखीं।

शिव बाबा की सबसे प्रसिद्ध आकांक्षाओं में से एक आध्यात्मिकता और विज्ञान को जोड़ना है। उन्हें न्यूरोसाइकोलॉजी में प्रशिक्षित किया गया है, जिसका उपयोग वे योगी और तांत्रिक ज्ञान की व्याख्या करने के लिए करते हैं क्योंकि यह मनोविज्ञान से मन और शरीर के बीच एक कड़ी के रूप में संबंधित है। जिस प्रकार अगस्त्य की रुचि खगोल विज्ञान में थी, उसी प्रकार बाबा वैदिक ज्योतिष के विशेषज्ञ थे। शिव बाबा ने कई विश्वविद्यालय सम्मेलनों में भाग लिया है और उन्हें नोबेल पुरस्कार विजेताओं के साथ पैनल चर्चा में शामिल किया गया है, जिसमें प्रिंसटन के यूजीन विग्नर भी शामिल हैं, जिन्होंने भौतिकी में नोबेल पुरस्कार जीता था।

नेतृत्व गुणवत्ता समानताएँ

अगस्त्यर भारत में तमिलों के एक क्षेत्रीय नेता थे और उन्हें एक बहादुर योद्धा के रूप में वर्णित किया गया था, जिन्होंने आक्रमणकारियों से अपने लोगों की रक्षा की थी। उन्हें पहला तमिल सिद्ध भी माना जाता है, जिन्होंने क्रिया योग परंपरा की स्थापना में मदद की।

अपने आध्यात्मिक पहलू के अलावा, शिव बाबा व्यवसाय विकास और नेतृत्व कौशल पर अग्रणी उद्योग मालिकों के सलाहकार के रूप में भी कार्य करते हैं।

वह न्यूयॉर्क शहर में एक कंप्यूटर कंपनी के प्रमुख हैं और उन्होंने त्रिपुत्र फाउंडेशन की स्थापना की है, जिसका मिशन दुनिया भर में भूख मिटाने में मदद करना है। वर्तमान में, त्रिपुत्र फाउंडेशन भारत में हर दिन 1,500 लोगों को खाना खिलाता है।

Machine Translated by Google

कुल मिलाकर, हम देख सकते हैं कि अगस्त्यर और शिव बाबा बहुत कुछ साझा करते हैं
समान लक्षण. हालाँकि अगस्त्यर की सटीक छवियां उपलब्ध नहीं हैं, अहतुन रे द्वारा शिव बाबा को अगस्त्यर के पुनर्जन्म के रूप में पुष्टि की गई है।

रामलिंगम/वल्लालर

आइए अब हम रामलिंगम, जिन्हें वल्लालर के नाम से भी जाना जाता है, के शिव बाबा के एक और बहुत ही दिलचस्प पिछले जीवन की जाँच करें।

रामलिंगम दक्षिण भारत में सबसे लोकप्रिय सिद्धों में से एक हैं। उनमें दैवीय परिवर्तन हुआ और उन्होंने इस उपलब्धि का वर्णन करते हुए 40,000 छंद लिखे। हर दिन लाखों स्कूली बच्चे रामलिंगम की लिखी कविताएँ गाते हैं।

रामलिंगम का जन्म 5 अक्टूबर, 1823 को तमिल गांव मारुदुर में हुआ था। उनके परिवार का नाम पिल्लई है।
5 महीने की उम्र में, रामलिंगम को शुद्धिकरण के लिए एक हिंदू मंदिर में ले जाया गया।

समारोह के दौरान, मंदिर में पवित्रता का माहौल इतना उज्ज्वल हो गया कि मुख्य पुजारी रामलिंगम के पास भागे और घोषणा की कि वह भगवान की संतान हैं।

रामलिंगम एक प्रतिभाशाली बालक थे और 5 वर्ष की उम्र में उन्होंने
एक शिक्षक से कुछ शिक्षा प्राप्त करने के बाद, उन्होंने ईश्वर की स्तुति करते हुए आनंददायक कविताएँ लिखना शुरू कर दिया।
नौ साल की उम्र में, 9 पिल्लई स्ट्रीट, मद्रास, भारत में अपने पारिवारिक घर में, रामलिंगम ने स्टेशनरी एकत्र की और खुद को अपने कमरे में बंद कर लिया। बाद में उन्होंने वह लिखा जिसे "स्तोत्र और भजनों की लहर" के रूप में जाना जाता है।

12 साल की उम्र में उनके भाई, जो एक धार्मिक शिक्षक हैं, ने पूछा
बीमारी के कारण रामलिंगम उनकी जगह लेंगे।
मण्डली इस छोटे लड़के की शिक्षा से इतनी प्रभावित हुई कि उन्होंने व्याख्यान की श्रृंखला को पूरा करने के लिए रामलिंगम को चुना।
अपने विकास के वर्षों के दौरान, उन्होंने "पवित्र अनुग्रह के अवतरण" की लालसा करते हुए कविताएँ लिखना जारी रखा।

1846 में जब रामलिंगम 26 वर्ष के हुए, तब तक उन्होंने छात्रों को आकर्षित करना शुरू कर दिया था। उस समय वेलायुथा मुदालियर नाम का एक छात्र शिष्य बन गया

Machine Translated by Google

प्रिंसिपल, जिसने अगले 25 वर्षों तक रामलिंगम के जीवन का दस्तावेजीकरण किया।

1860 में, 37 वर्ष की आयु में, रामलिंगम वडालुर चले गये
गाँव और गरीबों को खाना खिलाने के लिए घर बनाया। 3 दिन तक चले इसके उद्घाटन समारोह में करीब 10,000 लोगों को खाना खिलाया गया. रामलिंगम सभी प्राणियों के प्रति दया सिखाते हैं, जानवरों की हत्या की निंदा करते हैं और कई लोगों को शाकाहार में परिवर्तित करते हैं।

रामलिंगम ने अपने कई आध्यात्मिक छंदों की रचना रात में की।
उनके मुख्य शिष्य, वेलायुथा मुदालियर, भगवान के लिए अपनी कविताओं को प्रकाशित करने के लिए रामलिंगम से आशीर्वाद मांगने में कामयाब रहे, जो 1867 में द डिवाइन सॉन्ग ऑफ ग्रेस शीर्षक के तहत प्रकाशित हुए थे।
काव्यात्मक रूप में लिखे गए दिव्य गीत में, रामलिंगम ईश्वर और आत्मा के गुणों के साथ-साथ उनके द्वारा किए गए आध्यात्मिक परिवर्तनों का भी वर्णन करते हैं।

क्योंकि रामलिंगम आध्यात्मिक रूप से विकसित हो गए हैं, उनके भौतिक शरीर का रंग सुनहरा है, क्योंकि उन्होंने "प्रेम का शरीर" विकसित कर लिया है। जैसे-जैसे उन्होंने ईश्वर की स्तुति करना जारी रखा, तब उन्होंने "प्रकाश का शरीर" विकसित किया। इस बिंदु पर, उसके भौतिक शरीर को अब स्पर्श से महसूस नहीं किया जा सकता था और इसके अलावा, प्रकाश के इस शरीर की कोई छाया नहीं थी। इस परिवर्तन के साथ, रामलिंगम भगवान के साथ एक हो गए हैं।

न केवल रामलिंगम का हल्का शरीर स्पर्श करने योग्य नहीं है,
इसे फोटोग्राफ द्वारा भी कैद नहीं किया गया है। रामलिंगम के शिष्यों ने रामलिंगम की आकृति और उनके हल्के शरीर को कैद करने के लिए मद्रास के एक प्रसिद्ध फोटोग्राफर, मैसिलमनी मुदालियर को बुलाया था। मासिलामनी मुदालियर ने 8 अलग-अलग मौकों पर रामलिंगम की तस्वीर लेने की कोशिश की, लेकिन तस्वीरों में केवल रामलिंगम के कपड़े ही दिखे। उनका शव कैमरे में कैद नहीं हुआ. इस अवधि के दौरान, रामलिंगम ने अपनी टेलीपैथिक, चमत्कारी और उपचार क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

1870 में, रामलिंगम वडालुर से तीन मील दक्षिण में मेट्टुकुप्पम नामक शहर में एक छोटी सी झोपड़ी में रहने चले गये। यह कुटिया आज भी विद्यमान है। मेट्टुकुप्पम में, रामलिंगम ने अपने शिष्यों को एक मंदिर बनाने का आदेश दिया, जिसके केंद्र में एक वर्ग था

Machine Translated by Google

1.5 मीटर ऊँचा कांच, जिसमें आग जल रही हो। बॉक्स आत्मा का प्रतिनिधित्व करता है, जो ईश्वर या प्रेम के सर्वोच्च प्रकाश के साथ एक है।

इस अवधि के दौरान, रामलिंगम ने बारी-बारी से एकांत में समय बिताया या "सार्वभौमिक आध्यात्मिक सभाओं" में व्याख्यान दिया, जैसा कि एम. गोविंदम ने बाबाजी और 18 सिद्ध क्रिया योग परंपरा में वर्णित किया है। थियोसोफिकल सोसायटी की संस्थापक मेरी मैडम एचपी ब्लावट्स इसी दौरान पहली बार रामलिंगम से परिचित हुईं और उनसे इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने लिखा कि रामलिंगम थियोसोफिकल सोसायटी के नेता के लिए एक मजबूत उम्मीदवार थे।

30 जनवरी, 1874 को, 50 वर्ष की आयु में, रामलिंगम ने ईश्वर में विलीन होने और भौतिक क्षेत्र छोड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने शिष्यों को एक बयान लिखा, "प्रिय शिष्यों, मैं कुछ समय के लिए आपकी दृष्टि से दूर रहूँगा...

मैं अब इस शरीर में हूं और कुछ ही क्षणों में मैं उनके बनाए सभी शरीरों में प्रवेश कर जाऊंगा।

दरवाज़ा बंद कर दो और बाहर से ताला लगा दो। वह कमरा, अगर खोला गया, तो खाली होगा।

रामलिंगम ने मेट्टुकुप्पम में अपनी झोपड़ी के कमरे में प्रवेश किया

फिर दरवाज़ा बंद कर दिया गया. उनके शिष्य झोपड़ी में ही रहे, लेकिन उस कमरे के बाहर जहां रामलिंगम एकांतवास में थे। उस देर रात, जब उनके शिष्य पाठ कर रहे थे, "सर्वोच्च प्रकाश का प्यार, हमारे पास आओ", एक चमत्कार हुआ। एम. गोविंदन ने घटना का जिक्र करते हुए कहा, "अचानक, रामलिंगम के कमरे से बैंगनी रोशनी की एक चमक निकली, जो रामलिंगम के "उनके सभी निर्मित निकायों" में एकीकरण का संकेत दे रही थी।

क्योंकि, बाद में जब कमरा खोला गया तो वह खाली निकला।
रामलिंगम बिना किसी सुराग के गायब हो गए हैं।"

रामलिंगम के लापता होने की पुलिस रिपोर्ट मिलने के बाद, ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारियों ने गहन जांच की। ग्रामीणों से पूछताछ की गई और अधिकारियों द्वारा झोपड़ी का सावधानीपूर्वक निरीक्षण किया गया। एम।

गोविंदन ने लिखा, "अपने संदेह का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं मिलने पर, उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि रामलिंगम एक महान आत्मा थे जो खाली हवा में गायब हो गए थे।" 1878 में प्रकाशित आधिकारिक पुस्तक में रामलिंगम के लापता होने का मामला दर्ज किया गया था

Machine Translated by Google

इंग्लैंड, दक्षिण आरकोट जिले का मैनुअल।

रामलिंगम ने अपने परिवर्तनों और लेखन के कई वृत्तांत छोड़े।
वह बताते हैं कि तमिल संत मणिकावाकर ने अपनी उपलब्धि हासिल की थी
7वीं शताब्दी ई. में, अपने सामने एक हल्के शरीर में परिवर्तन।

ध्यान देने योग्य बात यह है कि शिव बाबा यह भी कहते हैं कि वह मणिकावकाकर का पुनर्जन्म हैं, जो पिछले जीवन की पहचान है, जिसकी पुष्टि अहतुन रे ने भी की है। अपने व्याख्यानों में, बाबा कहते हैं कि उन्हें याद है कि प्रकाश में कैसे परिवर्तित होना है, जैसा कि उन्होंने तब किया था जब वे मणिकावाकर और रामलिंगम बने थे।

अगस्त्यर, रामलिंगम और शिव बाबा के समान लक्षण

आइए अब हम शिव बाबा की जीवन श्रृंखला में देखे गए सामान्य पैटर्न, साथ ही इन मामलों में दर्शाए गए पुनर्जन्म के सिद्धांतों की जांच करें।

बाल जादू और पुनर्जन्म, प्रारंभिक आयु से आध्यात्मिक अध्ययन

सबसे पहले, हम देखते हैं कि पुनर्जन्म की व्याख्या में बाल विलक्षणता की घटना, जिसकी चर्चा पिछले अध्यायों में की गई है, को कैसे समझा जा सकता है। रामलिंगम जब केवल 5 महीने के थे, तब उन्हें एक हिंदू पुजारी ने भगवान के बच्चे के रूप में पहचान लिया था। रामलिंगम ने 6 साल की उम्र में भगवान के लिए छंद लिखना शुरू कर दिया था और 12 साल की उम्र में मण्डली को धर्म सिखाने में सक्षम थे। बचपन से रामलिंगम की आध्यात्मिक प्रतिभा को उनके पिछले जीवन में अगस्त्यर और मणिकावाकर के रूप में ध्यान की महारत के प्रतिबिंब के रूप में देखा जा सकता है। .

इस वर्तमान जीवन में, शिव बाबा ने वही प्रवृत्तियाँ दिखाई हैं। के तौर पर
बालक, उन्होंने अपना अधिकांश समय मंदिर के अंदर, रामेश्वरम द्वीप पर बिताया, जहाँ वे बड़े हुए थे। शिव बाबा का उपनाम पिल्लई, रामलिंगम के समान ही है। रामलिंगम की तरह, शिव बाबा भी बहुत कम उम्र से आध्यात्मिक अध्ययन में डूबे रहे, उन्होंने ज्ञान प्राप्त किया और कई लोगों के शिक्षक रहे।

Machine Translated by Google

नींद की कम जरूरत, रात में काम

रामलिंगम सोने के बजाय रात में भगवान के लिए अपने छंद लिखना पसंद करते थे।

शिव बाबा को अपनी आध्यात्मिक गतिविधियाँ रात में भी करना पसंद है
बताते हैं कि उन्हें अक्सर कई-कई दिनों तक नींद नहीं आती।

गरीबों को खाना खिलाना

रामलिंगम ने गरीबों को खाना खिलाने के लिए एक घर बनाया और इसके उद्घाटन के समय 10,000 लोगों को 3 दिनों तक खाना खिलाया गया।

इसी तरह, बाबा श्री शिव ने त्रिपुत्र फाउंडेशन की स्थापना की है,
जो भारत में हर दिन 1,500 लोगों को खाना खिलाती है।

हल्का शारीरिक विकास

रामलिंगम ने प्रकाश का शरीर विकसित कर लिया था, जैसा कि उन्होंने अपने पिछले जीवन में मणिकावाकर के रूप में किया था।

शिव बाबा कहते हैं कि उन्हें याद है कि यह परिवर्तन कैसे करना है।

हालाँकि, हममें से अधिकांश की उपलब्धियाँ इतनी महान नहीं हैं, शिव बाबा की मणिकावाकर और रामलिंगम जैसे अपने जीवनकाल में प्रकाश के पिंड बनाने की क्षमता एक ऐसी घटना का प्रतिनिधित्व करती है जो हम सभी पर लागू होती है। अर्थात्, पूरे अवतार में, हम समान शक्तियों, प्रतिभाओं और कमजोरियों का प्रदर्शन करते हैं; हम ऊर्जाओं की एक सुसंगत श्रृंखला प्रतीत होते हैं।

जब हमें आत्मा के रूप में बनाया गया था, तो ऐसा लगता था मानो हमें एक रंग दिया गया था, जिसके द्वारा हमें कुछ गुण दिए गए थे, जो कई जन्मों तक बने रहे। यदि कोई अत्यंत आक्रामक ऊर्जा से युक्त है, जिसका प्रतीक संभवतः लाल रंग है, जबकि उच्च बुद्धि का प्रतीक पीला रंग है, तो हम

Machine Translated by Google

कई अवतारों में बौद्धिक रूप से आक्रामक होने की प्रवृत्ति होगी। यदि हम प्रचुर मात्रा में भावनाओं के साथ निर्मित हुए हैं, जिसका प्रतीक नीला रंग है, तो हम बाद के कई जन्मों में संवेदनशील और प्रेमपूर्ण रहेंगे।

यदि कोई व्यक्ति ऊर्जा के एक पैटर्न या विशिष्टता के साथ बनाया गया है जो अनुकूल है ईश्वर के साथ मिलन के लिए, तो वह व्यक्ति कई जन्मों में एक रहस्यवादी, पुजारी या शिक्षक बन जाएगा। बाद के जीवनकालों के दौरान, हम अपने मूल या अद्वितीय ऊर्जा स्पेक्ट्रम का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करना सीखकर प्रगति करते हैं।

इसके अलावा, एक अत्यधिक विकसित आत्मा के रूप में, मैं सुझाव देना चाहूंगा कि शिव बाबा के पास ऊर्जाओं का एक स्पेक्ट्रम है जो सृजन के रहस्यों का अनुभव करने और इस जीवन और पिछले जीवन दोनों में प्रकाश से शरीर बनाने की उनकी क्षमता में सहायता करता है। रामलिंगम का प्रकाश में परिवर्तन

दो पुस्तकों में गहराई से शोध और दस्तावेजीकरण किया गया है

आर तुलसीराम द्वारा लिखित, अरुत पेरुम जोथी और डेथलेस बॉडी शीर्षक से, मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित। 1980 में प्रकाशित इन दोनों पुस्तकों में 1800 हैं

पन्ने.

शिव बाबा ने मुझे ये दो दुर्लभ पुस्तकें दी हैं, और यह विरासत पाकर मैं बहुत सम्मानित और आभारी महसूस कर रहा हूँ।

अंत में, मैं तर्क दूंगा कि शिव बाबा अपने पिछले अवतारों की तरह ही एक जीवित तमिल संत हैं। उनसे बातचीत में बाबा ने कहा कि हमारा एक साझा लक्ष्य है, एक वैश्विक आध्यात्मिकता लोकतंत्र बनाने में मदद करना, जहां सभी लोग समान और एकजुट हों; जिसमें परस्पर विरोधी धार्मिक सिद्धांतों के कारण होने वाले मतभेदों को दूर कर दिया गया है।

पुनर्जन्म के मामले

एडवर्ड डी वेरे और विलियम शेक्सपियर

Machine Translated by Google

शिव बाबा का विलियम शेक्सपियर के साथ हमेशा गहरा रिश्ता रहा है, जो शिव बाबा और अगस्त्यर के साहित्य और भाषा के प्रति प्रेम के अनुरूप है। इंग्लैंड में रहने के दौरान बाबा शेक्सपियर की कब्र पर भी गए, जहां उन्हें गहरे भावनात्मक अनुभव हुए।

मेरी राय में, यह संबंध इसलिए उत्पन्न होता है, क्योंकि पिछले अवतार में शिव बाबा और विलियम शेक्सपियर का जीवन घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ था। केविन रायर्सन के साथ मेरे सहयोग से, शिव बाबा को ऑक्सफोर्ड के 17वें अर्ल, एडवर्ड डी वेरे के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना जाता है, जिन्हें कुछ लोग विलियम शेक्सपियर के कई नाटकों का सच्चा लेखक मानते हैं।

मुझे कहना होगा कि शिव बाबा को स्वयं लगा कि वह शेक्सपियर हो सकते हैं। यदि अहतुन रे सही है, तो यह एक "सांकेतिक जुड़ाव" का प्रतिनिधित्व करेगा, जहां दो आत्माओं का जीवन पिछले जन्मों में एक साथ जुड़ा हुआ है और एक दूसरे से अलग करना मुश्किल है।

आइए इस अनिश्चितता को पीछे छोड़ें और एडवर्ड डी वेरे, विलियम शेक्सपियर के जीवन और ब्रिटेन के महानतम मंच व्यक्तित्व के संभावित वर्तमान अवतारों को देखें।

एडवर्ड डी वेरे का जन्म 1550 में हुआ था और उनकी मृत्यु 1604 में हुई थी, जबकि शेक्सपियर का जन्म 1564 में हुआ था और उनकी मृत्यु 1616 में हुई थी। इसलिए, शेक्सपियर के जन्म के समय डी वेरे 14 वर्ष के थे और वे 40 वर्षों की अवधि तक एक साथ रहे। जिस समयावधि में डे वेरे और शेक्सपियर को बातचीत करने का सबसे अधिक अवसर मिला वह 1585-1604 के बीच था, वह समय था जब शेक्सपियर लंदन में डे वेरे के घर पर एक अभिनेता और नाटककार थे।

एडवर्ड डी वेरे और शेक्सपियर को उनके साथियों द्वारा उत्कृष्ट नाटककार माना जाता था। जब 1598 में फ्रांसिस मेरेज़ ने अपना पल्लाडिस टैमिया: विट्स ट्रेजरी, ग्रीक, लैटिन और इतालवी कवियों के साथ हमारे अंग्रेजी कवियों का एक तुलनात्मक प्रवचन प्रकाशित किया, तो शेक्सपियर और एडवर्ड डी वेरे को इंग्लैंड के महानतम लेखकों के रूप में उद्धृत किया गया। मेर्स ने, विशेष रूप से, डी वेरे की कॉमेडी की प्रशंसा की, जबकि शेक्सपियर को उनके नाटकों के लिए प्रशंसा मिली।

आइए ऑक्सफोर्ड के 17वें अर्ल के रूप में एडवर्ड डी वेरे के जीवन पर एक नज़र डालें। जब वह छोटा था, एडवर्ड एक बच्चे के रूप में बड़ा हुआ

Machine Translated by Google

अदालत में परवरिश, क्योंकि जब वह बच्चा था तभी उसके पिता की मृत्यु हो गई थी।
एडवर्ड एक पालक बच्चे के रूप में महल में रहता था और जब तक वह 21 वर्ष का नहीं हो गया, तब तक भूमि का प्रबंधन राज्य द्वारा किया जाता था। डी वेरे ने ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज से मास्टर ऑफ आर्ट्स की डिग्री प्राप्त की। फिर जब वह 25 वर्ष के थे, तो वह यूरोपीय दौरे पर गए, इटली, जर्मनी और फ्रांस का दौरा किया। डी वेरे विशेष रूप से इटली के शौकीन थे और इतालवी में धाराप्रवाह इंग्लैंड लौटने के बाद, उन्हें "इटली का अर्ल" उपनाम दिया गया था।

30 साल की अवधि में कई प्रतिष्ठित साहित्यिक विद्वानों द्वारा डी वेरे को अदालत में सबसे बेहतरीन कवियों में से एक माना गया था। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, डे वेरे ने नाटक भी लिखे, हालाँकि उनमें से कोई भी आज तक जीवित नहीं है। डी वेरे ने दो थिएटर कंपनियों, ऑक्सफ़ोर्ड बॉयज़ और ऑक्सफ़ोर्ड मेन को प्रायोजित किया।

ऐसा प्रतीत होता है कि डी वेरे ने दर्शन, धर्म, चिकित्सा और साहित्य में भी छात्रों को प्रायोजित किया है। इन विषयों पर कई पुस्तकें उन्हें समर्पित थीं। कला और साहित्य के लिए उनका वित्तीय समर्थन अत्यधिक हो सकता है, क्योंकि डे वेरे को अपनी ज़मीनें बेचनी पड़ीं, और 1586 में उन्हें अपने जीवन के लिए शाही पेंशन प्राप्त हुई। डी वेरे ने 1580 के दशक में सेना में दो बार सेवा की। उनकी मृत्यु 1604 में, शेक्सपियर के गृहनगर, लंदन के ठीक बाहर, स्ट्रैटफ़ोर्ड में हुई।

ऑक्सफोर्ड के अर्ल एडवर्ड डी वेरे में नई रुचि 1920 में पैदा हुई, जब जे. थॉमस लूनी ने एक किताब लिखी जिसमें उन्होंने कहा कि डी वेरे शेक्सपियर के नाटकों के सच्चे लेखक थे। इस बयान को लेकर आज भी विवाद जारी है. हालाँकि, बहुमत का मानना है कि शेक्सपियर ने कम से कम अपने अधिकांश नाटक स्वयं लिखे। यह कल्पना करना दिलचस्प है कि इन दोनों लोगों के बीच वास्तव में क्या संबंध था, यह देखते हुए कि शिव बाबा, जो डी वेरे के पुनर्जन्म थे, स्ट्रैटफ़ोर्ड (शेक्सपियर) के कवि के इतने करीब महसूस करते थे और शेक्सपियर की कब्र पर बहुत भावुक महसूस करते थे।

विलियम शेक्सपियर का पुनर्जन्म

मैं शिव बाबा की तरह ध्यान में निपुण नहीं हूँ,

Machine Translated by Google

मेरे पास उरी गेलर की तरह मनोवैज्ञानिक क्षमताएं भी नहीं हैं, और हालांकि मैं आभा नहीं देख सकता, मुझे कभी-कभी सहज, टेलीपैथिक, संदेश मिलते हैं जो निष्कर्ष की ओर ले जाते हैं। जॉर्ज डब्लू. बुश, बिल क्लिंटन और अल गोर के पुनर्जन्म के सभी मामलों को शुरू में सहज संदेशों द्वारा हल किया गया था, जिसमें मुझे बताया गया था कि इन पात्रों के पिछले जीवन की पहचान को कहां देखना है। उस टेलीपैथिक संदेश को याद करें जो मुझे तब मिला था जब मैं अपने मित्र इगोर की रसोई में था, जिससे बाद में पता चला कि वह नींद में फ्रेंच बोलता था। चूँकि इगोर ने कभी फ्रेंच का अध्ययन नहीं किया, यह ज़ेनोग्लॉसी के एक रूप का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें यह सोचा जाता है कि भाषा कौशल पिछले जन्मों से प्राप्त किए जाते हैं।

मुझे एक सहज संदेश भी मिला जिससे विलियम शेक्सपियर के वर्तमान जीवन की पहचान हुई। कृपया ध्यान रखें कि हमने कई मामलों की समीक्षा की है, जिनमें डॉ. द्वारा स्वतंत्र रूप से अध्ययन किए गए मामले भी शामिल हैं। वर्जीनिया विश्वविद्यालय में इयान स्टीवेन्सन ने दिखाया कि लोग पिछले जीवन की मृत्यु के कुछ दिनों से लेकर दशकों तक बहुत जल्दी पुनर्जन्म ले सकते हैं।

इसलिए, यह निश्चित रूप से उम्मीद की जानी चाहिए कि विलियम शेक्सपियर ने 1616 में अपनी मृत्यु के बाद से कई जीवन जीए होंगे। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि इन समयों में उनका अवतार हुआ होगा।

शेक्सपियर आज के जीवन की एक पहचान कैसे बन सकते हैं वह इस प्रकार है। नवंबर 2005 में, मैं एक क्लिनिक में डॉक्टर के रूप में अपना काम कर रहा था और काम के दौरान घायल हुए कर्मचारियों का इलाज कर रहा था। एक नाटक में अभिनय के दौरान एक अभिनेता एक बड़ी खदान में गिर गया और उसकी पसलियों में चोट लग गई। वह इलाज के लिए हमारे क्लिनिक में आये. जैसे ही यह अभिनेता मेरे कार्यालय में आया और बोलना शुरू किया, मुझे एक टेलीपैथिक, सहज ज्ञान युक्त संदेश मिला जो मेरे बाहर से आया हुआ प्रतीत हुआ, "वह आपको शेक्सपियर की वर्तमान पहचान बताएगा।"

मैं इस संदेश से बहुत आश्चर्यचकित था, उतना ही आश्चर्यचकित भी

Machine Translated by Google

समय पर मुझे इगोर की रसोई में संदेश मिलता है। इसका एक कारण यह है कि मैंने पहले कभी शेक्सपियर के अवतारों की जांच के बारे में नहीं सोचा था और जब अभिनेता आए तो मैं निश्चित रूप से इस बारे में नहीं सोच रहा था। इसके अलावा, मैं उसी प्लेग्रुप के अन्य घायल अभिनेताओं का इलाज करता था और शेक्सपियर के वर्तमान के बारे में सोचा था -दिन में पहचान सामने नहीं आई। अंत में, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, जिस बात ने मुझे वास्तव में प्रभावित किया वह यह थी कि यह अंतर्ज्ञान मेरे बाहर से आया था, जिसका अर्थ है कि इसकी टेलीपैथिक प्रकृति है।

बेशक, यह जल्द ही पता चल गया, यह अभिनेता विलियम शेक्सपियर का बहुत बड़ा प्रशंसक था और उनके एक नाटक को करते समय उसे चोट लग गई थी। शेक्सपियर की कविता की कालजयी प्रकृति का वर्णन करते हुए इस अभिनेता ने मुझसे कहा, "400 वर्षों के बाद भी और कौन उद्धृत किया जा रहा है?" जैसे ही उन्होंने इस महान नाटककार पर अपना एकालाप जारी रखा, मुझे यकीन था कि वह वास्तव में मुझे बताएंगे कि आधुनिक समय में शेक्सपियर की पहचान कौन थी, और जब उन्होंने अपनी समीक्षा समाप्त की, तो मैंने दो प्रश्न पूछे: "आज के सभी नाटककारों में से, सबसे अधिक कौन है?" शेक्सपियर की तरह? ” और “ऐसी शैली में कौन लिखता है जिसका काम लंबे समय तक चलेगा?”

अभिनेता ने बिना किसी हिचकिचाहट के उत्तर दिया, "अगस्त विल्सन, उनका नाटक नाटक बहुत लंबे समय तक चलेगा।"
मैं थिएटर का शौकीन नहीं हूं और हालांकि मैंने खुद कभी विल्सन का नाम नहीं सुना है, लेकिन जब उनका नाम पुकारा जाता है, तो मुझे गहरा विश्वास होता है कि यह आदमी, ऑगस्ट विल्सन, वास्तव में शेक्सपियर का पुनर्जन्म है। एक या दो दिन के दौरान, मैंने चित्रों की जांच की और पाया कि विल्सन की चेहरे की विशेषताएं वास्तव में शेक्सपियर के समान थीं। मैंने तो यह भी पाया है कि थिएटर समीक्षकों ने उन्हें "अमेरिका का शेक्सपियर" करार दिया है।

जब मैं केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में था, अहतुन रे ने इस पहचान की पुष्टि की। आइए हम इन दोनों लोगों के जीवन की संक्षेप में समीक्षा करें।

इस किरदार के बारे में अपेक्षाकृत कम जानकारी है

Machine Translated by Google

शेक्सपियर. शेक्सपियर की जन्मतिथि अनिश्चित है, लेकिन रिकॉर्ड बताते हैं कि उनका बपतिस्मा 26 अप्रैल, 1564 को हुआ था। इसलिए, माना जाता है कि उनका जन्म 23 अप्रैल, 1564 को हुआ था। विलियम शेक्सपियर के जॉन और मैरी आर्डेन के पुत्र थे। जॉन, पिता, स्ट्रैटफ़ोर्ड में एक प्रमुख शहर अधिकारी थे, जो लंदन से सौ मील उत्तर-पश्चिम में एक क्षेत्र था।

हालाँकि विलियम स्ट्रैटफ़ोर्ड में पले-बढ़े, लेकिन उनके बारे में बहुत कम जानकारी है बचपन। ऐसा माना जाता है कि उनकी शिक्षा ग्रामर स्कूल के माध्यम से ही हुई थी। जब विलियम शेक्सपियर 18 साल के थे, तब उन्होंने ऐनी हैथवे से शादी की, जो उनसे आठ साल बड़ी थीं और एक बच्चे की मां बनने वाली थीं। कुछ महीने बाद 1583 में उनकी बेटी, सुज़ैन ऐनी का जन्म हुआ। 1592 में इस जोड़े के घर जुड़वां बच्चों का जन्म हुआ, एक बेटा हैमनेट और एक बेटी जिसका नाम जूडिथ था। हैमनेट की ग्यारह साल की उम्र में बीमारी से मृत्यु हो गई।

ऐसा माना जाता है कि शेक्सपियर 1585 के आसपास या उसके बाद लंदन चले गए थे। 1592 में शेक्सपियर को लेखक रॉबर्ट ग्रीन का प्रसिद्ध और ऐतिहासिक अपमान मिला, जिन्होंने शेक्सपियर को "नौसिखिया रेवेन" कहा था, जो नाटककारों के बराबर माने जाने के लायक नहीं था। जो अतीत में सफल हुए थे. उस समय।

इस टिप्पणी से पता चलता है कि 1592 में भी, जब शेक्सपियर 28 वर्ष के थे, उन्होंने पहले से ही एक लेखक के रूप में ध्यान आकर्षित करना शुरू कर दिया था।

लंदन में, शेक्सपियर ने लॉर्ड चेम्बरलेन्स मेन नामक कंपनी में एक अभिनेता, लेखक और भागीदार के रूप में काम किया। 1603 में जब जेम्स प्रथम इंग्लैंड का राजा बना, तो जेम्स शेक्सपियर की कंपनी का प्रायोजक बन गया, जिसे अब किंग्स मेन के नाम से जाना जाता है।

शेक्सपियर 1611 में सेवानिवृत्त हुए, 1590 से साहित्यिक विरासत बनाते हुए-

प्रारंभिक वर्षों से 1611 तक, लगभग बीस वर्ष की अवधि। यदि शेक्सपियर का जन्म 23 अप्रैल, 1564 को हुआ था, तो उन्होंने अपनी मृत्यु का समय ठीक-ठाक रखा है, क्योंकि उनकी मृत्यु 23 अप्रैल, 1616 को 52 वर्ष की आयु में हुई थी। विलियम शेक्सपियर ने अपनी कब्र में लिखा था:

Machine Translated by Google

प्रिय मित्रों, यीशु के लिए, सहन करो,
यहां दबी हुई धूल को खोदने के लिए.
धन्य है वह जिसने इन पत्थरों को छोड़ दिया,
परन्तु शापित है वह जो मेरी हड्डियों को हिलाता है।

विलियम शेक्सपियर, जैसा कि ऊपर बताया गया है, का पुनर्जन्म अगस्त विल्सन के रूप में हुआ था। इसकी पुष्टि अहतुन रे ने की है. ऑगस्ट विल्सन, जिनका असली नाम फ्रेडरिक ऑगस्ट किटेल है, का जन्म 27 अप्रैल, 1945 को पिट्सबर्ग, पेंसिल्वेनिया में हुआ था।

ध्यान दें कि रिकॉर्ड से पता चलता है कि शेक्सपियर का बपतिस्मा 26 अप्रैल को हुआ था, इसलिए ऐसा लगता है कि कवि का "समय" थोड़ा गड़बड़ था। विल्सन का जन्म डेज़ी विल्सन नाम की एक अफ्रीकी-अमेरिकी महिला से हुआ था। उनके पिता, फ्रेडरिक किटेल नाम के एक जर्मन बेकर, एक ऐसे पिता थे जो विल्सन के साथ नहीं थे। 1965 में जब किटेल की मृत्यु हुई, तो उनके बेटे ने अपना नाम बदलकर ऑगस्ट विल्सन रख लिया।

जब उनकी माँ ने पुनर्विवाह किया, तो परिवार पिट्सबर्ग में "द हिल" नामक एक गरीब अफ्रीकी-अमेरिकी वर्ग में चला गया, जहाँ श्वेत पड़ोसियों का प्रभुत्व था।

हाई स्कूल में, ऑगस्ट अक्सर नस्लीय उपहास और बदमाशी का शिकार होता था जिसके कारण अंततः उसे स्कूल छोड़ना पड़ा। इसके बाद ऑगस्ट को पिट्सबर्ग की कार्नेगी लाइब्रेरी में एक घर मिला, जहां उन्होंने स्वयं साहित्य का अध्ययन किया, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि शेक्सपियर ने स्वयं-सिखाया था। उन्होंने पुस्तकालय में इतना समय बिताया कि कार्नेगी ने उन्हें एक उपाधि से सम्मानित किया, जो पुस्तकालय द्वारा जारी की गई एकमात्र उपाधि थी।

1968 में, रॉब पेनी के साथ, ऑगस्ट ने ब्लैक होराइज़न की स्थापना की
हिल जिले में रंगमंच. ब्लैक होराइजन पर अगले 10 वर्षों तक विल्सन ने नाटक लिखे और निर्देशित किये।

उन्होंने और पेनी ने कुंटू लेखक कार्यशाला शुरू की, जो आज भी सक्रिय है।

विल्सन 1978 में सेंट पॉल, मिनेसोटा चले गए, जहां उन्होंने मिनेसोटा म्यूजियम ऑफ साइंस के लिए काम किया, शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए स्क्रिप्ट लिखी। अपने बिलों का भुगतान करने के लिए एक स्थिर नौकरी के साथ, अपने खाली समय में, विल्सन एक महाकाव्य नाटक श्रृंखला पर काम करना शुरू कर देता है

Machine Translated by Google

जो अमेरिका में काले अनुभव का एक दृश्य खोलेगा, थिएटर जाने वालों के लिए, जो ज्यादातर गोरे थे, नस्लवाद के कारण हुए भावनात्मक घावों और घावों को उजागर करेगा। स्मरण में, अभिनेता चार्ल्स डटन सहित कई लोगों ने माना कि अमेरिका में अलगाव को समाप्त करने में विल्सन का योगदान मार्टिन लूथर किंग के बराबर था।

विल्सन अपने काम मा के साथ एक प्रमुख नाटककार के रूप में उभरे
रेनीज़ ब्लैक बॉटम, जिसने उन्हें 1985 में टोनी पुरस्कार नामांकन के साथ-साथ कई अन्य पुरस्कार भी दिलाए।
फिर भी
लंदन टाइम्स प्रभावित हुआ, क्योंकि होली हिल समीक्षक ने मा रेनी के ब्लैक बॉटम को "एक अद्भुत पहला नाटक" बताया, और विल्सन को "होनहार नया नाटककार" कहा। शिकागो ट्रिब्यून के रिचर्ड क्रिस्टियनसेन ने ब्रॉडवे पर नाटक के प्रदर्शन के बाद कहा, "विल्सन की भाषा की शक्ति सनसनीखेज है।"

1987 में, ऑगस्ट विल्सन के नाटक फेंसेस ने नाटक के लिए पुलित्जर पुरस्कार जीता। अपने काम द पियानो लेसन के लिए, विल्सन ने एक और पुलित्जर पुरस्कार जीता। ये बस कुछ ही हैं, ऑगस्ट विल्सन ने अपने करियर में जो कई पुरस्कार जीते हैं, उससे उन्हें "मास्टर स्टोरीटेलर" और "अमेरिका के शेक्सपियर" की प्रतिष्ठा मिली है।

1990 में, विल्सन सिएटल चले गए, जहां का मौसम लंदन के समान था, और उन्होंने सिएटल को एक थिएटर शहर बनाने में मदद की। यहीं पर उन्होंने अफ्रीकी अमेरिकियों के जीवन के बारे में अपनी दस नाटक श्रृंखलाएँ पूरी कीं। दिलचस्प बात यह है कि विल्सन का एक नाटक, जिसे किंग हेडली II कहा जाता है, संरचना और शैली दोनों में पूरी तरह से शेक्सपियरियन है। जून 2005 में, विल्सन को लीवर कैंसर का पता चला और 2 अक्टूबर 2005 को स्वीडिश मेडिकल सेंटर, सिएटल में 60 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु हो गई। उनकी तीसरी पत्नी, कॉन्स्टैन्ज़ा रोमेरो और उनके दो बच्चे जीवित हैं। उनके सम्मान में, ब्रॉडवे, न्यूयॉर्क पर वर्जीनिया थिएटर का नाम बदलकर अगस्त विल्सन थिएटर कर दिया गया।

एक दिलचस्प सवाल जो पूछा जा सकता है वह है क्यों
शेक्सपियर उन परिस्थितियों में अवतरित हुए जिनका उन्होंने अनुभव किया, अर्थात्

Machine Translated by Google

गरीब और भेदभाव वाली जाति में? मैंने अहतुन रे से इसके बारे में पूछा और उसका जवाब सच्चाई को दर्शाता है। अहतुन रे ने कहा कि शेक्सपियर की आत्मा 20वीं सदी के अफ्रीकी अमेरिकियों की दुर्दशा को देख रही थी, यह बताने लायक एक कहानी थी और वह, शेक्सपियर, जानते थे कि उनके पास इसे बताने का कौशल है।

जॉनी डेप और रॉबर्ट रोसेन का पिछला जीवन

शेक्सपियर के समय की कई अन्य आत्माओं का भी आज पुनर्जन्म हुआ है। उदाहरण के लिए, अहतुन रे ने पुष्टि की है कि लोकप्रिय अभिनेता जॉनी डेप एलिज़ाबेथन नाटक अभिनेता नाथन फील्ड का पुनर्जन्म हैं। अहतुन रे की क्षमताओं का भी अच्छी तरह से प्रदर्शन हुआ जब मैंने उनसे पूछा कि इस जीवन में विलियम कैमडेन कौन थे।

कैमडेन शेक्सपियर के समकालीन, पुरावशेष संग्रहकर्ता, छात्र और इतिहासकार थे। वे वेस्टमिंस्टर स्कूल में प्रधान शिक्षक बने, जहाँ उन्होंने महत्वाकांक्षी और प्रतिभाशाली नाटककारों को पढ़ाया।

अहतुन रे ने कहा कि कैमडेन का पुनर्जन्म हुआ था
कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स, थिएटर, फिल्म और टेलीविजन स्कूल के डीन। अहतुन रे का तात्पर्य रॉबर्ट रोसेन से है।
जब मैंने रोसेन की खोज की, तो न केवल उसके चेहरे की विशेषताएं बहुत उल्लेखनीय रूप से मेल खाती थीं, बल्कि उसकी गतिविधि का क्षेत्र भी वही था।
रोसेन खुद को एक शिक्षक, आलोचक और संरक्षणवादी बताते हैं, जो विलियम कैमडेन की तरह युवाओं को नाटकीय कलाओं के बारे में पढ़ाते हैं।

तो जैसा कि कवि ने कहा है, जीवन एक नाट्य मंच के अलावा और कुछ नहीं है
ऐसा लगता है कि हमारी भूमिकाएँ बार-बार उभरती रहती हैं। हालाँकि, इस नाटक के बारे में जागरूकता के साथ आइए हम त्रासदियों से आगे बढ़ें और ऐसी जगहें बनाएँ जहाँ हम खुशी के साथ लौट सकें।

मानव विकास का एक मॉडल

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, वेन डायर शिव बाबा के शिष्य थे। पता चला कि डॉ. डायर भी इसके लिए तैयार हो गये

Machine Translated by Google

रिवोल्यूशनरीज़ की वापसी के मामलों में से एक, जहां उन्हें 18 वीं शताब्दी के अमेरिका में एक पुजारी, वक्ता, लेखक और महान जागृति आंदोलन के नेता जोनाथन एडवर्ड्स के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना जाता है। एपीजे अब्दुल कलाम वेन डायर के प्रशंसक हैं। अपनी पुस्तक, इग्नाइटेड माइंड्स में, कलाम ने डायर की पुस्तक, मेनिफेस्ट योर डेस्टिनी में मानव विकास के एक मॉडल का उल्लेख किया है, जिसमें मनुष्य विकास के चार चरणों से गुजरता है: एथलीट, योद्धा, राजनेता और आत्मा चरण। अहतुन रे भी इन मूलभूत चरणों से सहमत हैं, हालाँकि वे इन चरणों को कहते हैं: शुद्ध, योद्धा, दार्शनिक और आध्यात्मिक मनुष्य।

मूल विचार यह है कि एक बार जब हम भगवान के निवास से एक निर्दोष प्राणी के रूप में बाहर निकलते हैं, तो हमें आत्म-शक्ति विकसित करनी चाहिए; इससे पहले कि हम और अधिक उन्नत चरणों में जा सकें, हमें एक स्वतंत्र और मजबूत चरित्र बनाना होगा। एक बार जब हम अपने भीतर, अपनी पहचान में सुरक्षित हो जाते हैं, तो हम केवल ईश्वर के साथ एक और मिलन की ओर बढ़ सकते हैं, जैसा कि शिव बाबा ने अतीत में किया था और वह अब फिर से दोहरा रहे हैं।

मध्य चरण में मानव जाति के लिए एक के बाद एक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं, जहाँ अहंकार हावी हो जाता है और खुद को उन लोगों से अलग कर लेता है जो खुद से अलग हैं। हम अपनी आत्माओं के बजाय अपने आस-पास जो कुछ है, जैसे हमारे जातीय समूह से पहचान करते हैं। जैसा कि मेरे मित्र अहतुन रे ने कहा है, "सबसे बड़ा पाप अलगाव है।"

अब पुनर्जन्म की जो समझ हमारे पास है, उसके साथ आइए हम इस पाप से दूर हटें और आध्यात्मिक मनुष्य के रूप में मानव विकास के उच्च चरणों की ओर बढ़ें। आइए इस जीवन पत्र को साकार करें।

Machine Translated by Google

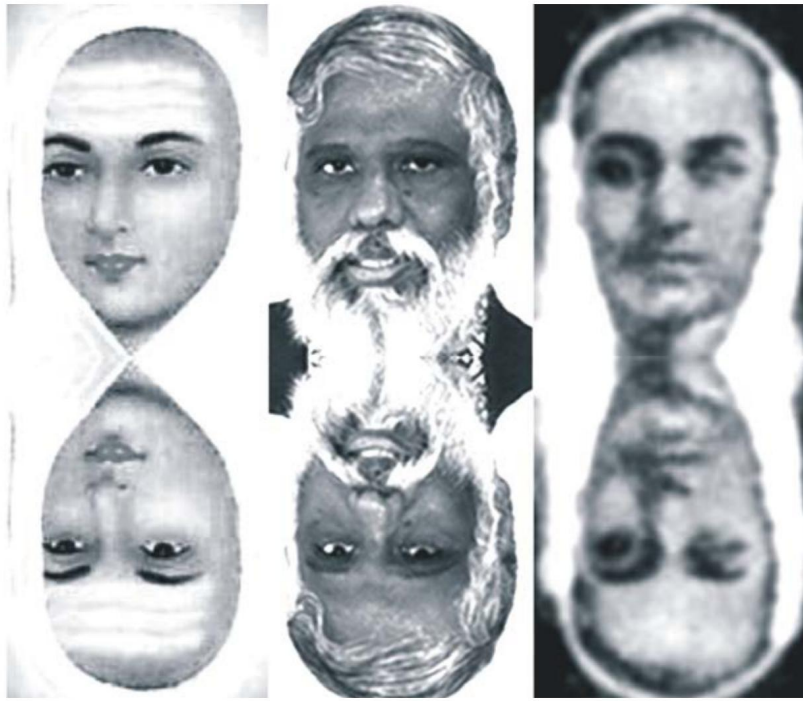

शिव बाबा का योगदान

रामलिंगम (वल्लालर) — शिव बाबा — रामलिंगम (वल्लालर)

शिव बाबा को पता चला कि वह पुनर्जन्म है

रामलिंगम और अगस्त्यर। इन दो पिछले जन्मों की पुष्टि अहतुन रे ने भी की है। शिव बाबा इस पुस्तक में प्रस्तुत पुनर्जन्म अनुसंधान का समर्थन करते हैं। शिव बाबा का शेक्सपियर की आत्मा के साथ-साथ वेन डायर से भी घनिष्ठ संबंध है, जिन्होंने अपनी पुस्तक मेनिफेस्ट योर डेस्टिनी बाबा को समर्पित की थी।

Machine Translated by Google

©सुसान जोहान शेक्सपियर का योगदान जन्मस्थान ट्रस्ट सुसान जोहान

अगस्त विल्सन विलियम शेक्सपियर अगस्त विल्सन

पुनर्जन्म अनुसंधान से पता चलता है कि लोगों का पुनर्जन्म बहुत जल्दी हो सकता है, यहाँ तक कि कुछ दिनों या वर्षों के भीतर भी।
इसलिए, 1616 में अपनी मृत्यु के बाद से शेक्सपियर के कई जीवनकाल हो सकते हैं। शेक्सपियर का हाल ही में अगस्त विल्सन के रूप में पुनर्जन्म हुआ था, जिन्हें "अमेरिका का शेक्सपियर" कहा जाता है, जिन्होंने दो पुलित्जर पुरस्कार जीते थे और जिनके नाम पर एक ब्रॉडवे थिएटर था। न्यूयॉर्क शहर में।

Machine Translated by Google

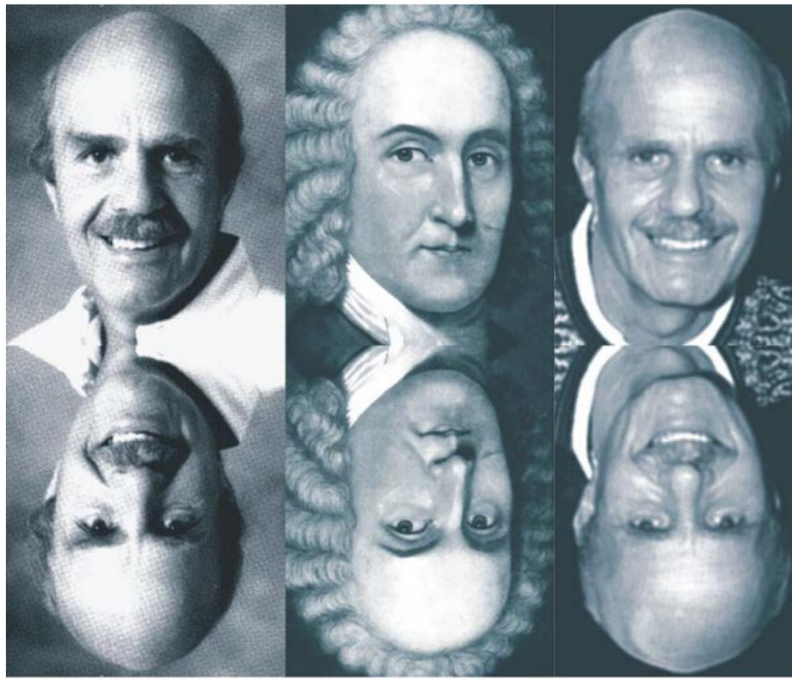

वेन डायर कांग्रेस के पुस्तकालय का योगदान वेन डायर

वेन डायर जोनाथन एडवर्ड्स वेन डायर

Machine Translated by Google

24

प्रशांत नेपोलियन:
सोएकर्नो, हट्टा और फर्डिनेंड मार्कोस का पिछला जीवन

इंडोनेशियाई राष्ट्र के पिता और हवाई के साथ उनका संबंध

जब मेरी मित्र ब्रेंडा यानी-मैकरे, जो कि एक इंडोनेशियाई नागरिक हैं, ने सुझाव दिया कि पुस्तक बॉर्न अगेन को इंडोनेशिया में प्रकाशित किया जाए, तो मैंने पूछा कि इस देश में पुनर्जन्म के कौन से मामले पाठकों के लिए दिलचस्प होंगे। विषय से थोड़ा हटकर, ब्रेंडा को पिछले जीवन प्रतिगमन थेरेपी में प्रशिक्षित किया जाता है, जिसमें ग्राहकों को पिछले अवतारों की यादों तक पहुंचने में मदद करने के लिए विश्राम तकनीकों का उपयोग किया जाता है। पुस्तक के पहले भाग में प्रस्तुत पुलिस कप्तान रॉबर्ट स्नो के मामले में, एक प्रतिगमन उन्हें पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य की ओर ले जाता है क्योंकि स्नो ऐतिहासिक रूप से अपने पिछले जीवन की यादों को मान्य करने का प्रबंधन करता है।

ब्रेंडा ने कहा कि सोएकरनो, जिन्हें का जनक माना जाता है
इंडोनेशियाई राष्ट्र, जांच के लिए एक महत्वपूर्ण आंकड़ा है।
ब्रेंडा ने सोएकरनो से जुड़े एक अन्य राजनेता, जिसका नाम मोहम्मद हट्टा था, का सुझाव दिया। दक्षिण प्रशांत/दक्षिणपूर्व एशियाई से एक और नेता
राष्ट्र, जिसने मुझे अपने पिछले जीवन के बारे में चिंतित किया है, वह फिलीपींस का फर्डिनेंड मार्कोस है।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने अहतुन रे से सोएकरनो के पिछले जीवन के बारे में पूछा। अहतुन रे ने कहा कि पिछले जीवनकाल में, सोएकरनो हवाईयन शाही परिवार का सदस्य था जो सिंहासन के उत्तराधिकारियों में से एक बन गया, लेकिन अंत में राजा नहीं बन सका।

अहतुन रे बताते हैं कि हवाईवासियों की संख्या में गिरावट देखी गई थी और पश्चिमी देशों के विदेशियों द्वारा हवाईयन शक्ति को मूल निवासियों से वंचित कर दिया गया था।

Machine Translated by Google

सोएकर्नो ने अपने मूल निवासियों द्वारा शासित एक मजबूत राष्ट्र की स्थापना के दृढ़ संकल्प के साथ हवाईयन शाही परिवार के हिस्से के रूप में अपना अवतार छोड़ दिया। अपने हृदय में उस आदर्श को लेकर उनका इंडोनेशिया में पुनर्जन्म हुआ। जब मैंने मोहम्मद हट्टा के बारे में पूछा तो अहतुन रे ने कहा कि वह भी शाही परिवार से करीब से जुड़े हुए थे.

लेकिन सिंहासन के उत्तराधिकार की पंक्ति में नहीं।

आइए अब हवाई के थोड़ा इतिहास की समीक्षा करें, ताकि यह समझ सकें कि इस द्वीप साम्राज्य की कहानी में सोएकरनो और हट्टा की आत्माएं कहां हैं। यह अनुमान लगाया गया है कि हवाई के शुरुआती निवासी मार्केसस द्वीप और ताहिती से बड़ी डोंगियों से आए थे, संभवतः 500 के आसपास। ये निवासी अपने साथ नारियल, केले, गन्ना, शकरकंद और तारो सहित कृषि फसलें लाए थे। वे मुर्गियाँ और सूअर जैसे पशु भी लाए जिन्हें उन्होंने पाला। ये शुरुआती निवासी सैकड़ों वर्षों तक हवाई द्वीप में अलग-थलग रहते थे।

यूरोपीय लोगों ने 1500 में प्रशांत महासागर की खोज शुरू की-
एक। 1778 में, ब्रिटिश नाविक और खोजकर्ता कैप्टन कुक ने इन द्वीपों की खोज की और उन्हें तत्कालीन एडमिरल्टी के प्रथम लॉर्ड, जॉन मोंटेगु, जिन्हें सैंडविच के चौथे अर्ल के रूप में भी जाना जाता है, के नाम पर सैंडविच द्वीप समूह का नाम दिया।

एकीकृत हवाईयन साम्राज्य के गठन में शामिल था
नेता का नाम कामेहामेहा है, जिसका अर्थ है "अकेला व्यक्ति"।
कामेहामेहा बहुत सामाजिक व्यक्ति नहीं हैं, लेकिन उनका कद बड़ा है और वह एक महान योद्धा हैं। समय के साथ, उन्होंने स्थानीय आदिवासी प्रमुखों द्वारा शासित आठ अलग-अलग द्वीपों को नियंत्रित किया और हवाई का निर्माण किया जिसे हम आज जानते हैं।

कामेहामेहा के जन्म का वर्ष निश्चित रूप से ज्ञात नहीं है। एक किंवदंती कहती है कि उनका जन्म 1758 में हुआ था, जबकि अन्य स्रोतों का कहना है कि उनका जन्म 1737 में हुआ था।

यह ज्ञात है कि वह हवाई के बड़े द्वीप पर पले-बढ़े और जब इसके शासक अलापी की मृत्यु हो गई, तो द्वीप के शाही परिवार के युद्धरत गुटों के बीच युद्ध छिड़ गया। कामेहामेहा ने कलोनिओपु नामक एक शाही सदस्य के लिए लड़ाई लड़ी।

Machine Translated by Google

इसके बाद कामेहामेहा की जीत हुई और उन्हें नए राजा का दाहिना हाथ नियुक्त करके उनकी सेवाओं के लिए पुरस्कृत किया गया।

इस क्षमता में, कामेहामेहा कैप्टन कुक से मिलने गए जब कुक ने 1779 में बिग आइलैंड का दौरा किया था। ऐसा माना जाता है कि उन्होंने कैप्टन कुक के जहाज, एचएमएस डिस्कवरी पर रात बिताई होगी। यह कामेहामेहा का श्वेत व्यक्ति से पहला परिचय था, जो एक विजेता के रूप में उनके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जब 1782 में कलोनिओपु की मृत्यु हो गई, तो बिग आइलैंड के कोना क्षेत्र के आदिवासी प्रमुखों ने कलानिओपु के उत्तराधिकारी के बजाय कामेहामेहा को राजा की उपाधि की पेशकश की। उसने स्वीकार कर लिया और फिर वारिस को युद्ध में हरा दिया। युद्ध और रक्तपात के माध्यम से, कामेहामेहा ने हवाई के बड़े द्वीप पर नियंत्रण कर लिया।

हालाँकि, कामेहामेहा संतुष्ट नहीं थीं और उन्होंने तुरंत शेष हवाई द्वीपों पर अपना ध्यान केंद्रित किया। इस प्रयास में उनकी सफलता ब्रिटिश और अमेरिकी व्यापारी व्यापारियों के साथ उनके सहयोग के कारण थी, जिन्होंने उन्हें आग्नेयास्त्र बेचे थे। इसहाक डेविड और जॉन यंग दो पश्चिमी लोग हैं जो कामेहामेहा के सैनिकों को युद्ध में आग्नेयास्त्रों का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित करते हैं, जिसका उपयोग वह अपने दुश्मनों को हराने के लिए करता है।

हालाँकि, आग्नेयास्त्रों, साथ ही रम और पश्चिमी लोगों द्वारा लाए गए संक्रामक रोगों के परिणामस्वरूप मूल हवाईयन आबादी में तेजी से गिरावट आई। 1700 के दशक के अंत में कामेहामेहा के शासनकाल के दौरान, अनुमानित मूल निवासी हवाई आबादी लगभग 300,000 थी। 1938 में इन मूल निवासियों की संख्या लगभग 40,000 ही थी।1

1795 में, कामेहामेहा ने लगभग 1,000 डोंगियों में 10,000 सैनिकों की सेना के साथ आसपास के द्वीपों पर छापे की एक श्रृंखला शुरू की। सबसे प्रसिद्ध लड़ाइयों में से एक ओहू पर हुई, जहां उसकी सेनाएं अपने प्रतिद्वंद्वी, कलानिकुपल की सेना का सामना करने के लिए वाइकीकी और वाइलिया के तटों से पाली वॉचडॉग की चोटियों तक उभरीं। कामेहामेहा सेना ने अपने 400 दुश्मनों को पाली चट्टानों से 1,000 फीट ऊपर कूदने के लिए मजबूर किया।

Machine Translated by Google

कामेहामेहा का अब अपने आसपास के सभी द्वीपों पर नियंत्रण है
काउई और निहाऊ को छोड़कर, जिस पर उसने अंततः 1810 में विजय प्राप्त की। वह अब सभी हवाई द्वीपों का राजा है और उसके सभी संघर्षों के लिए, पश्चिमी लोगों ने उसे "प्रशांत का नेपोलियन" करार दिया है। उसे अपने वंशजों से अलग पहचानना शुरू करने के लिए, अंततः हवाईवासियों ने उसका नाम रखा

कामेहामेहा I.

कामेहामेहा ने कानूनी निर्माण करके द्वीप राष्ट्र को और एकीकृत किया
और कर प्रणाली, जिसका उपयोग उसने अपने पूरे साम्राज्य में किया। उसने केवल उन्हीं मूल निवासियों को द्वीपों को विदेशियों के हाथों से दूर रखने की अनुमति दी, जो भूमि के मालिक थे। कामेहामेहा ने हवाई में मानव बलि की प्रथा को समाप्त कर दिया, लेकिन वह हवाई के पारंपरिक कानून और धर्म कापू के अनुयायी थे। 8 मई, 1819 को उनकी मृत्यु हो गई। उनके वंशज अगले 53 वर्षों तक 12 दिसंबर, 1872 तक हवाई पर शासन करते रहे, जब राजा कामेहामेहा वी की मृत्यु हो गई। एक नए राजवंश, एक नए शाही परिवार के उद्भव के साथ, मोहम्मद हट्टा और सोएकरनो के पिछले जीवन के बारे में कहानियाँ सामने आएंगी।

जब तक राजा कामेहामेहा वी की मृत्यु हुई, हवाई सरकार एक संविधान और एक प्रतिनिधि परिषद के साथ एक संवैधानिक राजतंत्र में विकसित हो गई थी, जिसमें राजा या रानी राज्य या कार्यकारी शक्ति के प्रमुख थे। राजाओं और रानियों के पास अपने उत्तराधिकारियों को नियुक्त करने का विशेषाधिकार है, लेकिन यदि राजा शाही परिवार के किसी सदस्य को नियुक्त नहीं करता है जो सिंहासन का उत्तराधिकारी होगा, तो कानून कहता है कि एक प्रतिनिधि परिषद एक व्यक्ति को राजा नियुक्त करेगी।

चूँकि राजा किसी उत्तराधिकारी की नियुक्ति नहीं करता था, इसलिए परिषद को राजा नियुक्त करने का कार्य दिया गया। पसंदीदा उम्मीदवार, विलियम सी.
लुनालिलो ने नियुक्ति से इनकार कर दिया और खुले आम चुनाव कराने के लिए कहा। उनके चुनावी प्रतिद्वंद्वी डेविड कलाकौआ हैं, जो अधिक पारंपरिक विचारधारा वाले हैं और अधिक मूल हवाईवासियों को सरकार में लाना चाहते हैं। इस समय तक विदेशियों को भूमि का स्वामित्व अधिकार दे दिया गया था और हवाई की सरकार पर विदेशियों का प्रभुत्व था।

लुनालिलो विजेता है

Machine Translated by Google

आम चुनाव और 2 जनवरी, 1873 को हवाई के राजा बने।

हालाँकि, लुनालिलो का शासनकाल लंबे समय तक नहीं चला, क्योंकि 3 फरवरी 1874 को उनकी मृत्यु हो गई। प्रतिनिधि सभा ने 14 फरवरी 1874 को डेविड कलाकौआ को राजा नियुक्त किया, और उनके राज्यारोहण के साथ, कलाकौआ राजवंश शुरू हुआ।

डेविड कलाकौआ का जन्म 16 नवंबर, 1836 को हुआ था। उनके माता-पिता हाई चीफ सीज़र कलुआइकु कपाकेआ थे, जिन्हें आमतौर पर कपाकेआ कहा जाता था। उनकी मां हाई चीफटेस अनालिया केओहोकालोल थीं।

जब वह 1874 में राजा बने, तब उनकी उम्र 37 वर्ष थी। राजा कलाकौआ ने पिछले वर्षों में दबा दी गई हवाईयन परंपराओं को पुनर्जीवित करके एक ऐतिहासिक विरासत बनाई।

उदाहरण के लिए, कलाकौआ ने हुला नृत्य को फिर से प्रस्तुत करने पर जोर दिया। हुला नृत्य को प्रोटेस्टेंट मिशनरियों द्वारा दबा दिया गया है। वह राष्ट्रीय खेल के रूप में सर्फिंग का भी समर्थन करते हैं।

अपने भाइयों की तरह वह एक संगीतकार थे और उन्होंने उस गीत की रचना की जो अब हवाईयन राष्ट्रगान, हवाई पोनोई है। वह हवाईयन संगीत में यूकुलेले के उपयोग के भी समर्थक थे, जिसने छोटे उपकरण को हवाई का प्रतीक बना दिया। इस रोमांचक सांस्कृतिक गतिविधि को बढ़ाने में उनकी उपलब्धियों के कारण, कलाकौआ को "खुशी का राजा" के रूप में जाना जाता है।

राजा के रूप में अपनी नियुक्ति के बाद, कलाकौआ ने अपने छोटे को नियुक्त किया भाई, प्रिंस विलियम पिट लेलेयोहोकू, उनके उत्तराधिकारी होंगे।
याद रखें कि जब मैंने अहतुन रे से पूछा कि अतीत में सोएकरनो की पहचान क्या थी, तो अहतुन रे ने कहा कि वह शाही परिवार का सदस्य था जो सिंहासन का उत्तराधिकारी बन गया, लेकिन राजा नहीं बना। अधिक विशेष रूप से, उन्होंने कहा कि सोएकरनो हवाई में एक युवा राजकुमार था। केविन रायर्सन के साथ एक बाद के सत्र में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि सोएकरनो अपने पिछले अवतार में राजा कलाकौआ, प्रिंस विलियम पिट लेलेओहोकू के छोटे भाई थे।

लेलेइहोकू अल्पायु था, केवल 22 वर्ष का था, 1855 में पैदा हुआ और 1877 में आमवाती बुखार से उसकी मृत्यु हो गई। लेलेइहोकू एक प्रतिभाशाली संगीतकार थे और उन्होंने हवाईयन युद्ध मंत्र की रचना की, जिसका उपयोग आज भी हवाईयन स्वतंत्रता आंदोलन द्वारा किया जाता है, जो हवाई को वापस चाहता है।

Machine Translated by Google

हवाईवासियों के लिए. वह राजकुमारी रूथ कीलिकोलानी के माध्यम से पिछले कामेहामेहा राजवंश के स्वामित्व वाली कई भूमि के उत्तराधिकारी हैं, जिन्होंने जन्म के समय लेलेइहोकू को गोद लिया था।

गोद लेने की यह प्रथा, जिसे "हनाई" कहा जाता है, आमतौर पर शाही परिवार के किसी सदस्य को उच्च सामाजिक स्थिति तक पहुंचाने के लिए की जाती थी।
उसके कारण, लेलेइहोकू काफी धन-संपत्ति वाला राजा बनने के लिए तैयार था।

जब उनके बड़े भाई, राजा कलाकौआ संयुक्त राज्य अमेरिका गए, तो लेलेइहोकू ने राजकुमार रीजेंट के रूप में शासन संभाला, लेकिन जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, कम उम्र में उनकी मृत्यु ने उन्हें राजा बनने से रोक दिया। अपने छोटे से जीवन में, उन्होंने हवाई में शाही परिवार को सत्ता खोते हुए देखा, क्योंकि राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य पर विदेशियों का प्रभुत्व बढ़ता जा रहा था। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, अहतुन रे ने कहा कि लेलेइहोकू की मृत्यु उस देश के मूल निवासियों द्वारा शासित एक मजबूत देश स्थापित करने की इच्छा से हुई।

अगले अध्याय में, हवाई का इतिहास जिसकी हम जांच करेंगे वह हवाईयन शाही परिवार का पतन है, एक नाटक जिसमें रानी लिलिउओकलानी शामिल है, जो राजा कलाकौआ की बहन है, जो 1891 में राजा की मृत्यु के बाद शासक बनी थी। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि "खुशी के राजा" का शासनकाल दुखद माहौल में समाप्त हुआ क्योंकि उसके शासनकाल के दौरान मूल आबादी काफी कम हो गई थी, जिसका बड़ा कारण चिकनपॉक्स रोग था जो हवाई से प्रसारित हुआ था।

विदेश में.

1874 में जब कलाकौआ राजा बना, तो अनुमानतः 82% जनसंख्या मूल हवाईवासी थे। सत्रह साल बाद, उनके शासनकाल के अंत में, विदेशियों के प्रवास और चेचक के प्रकोप के कारण, मूल निवासी आबादी का केवल 50% रह गए।2 इसके अलावा कलाकौआ प्रशासन के दौरान मुंह बनाने के लिए अमेरिकी नौसेना को एक ऋण पर हस्ताक्षर किए गए थे पर्ल नदी को एक बंदरगाह में बदल दिया, जिसने द्वीपों में अमेरिका के लिए और भी मजबूत आधार प्रदान किया।

डेविड कलाकौआ और विलियम पिट लेलेयोहोकू की बहन के रूप में,
रानी लिलिउओकलानी के माता-पिता एक ही हैं, हाई चीफ कपाकेआ और हाई चीफटेस केओहोकालोले। जब
लिलिउओकलानी

Machine Translated by Google

सत्ता में रहते हुए, उनका मानना था कि यह उनके लोगों की इच्छा है, उन्होंने एक नए संविधान का मसौदा तैयार करने की कोशिश की, जिसने गरीब हवाईयन मूल निवासियों, साथ ही एशिया के निवासियों को मतदान का अधिकार दिया, और विधायिका को शाही वीटो शक्ति प्रदान की। चूंकि अमेरिका और यूरोप के निवासी नए संविधान के तहत सत्ता खो देंगे, लिलिउओकलानी से छुटकारा पाने के लिए एक आंदोलन शुरू किया गया था।

इस प्रतिरोध आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति लॉरिन एंड्रयूज थे
थर्स्टन, एक मिशनरी का बेटा, जो वकील और होनोलूलू विज्ञापनदाता अखबार का प्रकाशक बन गया।

थर्स्टन, हवाई पर अमेरिकी नियंत्रण के प्रबल समर्थक, "हवाईयन लीग" नामक एक गुप्त राजनीतिक संगठन के सदस्य थे, जिसने राजनीतिक तख्तापलट की तैयारी में राइफलमैनों का एक दस्ता बनाया था।

वास्तव में, थर्स्टन, राज्य से राजनीतिक सत्ता पर नियंत्रण लेने के लिए, लिलिउओकलानी के पूर्ववर्ती, राजा कलाकौआ के खिलाफ पहले सैनिकों का उपयोग करना चाहता था। इसके बजाय, कलाकौआ को "संगीन अधिनियम" पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया, जिसने विधायिका को राजा के वीटो को पलटने और यूरोपीय और अमेरिकियों को मतदान का अधिकार देने की शक्ति दी, लेकिन एशियाई लोगों को नहीं। यह बायोनेट कानून था जो लिलिउओकलानी को विरासत में मिला था, जिसे वह एक नए कानून से बदलना चाहती थी।3

1892 में, "हवाईयन मास्टरी क्लब" का गठन किया गया। थर्स्टन
इस समूह का नेता है. राजनीतिक आधार पर एक "सुरक्षा समिति" का भी गठन किया गया था कि हवाई में अमेरिकी खतरे में थे, भले ही राज्य के पास कोई महत्वपूर्ण सैन्य शक्ति नहीं थी। थर्स्टन भी इस समिति के एक प्रमुख सदस्य हैं। 15 जनवरी, 1893 को, थर्स्टन ने हवाई के लिए अमेरिकी राज्य सचिव, जॉन एल. स्टीवंस से संपर्क किया और उन्हें सूचित किया कि रानी, नए कानून बनाने के प्रयास में, सरकार के खिलाफ क्रांति कर रही थी।4 थर्स्टन ने तब सुरक्षा के माध्यम से समिति ने अनुरोध किया कि अमेरिकी सैनिकों को एक बल जहाज से उतारा जाए। अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए अमेरिकी समुद्र.5

Machine Translated by Google

16 जनवरी, 1893 को सचिव स्टीवंस ने अमेरिकी नौसैनिकों और नाविकों को आदेश दिया
प्रमुख सरकारी इमारतों पर कब्ज़ा करने के लिए विमानवाहक पोत यूएसएस बोस्टन से ।
अगले दिन, 17 जनवरी 1893 को, दो साल से कम समय तक शासन करने के बावजूद, रानी लिलिउओकलानी को पदच्युत कर दिया गया। 1 फरवरी, 1893 को सचिव स्टीवंस ने हवाई को अमेरिकी संरक्षित राज्य घोषित किया।

लिलिउओकलानी ने अपनी सरकार को उखाड़ फेंकने का विरोध किया।
अमेरिकी राष्ट्रपति ग्रोवर क्लीवलैंड द्वारा गठित एक जांच में पाया गया कि यह तख्तापलट वास्तव में नाजायज था। दिसंबर 1893 में, हवाई के नए अमेरिकी सचिव ने हवाई की अनंतिम सरकार से लिलिउओकलानी को बहाल करने के लिए कहा, लेकिन इस अनंतिम सरकार ने इनकार कर दिया। अमेरिकी कांग्रेस की बाद की जांच में सत्ता हथियाने की साजिश रचने वालों के कार्यों का समर्थन किया गया और 4 जुलाई, 1894 को हवाई को एक गणतंत्र घोषित किया गया, साथ ही एक अमेरिकी संरक्षित राज्य भी घोषित किया गया।

लिलिउओकलानी ने होनोलूलू में रहना जारी रखा, हालाँकि उसके बाद के वर्षों में
तख्तापलट अराजक था और एक अंतराल के दौरान, उसे घर में नजरबंद कर दिया गया था। बाद में उन्होंने अपने जीवन के बारे में एक किताब लिखी जिसका शीर्षक था, हवाई की रानी द्वारा हवाई की कहानी। उन्होंने कई गाने भी लिखे. 1917 में उनकी मृत्यु हो गई

79 साल के.

हवाईयन शाही परिवार और क्रांतिकारियों का जन्म हुआ है
वापस इंडोनेशिया में

प्रिंस लेलेइहोकू की मृत्यु 10 अप्रैल, 1877 को हुई। लेलेइओहोकू का जन्म उत्तराधिकारी के रूप में हुआ था।
हवाई का सिंहासन, लेकिन एक ऐसे देश में जहां मूल आबादी घट रही थी और विदेशी राजनीतिक सत्ता पर नियंत्रण करने लगे थे।
सोएकरनो, जिन्हें हमने लेलेइओहोकू के पुनर्जन्म के रूप में प्रस्तावित किया है, का जन्म 6 जून 1901 को 24 वर्ष में हुआ था।

लेलेइहोकू की मृत्यु के बाद। सोएकर्नो का जन्म एक द्वीप राष्ट्र में हुआ था
डचों द्वारा उपनिवेश बनाया गया। अपने करियर में, सुकर्णो ने इंडोनेशिया को नीदरलैंड से आजादी दिलाने और देश के मूल निवासियों द्वारा नियंत्रित एक स्वतंत्र राज्य स्थापित करने में मदद की। ऐसा करने से वह

Machine Translated by Google

जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है, लेलेइहोकू की इच्छा पूरी करें
अहतुन रे द्वारा.

जबकि लेलेइहोकू एक संगीतकार के रूप में जाने जाते थे, सोएकरनो ने नागरिक अध्ययन किया

इंजीनियरिंग, हालाँकि उन्होंने अपनी रुचि वास्तुकला पर केंद्रित की, जिसमें कला के तत्व हैं। सुकर्णो एक स्वतंत्रता आंदोलन के नेता थे और विशेष रूप से इंडोनेशियाई नेशनल पार्टी के नेता थे। जब जापानियों ने इंडोनेशिया पर आक्रमण किया, तो सुकर्णो ने इंडोनेशिया के लिए डचों से स्वतंत्रता प्राप्त करने के एक रास्ते के रूप में जापान के साथ सीमित सहयोग को देखा। 7 सितंबर, 1944 को जापान के प्रधान मंत्री ने इंडोनेशिया के लिए स्वतंत्रता का वादा किया। 17 अगस्त, 1945 को सोएकरनो ने अपने साथी मोहम्मद हट्टा के साथ इंडोनेशिया गणराज्य को एक स्वतंत्र और संप्रभु राज्य घोषित किया। सोएकरनो पहले राष्ट्रपति और हट्टा पहले उपराष्ट्रपति बने।

सोएकरनो ने 1945 से 1967 तक इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया
राष्ट्रपति अशांत थे और वह कई संकटों और हत्या के प्रयासों से बचने में सफल रहे।

हालाँकि कुछ लोग उन्हें एक सख्त नेता मानते हैं, लेकिन यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि उनके शासनकाल के दौरान राजनीतिक कुचलने और फाँसी की घटनाएँ नहीं हुईं, जो निश्चित रूप से उनके समकालीनों के अन्य राजनीतिक शासनों में नहीं हुईं। वास्तव में, यह नोट किया गया था कि सोएकरनो के अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध थे।

सोएकरनो द्वारा बनाया गया एक सांस्कृतिक आदेश, जो हमें लेलेयोहोकू की याद दिलाता है
युग, इंडोनेशिया में पश्चिमी संगीत के आयात पर प्रतिबंध था, इसलिए वह मूल निवासी था
इंडोनेशियाई संगीत को अपनी लोकप्रियता बनाए रखने के अधिक अवसर मिलेंगे। हम
लेलेयोहोकू की हवाई युद्ध जैसी रचनाओं की फिर से याद दिला दी जाएगी
अहतुन रे के अनुसार, जप और उसकी इच्छा, हवाई की संपत्ति बनी रहे
मूल निवासी हवाईवासियों का।

प्रिंस विलियम पिट लेलेयोहोकू के संबंध में मोहम्मद हट्टा कौन हैं? याद करना
अहतुन रे ने बताया कि हट्टा हवाईयन शाही परिवार से निकटता से जुड़ा हुआ था, लेकिन वह सिंहासन के उत्तराधिकार की कतार में नहीं था।

हवाईयन शाही परिवार पर शोध करने के बाद, मैंने अनुमान लगाया कि हट्टा था
लेलेइहोकू के पिता, हाई

Machine Translated by Google

मुख्य सीज़र कलुआइकु कपाकेआ, जिसकी पुष्टि बाद में अहतुन रे ने की। इस प्रकार, हवाई साम्राज्य के दौरान पिता और पुत्र, कपाकेआ और लेलेइओहोकू, जो मूल हवाई आबादी की गिरावट और मूल हवाईयन लोगों की घटती राजनीतिक शक्ति के गवाह थे, को स्वदेशी इंडोनेशियाई लोगों के लिए एक राष्ट्र स्थापित करने में मदद करने के लिए हट्टा और सोएकरनो के रूप में एक साथ पुनर्जन्म हुआ था।

अब, इंडोनेशिया गणराज्य की जनसंख्या 220 मिलियन से अधिक है। इसका राष्ट्रीय आदर्श वाक्य "भिन्नेका तुंगगल इका" है, जिसका अर्थ है "अलग लेकिन फिर भी एक"। यह आदर्श वाक्य विविध समूहों को संदर्भित करता है, जिनमें धार्मिक समूह - जैसे मुस्लिम, ईसाई, हिंदू और बौद्ध - और कई अन्य आदिवासी समूह शामिल हैं जो इस विशाल लेकिन एकजुट द्वीपसमूह राष्ट्र में निवास करते हैं।

दुनिया में अन्य जगहों की तरह, इंडोनेशियाई लोगों को भी उनके जातीय समूह और मूल धर्म के अनुसार अलग किया जा सकता है, जिससे अंतर-समूह संघर्ष हो सकता है।

और वाकई ऐसा इंडोनेशिया में हुआ है. मेरी आशा है कि बॉर्न अगेन में प्रस्तुत पुनर्जन्म का साक्ष्य, जो दर्शाता है कि आत्मा धार्मिक, राष्ट्रीय, नस्लीय और जातीय संघों को एक जीवन से दूसरे जीवन में बदल सकती है, जैसा कि ऐनी फ्रैंक/बारब्रो कार्लेन के मामले में, और भी अधिक शांति ला सकता है। इंडोनेशिया. और दुनिया।

यदि इस अध्याय में प्रस्तावित पुनर्जन्म का मामला स्वीकार कर लिया जाए, यह देखना दिलचस्प होगा कि हवाई द्वीप से एक आत्मा समूह इंडोनेशिया में कैसे कूदता है, जो इस आत्मा समूह विकास नाटक का एक और अध्याय है। इससे हमें आश्चर्य होता है कि क्या हवाई द्वीप के अन्य ऐतिहासिक शख्सियतों जैसे कामेहामेहा प्रथम, राजा डेविड कलाकौआ और रानी लिलिउओकलानी का भी इंडोनेशियाई द्वीपसमूह में अवतार था। सीज़र कपाकेआ की तरह/

मोहम्मद हट्टा राजा कलाकौआ और रानी लिलिउओकलानी के पिता थे, किसी को उम्मीद होगी कि कलाकौआ और लिलिउओकलानी के इंडोनेशिया में हट्टा और रानी से संबंधित अवतार होंगे।

Soekarno. हम इन मामलों पर फिर कभी चर्चा करेंगे.

Machine Translated by Google

नेपोलियन चतुर्थ के रूप में फर्डिनेंड मार्कोस और उनका अतीत अवतार

एक अन्य व्यक्ति जिसके बारे में मैंने पूछा वह फर्डिनेंड मार्कोस थे, जो फिलीपींस के राष्ट्रपति थे। आश्चर्यजनक रूप से, अहतुन रे का कहना है कि मार्कोस का पिछला अवतार फ्रांसीसी नेपोलियन राजवंश में से एक के रूप में था। अहतुन रे का कहना है कि यह सबसे प्रसिद्ध नेपोलियन नेपोलियन बोनापार्ट नहीं है, जिसे बॉर्न अगेन के अंतिम अध्याय में पुनर्जन्म मामले में चित्रित किया गया है। हालाँकि, मार्कोस फ्रांसीसी शाही परिवार के सदस्य थे। चूंकि नेपोलियन III की पहचान आज एरियल शेरोन के रूप में की गई है, जिसकी चर्चा उरी गेलर पर पिछले अध्याय में की गई थी, अब कई अन्य नेपोलियन नहीं बचे हैं। बाद में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि मार्कोस नेपोलियन चतुर्थ था, जिसे युवावस्था में नेपोलियन यूजीन, प्रिंस इंपीरियल के नाम से जाना जाता था।

1856 में जन्मे नेपोलियन यूजीन सम्राट के पुत्र थे
नेपोलियन III और महारानी यूजनी डी मोंटिजो। नेपोलियन बोनापार्ट इस राजकुमार के चाचा थे। जब वह बड़ा हो रहा था, फ्रांस राजनीतिक उथल-पुथल के दौर की ओर बढ़ रहा था, फ्रांस ने 1870 में पड़ोसी प्रशिया पर युद्ध की घोषणा की। नेपोलियन III 14 वर्षीय नेपोलियन यूजीन के साथ अग्रिम पंक्ति में लड़ाई में शामिल हो गया। फ्रांसीसी सेना विफल रही और सेडान की लड़ाई में नेपोलियन III और शेष फ्रांसीसी सैनिकों को प्रशिया सेना के सामने आत्मसमर्पण करना पड़ा। फ्रांसीसी सम्राट और उनका परिवार निर्वासन में ग्रेट ब्रिटेन भाग गए, इस उम्मीद में कि एक दिन बोनापार्ट राजवंश बहाल हो जाएगा।

जब 1873 में इंग्लैंड में उनके पिता की मृत्यु हो गई, तो बोनापार्ट के कट्टर समर्थकों द्वारा राजकुमार को नेपोलियन चतुर्थ घोषित किया गया।
अपने परिवार की सैन्य परंपरा को जारी रखने के लिए उत्सुक होकर, उन्होंने वूलविच में ब्रिटिश रॉयल मिलिट्री अकादमी में प्रवेश लिया। बाद में वह रॉयल आर्टिलरी के हिस्से के रूप में ब्रिटिश सशस्त्र बल में शामिल हो गए। 1879 में ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका में ज़ुलु साम्राज्य के बीच ज़ुलु युद्ध छिड़ गया। ज़ुलु राष्ट्र के नेता सेत्सवेयो, अंग्रेजों के प्रति शत्रुतापूर्ण थे जो इस क्षेत्र पर कब्ज़ा करना चाहते थे। नेपोलियन चतुर्थ, एक लेफ्टिनेंट

Machine Translated by Google

ब्रिटिश सैनिकों ने अपने राजनीतिक संबंधों का उपयोग करते हुए ज़ुलु युद्ध में लड़ने के लिए भेजा।

अंग्रेज़ इस फ्रांसीसी अभिजात को उन क्षेत्रों में भेजकर उनकी रक्षा करना चाहते थे जिन्हें वे ज़ुलु सैनिकों से मुक्त मानते थे।
हालाँकि, एक ग़लत अनुमान तब हुआ जब 1 जून 1879 को नेपोलियन चतुर्थ को ब्रिटिश सेना द्वारा एक स्कैनिंग मिशन में भाग लेने की अनुमति दी गई। नियंत्रण लेने के प्रति उत्साहित नेपोलियन चतुर्थ ने ब्रिटिश अभियान दल के नेता का नेतृत्व संभाला और समूह को ज़ुलु क्षेत्र में आगे और आगे निर्देशित किया। जब वे दोपहर को रुके, तो समूह पर 40 ज़ुलु योद्धाओं ने घात लगाकर हमला कर दिया।

23 वर्ष की आयु के नेपोलियन चतुर्थ की उस दिन विभिन्न चाकू के घावों से मृत्यु हो गई।

फर्डिनेंड मार्कोस का जन्म 38 साल बाद 1917 में हुआ था
नेपोलियन यूजीन, उनका जन्म खुद को साबित करने के जुनून के साथ हुआ था और फिलीपींस विश्वविद्यालय में उन्होंने खुद को एक एथलीट, डिबेटर और छात्र के रूप में स्थापित किया। उन्होंने कानून की डिग्री के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ने पर उन्होंने एक सैन्य अधिकारी के रूप में कार्य किया। मार्कोस ने बाटन की लड़ाई में जापानी सेना से लड़ाई की और इस लड़ाई के परिणामस्वरूप युद्ध बंदी के रूप में पकड़ लिया गया। अपनी रिहाई के बाद, मार्कोस, अपने कथन के अनुसार, गुरिल्ला बलों में शामिल हो गए और बेसांग दर्रे की लड़ाई में भाग लिया।

युद्ध के बाद, मार्कोस एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ बन गए।
पहले एक कांग्रेस सदस्य के रूप में निर्वाचित होकर, फिर 1965 में राष्ट्रपति पद पर आसीन होकर। उनकी सरकार की सबसे बड़ी विरासत सड़क, पुल और बिजली संयंत्र प्रणाली का बुनियादी ढांचा है जिसे उन्होंने फिलीपींस के सशस्त्र बलों को एक कार्यबल के रूप में तैनात करके बनाया था। नागरिक पक्ष के तकनीकी विशेषज्ञों के साथ।

मार्कोस फिलिपिनो के लिए "बागोंग लिपुनन" या "नए समाज" का प्रतीक हैं। इस नई सोसाइटी के हिस्से के रूप में, दंगों, प्रदर्शनों और व्यापक हिंसा से उत्पन्न मार्शल लॉ की अवधि के दौरान, मार्कोस ने विदेशियों, विशेषकर चीनियों के स्वामित्व वाले व्यवसायों को जब्त कर लिया और उन्हें फिलिपिनो को दे दिया।

Machine Translated by Google

हालाँकि यह विचार शुरू में राष्ट्रवादी था, अंत में, मार्कोस ने व्यवसाय और उससे जुड़ी संपत्ति अपने परिवार के सदस्यों और राजनीतिक समर्थकों को दे दी।

इसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ, जो मार्कोस की विरासत का हिस्सा बन गया, जैसा कि उनके द्वारा बनाया गया बुनियादी ढांचा था। भ्रष्टाचार, गिरते स्वास्थ्य और अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बेनिग्नो एक्विनो की हत्या की स्वीकारोक्ति के कारण उनका राष्ट्रपति पद समाप्त हो गया और फिलीपींस से उनका प्रस्थान हो गया।

मार्कोस के अंतिम दिन नेपोलियन चतुर्थ के समान पैटर्न को दोहराते हुए निर्वासन में बिताए गए थे। वास्तव में, कुछ पर्यवेक्षकों का कहना है कि अपने परिवार के सदस्यों और समर्थकों को व्यवसाय और धन देकर, मार्कोस एक नया राजवंश बनाने का इरादा रखते थे।

इसके अलावा, मार्कोस को कई फ्रांसीसी सम्राटों की तरह एक तानाशाह के रूप में जाना जाता था। किसी को आश्चर्य होता है कि क्या नेपोलियन राजवंश के अंत, जिसे नेपोलियन चतुर्थ ने देखा और अनुभव किया, ने मार्कोस को एक साम्राज्य को फिर से स्थापित करने की महत्वाकांक्षा के लिए प्रेरित किया।

वैसे, अहतुन रे ने प्रसिद्ध फर्डिनेंड की पत्नी इमेल्डा मार्कोस को नेपोलियन चतुर्थ की उपपत्नी के रूप में पुष्टि की है। यह जानना दिलचस्प होगा कि क्या बोनापार्ट के अन्य समर्थकों ने मार्कोस द्वारा बनाई गई नई सोसायटी के हिस्से के रूप में फिलीपींस में पुनर्जन्म लिया।

प्रशांत नेपोलियन

यद्यपि राजा कामेहामेहा प्रथम को यूरोपीय लोगों द्वारा "प्रशांत का नेपोलियन" करार दिया गया था, मैं "नेपोलियन" शब्द का अधिक सामान्यतः उपयोग करना चाहूंगा, एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो नेतृत्व करने और सत्ता के पदों पर कब्जा करने के लिए प्रेरित था।

इस विचार को स्पष्ट करने के लिए, आइए पूछें कि कोई समूह इसमें क्यों शामिल होगा सत्तारूढ़ हवाई में इंडोनेशिया में शासन करने के लिए पुनर्जन्म लिया जाएगा? नेपोलियन III का इज़राइल के नेता एरियल शेरोन के रूप में और नेपोलियन चतुर्थ का फिलीपींस के नेता के रूप में पुनर्जन्म क्यों हुआ? शासकों का पुनर्जन्म शासकों के रूप में क्यों होता है?

मेरे प्रस्तावित उत्तर की अधिक विस्तार से समीक्षा की गई है

Machine Translated by Google

इस पुस्तक के भाग IV का शीर्षक है "आत्मा की उत्पत्ति और पुनर्जन्म का उद्देश्य"। इस खंड में, यह तर्क दिया गया है कि आत्माएं एक विशेष ऊर्जा पैटर्न, ऊर्जा के एक स्पेक्ट्रम या पैटर्न के साथ बनाई जाती हैं, जो उन्हें जीवन के एक विशेष पथ पर निर्देशित करती है।

इसलिए, कलाकार कलाकार के रूप में पुनर्जन्म लेते हैं, और लेखक लेखन के नए कार्यों को बनाने के लिए फिर से पैदा होते हैं, और जो आत्माएं सत्ता और नेतृत्व की ओर आकर्षित होती हैं, वे नेता बनने की इच्छा के साथ पुनर्जन्म लेती हैं। इस वजह से, मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि पिछले युगों में नेपोलियन जैसी आत्माओं का शाही परिवारों में पुनर्जन्म हो, ताकि उन्हें नेता बनने का अवसर मिले। नये युग में ये आत्माएँ व्यक्तिगत पहल से नेतृत्व की स्थिति तक पहुँचने में सफल रहीं।

जिस तरह हम सभी आध्यात्मिक विकास की प्रक्रिया से गुजरते हैं, उसी तरह नेताओं को भी समय के साथ विकसित और परिपक्व होना चाहिए। क्रूरता, स्वार्थ के लिए सत्ता का प्रयोग और भ्रष्टाचार नेतृत्व की अपरिपक्वता के रूप हैं। युद्ध अपरिपक्वता का भी परिचायक है।

नेपोलियन प्रकार की युवा आत्माओं ने मानव जाति को सबसे अधिक कष्ट पहुँचाया है। हालाँकि, नेताओं ने सभ्यता के सबसे महान स्मारक और बुनियादी ढाँचे भी बनाए हैं। हर किसी की तरह नेता भी कर्म के नियम से बच नहीं पाते।

मुझे आशा है कि पुनर्जन्म के साक्ष्य नेताओं, प्रशांत नेपोलियन, साथ ही विश्व नेपोलियन को अपना काम अधिक सावधानी और विवेक के साथ करने पर मजबूर कर देंगे। जैसे-जैसे नेता अपने व्यक्तिगत विकास में परिपक्व होंगे, दुनिया की सभ्यता विकसित होगी।

नए समाज जो शांतिपूर्ण और समृद्ध हों, वास्तव में बनाए जा सकते हैं।

Machine Translated by Google

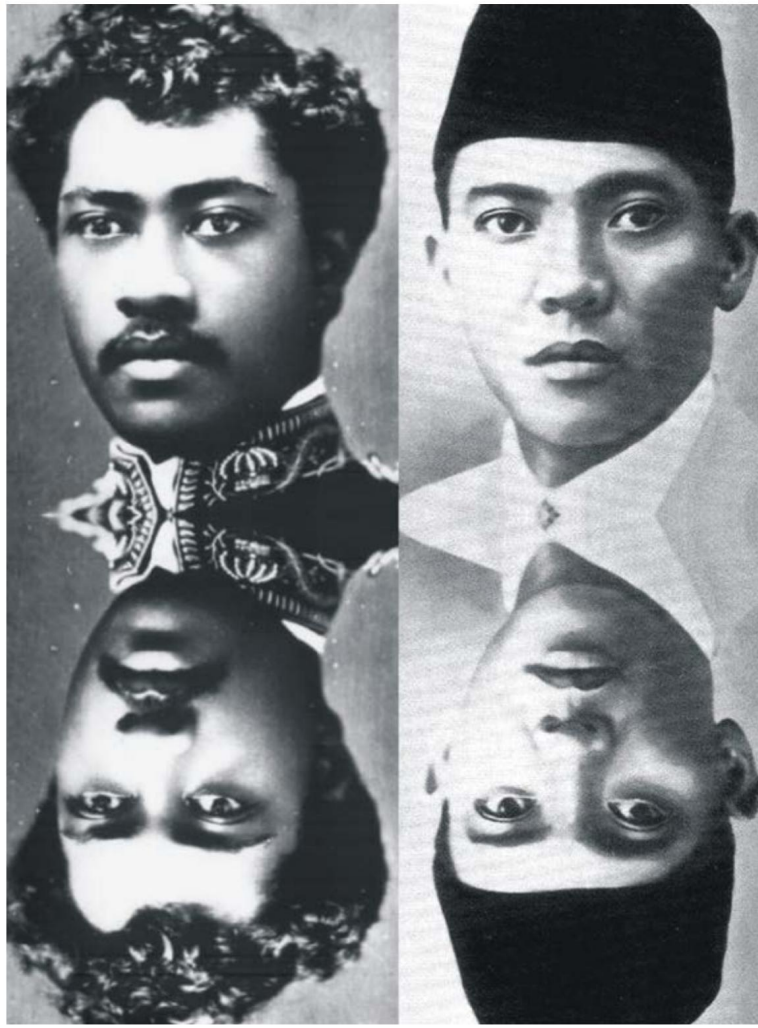

लेलिओहोकु Soekarno

विषम आँखों पर ध्यान दें. अहतुन रे के अनुसार, सोएकरनो सिंहासन के वंश में हवाई में एक राजकुमार, लेलेयोहोकू था। उनके पिता हाई चीफ कपाकेआ थे,

जिनका पुनर्जन्म मोहम्मद हत्ता के रूप में हुआ।

Machine Translated by Google

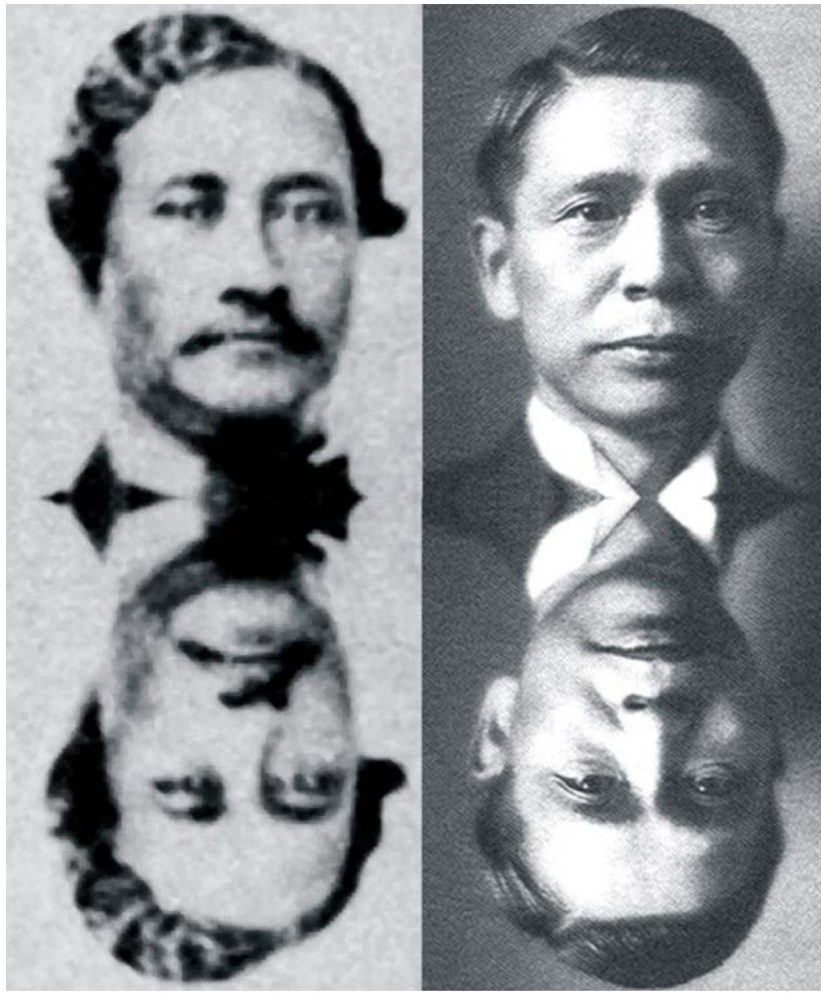

कपाकेआ मोहम्मद हट्टा

कपाकेआ एक हवाईयन उच्च प्रमुख है जो राजा कलाकौआ, रानी लिलिउओकलानी और राजकुमार लेलेइओहोकू के पिता हैं, जिनका सोएकरनो के रूप में पुनर्जन्म हुआ था। कपाकेया का दोबारा जन्म मोहम्मद हट्टा के रूप में हुआ। इस प्रकार, हवाईयन राजाओं के समय हट्टा सोएकरनो के पिता थे।

Machine Translated by Google

नेपोलियन चतुर्थ फर्डिनेंड मार्कोस

नेपोलियन चतुर्थ को इंग्लैंड में निर्वासित कर दिया गया। वह अफ्रीकी ज़ुलु युद्ध में ब्रिटिश सैनिकों में शामिल हो गए। नेपोलियन चतुर्थ की ज़ुलु सैनिकों के हाथों मृत्यु हो गई, फिर उसका पुनर्जन्म हुआ

फिलीपींस में फर्डिनेंड मार्कोस के रूप में।

Machine Translated by Google

25

हेनरी ओपुकाहिया,
लिखित हवाईयन भाषा के अग्रदूत
और इंडोनेशिया में उनका पुनर्जन्म हुआ

मैं बॉर्न अगेन के इंडोनेशियाई संस्करण को प्रकाशित करने की प्रक्रिया में, एक अन्य व्यक्ति है जिसके पिछले जीवन की पहचान की मैं पुष्टि करना चाहता हूं। वह व्यक्ति इहिपासिको फाउंडेशन के संस्थापक हांडाका विजजानंद हैं, जो एक संस्था है जो इंडोनेशिया में बुद्धधर्म के प्रकाशन, शिक्षा और प्रशिक्षण का कार्य करती है।

हांडाका के साथ काम करते हुए मैंने पाया कि वह एक बेहद प्रभावशाली युवा व्यक्ति थे। उन्होंने एक फार्मासिस्ट के रूप में शिक्षा प्राप्त की, फिर एक फार्मास्युटिकल निर्यात व्यवसाय में, अपने परिवार के प्रति एक समर्पित पिता के रूप में, लेकिन फिर भी उन्हें अध्यात्म और बौद्ध धर्म पर किताबें लिखने, संपादित करने और प्रकाशित करने का समय मिल जाता है।

व्यक्ति एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल में समान गतिविधियाँ करते रहते हैं, और जिन लोगों ने एक अवतार में किताबें लिखीं, उन्होंने अक्सर पिछले अवतारों में किताबें लिखीं। पिछले जन्मों का पता लगाना भी आसान है जो लेखकों के लिए ऐतिहासिक रूप से सत्यापन योग्य हैं, क्योंकि वे लिखित रिकॉर्ड छोड़ गए हैं। इस वजह से, मैं हांडाका के पिछले जीवन के बारे में जानने को उत्सुक था।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, अहतुन रे ने कहा कि हांडाका का एक मूल हवाईयन के रूप में भी अवतार था जो लिखित हवाईयन भाषा के निर्माण में शामिल था। जब मैंने उनसे पूछा कि मैं इस व्यक्ति को कैसे ढूंढ सका, तो उन्होंने कहा कि यह व्यक्ति ऐतिहासिक रूप से प्रसिद्ध था और ऐसा केवल एक ही चरित्र था।

कुछ खोज करने के बाद, मुझे एक लेख मिला जिसका शीर्षक था,
हेनरी ओपुकाहिया: द यूथ हू चेंज्ड

Machine Translated by Google

हवाई, बेट्टी फुलार्ड-लियो द्वारा लिखित, जिसमें वह
लिखना:

बाइबिल का अनुवाद करने और रिकॉर्डिंग करने में ओपुकाहिया का काम
व्याकरण की किताब/शब्दकोश में हवाईयन भाषा/
वर्तनी, ने मिशनरियों के लिए हवाईयन में पहली हवाईयन पाठ्यपुस्तकों और बाइबल कहानियों को मुद्रित करने का मार्ग प्रशस्त किया।6

मुझे ओपुकाहिया का एक चित्र मिला और मैंने देखा कि यह हांडाका से मिलता जुलता है। केविन रायर्सन के साथ अगले सत्र में, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या यही वह व्यक्ति है जिसका वह जिक्र कर रहे थे। मेरा मतलब है, मैंने पूछा कि क्या हंडका विजयानंद हेनरी ओपुकाहिया के पुनर्जन्म थे। अहतुन रे ने पुष्टि की कि यह मैच सही था।

जब मैंने हंडाका के साथ यह जानकारी साझा की, तो उन्हें और उनके परिवार को तुरंत इस मैच से जुड़ाव महसूस हुआ, इसके कारणों के बारे में जल्द ही बताया जाएगा। आइए सबसे पहले हवाईयन भाषा के इस प्रणेता के जीवन पर नजर डालें।

ऐसा माना जाता है कि ओपुकाहिया का जन्म 1792 में हवाई के बड़े द्वीप पर हुआ था। एक बच्चे के रूप में, वह वृद्ध जनजातीय नेता अलापी की मृत्यु के बाद हुई अराजकता और युद्ध के बीच बड़े हुए। जैसा कि इस अध्याय में पहले बताया गया है, कामेहामेहा, जो बाद में पूरे हवाई द्वीप का शासक बन गया, अलापी की मृत्यु के बाद बड़े द्वीप पर नियंत्रण को लेकर संघर्ष में उलझ गया। शाही परिवार के दो गुटों के बीच हुए इस युद्ध में ओपुकाहिया के माता-पिता दोनों मारे गए। उसके बाद उनका पालन-पोषण एक चाचा ने किया जो एक पुजारी या "कहुना" थे।

बाद में उन्होंने "कापू" के उल्लंघन के कारण अपनी चाची को खो दिया, जिसका अर्थ है एक वर्जित या धार्मिक नियम जिसे तोड़ा नहीं जा सकता। बेट्टी फुलार्ड-लियो इस घटना से संबंधित हैं:

ओपुकाहिया, जिसकी उम्र लगभग 10 से 12 वर्ष आंकी गई थी
उस समय बूढ़ी, अपनी युवा बहन को पीठ पर लादकर सैनिकों के हमले से भाग गई। सैनिकों द्वारा फेंका गया भाला निशाने पर लगा और उसकी नवजात बहन की मृत्यु हो गई। ओपुकाहिया बच गई, लेकिन वह सैनिक था जिसने उसके माता-पिता को मार डाला था जो अगले डेढ़ साल के लिए उसका रक्षक बन गया।

Machine Translated by Google

इस समय के दौरान, ओपुकाहिया को पता चलता है कि पास के मंदिर में एक कहुना उसका चाचा है, इसलिए उसे अपनी दादी और चाचा के साथ रहने की अनुमति है। जब वह पास के एक गांव में अपनी चाची से मिलने गई थी, तो सैनिक आए और कापू कानून का उल्लंघन करने के लिए उसकी चाची को हिरासत में ले लिया, लेकिन ओपुखैया एक बार फिर घर में एक छेद के माध्यम से भागकर खुद को बचाने में कामयाब रही।

उसने देखा कि कैसे एक सैनिक ने उसकी चाची को चट्टान से फेंक दिया जिससे उनकी मृत्यु हो गई।7

यह कितना दुखद है कि जनजातीय युद्धों से अनाथ ओपुकाहिया हो गया है
इतनी अधिक हिंसा देखने के लिए।

यह समझ में आता था कि वह अधिक शांतिपूर्ण जगह की तलाश में हवाई क्यों छोड़ना चाहता था। जब ट्रायम्फ नामक एक जहाज़ डॉक करता है, तो उसका कप्तान, ब्रिंटनॉल नाम का एक व्यक्ति ओपुकाहिया और होपू, एक अन्य हवाईयन लड़के को रात का खाना खाने और जहाज पर रहने के लिए आमंत्रित करता है।

फिर, 16 साल की उम्र में, ओपुकाहिया को जहाज पर रहने और जहाज की यात्राओं में शामिल होने की अनुमति दी गई। ट्रायम्फ पर अपनी यात्राओं के बारे में, बेट्टी फुलार्ड-लियो लिखती हैं:

नाविकों ने ओपुकाहिया हेनरी को बुलाया, और उसका अंतिम नाम इस तरह लिखा जैसे कि उन्होंने इसका उच्चारण "ओबूकिया" किया हो।
अगले दो वर्षों के लिए, ओपुकाहिया ट्रायम्फ के ऊपर से रवाना हुआ
सील द्वीप (अलास्का और जापान के बीच) के लिए रवाना हुए, हवाई लौटे, फिर मकाओ, और केप ऑफ गुड होप का चक्कर लगाया, फिर 1809 में न्यूयॉर्क पहुंचे। जहाज पर उन्होंने रसेल हबर्ड नामक एक ईसाई नाविक से दोस्ती की, जिन्होंने पढ़ाना शुरू किया। ओपुकाहिया को कैसे पढ़ना और लिखना है, अक्सर बाइबल को अपनी मूल अध्ययन सामग्री के रूप में उपयोग करते हैं।
8

जब जहाज संयुक्त राज्य अमेरिका में उतरा, तो ओपुकाहिया कैप्टन ब्रिंटनॉल और उनके परिवार के साथ रहने के लिए न्यू हेवन, कनेक्टिकट चले गए। वहां उन्होंने अपनी शिक्षा जारी रखी और ईसाई धर्म के बारे में सीखा, जो उन्हें अपने मूल हवाईयन धर्म से अधिक दिलचस्प लगा, जिसमें मूर्तियों की पूजा की जाती थी। कुछ समय तक, वह येल कॉलेज के अध्यक्ष के परिवार के साथ रहे जो बहुत वफादार थे। जीविकोपार्जन के लिए, वह कनेक्टिकट और न्यू हैम्पशायर में खेतों पर काम करता है, हालाँकि वह

Machine Translated by Google

जब भी वह संभव हो सीखता रहे।

1814 में, ओपुकाहिया ने कनेक्टिकट में चर्च समूहों में सार्वजनिक भाषण देना शुरू किया। इसके अलावा, उन्होंने बाइबिल का हवाईयन में अनुवाद करना शुरू किया, और उन्होंने एक हवाईयन शब्दकोश और व्याकरण पुस्तक का निर्माण किया। फुलार्ड-लियो ने अपने लेख में अपनी कहानी जारी रखी है:

कनेक्टिकट में लोगों ने मिशनरियों को विदेशी देशों, विशेषकर हवाई में भेजने के बारे में बात करना शुरू कर दिया है, क्योंकि कुछ युवा, मूल ईसाई (जैसे ओपुकाहिया) मार्ग प्रशस्त करने में सक्षम होंगे। ओपुकाहिया येल कॉलेज में पढ़ाई करके अपने जिज्ञासु दिमाग को भरना जारी रखती है। उन्होंने न केवल लैटिन, हिब्रू, ज्यामिति और भूगोल सीखा, बल्कि मेमोयर्स ऑफ हेनरी ओबुकियाह नामक पुस्तक में अपनी जीवन कहानी लिखकर अपनी अंग्रेजी भी विकसित की। 1815 में, उन्होंने अपना व्यक्तिगत इतिहास लिखना समाप्त कर दिया और उन्होंने अपने विश्वासों के बारे में अपनी भावनाओं का विवरण देते हुए एक डायरी लिखनी शुरू की।9

वास्तव में, ओपुकाहिया को एक मिशनरी प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा ताकि वह ईसाई संदेश को अपनी मातृभूमि, हवाई और बाकी दुनिया में फैला सके। दुर्भाग्य से एक मिशनरी मिशन में भाग लेने का अवसर मिलने से पहले, ओपुकाहिया को टाइफस हो गया और 17 फरवरी, 1818 को उसकी मृत्यु हो गई। अपने जीवन के अंत और उस पर इसके प्रभाव के बारे में, बेट्टी फुलार्ड-लियो लिखती हैं:

शोक मनाने वालों ने उनके चेहरे पर एक स्वर्गीय मुस्कान देखी। वह 26 साल का है.
उनके कुछ अंतिम शब्द थे "अलोआ ओए" - जिसका अनुवाद उनकी स्मृति में "माई" के रूप में होता है
प्यार
तुम्हारे साथ।"

उनकी मृत्यु के बाद उनके जीवन के बारे में पुस्तिकाएँ मुद्रित और वितरित की गईं। इस पुस्तक ने 14 मिशनरियों को स्वेच्छा से उनका संदेश सैंडविच द्वीप समूह तक ले जाने के लिए प्रेरित किया।

23 अक्टूबर, 1819 को थैडियस पर सवार होकर यात्रा करने वालों में से केवल सैमुअल रग्गल्स ही ओपुकाहिया से व्यक्तिगत रूप से मिले थे। बाइबिल का अनुवाद करने और व्याकरण/शब्दकोश/वर्तनी पुस्तक में हवाईयन को रिकॉर्ड करने में ओपुकाहिया के काम ने मिशनरियों के लिए हवाईयन में पहली हवाईयन परिचयात्मक पाठ्यपुस्तकों और बाइबिल कहानियों को मुद्रित करने का मार्ग प्रशस्त किया।

Machine Translated by Google

ओपुकाहिया का शव कनेक्टिकट के कॉर्नवाल में एक पहाड़ी कब्रिस्तान में दफनाया गया है, जहां वह 185 वर्षों से रह रही है।
1993 में, डेबोरा ली के नेतृत्व में उनके वंशजों का एक समूह, उनके अवशेषों को बिग आइलैंड में वापस लाया। उनके अवशेषों को दक्षिण कोना में कीलाकेकुआ खाड़ी के पास, नेपो ओपो-ओ में काहिकोलू कब्रिस्तान में फिर से दफनाया गया। एक पट्टिका कब्र को चिह्नित करती है, जिसका रख-रखाव का ओह ओला होउ द्वारा किया जाता है, जो इस धर्मनिष्ठ और दृढ़निश्चयी युवक की उपलब्धियों को संरक्षित करने के लिए गठित एक समूह है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह ईसाई धर्म में परिवर्तित होने वाला पहला हवाईयन था-

वह युवा जिसका उत्साह उसके आगमन का कारण था। 1820.10 में हवाई में प्रथम मिशनरी

बॉर्न अगेन में प्रस्तुत मामलों में, हमने एक बार फिर देखा है कि कैसे प्रवृत्तियाँ, दृष्टिकोण, प्रतिभाएँ और जीवनशैली एक अवतार से दूसरे अवतार में खुद को दोहरा सकती हैं। हंडाका विजयानंद ओपुकाहिया से संबंधित हैं क्योंकि उनके बीच कई समानताएं मौजूद हैं, जैसे:

• धर्मग्रंथों का अनुवाद: ओपुकाहिया ने बाइबिल का हवाईयन में अनुवाद किया। हांडाका ने बौद्ध धर्मग्रंथों का इंडोनेशियाई में अनुवाद किया।

• अनुवादित शब्दकोश का निर्माण: ओपुकाहिया को अंग्रेजी के लिए पहले शब्दकोश या मूल शब्दकोश के निर्माण के लिए जाना जाता है/
हवाईयन अनुवाद. हांडाका पाली (पुरानी भारतीय) में लिखे गए बौद्ध ग्रंथों को इंडोनेशियाई में स्थानांतरित करने की सुविधा के लिए एक समान अनुवादित शब्दकोश पर काम कर रहा है।

• सार्वजनिक वक्ता: जिस तरह ओपुकाहिया चर्च समूहों में आम जनता को व्याख्यान देते हैं, उसी तरह हांडाका बौद्ध धर्म और व्यक्तित्व विकास पर सार्वजनिक व्याख्यान देते हैं।

• मिशनरी कार्य: ओपुकाहिया ने प्रदर्शन करने के लिए प्रशिक्षण लिया
ईसाई मिशनरी कार्य, हालाँकि मिशनरी के रूप में सेवा शुरू करने से पहले ही उनकी मृत्यु हो गई। हंडाका कई वर्षों से मिशनरी कार्य कर रहे हैं और हाल ही में उन्होंने मेदान और आचे में सेवा की है, जो 2004 के अंत में सुनामी से प्रभावित हुए थे।

Machine Translated by Google

हांडाका ने नोट किया कि दोनों जीवनकालों के बीच मुख्य अंतर यह है कि उन्होंने ओपुकाहिया के रूप में अपने जीवन में ईसाई धर्म की सेवा की, जबकि उन्होंने अपने वर्तमान अवतार में बौद्ध धर्म की सेवा की। इसमें अधिक सार्वभौमिक और समग्र दृष्टिकोण भी है, जो पुनर्जन्म में विश्वास करने वाले लोगों की विशेषता है।

अहतुन रे ने खुलासा किया है कि इंडोनेशिया में हांडाका परिवार हवाई में ओपुकाहिया परिवार के हिस्से के रूप में भी अवतरित हुए थे, जिनमें से कुछ को, हम जानते हैं, हिंसक मौतों का सामना करना पड़ा था। हेनरी ओपुकाहिया/हंडाका विजजानंद के पुनर्जन्म के मामले में, हम आध्यात्मिक विकास में मनुष्य के सूक्ष्म जगत पथ को देखते हैं। ओपुकाहिया का जन्म आदिवासी युद्धों और सख्त धार्मिक नियमों और वर्जनाओं की भूमि में हुआ था। वर्जनाओं को तोड़ने पर यातना और यहां तक कि मौत भी हो सकती है। ओपुकाहिया ने हवाई छोड़ दिया और ईसाई धर्म में विश्वास करने लगा, एक ऐसा धर्म जो क्षमा, दान और दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करने पर केंद्रित है जैसा हम चाहते हैं कि दूसरे हमारे साथ करें।

हालाँकि, ईसाई अभी भी अन्य विश्वास प्रणालियों वाले लोगों से अलग हैं और इन मतभेदों पर युद्ध लड़े गए हैं।

अपने वर्तमान जीवन में, हांडाका ने बौद्ध धर्म अपनाया, जो करुणा को महत्व देता है और पुनर्जन्म का पालन करता है।

पुनर्जन्म और विशेष रूप से पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य यह दिखाते हैं कि हम धर्म, राष्ट्र, नस्ल और जातीयता के साथ अपने संबंधों को एक अवतार से दूसरे अवतार में बदल सकते हैं, एक सार्वभौमिक विश्वदृष्टि का अंतिम स्रोत है। आइए आशा करें कि पुनर्जन्म से संबंधित साक्ष्य पूरी दुनिया में फैलेंगे, जिससे ग्रह पर अधिक शांति और सहिष्णुता आएगी। आइए हम इंडोनेशिया में पुनर्जन्म के साक्ष्य प्रस्तुत करने में सहायता के लिए हेनरी ओपुकाहिया/हांडाका विजयानंद को धन्यवाद दें।

Machine Translated by Google

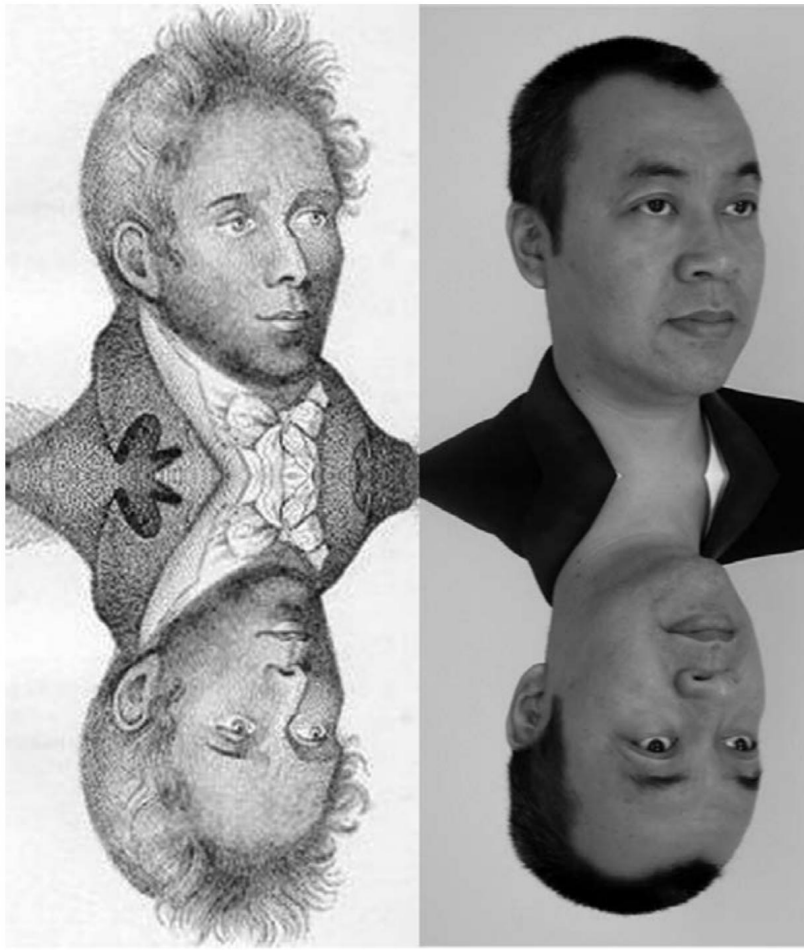

हेनरी ओपुकाहिया हंडका विजयानंद

हेनरी ओपुकाहिया एक युवा हवाईवासी थे जिन्होंने पहली बार बाइबिल का लिखित अनुवाद किया था

हवाईयन। उनका इंडोनेशिया में हंडाका विज्जानंद के रूप में पुनर्जन्म हुआ।

मिशनरी और धार्मिक पाठ अनुवाद के मामले में दोनों में बहुत समानता है। मुख्य अंतर यह है कि उन्होंने हेनरी के रूप में ईसाई धर्म की सेवा की, जबकि अपने वर्तमान अवतार में उन्होंने बौद्ध धर्म की सेवा की।

Machine Translated by Google

भाग IV

की उत्पत्ति

आत्मा और पुनर्जन्म का उद्देश्य

Machine Translated by Google

26

परिचय और IISIS:
एक विज्ञान की स्थापना
आध्यात्मिक ज्ञान

आज तक बॉर्न अगेन का फोकस इसी पर रहा है
वर्तमान मामले जो पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य दर्शाते हैं। मेरी राय में, पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य से आध्यात्मिक विज्ञान को बढ़ावा मिलेगा जो मानवता को अधिक तेज़ी से और शांतिपूर्ण तरीके से विकसित करने में मदद करेगा।

पुनर्जन्म के मामलों की दो श्रेणियां प्रस्तुत की गई हैं
बोर्न अगेन में. एक श्रेणी उन मामलों से संबंधित है जिन पर स्वतंत्र रूप से शोध किया गया है या स्वयं द्वारा
वर्णित किया गया है, जैसे कि डॉक्टर द्वारा अध्ययन किए गए मामले। वर्जीनिया विश्वविद्यालय में इयान स्टीवेन्सन ने रॉबर्ट स्नो, जेफ कीन, नॉर्म शीली, बारब्रो कार्लेन और अन्य जैसे मामलों को स्वतंत्र रूप से हल किया।

दूसरी श्रेणी में केविन रायर्सन के साथ मेरे द्वारा किए गए सहयोग के माध्यम से हल किए गए मामले शामिल हैं, जिसमें उनके आध्यात्मिक मार्गदर्शक अहतुन रे ने पिछले जीवन की पहचानों की सटीक भविष्यवाणी करने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। जैसा कि पहले बताया गया है, अहतुन रे एक आत्मा है जो पृथ्वी पर एक विकासवादी चक्र से गुज़री है, जिसने 1350 ईसा पूर्व से पुनर्जन्म न लेने का विकल्प चुना है।

इसके बजाय, अहतुन रे ने तीन हजार से अधिक वर्षों तक, आध्यात्मिक दुनिया से अपने दृष्टिकोण से मानव जाति के विकास का अवलोकन किया।

अगर कुछ साल पहले किसी ने मुझसे कहा होता कि मैं एक किताब लिखूंगा

Machine Translated by Google

एक ट्रान्स माध्यम और मिस्र के एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक के साथ सहयोग करते हुए, मैं स्पष्ट रूप से सोचूंगा कि यह बहुत दूर की कौड़ी है। हालाँकि, केविन के साथ 6 वर्षों से अधिक समय तक काम करने और हर महीने उसके साथ एक या दो सत्र करने के दौरान, मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि अहतुन रे एक आत्मा है जो केविन की अपनी आत्मा से अलग है, और अहतुन रे की पहुंच आंशिक रूप से लोगों तक है। इसे यूनिवर्सल माइंड या जिसे कुछ अन्य लोग आकाशीय रिकॉर्ड कहते हैं, के रूप में देखें।

जानकारी के इन स्रोतों तक पहुँचने की अहतुन रे की क्षमता उसे पुनर्जन्म के मामलों को सटीक रूप से हल करने की अनुमति देती है। इस क्षमता के कारण, मुझे वह एक मूल्यवान शोध भागीदार लगा, जिसका हृदय भी बहुत अच्छा था। इसके अलावा, मुझे केविन एक अद्भुत दोस्त भी लगा। वह ईमानदार, नैतिक और उज्ज्वल दिमाग वाला है।

केविन ने अहतुन रे जैसी मार्गदर्शक आत्माओं को मानव जाति के साथ संवाद करने की अनुमति देकर एक अनूठी सेवा प्रदान की है। मैं, कई अन्य लोगों की तरह, उन्हें दुनिया का सबसे अग्रणी ट्रान्स माध्यम मानता हूं, और मैं अक्सर उन्हें आज के एडगर कैस के रूप में संदर्भित करता हूं।

बॉर्न अगेन में, मैंने पुनर्जन्म के मामलों को संकलित किया है जो पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य प्रदान करते हैं।

यह न केवल इस बात का प्रमाण देने के लिए है कि पुनर्जन्म वास्तविक है, बल्कि उन पैटर्न और विशेषताओं को भी रेखांकित करने का प्रयास है जो दर्शाते हैं कि पुनर्जन्म कैसे काम करता है। पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य समय के साथ बढ़ते जाएंगे क्योंकि अधिक से अधिक लोग अपने ऐतिहासिक रूप से सत्यापित पिछले जीवन को याद करते हैं, या उन्हें किसी न किसी तरीके से ढूंढते हैं।

इंटरनेट और जनसंचार माध्यमों के विकास के कारण, पुनर्जन्म का वस्तुनिष्ठ साक्ष्य प्रदान करने वाली जानकारी दुनिया भर में तेजी से प्रसारित होगी।

यदि हम स्वीकार करते हैं कि पुनर्जन्म वास्तविक है, तो आने वाले प्रश्न स्वाभाविक रूप से पुनर्जन्म के उद्देश्य और आध्यात्मिक दुनिया की प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमेंगे। दुर्भाग्य से, कुछ

Machine Translated by Google

हममें से अधिकांश लोग आत्मा की दुनिया को नहीं समझ सकते। पुनर्जन्म के उद्देश्य को समझाने की कोशिश में, हमें उन आत्माओं पर भरोसा करना होगा जो इसे प्रत्यक्ष रूप से अनुभव कर सकते हैं, ऐसे लोग जिनके पास अद्वितीय प्रतिभाएं हैं जैसे कि मनोविज्ञान। इसके अलावा, हम स्वयं आत्मा की दुनिया के निवासियों की गवाही पर आधारित हो सकते हैं, जैसे अहतुन रे और अन्य आत्मा मार्गदर्शक जो जॉन/जॉन और टॉम मैकफरसन सहित केविन रायर्सन के माध्यम से संवाद करते हैं।

जॉन, केविन की मार्गदर्शक भावना हमें नए नियम के सुसमाचारों को समझने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। उन्होंने खुद को एस्सेन्स के सदस्य, यीशु के शिष्य और यहां तक कि प्रेरित जॉन के रूप में भी पहचाना, जिन्होंने जॉन का सुसमाचार लिखा था। जॉन के संदेशों की सामग्री का केविन की पुस्तक, स्पिरिट कम्युनिकेशन, द सोल्स पाथ में गहराई से अध्ययन किया जा सकता है। वास्तव में, पुस्तक में जॉन के संदेशों का प्रतिलेखन स्पष्ट शैलीगत समानताओं के साथ भी, एक नए रूप में जॉन के सुसमाचार का निर्माण करता है।

मैं केविन को उनकी पुस्तक से मिली जानकारी का उपयोग करने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

निम्नलिखित पृष्ठों में, आत्मा के विकास के संबंध में बाइबिल की कई अवधारणाओं की जांच की जाएगी। चूंकि जॉन, केविन रायर्सन की मार्गदर्शक भावना ने खुद को प्रेरित जॉन के रूप में पहचाना है, अन्य धार्मिक अवधारणाओं की तुलना में जूदेव-ईसाई अवधारणाओं पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा, अहतुन रे ने कहा है कि उन्होंने अपने अवतार के दौरान यीशु की मार्गदर्शक आत्मा के रूप में कार्य किया जिसके कारण उन्हें सूली पर चढ़ाया गया और पुनरुत्थान हुआ। मेरा पालन-पोषण संयुक्त राज्य अमेरिका में कैथोलिक माता-पिता द्वारा हुआ, इसलिए मेरा मुख्य धार्मिक अनुभव यहूदी-ईसाई अवधारणाएँ थीं। मुझे खेद है कि अन्य धार्मिक अवधारणाओं को बाद के अध्यायों में समान अवसर नहीं मिला है। मुझे आशा है कि भविष्य के प्रकाशनों में इस कमी को दूर किया जा सकेगा।

अन्य लोगों से मैंने इस अनुभाग में योगदान देने के लिए कहा है
बोर्न अगेन ऐसे व्यक्ति होते हैं जिनके पास मानसिक प्रतिभा होती है और जिनके पास अनुभव होता है

Machine Translated by Google

सीधे नीचे सूचीबद्ध आत्माओं और आध्यात्मिक प्राणियों की दुनिया के साथ। जो लोग उनके और उनके काम के बारे में अधिक जानना चाहते हैं, उनके लिए मैंने केविन रायर्सन सहित उनकी वेबसाइटों के पते प्रदान किए हैं।

इको बॉडी	www.echobodine.com
जूडी गुडमैन	www.judygoodman.com
वेन पीटरसन	www.waynepeterson.com
केविन रायर्सन	www.kevinryerson.com
माइकल तमुरा	www.michaeltamura.com

मैंने आत्मा की उत्पत्ति और पुनर्जन्म के उद्देश्य को समझाने में मदद के लिए विभिन्न स्रोतों, जैसे थियोसोफी और ऐलिस बेली के कार्यों से भी विचार लिए हैं। किसी भी स्रोत से सामग्री प्रस्तुत करने से पहले, मैंने यह निर्धारित करने के लिए अहतुन रे से परामर्श किया है कि क्या ये अवधारणाएँ मान्य हैं। इस प्रकार, इस खंड की जानकारी को कम से कम आध्यात्मिक क्षेत्र के निवासी, एक आत्मा की स्वीकृति प्राप्त हुई है जिसने एक सत्यापन योग्य अतीत की पहचान बनाने में दक्षता का प्रदर्शन किया है। इस प्रकार अहतुन रे इस खंड में मार्गदर्शक दीपक है।

मैं यह भी बताना चाहूंगा कि मुझे लगता है कि इस पुस्तक में प्रस्तुत सामग्री एक प्रारंभिक बिंदु है।

समय के साथ, अन्य सामग्रियां उन लोगों से सामने आएंगी जो आध्यात्मिक क्षेत्रों का अनुभव कर सकते हैं और जो नई खोजों और विकास में योगदान देंगे। हमने IISIS (विज्ञान, अंतर्ज्ञान और आत्मा के एकीकरण संस्थान) नामक एक संगठन बनाया है जो पुनर्जन्म अनुसंधान और आध्यात्मिक क्षेत्रों के बारे में सीखने के लिए समर्पित है।

आईआईएसआईएस के माध्यम से, हम पुनर्जन्म का यथासंभव वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन करेंगे। हमें उम्मीद है कि हम पुनर्जन्म के मामलों को एकत्र करने, दाखिल करने और उनका विश्लेषण करने के लिए एक उपयोगी विश्व नेटवर्क स्थापित करने में सक्षम होंगे।

इसके अलावा, हम सामाजिक परिवर्तनों को सुविधाजनक बनाने के लिए भी समर्पित हैं पुनर्जन्म का वह वस्तुनिष्ठ साक्ष्य ला सकता है, क्योंकि यह साक्ष्य बताता है कि व्यक्ति ऐसा कर सकते हैं

Machine Translated by Google

अपने धार्मिक संबंधों, राष्ट्रीयता और जातीय पृष्ठभूमि को एक अवतार से दूसरे अवतार में बदलना। यह हमारी ईमानदार आशा और लक्ष्य है कि जब इस शोध का प्रसार किया जाएगा, तो धर्म, नस्ल, राष्ट्रीयता और जातीय पृष्ठभूमि में मतभेदों पर आधारित संघर्षों को कम किया जा सकता है। IISIS के बारे में अधिक जानने के लिए, www.iisis.net पर जाएँ।

Machine Translated by Google

27

ब्रह्मांड और आत्माओं का निर्माण

बिग बैंग* और भौतिक ब्रह्मांड का निर्माण

अहतुन रे के अनुसार, जॉन के गॉस्पेल में सृजन की कहानी काफी सटीक रूप से वर्णित है। मैं इस कहानी को अहतुन रे और योहानेस के स्पष्टीकरण के साथ प्रस्तुत करूंगा, जैसा कि केविन रायर्सन की पुस्तक, स्पिरिट कम्युनिकेशन: द सोल्स पाथ में प्रकाशित हुआ है।

जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है, मार्गदर्शक आत्मा जो नरम और शांत आवाज़ में बात करती थी और खुद को जॉन कहती थी, उसने खुद को प्रेरित जॉन के रूप में पेश किया था, जो जॉन के सुसमाचार का लेखक भी था। यह भावना केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करती है।

भौतिक ब्रह्मांड का निर्माण, भिक्षु, आत्माएं, और
द्विध्रुवीय-द्विध्रुवीय

योहानेस और अहतुन रे के अनुसार, भगवान ने बिग बैंग घटना में भौतिक ब्रह्मांड का निर्माण किया, जिसके बारे में वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह लगभग 14 अरब साल पहले हुआ था। ईश्वर इसे एक रचनात्मक कार्य के रूप में करता है और भौतिक ब्रह्मांड को ईश्वर का शरीर माना जा सकता है।

अहतुन रे ने कहा कि ईश्वर ने हमसे जुड़ी आत्माओं को बनाया है
बिग बैंग के बाद लगभग "एक नैनोसेकंड" ब्रह्मांड। हम कल्पना कर सकते हैं कि आत्माएं

---

* बिग बैंग उन वैज्ञानिक सिद्धांतों में से एक है जो ब्रह्मांड के विकास और प्रारंभिक स्वरूप की व्याख्या करता है। यह सिद्धांत बताता है कि ब्रह्मांड का निर्माण लगभग 13,700 मिलियन वर्ष पहले हुए एक विशाल विस्फोट से हुआ था। इस विस्फोट से पूरे ब्रह्मांड में भारी मात्रा में पदार्थ फैल गया। ये सामग्रियां फिर इस ब्रह्मांड में सितारों, ग्रहों, ब्रह्मांडीय धूल, क्षुद्रग्रहों, उल्काओं, ऊर्जा और अन्य कणों के रूप में भर जाती हैं।

Machine Translated by Google

यह ईश्वर के छोटे-छोटे टुकड़ों के रूप में बिखर जाता है, ईश्वर के छोटे-छोटे टुकड़े जो ईश्वर से उत्पन्न होते हैं। मैंने अहतुन रे से पूछा, "भगवान ने आत्माओं को क्यों बनाया?" उन्होंने उत्तर दिया, "ईश्वर ने ब्रह्मांड और आत्माओं की रचना की क्योंकि ईश्वर विविधता के माध्यम से एकता व्यक्त करना चाहते थे। ईश्वर विविधता व्यक्त करना चाहता है।"

मैंने अहतुन रे से यह भी पूछा कि क्या ऐसे अन्य देवता हैं जिन्होंने अन्य बिग बैंग घटनाओं के माध्यम से अन्य ब्रह्मांडों का निर्माण किया, ऐसे ब्रह्मांड जो शायद अन्य आयामों में मौजूद हैं।
अहतुन रे कहते हैं कि ईश्वर एक ही है।

जैसा कि आत्मा संचार में वर्णित है और अहतुन रे, भगवान द्वारा पुष्टि की गई है
इस ब्रह्माण्ड से जुड़ी सभी आत्माओं को एक ही समय में बनाया।

मैंने अहतुन रे से पूछा कि बिग बैंग से पहले क्या था। अहतुन रे का कहना है कि वहाँ एक "शून्यता है,

शुद्ध चेतना।" अहतुन रे ने फिर उसे जोड़ा
ईश्वर की पिछली अभिव्यक्तियाँ थीं और एक ब्रह्मांड था जो हमारे ब्रह्मांड से पहले अस्तित्व में था। वह ब्रह्मांड जो बिग बैंग से पहले अस्तित्व में था, जिसके बारे में माना जाता है कि यह 14 अरब साल पहले हुआ था। पिछले ब्रह्मांड की ये पहले से मौजूद आत्माएं हमारे बिग बैंग घटना के बाद भी अस्तित्व में रहीं। इस प्रकार, भले ही ब्रह्मांड की भौतिक संरचना बिग बैंग घटना के माध्यम से नष्ट हो गई और फिर से बनाई गई, आत्माएं कायम रहीं।

अहतुन रे बताते हैं कि हमारे बिग बैंग से पहले मौजूद आत्माओं का एक हिस्सा हमारे वर्तमान ब्रह्मांड में अवतार लेने के लिए सहमत हुआ। मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या ये आत्माएँ अपने पिछले जन्मों की योग्यताएँ, प्रतिभाएँ और आशीर्वाद अपने साथ लायी हैं। अहतुन रे ने कहा कि वे उसे ले गए, और मानव जाति के महान नेता जैसे बुद्ध, मूसा, यीशु, कृष्ण और अन्य हमारे ब्रह्मांड के निर्माण से पहले मौजूद थे। वे और हजारों लोग मानवता का मार्गदर्शन और सेवा करने के लिए भौतिक जीवन में पुनर्जन्म लेने के लिए सहमत हुए। ये अनुभवी आत्माएं भौतिक जीवन में प्रवेश करती हैं

आत्माओं के समान द्वार

Machine Translated by Google

एक नया, 14 अरब वर्ष पहले बिग बैंग के एक नैनोसेकंड बाद।

मोनाड**, हमारी आत्मा और ऊर्जा स्पेक्ट्रम

जब भगवान ने हमें बनाया, तो हम अद्वितीय गुणों से संपन्न थे जो हमारे पूरे अस्तित्व में हमारे भीतर बने रहे। यही कारण है कि, विभिन्न अवतारों के माध्यम से, हम समान स्वभाव, प्राथमिकताएं और प्रतिभा प्रदर्शित करते हैं। पिछले अध्याय में, हमने देखा कि पॉल गाउगिन का एक कलाकार के रूप में पुनर्जन्म हुआ है, पीटर टेकैम्प के व्यक्तित्व में। इसी तरह, पाब्लो पिकासो का पुनर्जन्म कलाकार एलेक्जेंड्रा नेचिता के रूप में हुआ है।

अमेरिकी क्रांति में एक सैन्य नायक जनरल डैनियल मॉर्गन का जॉर्ज डब्ल्यू बुश के रूप में पुनर्जन्म हुआ है, जो एक राजनीतिक नेता हैं जो सैन्य शक्ति के साथ समस्याओं का सामना करते हैं। अमेरिकी गृहयुद्ध के जनरल जॉन बी. गॉर्डन का सहायक मुख्य अग्निशमन अधिकारी जेफ के रूप में पुनर्जन्म हुआ है

कीन, जो नोट करते हैं कि अग्निशमन विभाग में काम करना खतरे और रैंक संरचना से निपटने के मामले में सेना में काम करने के समान है।
लॉरेल और हार्डी को एक बार फिर कॉमेडियन जोड़ी, बैचर बॉयज़ के रूप में पुनर्जन्म मिला है।

व्यक्तित्व और आध्यात्मिक विकास के गुणों को बेहतर ढंग से समझने के लिए, हम "मोनैड" और आत्मा की परिभाषाओं के बीच अंतर करेंगे।
हम "मोनैड" शब्द का उपयोग हमारे आध्यात्मिक शरीर रचना के उस हिस्से का वर्णन करने के लिए करेंगे जो ईश्वर के साथ एकता में रहता है, अस्तित्व के एक स्तर पर रहता है जो ईश्वर चेतना का निवास है। यदि हम ईश्वर से अंकुरित होते हैं, तो मोनाड को वह अंकुर माना जा सकता है जो बेल पर रहता है जो कि ईश्वर है। मोनाड को "आत्मा" का पर्याय माना जा सकता है।

हम "आत्मा" को एक सन्यासी प्रक्षेपण के रूप में परिभाषित करेंगे जो विभिन्न आयामों या अन्य क्षेत्रों से होकर गुजरती है जिन्हें आमतौर पर "निचले" क्षेत्रों के रूप में वर्णित किया जाता है।

** मोनाड (ग्रीक से, मोनास, "इकाई"; मोनोस, "अकेला"), ईश्वर या प्रथम अस्तित्व, या सभी प्राणियों की समग्रता के लिए शब्द है। मोनाड स्रोत या एकता, पूर्ण या अविभाजित है।

Machine Translated by Google

जहाँ सन्यासी या आत्मा निवास करती है। आत्मा अनुभव प्राप्त करने और पहचान बनाने के लिए निचले आयामों की यात्रा करती है। आत्मा हमारे जीवन-पर्यन्त अनुभवों का भण्डार है।

प्राचीन मिस्रवासी पुनर्जन्म में विश्वास करते थे और उन्होंने व्यक्ति की आध्यात्मिक शारीरिक रचना को भी भागों में विभाजित किया था, जिनमें से मुख्य थे "बा" और "का"। हालाँकि "बा" और "का" के बारे में मिस्रवासियों की समझ कुछ अलग है, अहतुन रे का कहना है कि हमारी चर्चा के प्रयोजनों के लिए, हम देख सकते हैं कि "बा" मोनड के बराबर है और "का" आत्मा के बराबर है।

मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या भिक्षुओं और आत्माओं का निर्माण एक ही समय में हुआ था। उनका कहना है कि चेहरे की बनावट का कंकाल भी उसी समय बनाया गया था जब भिक्षु और आत्मा का निर्माण किया गया था, और यह कंकाल आत्मा की गणितीय संपत्ति है। किसी व्यक्ति के चेहरे की अनूठी रूपरेखा को विभिन्न अवतारों में आकर्षक या अनाकर्षक माना जा सकता है, जो किसी विशेष अवतार पर हावी होने वाले शारीरिक लक्षणों पर निर्भर करता है, जैसे कि चेहरे और दांतों की स्थिति, वजन, इत्यादि। सामाजिक मानदंड, जिसे समाज उचित मानता है, वह इस बात पर भी प्रभाव डालेगा कि किसी व्यक्ति को आकर्षक या अनाकर्षक के रूप में देखा जाता है या नहीं। यद्यपि हम एक ही हड्डी की संरचना, मूल चेहरे की उपस्थिति को बरकरार रखते हैं, हम वैकल्पिक रूप से, जीवन से जीवन तक, आकर्षक या सामान्य के रूप में देखे जा सकते हैं।

योयो हाथ में पकड़ा हुआ एक खिलौना है, जो एक डोरी के माध्यम से घूमता है और फिर वापस हाथ में आ जाता है।

हम सन्यासी या आत्मा और हमारी आत्मा के बीच संबंध को समझाने के लिए योयो सादृश्य का उपयोग करेंगे। कल्पना करें कि मोनाड एक यो-यो से जुड़ा हुआ एक धागा है, और यह यो-यो उस स्थान पर मोनाड से जुड़ा हुआ है जो भगवान का निवास है। मोनाड ईश्वर के विस्तार की तरह है, ईश्वर का अंश है, लेकिन उसका अपना अस्तित्व है।

यद्यपि योयो, या आत्मा, ईश्वर से दूर निचले आयामों में भटकती है, यह हमेशा अपने तारों से सन्यासी से जुड़ी रहती है। हिंदू दर्शन में, यहां तक कि एक है

Machine Translated by Google

सन्यासी और आत्मा के बीच इस गतिशील संबंध का वर्णन करने के लिए शब्द, "अंतकरण"। अंतकरण को "इंद्रधनुष पुल" के नाम से भी जाना जाता है।

अब जब हमने भिक्षुओं और आत्माओं के बीच अंतर कर लिया है, तो आइए देखें कि हम अद्वितीय गुणों के साथ कैसे निर्मित हुए हैं।

आइए हम कल्पना करें कि मोनाड, हमारे जीवन की चमक जो ईश्वर से आती है, एक प्रिज्म की तरह है जो सफेद रोशनी को अपवर्तित करती है। जब हम किसी प्रिज्म की कल्पना करते हैं, तो हम आमतौर पर इसकी कल्पना एक त्रिकोण के रूप में करते हैं और हम प्रिज्म से अलग होने वाले सात रंगों, दृश्य प्रकाश स्पेक्ट्रम के सात रंगों की कल्पना कर सकते हैं।

आइए कल्पना करें कि हम भिक्षुओं को अपने स्वयं के अनूठे प्रिज्म के साथ बनाया गया है जो रंगों या ऊर्जाओं के संयोजन का उत्सर्जन करता है जो हमें चित्रित करते हैं।

कुछ भिक्षुओं में ऊर्जा स्पेक्ट्रम होता है जहां लाल प्रमुख रंग होता है, जबकि अन्य भिक्षुओं में मुख्य रूप से हरा रंग होता है, अन्य पीले या नीले रंग का उत्पादन करते हैं। हम इस विशिष्ट ऊर्जा स्पेक्ट्रम को अपना "ऊर्जा पैटर्न" या "ऊर्जा स्पेक्ट्रम" कहेंगे।

यो-यो की हमारी सादृश्यता में, हमारा मोनाड या प्रिज्म हमारी आत्मा के लिए प्रकाश का एक अनूठा स्पेक्ट्रम, यो-यो का गोल भाग, उत्पन्न करता है। जब हम एक भौतिक शरीर में अवतरित होते हैं, तो हमारी आत्मा ऊर्जा के इस स्पेक्ट्रम को हमारे अंदर संचारित करती है। कल्पना कीजिए कि आत्मा एक विकासशील भौतिक शरीर पर एक होलोग्राम, या त्रि-आयामी छवि पेश करने में सक्षम है। इस ऊर्जा होलोग्राम में वह कंकाल शामिल है जिसमें हमारी हड्डियाँ और ऊतक विकसित होंगे, जिसके परिणामस्वरूप हमारी विशिष्ट उपस्थिति और विशेष रूप से चेहरे का आकार होगा।

होलोग्राम हमारे ऊर्जा स्पेक्ट्रम को भी संचारित करते हैं, जो बाद में हमारे गुणों, क्षमताओं और रुचियों में परिलक्षित होता है।

इस प्रकार, आपकी आत्मा एक गतिशील ऊर्जा संरचना है और वही संचालित होती है
आपका अवतार. आप भौतिक शरीर में अपनी आत्मा का एक होलोग्राफिक प्रक्षेपण हैं। हालाँकि, आपकी आत्मा आपसे कहीं अधिक है, क्योंकि आप एक विशेष समय और स्थान पर अपनी आत्मा का केवल एक केंद्र बिंदु हैं। तुम्हारी आत्मा तो तुम हो, लेकिन तुम्हारी आत्मा समग्र रूप से संयुक्त है

Machine Translated by Google

उनके पास अवतार था. हममें से अधिकांश का अपनी आत्माओं के साथ कोई सचेतन संबंध नहीं है, लेकिन कुछ का ऐसा है, जैसा कि पिछले जन्मों की स्मृतियों से पता चलता है। आध्यात्मिक प्रगति की एक विशेषता हमारी आत्मा के साथ अधिक जागरूक संबंध है।

इस बिंदु पर आइए उन तरीकों का पता लगाएं जिनसे हम अपने ऊर्जा स्पेक्ट्रम, ऊर्जा या रंगों के अपने अनूठे सेट को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं, जो हमें वह बनाता है जो हम हैं।

Machine Translated by Google

28

सात किरणों की अवधारणा

थियोसोफिकल साहित्य में वर्णित एक व्यक्तित्व मॉडल,
जिसका उपयोग मैं आत्मा की प्रकृति को बेहतर ढंग से समझने के लिए करना चाहता हूं उसे "सात किरणें" कहा जाता है। मैं इस मॉडल का उल्लेख कर रहा हूं क्योंकि यह इस अवधारणा के अनुरूप है कि प्रत्येक व्यक्ति के पास रंगों के संयोजन से युक्त एक विशिष्ट रंग या ऊर्जा स्पेक्ट्रम होता है। मैं विभिन्न प्रकार की किरणों को चित्रित करने के लिए ऐतिहासिक आकृतियों का उपयोग करूँगा। यह वर्गीकरण ऐलिस बेली और बेंजामिन क्रेम जैसे लेखकों के साथ-साथ अहतुन रे से लिया गया है। मैं यह भी जानता हूं कि अन्य स्रोत व्यक्तियों को थोड़े अलग तरीकों से वर्गीकृत कर सकते हैं।

इन विभिन्न वर्गीकरणों को हम इस अर्थ में समझ सकते हैं कि हम केवल एक प्रकार की किरणों से नहीं बने हैं। बल्कि, हम विभिन्न आकारों की सात फुहारों वाले एक फव्वारे की तरह हैं। हममें से कुछ लोग एक प्रकाश की प्रधानता उत्सर्जित करते हैं, जबकि अन्य विभिन्न किरणों के संयोजन का उत्सर्जन करते हैं। समझने की कुंजी यह है कि हमारे पास ऊर्जा का एक अनूठा पैटर्न है, ऊर्जा का एक स्पेक्ट्रम जो एक अवतार से दूसरे अवतार में प्रकट होता है। सात किरणों का संक्षेप में वर्णन इस प्रकार किया जा सकता है।

पहली किरण: इच्छाशक्ति की ऊर्जा, जो फोकस पैदा करती है
शक्ति और प्रभाव पर.

फर्स्ट रे ऊर्जा से भरपूर ऊर्जावान व्यक्ति सरकार, सेना, कॉर्पोरेट संरचनाओं आदि में नेतृत्व पदों की ओर आकर्षित होते हैं।

फर्स्ट रे व्यक्तियों को एक्शन पसंद है और वे

Machine Translated by Google

पुलिस और अग्निशमन नौकरियों जैसे कार्य-उन्मुख व्यवसायों का आनंद लें। एथलीट इच्छाशक्ति की ऊर्जा का भी प्रदर्शन करते हैं। फर्स्ट रे प्रकारों के ऐतिहासिक उदाहरणों में अलेक्जेंडर द ग्रेट, इंदिरा गांधी, लियोनिद ब्रेझनेव, जोसेफ स्टालिन और निकिता ख्रुश्चेव शामिल हैं।

फर्स्ट रे प्रकार के लोग अक्सर अपने महान साहस के लिए पहचाने जाते हैं, लेकिन वे जबरदस्त नुकसान भी कर सकते हैं। यह उपयोगी हो सकता है यदि कोई पुराना संगठन या एजेंसी बदलाव के दौर से गुजर रही है, लेकिन पतन आमतौर पर संसाधनों और बुनियादी ढांचे को बर्बाद कर देता है। अंततः, संघर्ष अनावश्यक है, और मानवता विकासवादी विकास के मामले में आगे बढ़ेगी जब फर्स्ट रे प्रकार अपनी नेतृत्व क्षमताओं को नष्ट करने के बजाय निर्माण पर केंद्रित करेंगे। वास्तव में, जितने अधिक प्रकार के फर्स्ट रेज़ विकसित हुए हैं, वे सेना के बजाय सरकार और निगमों में नेतृत्व की भूमिका निभाएंगे।

प्रथम किरणों की ऊर्जा से जुड़े व्यक्ति का एक उदाहरण फ्रांस के सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट हैं, जिन्होंने कई देशों पर विजय प्राप्त की, लेकिन महान विनाश और पीड़ा भी पैदा की। हालाँकि इस मामले में आगे की जाँच की आवश्यकता है, नेपोलियन का पुनर्जन्म जनरल इलेक्ट्रिक के पूर्व सीईओ जैक वेल्च के रूप में हुआ है। इस मामले की पहचान उस सहयोग से हुई जो मैंने केविन रायर्सन और अहतुन रे के साथ किया था। जैक वेल्च ने GE को सफलतापूर्वक एक घरेलू उपकरण निर्माता से एक विविध बहुराष्ट्रीय कंपनी में बदल दिया है।

वेल्च, नेपोलियन की तरह, असाधारण रूप से सक्षम थे वह नेता जिसने अपने करियर के दौरान अपने क्षेत्र का अत्यधिक विस्तार किया था। आज, वेल्च युद्ध के मैदान के बजाय बोर्डरूम में अपने फर्स्ट रे के गुणों को व्यक्त करते हैं।

यह बहुत अधिक विकसित नेतृत्व क्षमताओं की अभिव्यक्ति है और अहतुन रे की भविष्यवाणी है कि वेल्च भविष्य में ऐसी कंपनियां बनाने के लिए पुनर्जन्म लेंगे जो कई लोगों के लिए बहुत उपयोगी होंगी।

Machine Translated by Google

फर्स्ट रे ऊर्जा के दुरुपयोग को अधिकांश हिंसा और अपराध के कारण के रूप में भी देखा जा सकता है, जहां एक व्यक्ति की इच्छा दूसरे पर अनुचित तरीके से थोपी जाती है। दुर्भाग्य से, जनसंचार माध्यमों के माध्यम से, अन्य लोगों के प्रति इच्छा की अभिव्यक्ति को एक्शन और डरावनी फिल्मों में भी महिमामंडित किया जाता है। "टर्मिनेटर" होना इतना लोकप्रिय हो गया है कि यह स्कूल में गोलीबारी की घटनाओं जैसे दुखद तरीकों से फर्स्ट रे ऊर्जा के दुरुपयोग को प्रोत्साहित करता है।

फर्स्ट रेज़ के मुद्दों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा
किसी भी अन्य किरणों की तुलना में क्योंकि यह वह ऊर्जा है जो सबसे अधिक समस्याओं का कारण बनती है और व्यक्तियों और राष्ट्रों के लिए सबसे नकारात्मक कर्म का निर्माण करती है।

वास्तव में, फर्स्ट रे ऊर्जा के दुरुपयोग को बढ़ाने के बजाय कम करने के लिए किसी भी स्कूल के पाठ्यक्रम में "क्रोध प्रबंधन" पाठ्यक्रम शामिल किया जाना चाहिए।

दूसरी किरण: प्रेम-ज्ञान की ऊर्जा, जो मानवीय स्थिति को बेहतर ढंग से समझने और मानवीय गरिमा को ऊपर उठाने की इच्छा पैदा करती है।

दूसरी किरण के ऊर्जा-समृद्ध पैटर्न वाले व्यक्ति सामाजिक व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान का उपयोग करने के लिए समर्पित हैं। दूसरी किरण की ऊर्जा वाली आत्माएं सामाजिक अन्याय और पीड़ा को समाप्त करने के अंतिम लक्ष्य के साथ, सक्रिय रूप से समाज की मदद करने की इच्छा से प्रेरित होती हैं। वे अक्सर करिश्माई, व्यावहारिक व्यक्ति होते हैं जो सहानुभूति प्रदर्शित करते हैं। वे दुनिया के शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। कई बार, उन्होंने लिखित रचनाएँ लिखीं जो उस युग की सामाजिक स्थितियों का प्रतिनिधित्व करती थीं।

दूसरे रे के प्रकारों के ऐतिहासिक उदाहरणों में महात्मा गांधी, विलियम शेक्सपियर, कार्ल जंग, लाउ त्से, लियो टॉल्स्टॉय, कृष्णमूर्ति और निकोलाई गोगोल शामिल हैं। अहतुन रे ने संकेत दिया है कि टॉक शो होस्ट ओपरा विन्फ्रे, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति अल गोर सेकेंड रे प्रकार के हैं।

Machine Translated by Google

तीसरी किरण: रचनात्मक बुद्धि की ऊर्जा, जो उत्पादन करती है
ऐसी वस्तुएँ बनाने की इच्छा जिनका व्यावहारिक मूल्य हो।

तीसरी किरण की ऊर्जा से चिह्नित आत्माएं व्यावहारिक अनुप्रयोगों में विज्ञान, गणित और अन्य विषयों का उपयोग करती हैं। वे दुनिया के इंजीनियर और वास्तुकार होने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के निर्माता भी हैं। इतिहास के उदाहरणों में अलेक्जेंडर ग्राहम बेल, मैडम क्यूरी और एंटोनी लावोइसियर शामिल हैं। अहतुन रे ने प्रस्तावित किया है कि थॉमस एडिसन और फ्रैंक लॉयड राइट थर्ड रे के प्रकार थे। अर्थशास्त्रियों को तीसरी किरण की ऊर्जा को व्यक्त करने वाले के रूप में भी देखा जा सकता है। दुनिया के सबसे प्रसिद्ध आर्थिक सिद्धांतकारों में से एक, एडम स्मिथ की पुष्टि अहतुन रे ने आज के संयुक्त राज्य अमेरिका के अर्थशास्त्री जेफरी सैक्स, द एंड ऑफ पॉवर्टी: इकोनॉमिक पॉसिबिलिटीज फॉर आवर टाइम के लेखक के रूप में की है।

चौथी किरण: कलात्मक ऊर्जा और सौंदर्य।

चौथी किरण की आत्माएं दुनिया के कलाकार, संगीतकार और अभिनेता हैं। इतिहास के चौथे रे प्रकारों में लियोनार्डो दा विंची, पाब्लो पिकासो, पॉल गाउगिन, वोल्फगैंग अमाडेस मोजार्ट, लुडविग वान बीथोवेन, फ्रेड्रिक चोपिन, जिमी हेंड्रिक्स और लुई आर्मस्ट्रांग शामिल हैं। वर्तमान भारत में, अभिनेता अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान चौथी किरण के प्रकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

फोर्थ रे टाइप में हैंस क्रिश्चियन एंडरसन और एडवर्ड ग्रिग भी शामिल हैं, ऐसे कलाकार जिनका आज भी पुनर्जन्म हुआ है। हंस क्रिश्चियन एंडरसन का जन्म 1805 में डेनमार्क में हुआ था।

एक बच्चे के रूप में, उन्हें कहानियाँ सुनाना और नाटक बनाने के लिए कठपुतलियों का उपयोग करना बहुत पसंद था, यहाँ तक कि उन्होंने एक मंच भी बनाया जहाँ उनके कठपुतली पात्र अभिनय करते थे।
एक युवा व्यक्ति के रूप में, नाजुक और स्त्री स्वभाव वाले एंडरसन को अक्सर उसके दोस्त चिढ़ाते थे, जो उससे सवाल करते थे कि वह लड़का है या लड़की।

एक वयस्क के रूप में, एंडरसन ने बड़े पैमाने पर यात्रा की और अपनी यात्राओं के बारे में कहानियाँ लिखीं, जो प्रसिद्ध यात्रा रिकॉर्ड बन गईं। फिर उन्होंने लिखा

Machine Translated by Google

थम्बेलिना, द अग्ली डकिंग और द प्रिंसेस एंड द पीआ जैसी परीकथाएँ और कहानियाँ, जो साहित्यिक क्लासिक्स बन गईं।

अपने जीवन के बाद में, वह इंग्लैंड गए और कुछ सप्ताह तक चार्ल्स डिकेंस के साथ रहे। डिकेंस, जैसा कि हमने बॉर्न अगेन के पहले भाग में चर्चा की थी, का पुनर्जन्म हैरी पॉटर श्रृंखला की लेखिका जेके राउलिंग के रूप में हुआ है। 1875 में एंडरसन की मृत्यु हो गई।

हंस क्रिश्चियन एंडरसन का एरिक के रूप में पुनर्जन्म हुआ है

बर्गलुंड, एक कहानीकार और अंतर्राष्ट्रीय एल्बम रिकॉर्डिंग वाले कलाकार। एरिक ने अपने और एंडरसन के बीच कई समानताएँ देखी हैं। उदाहरण के लिए, एरिक याद करते हैं कि उनकी युवावस्था में लोग अक्सर सोचते थे कि वह लड़का है या लड़की। इसके अलावा, उन्हें कहानी कहने का गहरा शौक है और एंडरसन की तरह वह भी कम उम्र से ही कठपुतली कलाकार रहे हैं। मिनेसोटा के मूल निवासी, जहां स्कैंडिनेविया के कई अप्रवासी संयुक्त राज्य अमेरिका में बस गए, एरिक न्यूयॉर्क शहर चले गए। वहां उन्होंने सेंट्रल पार्क स्थित एक थिएटर में बड़ी संख्या में दर्शकों के लिए कठपुतली शो प्रस्तुत किया, जिसमें सैकड़ों बच्चे शामिल थे।

दशकों पहले इसी समय एरिक को अपने अतीत का पता चला था

अवतार. न्यूयॉर्क में रहने के दौरान उनकी नजर हंस क्रिश्चियन एंडरसन की एक मूर्ति पर पड़ी। उन्होंने अपने और मूर्ति के बीच आश्चर्यजनक शारीरिक समानताएँ देखीं। इसके अलावा, उस पल में, एरिक सहज रूप से और निश्चित रूप से जानता था कि वह अपने पिछले जीवन में एंडरसन था। इसके बाद के वर्षों में, उन्होंने यह जानकारी अपने तक ही सीमित रखी।

जीवन चलता रहा और न्यूयॉर्क में रहते हुए एरिक ने यह सीखा

उन्होंने आयरिश वीणा बजाई और जल्द ही वह रिकॉर्ड एल्बम जारी करने वाले संगीतकार बन गए। एंडरसन की तरह, उन्होंने फिर बहुत यात्रा की, दुनिया भर में संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उनके प्रदर्शन में, उनका वीणा संगीत उनके कहानी कहने के कौशल के साथ जुड़ा हुआ है।

मैं एरिक से 2007 में मिला था और मैं गवाही दे सकता हूं कि, एक कहानीकार के साथ-साथ एक संगीतकार के रूप में, वह अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली है। पुनर्जन्म में मेरी रुचि को जानकर, एरिक

Machine Translated by Google

एंडरसन के साथ उसके पिछले जीवन के संबंधों के बारे में उसकी कहानी मेरे साथ साझा करें। बाद में, केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि एरिक वास्तव में हंस क्रिश्चियन एंडरसन का पुनर्जन्म था। एरिक इस समय सार्वजनिक मंचों पर अपने पुनर्जन्म मामले पर चर्चा कर रहे हैं।

एरिक ने मुझे पॉल नाम के एक कनाडाई संगीतकार के बारे में बताया आर्मिटेज, जो स्पष्ट रूप से मानते थे कि वह नॉर्वेजियन संगीतकार एडवर्ड ग्रिग का पुनर्जन्म हो सकते हैं।

ग्रिग का जन्म 1843 में हुआ और मृत्यु 1907 में हुई।

पॉल ने ग्रिग के रूप में अपनी कथित पिछले जीवन की पहचान के संबंध में एक पुस्तिका लिखी है। अपनी कहानी में, पॉल बताते हैं कि वह आध्यात्मिक सहित कई त्योहारों और सम्मेलनों में एक कीबोर्ड संगीतकार के रूप में प्रदर्शन करते हैं। इसके अलावा वह ग्राहकों के लिए "म्यूजिकल सोल पोर्ट्रेट्स" भी बनाते हैं, जो उनकी आजीविका कमाने के तरीकों में से एक है।

अप्रैल 2001 में, मानसिक प्रतिभा की एक महिला की पॉल से आध्यात्मिक मुलाकात हुई कैलिफोर्निया के माउंट शास्ता में त्योहार। पॉल द्वारा रचित एक म्यूजिकल सोल पोर्ट्रेट को सुनने के बाद, इस मानसिक व्यक्ति ने, ध्यान की स्थिति में, कागज के एक टुकड़े पर "ग्रिग" शब्द लिखा और पॉल को दे दिया।

पॉल बताते हैं कि कई मौकों पर, उनके संगीत समारोहों या आध्यात्मिक सम्मेलनों के बाद, लोगों ने उनके सामने पिछले जीवन की पहचान का प्रस्ताव रखा है।

उदाहरण के लिए, किसी ने एक बार उनसे कहा था कि वह बीथोवेन का पुनर्जन्म थे, जबकि अन्य ने उन्हें मोजार्ट का पुनर्जन्म माना था। पॉल हमेशा अपने दिल में जानता था कि उसकी प्रस्तावित पिछले जीवन की पहचान सच नहीं थी। इसलिए, जब पॉल को "ग्रिग" शब्द वाला एक पेपर दिया गया तो जो हुआ वह पूरी तरह से अप्रत्याशित था।

पॉल ने साझा किया कि जब उन्होंने "ग्रिग" शब्द पढ़ा, तो उनमें उछाल आ गया उनके शरीर में गहरी भावनात्मक ऊर्जा दौड़ गई और निकटता की भावना महसूस हुई जो किसी दूसरी दुनिया से महसूस होती थी। अपनी कहानी में, पॉल ने लिखा है कि यह एक डेजा वु अनुभव के समान है, केवल कुछ भी 'याद' नहीं किया जाता है। इस प्रकार की प्रतिक्रिया न्यूरोसर्जन और न्यूरोसर्जन द्वारा भी अनुभव की जाती है

Machine Translated by Google

TENS यूनिट के आविष्कारक, डॉ. नॉर्म शीली, पीएच.डी., जब उसने पहली बार जॉन इलियटसन का नाम सुना, जो पिछले जन्म में उसकी पहचान थी।
इसे पिछले अध्याय बॉर्न अगेन में समझाया गया था।

कुछ सप्ताह बाद, जब पॉल कनाडा के वैंकूवर में अपने घर लौटा, तो वह अपनी कार चला रहा था और गलती से उसने अपना रेडियो एक शास्त्रीय संगीत चैनल पर चालू कर दिया। हालाँकि पॉल को एक शास्त्रीय संगीतकार के रूप में प्रशिक्षित किया गया था, वह अब इस प्रकार का संगीत शायद ही कभी सुनता हो। हालाँकि, रेडियो पर बजने वाले संगीत का उन पर गहरा प्रभाव पड़ा। उस क्षण के बारे में, पॉल ने लिखा: "मैंने रेडियो पर एक शास्त्रीय संगीत गीत बजते हुए देखा

सचमुच मुझे झकझोर कर रख दिया।

मैंने इस गीत के बारे में पहले कभी नहीं सुना है, न ही इस संगीत का शीर्षक या संगीतकार जानता हूँ। लेकिन जब मैं अपनी कार में बैठा और इसे सुन रहा था तो मैं इस संगीत की सुंदरता में इतना खोया हुआ और खोया हुआ था।

जब मैं सुनता हूं, तो मुझे इस गीत के हार्मोनिक भाग की एक विशेष विशेषता स्पष्ट रूप से याद आती है, जो एक संगीतकार के रूप में मेरे भीतर पूरी तरह से गूंजती है।

रेडियो उद्घोषक ने बाद में कहा कि संगीत तैयार किया गया था
एडवर्ड ग्रिग द्वारा। हालाँकि पॉल इस अनुभव से प्रभावित हुआ, फिर भी उसने ग्रिग के बारे में जानने का प्रयास नहीं किया। जब पॉल अपने एक मित्र से मिलने गया और ग्रिग से संबंधित घटनाओं का वर्णन किया, तभी उसके मित्र ने संगीत का एक विश्वकोश निकाला। पॉल जब ग्रिग का चित्र देखता है तो आश्चर्यचकित हो जाता है, क्योंकि पॉल का चेहरा उससे उल्लेखनीय रूप से मिलता जुलता है। न केवल उसके चेहरे की बनावट बहुत सुसंगत थी, बल्कि पॉल, जो अभी भी जवान था, के बाल भी ग्रिग की तरह घने, सफेद थे। पॉल ने यह भी देखा कि ग्रिग की संगीत रचना शैली उनसे काफी मिलती-जुलती थी, एक ऐसा अवलोकन जिसे मैं स्वयं इन दो कलाकारों की रचनाओं को सुनने के बाद मजबूत करने में सक्षम था।

अब मैं एक कहानी साझा करना चाहता हूं जो इंगित करती है कि एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक भी पॉल की कहानी का हिस्सा था। यूरोप में रहते हुए, अपने नियंत्रण से परे परस्पर संबंधित घटनाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से, पॉल अंततः

Machine Translated by Google

एडवर्ड ग्रिग के घर का दौरा करने में सक्षम था और वहां उन्हें ग्रिग के भव्य पियानो को बजाने की विशेष अनुमति दी गई थी।
इस घर वापसी कार्यक्रम में एक तस्वीर ली गई थी. इस फोटो के बैकग्राउंड में दीवार पर एक पुराना चित्र लटका हुआ देखा जा सकता है, जिसमें ग्रिग को अपने सफेद बालों को पीछे खींचकर वही पियानो बजाते हुए दिखाया गया है। वर्तमान में कैप्चर की गई तस्वीर के फोकस में, पॉल ग्रिग का पियानो बजा रहा है, उसी चेहरे की प्रोफ़ाइल और समान बालों के साथ, एक दर्पण जैसी छवि बना रहा है। यह एक रोमांचकारी छवि है.

2007 में केविन रायर्सन के साथ एक बाद के सत्र में, मैंने अहतुन से पूछा यदि पॉल वास्तव में ग्रिग का पुनर्जन्म था। मुझे यह रेखांकित करने की आवश्यकता है कि अहतुन रे किसी के पिछले जीवन की पहचान के प्रस्ताव को स्वचालित रूप से मंजूरी नहीं देता है। अक्सर, उन्होंने कहा कि उनकी प्रस्तावित पिछले जीवन की पहचान गलत थी। अहतुन रे के साथ 6 वर्षों तक काम करते हुए, उनकी निश्चितता के बारे में मेरे निष्कर्षों पर भरोसा किया जा सकता है।

इस मामले में अहतुन रे ने पुष्टि की कि पॉल आर्मिटेज वास्तव में एडवर्ड ग्रिग का पुनर्जन्म था। एरिग बर्गलुंड की तरह, पॉल अब अपने पुनर्जन्म मामले पर खुलकर चर्चा करते हैं। इसके अलावा, एरिक और पॉल ने विभिन्न संगीत कार्यक्रमों में एक साथ प्रदर्शन किया। मेरी राय में, हम वास्तव में भाग्यशाली हैं कि हम एक बार फिर हंस क्रिश्चियन एंडरसन और एडवर्ड ग्रिग की प्रतिभा का आनंद लेने में सक्षम हैं। हमारे पात्रों के बारे में अधिक जानने के लिए, आप यहां खोज सकते हैं: www.

erikberglund.com और www.paularmitagemusic.com।

माइकल एंजेलो इतिहास के सबसे प्रसिद्ध कलाकारों में से एक हैं, और कोई उनसे फोर्थ रे प्रकार की श्रेणी में आने की उम्मीद करेगा। बेंजामिन क्रेम द्वारा यह भी सुझाव दिया गया है कि माइकल एंजेलो ने फर्स्ट रे की ऊर्जा का भी प्रदर्शन किया, जो माइकल एंजेलो के कार्यों, जैसे डेविड की मूर्ति, सिस्टिन चैपल के भित्तिचित्र और बेसिलिका के गुंबद द्वारा प्रदर्शित विशाल पैमाने और शक्ति में प्रकट हुई। सेंट पीटर का.

माइकल एंजेलो ने पॉल-फेलिक्स मोंटेज़ के व्यक्तित्व में आधुनिक जीवन में पुनर्जन्म लिया है, जिन्होंने एक बार फिर "महान कलाकृति" का निर्माण किया।
माइकल एंजेलो/मोंटेज़ मामले पर बाद में जादुई बच्चों पर एक अध्याय में चर्चा की जाएगी।

Machine Translated by Google

पाँचवीं किरण: विज्ञान की ऊर्जा, जो उत्पादन करती है
यह समझने की इच्छा कि ब्रह्मांड कैसे काम करता है।

जिन व्यक्तियों की ऊर्जा पद्धति पाँचवीं किरण से समृद्ध होती है वे दुनिया के रसायनज्ञ, जीवविज्ञानी और भौतिक विज्ञानी बन जाते हैं। पांचवीं किरण की ऊर्जा वाली आत्माएं भौतिक दुनिया के रहस्यों को उजागर करने की इच्छा के साथ पैदा होती हैं। पाँचवीं किरण वाली आत्माएँ व्यावहारिक वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी निर्माता हैं। पाँचवीं किरण प्रकार शुद्ध विज्ञान और सिद्धांत के दायरे में अधिक रहता है। अहतुन रे ने प्रस्तावित किया है कि अल्बर्ट आइंस्टीन और निकोलस कोपरनिकस पांचवीं किरण के प्रकार थे।

वैसे, कॉपरनिकस का पुनर्जन्म हो चुका है और अब वह वही काम कर रहा है जो उसने अतीत में किया था। कॉपरनिकस एक बार फिर ग्रहों की गति पर एक वैश्विक विशेषज्ञ है और उसने नासा के मार्स रोवर प्रोजेक्ट के नेता के रूप में कार्य किया है। अहतुन रे ने पुष्टि की है कि कोपरनिकस का पुनर्जन्म कॉर्नेल विश्वविद्यालय में खगोल विज्ञान के प्रोफेसर स्टीवन डब्ल्यू स्क्वॉयरेस के रूप में हुआ है।

कॉपरनिकस की तरह, स्क्वॉयर को हमारे सौर मंडल के ग्रहों और चंद्रमाओं जैसी बड़ी वस्तुओं में रुचि थी। वह कार्ल सागन के छात्र थे। सागन, अपने पिछले अवतार में, हमें याद है, अमेरिका के पहले खगोलशास्त्री डेविड रिटेनहाउस थे।

कोपरनिकस/स्क्वायर और दोनों के पुनर्जन्म के मामले
रिटनहाउस/सागन अपने करियर पथ में उल्लेखनीय समानताएँ दिखाते हैं, आंशिक रूप से उनके अवतारों में पाँचवीं किरण की ऊर्जा की अभिव्यक्ति के कारण। हालाँकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि कुछ व्यवसायों में विभिन्न ऊर्जा किरणों वाले लोग शामिल हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, मेडिकल डॉक्टर फिफ्थ रे टाइप में आ सकते हैं यदि वे अनुसंधान-उन्मुख हैं, जिसमें थर्ड रे टाइप भी शामिल है यदि वे मेडिकल आविष्कारक हैं, सेकेंड रे टाइप यदि वे चिकित्सा से संबंधित सामाजिक और नैतिक मुद्दों में रुचि रखते हैं, या सेकेंड रे टाइप में आते हैं। रे प्रकार यदि वे चिकित्सा से संबंधित सामाजिक और नैतिक मुद्दों में रुचि रखते हैं। पहला यह कि क्या उनका रुझान मेडिकल स्टाफ लीडर या अस्पताल निदेशक बनने का है।

छठी किरण: भक्ति की ऊर्जा, जो पैदा करती है

Machine Translated by Google

धर्म के लिए, या किसी मिशन के लिए, या दूसरों के लिए सेवा करने की इच्छा।

ऐसे व्यक्ति जिनके पास बहुत अधिक छठी किरण ऊर्जा थी, वे बन गए
दुनिया के पुजारी, रब्बी और विद्वान। दैनिक स्तर पर, छठी किरण की भक्ति की ऊर्जा को मातृ प्रकाश या मातृवादी वृत्ति के रूप में देखा जा सकता है। आमतौर पर माताओं और महिलाओं में अपने बच्चों और अपने परिवार, अपने प्रियजनों के प्रति समर्पित होने की प्रवृत्ति होती है। मदर टेरेसा छठी किरण प्रकार का एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं, जिन्होंने न केवल ईसाई चर्च की सेवा की, बल्कि खुद को उन लोगों की सेवा के लिए भी समर्पित कर दिया जो बीमार हैं।

अन्य प्रकार की छठी किरणों के ऐतिहासिक उदाहरणों में सेंट थॉमस, सेंट ऑगस्टीन, थॉमस एक्विनास, सेंट जॉन द क्रॉस और पोप पॉल जॉन II शामिल हैं। पैगंबर मूसा को छठी किरण के एक प्रकार के रूप में भी देखा जा सकता है, हालांकि वह यहूदी राष्ट्र के नेता के रूप में पहली किरण के गुणों को भी प्रदर्शित करते हैं।

अहतुन रे ने संकेत दिया है कि मार्टिन लूथर किंग, एक ईसाई मंत्री, जिन्होंने अहिंसक प्रदर्शनों के माध्यम से अमेरिका को नस्लीय भेदभाव से बाहर निकाला, छठे रे प्रकार के थे। किंग ने अफ्रीकी अमेरिकियों को गुलामी के अवशेषों से बाहर निकालने के लिए ईसाई चर्च और धर्म को अपने वाहन के रूप में इस्तेमाल किया।

छठी किरण प्रकार की प्रबुद्ध आत्मा का एक उदाहरण है
यीशु, जिन्हें उनके शिष्यों द्वारा रब्बी कहा जाता था, लेकिन बाद में उन्होंने धार्मिक मतभेदों को पार कर लिया। दिलचस्प बात यह है कि, स्वयं यीशु के भी पिछले अवतार थे, जिनमें पुराने नियम में दर्ज एक अवतार भी शामिल है, जिसकी चर्चा बाद के अध्याय में की जाएगी।

सातवीं किरण: संगठनात्मक ऊर्जा, जो प्रभावी प्रणाली बनाने की इच्छा पैदा करती है।

सातवीं किरण ऊर्जा से समृद्ध लोग ऐसे सिस्टम और संगठन बनाना पसंद करते हैं जो गतिशील परिणाम देते हैं। सातवीं किरण प्रकार व्यवस्थित करना पसंद करते हैं

Machine Translated by Google

एक कुशल कार्यशील इकाई में भागों को अलग करना। सातवें रे की आत्माओं का झुकाव उन संगठनों की ओर हो सकता है जहां कार्य प्रणाली बनाने और लागू करने का अवसर हो जैसे कि सरकार या अन्य बड़े संगठनों में। राजनीतिक वैज्ञानिक जो कानून बनाने का आनंद लेते हैं जो समाज को प्रभावी ढंग से कार्य करने में मदद कर सकता है, उन्हें भी सातवें रे प्रकार के रूप में माना जा सकता है। जबकि प्रथम रे प्रकार संगठन का नेता बनना चाह सकता है, सातवीं किरण प्रकार संगठन और प्रणाली का निर्माता है।

यदि हम एक संगीत सादृश्य का उपयोग करते हैं, जहां चौथा रे प्रकार हो सकता है एक एकल संगीतकार होने के नाते, एक विशेष उपकरण के साथ सुंदर संगीत बनाने के लिए, सेवेंथ रे प्रकार एक कंडक्टर बनना चुनता है जो एक संयुक्त और जटिल ध्वनि बनाने के लिए कई संगीत वाद्ययंत्रों का आयोजन करता है। टेलीविजन शो या फिल्मों के निर्माता जो लेखकों, अभिनेताओं, संगीतकारों, कैमरामैन और अन्य लोगों को एक साथ मिलाते हैं, उन्हें सातवें रे प्रकार के रूप में देखा जा सकता है। सातवीं किरणों की आत्माओं ने सोचा कि एक टीम एक व्यक्ति की तुलना में अधिक परिणाम दे सकती है।

अमेरिकी क्रांति से सातवें रे प्रकार के उदाहरण अगले भाग में दिए जाएंगे।

सेवन रेज़ मॉडल व्यक्तित्व को समझने में उपयोगी है,
जो एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल तक सुसंगत रहता है।
कौन सी रोशनी या किरणें आपकी पहचान हैं?
यह काफी हद तक और इसलिए किरणें हैं जिन्हें आप पहचानते हैं और प्रकट करते हैं जो आपको एक अवतार से दूसरे अवतार में अलग करेगी। जैसा कि पहले ही चर्चा की जा चुकी है, प्रकट किरणों में, हम स्वयं को प्रकाश के विभिन्न रंग संयोजनों को उत्सर्जित करने वाले फव्वारे के रूप में देखते हैं।

क्योंकि हम सभी के पास एक विशेष ऊर्जा स्पेक्ट्रम है
बाकियों से भिन्न, हममें से प्रत्येक के पास विकास का एक अलग मार्ग है। प्रथम किरण के प्रभुत्व वाला व्यक्ति विकास का जो मार्ग व्यक्त करता है, वह उससे भिन्न होगा

Machine Translated by Google

ऐसे व्यक्ति जो चौथी किरण की ऊर्जा को व्यक्त करते हैं।
पहली किरणें जीवन की उन अवधियों का अनुसरण करेंगी जहां नेतृत्व और इच्छाशक्ति को व्यक्त किया जा सकता है, जबकि चौथी किरण के प्रकार विभिन्न प्रकार के अवतारों के माध्यम से कलात्मक क्षमताओं का विकास करेंगे। जीवन की विविधता और समृद्धि उन योगदानों की विविधता से आती है जो सात अलग-अलग किरणें हमारी दुनिया में करती हैं।

सात किरणें व्यक्तित्व मॉडलों में से एक हैं जो भिक्षुओं और आत्माओं को समझने में उपयोगी हैं। मोनाड एक प्रिज्म के रूप में कार्य करता है जो भगवान की सफेद रोशनी को एक अद्वितीय स्पेक्ट्रम में अलग करता है। भिक्षु इस ऊर्जा को आत्मा तक पहुंचाता है।

आत्मा, बदले में, भौतिक शरीर पर केंद्रित एक होलोग्राम बनाती है, एक होलोग्राम जिसमें मोनैड और आत्मा ऊर्जा के स्पेक्ट्रम के साथ-साथ प्रतिभा और क्षमताएं होती हैं जो आत्मा ने अपने अवतारों के माध्यम से जमा की हैं।

मैं अब हमारे भिक्षुओं और आत्माओं के निर्माण के संबंध में एक नई अवधारणा पेश करना चाहूंगा, अर्थात् द्विध्रुवीय जोड़े की, जिसके लिए सात किरणों की इस अवधारणा का उपयोग किया जाएगा।